THE LARGEST CIRCULATED AND READ HINDI DAILY IN TELANGANA & ANDHRA PRADESH

स्वतंत्र वार्ता

epaper.vaartha.com

वर्ष-28 अंक : 39 (हैदराबाद, निजामाबाद, विशाखापट्टणम, तिरुपति से प्रकाशित) वैशाख शु.8 2080 शुक्रवार, 28 अप्रैल 2023

प्रधान संपादक - डॉ. गिरीश कुमार संघी हैदराबाद नगर पृष्ठ : 16 मूल्य : 8 रुपये

कांग्रेस मतलब है भ्रष्टाचार की गारंटी

पीएम ने 50 लाख बीजेपी कार्यकर्ताओं को वर्चुअल संबोधित किया

बेंगलुरू, 27 अप्रैल (एजेंसियां)। पीएम ने आज कर्नाटक के 50 लाख बीजेपी कार्यकर्ताओं को वर्चुअल माध्यम से संबोधित करते हुए कांग्रेस पर चुनावी वादे पूरे न करने का आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि कांग्रेस का मतलब है झूठी गारंटी, कांग्रेस का मतलब है भ्रष्टाचार की गारंटी। इसके जवाब में खड़गे ने पूछा कि क्या पीएम मोदी के पास यह साबित करने के लिए कोई डेटा है कि कांग्रेस के वादे पूरे नहीं हुए। बीजेपी आईटी सेल के हेड अमित मालवीय ने खड़गे के बयान का वीडियो ट्वीट करते हुए लिखा कि इससे कांग्रेस की हताशा दिख रही है। कांग्रेस अध्यक्ष ने पीएम मोदी को जहरीला सांप कहा है।

कांग्रेस लगातार गर्त में उतरती जा रही है। इस हताशा से पता चलता है कि कांग्रेस कर्नाटक में जमीन खो रही है।

कांग्रेस ने मोदी पर निशाना साधा

कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर जमकर निशाना साधा। कर्नाटक के कलबुर्गी में गुरुवार को चुनावी सभा को संबोधित करते हुए खड़गे ने कहा, पीएम मोदी की बातों पर विश्वास किया तो कुछ मिलने वाला नहीं है। इसके बाद रोन में हुई सभा में खड़गे ने कहा कि भ्रष्ट भाजपा सरकार राज्य को लूट रही है। यहां हर काम के लिए 40 प्रतिशत कमीशन वसूला जाता है। भाजपा की सरकार उन लोगों को देश से भगाने में मदद करती है, जिन पर घोटालों का आरोप लगा होता है। पीएम खुद भ्रष्ट लोगों को बचाने में लगे हैं।

पीएम ने निराशा में की अपमानजनक टिप्पणी :

वहीं, कांग्रेस नेता जयराम रमेश ने ट्वीट कर कहा कि 10 मई को कर्नाटक की जनता बीजेपी के 40 प्रतिशत कमीशन वाली सरकार को खत्म करने की गारंटी देगी। राज्य में कांग्रेस की गारंटी लागू की जाएगी, जैसे हमने राजस्थान, छत्तीसगढ़ और हिमाचल प्रदेश में की है।

इस साल 8 बार कर्नाटक का दौरा कर चुके हैं पीएम

इस साल पीएम मोदी चुनाव प्रचार से पहले कर्नाटक का आठ बार दौरा कर चुके हैं। आखिरी बार उन्होंने 9 अप्रैल को यहां का दौरा किया था। उ

ससे पहले वह 25 मार्च को भाजपा की राज्यव्यापी 'विजय संकल्प यात्रा' के समापन के मौके पर कर्नाटक के दावणगेरे पहुंचे थे और एक रोड शो के बाद जनसभा को संबोधित किया था।

पीएम मोदी के बयान पर जयराम रमेश ने कहा कि पीएम ने यह टिप्पणी निराशा और हताशा में की है। जयराम ने लिखा कि गृह मंत्री अमित शाह और यूपी के सीएम योगी के बाद अब पीएम मोदी निराशा की वजह से अपमानजनक टिप्पणी कर रहे हैं। जयराम की प्रतिक्रिया पीएम की टिप्पणी के कुछ ही घंटों बाद आई है।

जयराम रमेश ने कहा, राजस्थान में कांग्रेस ने पुरानी पेंशन योजना, 125 दिन का काम, स्वास्थ्य का अधिकार और चिरंजीवी योजना लागू की। हमारी पार्टी ने छत्तीसगढ़ में किसानों की कर्ज माफी, राजीव गांधी किसान न्याय योजना और पुरानी पेंशन योजना को पूरा किया। हमने 2013 में सरकार बनाई थी और 2018 तक सत्ता में थे। हमारे लगभग 100 प्रतिशत वादे पूरे किए गए हैं।

मनीष सिसोदिया की न्यायिक हिरासत 12 मई तक बढ़ी

नई दिल्ली, 27 अप्रैल (एजेंसियां)। दिल्ली की राउज एवेन्यू कोर्ट ने आबकारी नीति मामले में आप नेता और दिल्ली के पूर्व डिप्टी सीएम मनीष सिसोदिया की न्यायिक हिरासत 12 मई तक बढ़ा दी है। केस की जांच सीबीआई कर रही है। वहीं, सीबीआई केस में जमानत को लेकर दिल्ली हाईकोर्ट सुनवाई के दौरान बेंच ने सीबीआई से कहा कि अगर आपके पास वो सबूत हैं, जिन पर आपको भरोसा है, तो हमें भी दिखाएं।

दिल्ली के पूर्व उपमुख्यमंत्री मनीष सिसोदिया की जमानत याचिका पर दिल्ली की राउज एवेन्यू कोर्ट ने फैसला 28 अप्रैल तक टाल दिया है। ईडी केस में कोर्ट ने 18 अप्रैल को फैसला सुरक्षित रख लिया था। इसके पहले, सीबीआई ने पहली बार अपनी चार्जशीट में मनीष सिसोदिया का नाम आरोपी के तौर पर कोर्ट में पेश किया। सीबीआई ने मंगलवार को ही राउज एवेन्यू कोर्ट में चार्जशीट दाखिल की है।

समलैंगिक शादी में पत्नी कौन होगा : केंद्र

नई दिल्ली, 27 अप्रैल (एजेंसियां)। सेम सेक्स मैरिज को मान्यता देने वाली 20 याचिकाओं पर सुप्रीम कोर्ट में छठे दिन की सुनवाई खत्म हो गई है। मामले की अगली सुनवाई 3 मई को होगी। कोर्ट ने केंद्र सरकार से 3 मई तक जवाब मांगा है कि वे बताएं कि समलैंगिक जोड़ों को कानूनी मान्यता के बिना भी शादी की अनुमति दिए जाने से क्या फायदा होगा।

सुनवाई के दौरान केंद्र का पक्ष रखते हुए सॉलिसिटर जनरल (एसजी) तुषार मेहता ने पूछा कि समलैंगिक विवाह में पत्नी कौन होगा, जिसे भरण-पोषण का अधिकार मिलता है। गे या लेस्बियन मैरिज में पत्नी किसे कहेंगे। इस पर सीजेआई चंद्रचूड़ ने कहा कि अगर यह जिक्र सेम सेक्स मैरिज में लागू करने के लिए किया जा रहा है तो इसके मायने हैं कि पति भी रखरखाव का दावा कर सकता है, लेकिन अपोजिट जेंडर वाली शादियों में यह लागू नहीं होगा। सुनवाई सीजेआई डीवाई चंद्रचूड़, जस्टिस एसके कौल, जस्टिस रवींद्र भट, जस्टिस पीएस नरसिम्हा और जस्टिस हिमा कोहली की संवैधानिक बेंच कर रही है। स्पेशल मैरिज एक्ट केवल अपोजिट जेंडर वालों के लिए है। अलग आस्थाओं वालों के लिए इसे लाया गया। सरकार बाध्य नहीं है कि हर निजी रिश्ते को मान्यता दे। याचिकाकर्ता चाहते हैं कि नए मकसद के साथ नई क्लास बना दी जाए। इसकी कभी कल्पना नहीं की गई थी।

सरकार को किसी रिश्ते को मान्यता देने में धीमा चलना होगा, क्योंकि इस स्थिति में वह सामाजिक और निजी रिश्ते के मंच पर होता है। देखा जाए तो अपोजिट जेंडरवालों में शादियों को नियंत्रित नहीं किया जाता है, लेकिन समाज को लगता है कि आप लोगों को किसी भी उम्र में और कई बार शादी की इजाजत नहीं दे सकते। ऐसी कई चीजें हैं। अपोजिट जेंडर वाले समलैंगिकों को दिए जाने वाले बेनिफिट की मांग सकते हैं।

शिरडी शहर में एक मई से हड़ताल

अहमदनगर, 27 अप्रैल (एजेंसियां)। भारत के शीर्ष धार्मिक पर्यटन स्थलों में से एक छोटे शहर शिरडी के साईं बाबा के मंदिर में सीआईएसएफ की तैनाती के फैसले को लेकर विरोध किया जा रहा है। मंदिर प्रशासन और साईं भक्तों की ओर से प्रसिद्ध मंदिर में सीआईएसएफ की प्रस्तावित तैनाती के विरोध में 1 मई से अनिश्चितकालीन हड़ताल बंद का ऐलान किया गया है। अधिकारियों ने गुरुवार को यह जानकारी दी।

प्रसिद्ध साईं बाबा मंदिर के लिए नियोजित सीआईएसएफ सुरक्षा का संयुक्त रूप से विरोध कर रहे विभिन्न संगठनों ने यहां के सभी बाजारों, ट्रांसपोर्टरों, वाणिज्यिक और हॉस्पिटैलिटी उद्योग द्वारा बंद का आह्वान किया गया है। हालांकि, मंदिर के एक अधिकारी ने आईएएनएस को बताया कि श्री साईं बाबा संस्थान ट्रस्ट (एसएसएसटी) का शहरवासियों की हड़ताल से कोई लेना-देना नहीं है। एक अधिकारी ने नाम नहीं छापने की शर्त पर बताया कि साईं बाबा मंदिर और इसकी अन्य सभी सुविधाएं हमेशा की तरह काम करती रहेंगी। सीआईएसएफ सुरक्षा कब तैनात की जाएगी हमें इसकी जानकारी नहीं है। वर्तमान में महाराष्ट्र पुलिस यहां सुरक्षा कवच प्रदान कर रही है, और हमारे पास मेटल डिटेक्टर, सीसीटीवी इत्यादि जैसी अन्य सुरक्षा व्यवस्थाएं हैं। मुख्य साईं बाबा मंदिर 4.5 एकड़ में फैला हुआ है और अन्य एसएसएसटी की गतिविधियां लगभग 350 एकड़ में फैली हुई हैं, हालांकि सीआईएसएफ कवर केवल मंदिर क्षेत्रों तक ही सीमित रहेगा।

सड़क पर ईद की नमाज, 1700 पर एफआईआर

सरकारी काम में बाधा डालने का आरोप, मुस्लिम नेता बोले-हमें टारगेट किया जा रहा

कानपुर, 27 अप्रैल (एजेंसियां)। कानपुर में ईद की नमाज सड़क पर पढ़ने पर 1700 लोगों के खिलाफ 3 थानों में एफआईआर दर्ज हुई है। पुलिस का आरोप है कि रोक के बावजूद 22 अप्रैल को जाजमऊ, बाबूपुरवा और बड़ी ईदगाह बेनाझाबर के बाहर सड़क पर नमाज पढ़ी गई। जाजमऊ में 200 से 300, बाबूपुरवा में 40 से 50, बजरिया में 1500 नमाजियों के खिलाफ एफआईआर दर्ज की गई है। इनमें ईदगाह कमेटी के सदस्य भी शामिल हैं।

बेगमपुरवा चौकी प्रभारी बृजेश कुमार ने बताया, ईद से पहले पीस कमेटी की बैठक हुई थी। इसमें इलाके के लोगों को बताया गया था कि सड़क पर नमाज नहीं पढ़ी जाएगी। ईद की नमाज सिर्फ ईदगाह और मस्जिद के अंदर ही पढ़ी जाएगी। यह भी बताया गया था कि अगर भीड़ होने के कारण किसी नमाजी की नमाज छूट जाती है, तो उसकी नमाज दोबारा पढ़वाने का इंतजाम पुलिस की ओर से किया जाएगा।

धारा-144 लागू थी, इसका पालन नहीं किया गया :

22 अप्रैल को ईद के दिन सुबह 8 बजे ईदगाह में नमाज शुरू होने से ठीक पहले अचानक हजारों की भीड़ ईदगाह के सामने सड़क पर जमा हो गई। रोक के बावजूद सभी ने सड़क पर चटाई बिछाकर नमाज पढ़नी शुरू कर दी। पुलिस ने उन्हें रोकने का प्रयास किया, इसके बाद भी वे नहीं माने।

इस दौरान जिले में धारा-144 भी लागू थी। इसके चलते चौकी प्रभारी की शिकायत पर पुलिस ने ईदगाह कमेटी के सदस्यों और वहां नमाज पढ़ने वालों के खिलाफ गंभीर धाराओं में एफआईआर दर्ज करके जांच शुरू कर दी है। सीसीटीवी फुटेज से सड़क पर नमाज पढ़ने वालों की पहचान की जा रही है। बाबूपुरवा पुलिस ने नमाजियों के खिलाफ धारा-186 (सरकारी काम में बाधा डालना), धारा-188 (धारा-144 का उल्लंघन कर भीड़ जुटाना), धारा-283 (भीड़ जुटाकर रास्ता रोकना), धारा-341 (सदोष अवरोध) और लोक सेवा में बाधा डालना और धारा-353 के तहत केस दर्ज किया है। मरकजी ईदगाह बेनाझाबर में भी रोक के बावजूद सड़क पर नमाज पढ़ने पर ईदगाह कमेटी और उसके सदस्यों समेत 1500 लोगों के खिलाफ बजरिया थाने में एफआईआर दर्ज की गई। इसमें कहा गया, पुलिसकर्मियों के मना करने के बाद भी लोगों ने सड़क पर बैठकर नमाज पढ़ी, जिससे ट्रैफिक रुक गया और जाम लगने लगा।

'रोटी पलटने का समय है अब', शरद पवार ने दिए अजित पवार के पर कतरने के संकेत

मुंबई, 27 अप्रैल (एजेंसियां)। शरद पवार पॉलिटिकल फील्ड के गुलजार हैं। यह कहना गलत नहीं होगा। गुलजार के गाने जब पर्दे से गुजर जाते हैं, तब समझ आते हैं। पवार के बयान का भी एक मतलब तो सीधा होता है, एक मतलब गहरा होता है। बुधवार को दिए गए उनके बयान का मतलब यह निकलता है कि एनसीपी में अब अजित पवार के पर कतरने की शुरुआत हो चुकी है। उन्होंने कहा कि रोटी पलटने का वक्त आया है। अब और देर नहीं की जा सकती। नहीं पलटी तो जल जाएगी। शरद पवार मुंबई में एनसीपी के यूथ विंग को संबोधित कर रहे थे। मराठी में शरद पवार ने कहा,'भाकरी फिरवायची वेळ आलीय, विलंब करुन चालणार नाही, ती जर फिरवली नाहीतर ती करपते।' सीधा मतलब तो यह था कि युवा कार्यकर्ताओं को उन्होंने पार्टी और संगठन के लिए अच्छा काम करने पर महापालिका चुनावों में टिकट मिलने की उम्मीद है। गहरा मतलब यह है कि एनसीपी में अब अजित पवार की ताकत को कम किया जा सकता है।

अजित पवार को भावी सीएम बताने की होड़ के बीच उछला जयंत पाटील का नाम

अब इसे इत्तिफाक कहें या कुछ और एनसीपी के एक युवा और धाकड़ नेता और अभिनेता अमोल कोल्हे ने सांगली में बयान दिया है कि अगर कोई महाराष्ट्र का आदर्श मुख्यमंत्री हो सकता है तो वो जयंत पाटील ही हो सकते हैं। बता दें कि जयंत पाटील इस वक्त एनसीपी के प्रदेश अध्यक्ष हैं और अजित पवार विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष हैं। यानी अजित पवार के बीजेपी के साथ जाने की खबरों के बीच बहुत उम्मीद यह है कि शरद पवार अब जयंत पाटील

की पीठ पर हाथ रख सकते हैं।

अजित पवार के खिलाफ जयंत पाटील को सामने ला रहे शरद पवार?

अजित पवार और जयंत पाटील में आपसी प्रतिस्पर्धा कोई नई बात नहीं है। विधानसभा में एक स्टेटमेंट को लेकर जब उन्हें सस्पेंड किया जा रहा था, तब अजित पवार मौन थे। दूसरे दिन शरद पवार को उन्हें फोन करना पड़ा कि कम से कम विरोध तो जताएं, तब उन्होंने विधानसभा की सीढ़ियों पर बाकी एनसीपी विधायकों के साथ प्रदर्शन किया और मीडिया में बाइट देकर उस निलंबन को गलत बताया।

भावी सीएम के पोस्टर वार में भी जयंत पाटील अजित पवार

हाल ही में अजित पवार को भावी सीएम बनाने के पोस्टर जगह-जगह दिखाई दे रहे हैं। पहले उनके ससुराल धाराशिव में ऐसे पोस्टर दिखे। कल मुंबई, नवी मुंबई और नागपुर में इस तरह के पोस्टर और बैनर दिखाई दिए और आज उल्हासनगर में अजित पवार के इसी तरह के पोस्टर लगे हैं। लेकिन बता दें सबसे पहले ऐसे पोस्टर जयंत पाटील के लगे थे। इसी साल 16 फरवरी को उनके जन्मदिन के मौके पर उन्हें एनसीपी कार्यकर्ताओं ने भावी सीएम दर्शाते हुए पोस्टर लगाए थे। इसके दो दिनों बाद अजित पवार को भावी सीएम बताए जाने के पोस्टर लगने शुरू हो गए।

शरद पवार ने भावी सीएम के लिए अजित पवार को दिखाने की कवायद बताई बेकार

मंगलवार को शरद पवार से प्रेस कॉन्फ्रेंस में जब पत्रकारों ने इस बारे में पूछा कि क्या एनसीपी की योजना में अजित पवार को भावी सीएम बनाया जाना है, तो शरद पवार ने तपाक से कहा कि खुद अजित पवार ने ऐसे पोस्टर लगाए जाने को पागलपन बताया। इससे पहले भी जब पुणे के कसबा उप चुनाव के दौरान जब पोस्टरों में अजित पवार को भावी सीएम के तौर पर दिखाया गया था तो उन्होंने यही कहा था कि एनसीपी ने भावी सीएम के तौर पर किसी को प्रोजेक्ट नहीं किया है।

अजित पवार ने तुरंत दिया जवाब, हसन मुश्रिफ से की मुलाकात

ऐसा नहीं है कि अजित पवार को शरद पवार का यह दांव समझ नहीं आ रहा है कि उनके पर कतरने के लिए जयंत पाटील को आगे किया जा रहा है। ऐसे में अजित पवार भी शरद पवार पर दबाव बढ़ाने के लिए आज (गुरुवार) एनसीपी नेता हसन मुश्रिफ से मुलाकात कर रहे हैं। हसन मुश्रिफ मनी लॉन्ड्रिंग केस में फंसे हुए हैं। उनकी गिरफ्तारी से पहले जमानत पर सुनवाई है। बताया जा रहा है कि एनसीपी में हसन मुश्रिफ, सुनील तटकरे, प्रफुल्ल पटेल जैसे लोग, जिनके पीछे ईडी, इनकम टैक्स विभाग और सीबीआई लगी हुई है, अजित पवार के साथ खड़े हैं और बीजेपी के साथ जाने का समर्थन कर अपने लिए सेफ्टी वॉल्व तलाश रहे हैं।

अजित पवार के समर्थकों का मानना कोई गलत नहीं बीजेपी के साथ जाना

अजित पवार के समर्थकों का गुट शरद पवार को लगातार यह समझाने की कोशिश कर रहा है कि अगर एनसीपी शिवसेना के साथ जा सकती है तो बीजेपी के साथ जाने में कौन सा पहाड़ टूटने वाला है। शरद पवार असमंजस में हैं। शरद पवार और ममता बनर्जी जैसे नेताओं का अस्तित्व बीजेपी और कांग्रेस दोनों से दूरी बनाए रखने में है। इनमें जो ज्यादा शक्तिशाली हो, उनसे ज्यादा दूर दिखाई देने में है।

महाराष्ट्र में ही पवार अपना कंट्रोल खो दें तो राष्ट्रीय राजनीति का क्या होगा?

अगर शरद पवार महाराष्ट्र में बीजेपी के साथ चले जाते हैं, तो उनके राष्ट्रीय नेता होने के अस्तित्व का क्या होगा? दूसरी तरफ महाराष्ट्र में अपनी ही पार्टी पर उनका कंट्रोल हाथ से छूट रहा है। अगर उनके हाथ से राज्य में ही कंट्रोल चला जाता है तो राष्ट्रीय राजनीति में वो क्या खाक कुछ करेंगे? वैसे भी उनकी पार्टी अब राष्ट्रीय पार्टी नहीं रह गई है। राष्ट्र के बड़े नेता की उनकी छवि दांव पर लग जाएगी। राज्य में चाचा की पकड़ मजबूत रहे, इसके लिए भतीजे की पकड़ कमजोर करना जरूरी है।इसलिए रोटी घुमानी जरूरी है, वरना जल जाएगी। शरद पवार फिलहाल यही काम कर रहे हैं। अजित पवार के पर कतरने का इंतजाम कर रहे हैं।

लगातार तीसरे वर्ष श्री अमरनाथ की पवित्र गुफा में होगी ज्येष्ठ पूर्णिमा पर प्रथम पूजा

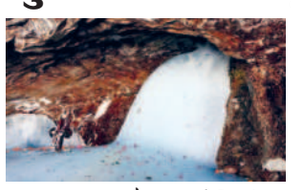

जम्मू, 27 अप्रैल (एजेंसियां)। श्री बाबा अमरनाथ एवं बूढ़ा अमरनाथ यात्री न्यास लगातार तीसरे वर्ष श्री अमरनाथ की पवित्र गुफा में ज्येष्ठ पूर्णिमा के पावर अवसर पर प्रथम पूजा अर्चना करेगा। इसके लिए श्री अमरनाथ श्राइन बोर्ड की तरफ से व्यवस्था की जाएगी। न्यास के महामंत्री सुदर्शन खजूरिया का कहना है कि शास्त्रों के अनुसार श्री अमरनाथ यात्रा ज्येष्ठ पूर्णिमा से शुरू होकर श्रावण पूर्णिमा तक चलती है। ऐसे में 2011 में विहिप और श्री बाबा अमरनाथ एवं बूढ़ा अमरनाथ यात्री न्यास ने ज्येष्ठ पूर्णिमा पर यात्रा शुरू करने के लिए अपनी तरफ से कवायद शुरू की थी। इस कवायद का परिणाम हुआ कि श्री अमरनाथ श्राइन बोर्ड ने न्यास के साथ सहमति जताई कि ज्येष्ठ पूर्णिमा पर श्री अमरनाथ की प्रथम पूजा का आयोजन किया जाएगा। 2011 से लेकर 2019 तक चंदनवाड़ी और पंजतरणी में प्रथम पूजा का आयोजन किया जाता रहा। 2020 में कोरोना संक्रमण के चलते जम्मू के चैतन्य आश्रम में प्रथम पूजा का आयोजन हुआ।

एक जुलाई से शुरू हो रही यात्रा

2021 के बाद श्री अमरनाथ की पवित्र गुफा में प्रथम पूजा का आयोजन होता आ रहा है। इस बार ज्येष्ठ पूर्णिमा तीन जून को है और यात्री न्याय प्रथम पूजा की तैयारी में जुटा हुआ है। उल्लेखनीय है कि श्री अमरनाथ यात्रा 2023 एक जुलाई से शुरू हो रही है।

सेना ने कमांड साइबर ऑपरेशंस

सपोर्ट विंग्स को संचालित करने का किया फैसला

नई दिल्ली, 27 अप्रैल (एजेंसियां)। सेना ने अपने ऑनलाइन नेटवर्क को आधुनिक बनाने के साथ-साथ उनकी प्रभावी सुरक्षा सुनिश्चित करने के अपने प्रयासों के तहत कमांड साइबर ऑपरेशन और सपोर्ट विंग को चालू करने का फैसला किया है। यह फैसला पिछले सप्ताह हुई सेना कमांडरों के सम्मेलन में लिया गया था। हाल ही में आयोजित हुए सेना कमांडरों के सम्मेलन में सेना ने यह फैसला किया है कि उन सैनिकों के कल्याण और जो सैनिक शहीद हो जाते हैं, उनके बच्चे और विशेष रूप से विकलांग बच्चों के कल्याण के लिए भरण-पोषण भत्ता दोगुना किया जाएगा। इसकी जानकारी भारतीय सेना के अधिकारियों ने दी है। भारतीय सेना के अधिकारियों ने कहा कि मिनी, सामरिक, झुंड और रसद ड्रोन, एंटी-ड्रोन उपकरण आदि जैसे विशिष्ट तकनीक और उपकरणों को शामिल करने के मद्देनजर, सेना कमांडरों के सम्मेलन ने रोजगार विकसित करने के लिए प्रमुख निदेशालयों और परीक्षण संरचनाओं को नामित करने का फैसला किया है।

सरकारी सूत्रों से मिली जानकारी के अनुसार, साइबर युद्ध क्षमताओं के विस्तार और ग्रेजोन के साथ-साथ पारंपरिक युद्ध की आवश्यकताओं को ध्यान में रखते हुए, सेना कमांडरों के सम्मेलन ने कमांड साइबर ऑपरेशंस एंड सपोर्ट विंग्स (सी.सी.ओ.एस.डब्ल्यू) को संचालित करने का निर्णय लिया गया है। ये संगठन भारतीय सेना की साइबर सुरक्षा स्थिति को मजबूत करने के लिए अनिवार्य साइबर सुरक्षा कार्यों को करने के लिए संरचनाओं की सहायता करेंगे।

बीएसएफ ने गिराया अटारी सीमा में घुसा ड्रोन

धनोए कलां के खेतों में मिले टुकड़े, हेरोइन भी बरामद

अमृतसर, 27 अप्रैल (एजेंसियां)। बीएसएफ के जवानों ने गुरुवार अटारी सीमा पर स्थित गांव धनोए कलां के पास पाकिस्तानी ड्रोन को गिरा दिया। सीमांत गांव इलाका में गश्त कर रही टुकड़ी ने रात करीब सवा दो बजे पाकिस्तानी तस्करों की कोशिश को एक बार फिर नाकाम कर दिया। इसके तुरंत बाद चलाए सर्च अभियान के दौरान बीएसएफ ने धनोए कलां गांव के बाहर स्थित खेतों में टूटा ड्रोन बरामद किया। इसके अलावा बीएसएफ ने हेरोइन के दो पैकेट (दो किलो) और अफीम के भी दो छोटे पैकेट बरामद किए। बीएसएफ प्रवक्ता के मुताबिक बीएसएफ के जवान भारत-पाक सीमा पर गश्त कर रहे थे। इस दौरान सीमांत गांव धनोए कलां इलाका में गश्त कर रहे बल के जवानों ने पाकिस्तान की तरफ से भारतीय क्षेत्र में घुसे ड्रोन की आवाज सुनी। बल के जवानों ने ड्रोन की आवाज वाली दिशा में निशाना लगाते हुए फायरिंग शुरू कर दी। इस दौरान ही जवानों ने किसी चीज के गिरने की आवाज सुनी। इसके तुरंत बाद ही जवानों ने इलाके को घेर लिया और बीएसएफ के सीनियर अधिकारियों को इस बारे में सूचित कर दिया। सूचना मिलते ही बीएसएफ के आला अधिकारी भी मौके पर पहुंच गए और सीमांत गांव धनोए कलां के बाहर स्थित खेतों में सर्च अभियान शुरू कर दिया। करीब तीन घंटे की सर्च के बाद जवानों ने खेत में काले रंग का (क्वाडोकॉप्टर डीजेआई मेट्रिस 300 आरटीके) टुकड़ों में टूटा ड्रोन मिला, जिसे बीएसएफ ने अपने कब्जे में ले लिया। सर्च के दौरान एक बड़ा पैकेट भी मिला, जिसके अंदर हेरोइन के दो पैकेट तथा अफीम के भी दो छोटे पैकेट बरामद किए। बीएसएफ ने उक्त दो किलो हेरोइन और करीब 170 ग्राम अफीम को अपने कब्जे में लेने के बाद इसकी सूचना पुलिस को दी। धनोए कलां गांव के बाहरवार स्थित खेतों में सर्च अभियान जारी है।

ड्रग तस्करी मामले में गिरफ्तार

'सड़क 2' की अभिनेत्री क्रिसन परेरा रिहा

यूएई की जेल में की गई थी कैद

मुंबई, 27 अप्रैल (एजेंसियां)। कथित ड्रग्स तस्करी मामले में संयुक्त अरब अमीरात के शारजाह की जेल में बंद अभिनेत्री क्रिसन परेरा को जेल से रिहा कर दिया गया है। परेरा पर एक ट्रॉफी में ड्रग्स छुपाकर लाने का आरोप लगा था। हालांकि, बाद में उनके ऊपर लगे आरोप झूठे पाए गए और आज उन्हें जेल से रिहा कर दिया गया। अभिनेता क्रिसन परेरा की रिहाई पर मुंबई पुलिस के ज्वाइंट कमिश्नर लखमी गौतम ने कहा कि अभिनेता के 48 घंटे के भीतर भारत लौटने की उम्मीद है। लखमी गौतम के मुताबिक शारजाह जेल में बंद क्रिसन परेरा के मामले की जांच क्राइम ब्रांच ने की थी। क्राइम ब्रांच ने 24 अप्रैल

को मामला दर्ज कर मामले के मुख्य आरोपी एंथनी पॉल और राजेश बोबाटे को गिरफ्तार कर लिया था गिरफ्तारी और मामले की जांच से जुड़ी पूरी रिपोर्ट विदेश मंत्रालय के साथ साझा की गई थी। विदेश मंत्रालय ने संयुक्त अरब अमीरात की सरकार और ड्रग्स इंफॉर्मेशन एजेंसी के साथ सूचना साझा की, जिसके बाद अभिनेत्री की रिहाई हो सकी।

आपसी रंजिश के चलते फंसाया गया

क्राइम ब्रांच ने बताया कि आपसी रंजिश के चलते आरोपी एंथनी ने एक अन्य आरोपी राजेश बोबाटे (रवि) के साथ मिलकर क्रिसन परेरा को एक इंटरनेशनल वेब सीरीज के ऑडिशन के नाम पर शारजाह भेजा और उसे ड्रग्स से लैस ट्रॉफी दी। इसके बाद अभिनेत्री को शारजाह में गिरफ्तार कर लिया गया। बोरीवली स्थित बेकरी के मालिक एंथनी पॉल (35) द्वारा कथित रूप से ड्रग्स मामले में फंसाए जाने के बाद क्रिसन परेरा 1 अप्रैल से शारजाह जेल में थी। अभिनेत्री पहले 'सड़क 2' और 'बाटला हाउस' फिल्मों में काम कर चुकी हैं।

हाईकोर्ट में तीन नए जजों की नियुक्ति को राष्ट्रपति की मंजूरी, शुक्रवार को ले सकते हैं शपथ

नैनीताल, 27 अप्रैल (एजेंसियां)। उत्तराखंड हाईकोर्ट में तीन नए जजों की नियुक्ति को राष्ट्रपति की मंजूरी मिल गई है। गुरुवार को राष्ट्रपति भवन से जारी आदेश की प्रति नैनीताल हाईकोर्ट भी पहुंच चुकी है। राष्ट्रपति की ओर से हाईकोर्ट के वरिष्ठ अधिवक्ता राकेश थपलियाल, पंकज पुरोहित व रजिस्ट्रार जनरल विवेक भारती को हाईकोर्ट के नए जजों के पद पर नियुक्त करने के आदेश जारी हुए

हैं। बताया जा रहा है कि शुक्रवार को तीनों जज शपथ ले सकते हैं।

भारतीय डाकघर में लाइन में खड़ी दिखीं स्मृति ईरानी

अपना कौन सा वादा किया पूरा

नई दिल्ली, 27 अप्रैल (एजेंसियां)। केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने 1 फरवरी को अपने बजट भाषण में महिलाओं के एम्पावरमेंट के लिए एक खास सेविंग स्कीम का ऐलान किया था, जिसका नाम 'महिला सम्मान सेविंग सर्टिफिकेट' दिया गया। सरकार ने डाकघर द्वारा संचालित इस नई सेविंग स्कीम की शुरुआत 1 अप्रैल से की है। दिलचस्प बात ये है कि केंद्रीय मंत्री स्मृति ईरानी ने भी इस नई सेविंग स्कीम में अपना अकाउंट ओपन कराया है।

लाइन में लगकर खुलवाया अकाउंट

दरअसल, केंद्रीय महिला एवं बाल विकास और अल्पसंख्यक मामलों की मंत्री स्मृति ईरानी ने बुधवार को संसद मार्ग पर स्थित मुख्य डाकघर पहुंचीं। वहां उन्होंने ने लाइन में लगकर 'महिला सम्मान सेविंग सर्टिफिकेट' अकाउंट खुलावाया। इस दौरान की उनकी कुछ तस्वीरें भी सामने आई हैं। देखा जा सकता है कि स्मृति ईरानी डाकघर में लाइन में खड़ी हैं। इस दौरान महिलाओं से उन्होंने इस योजना का ज्यादा से ज्यादा फायदा उठाने की अपील की।

डाकघर के कर्मचारियों से की बातचीत

केंद्रीय मंत्री ईरानी ने डाकघर में लाइन में लगकर इसमें अकाउंट खुलवाने की प्रक्रिया पूरी कीं। डाकघर के काउंटर पर ही उनका 'महिला सम्मान बचत प्रमाणपत्र' (एमएसएससी) अकाउंट खोला गया और कंप्यूटर के जरिये निकाली गई पासबुक उन्हें दी गई। इस दौरान उन्होंने एमएसएससी और सुकन्या स्मृद्धि योजना (एसएसवाई) के कुछ अकाउंट होल्डर्स के अलावा डाकघर के कर्मचारियों से भी बातचीत की।

क्या है एमएसएससी स्कीम?

सामान्य सेविंग स्कीम के मुकाबले महिलाओं और लड़कियों को बेहतर ब्याज देने के लिए भारत सरकार ने 'महिला बचत सम्मान प्रमाण पत्र' (एमएसएस) स्कीम को शुरू किया है। इस स्कीम में 7.5 फीसदी सालाना ब्याज मिलेगा। इसके अलावा एमएसएससी में दो साल तक पैसा जमा रखना पड़ेगा। दो साल बाद ब्याज और मूलधन के साथ पूरी रकम वापस मिल जाएगी।

इस तारीख से बंद रहेगा शिरडी का साईं बाबा मंदिर

अहमदनगर, 27 अप्रैल (एजेंसियां)। महाराष्ट्र में शिरडी के साईं बाबा के दर्शन के लिए शिरडी जाने वाले श्रद्धालुओं के लिए एक बड़ी खबर निकलकर सामने आई है। यहां 1 मई से शिरडी का साईं बाबा मंदिर बंद रहेगा। इस खबर के सामने आने के पश्चात बाबा के दर्शन करने जानें वाले भक्तों को बड़ा झटका लगा है। दरअसल, महाराष्ट्र में शिरडी के साईं बाबा के मंदिर में सी आई एस एफ की तैनाती का विरोध किया जा रहा है। शिरडी के ग्रामीण सी आई एस एफ की तैनाती का विरोध कर रहे है। इस बीच घोषणा की गई है कि 1 मई से शिरडी का साईं बाबा मंदिर बंद रहेगा। शिरडी में 1 मई से बेमियादी बंद जारी रहेगा। बता दें कि देश-दुनिया के करोड़ों व्यक्तियों की साईं में श्रद्धा है। साईं का सबसे लोकप्रिय मंदिर शिरडी वाला ही माना जाता है। शिरडी के साईं मंदिर में भक्त खूब दान करते हैं। इस मंदिर में आने वाला दान अक्सर चर्चा का विषय बना रहता है। ऐसे में 1 मई से शिरडी के साईं मंदिर को बंद करने का ऐलान भक्तों को हैरानी में डालने वाला है। किन्तु अब, महाराष्ट्र के प्रमुख धार्मिक पर्यटन स्थल शिरडी के साईं मंदिर में बंद का आह्वान किया गया है। साईं बाबा मंदिर की सुरक्षा के लिए सी आई एस एफ की तैनाती के सरकार के फैसले के खिलाफ बेमियादी बंद का आह्वान किया गया है। दरअसल, शिरडी के साईं मंदिर का प्रशासन सी आई एस एफ की तैनाती का विरोध कर रहा है। गौरतलब है कि अहमदनगर के शिरडी में बना साईं बाबा का ये मंदिर भारत के बाहर तक लोकप्रिय है। देश-विदेश से लोग यहां साईं बाबा के दर्शन के लिए आते हैं।

झोलाछाप डॉक्टर से इलाज कराने वाले दो मरीजों की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत

रतलाम, 27 अप्रैल (एजेंसियां)। रतलाम जिले के रावटी थाना क्षेत्र में उपचार के बाद दो लोगों की संदिग्ध अवस्था में मौत हो गई। दोनों का उपचार गांव के झोलाछाप डॉक्टर द्वारा किया गया था। घटना की जानकारी मिलने के बाद अब पुलिस जांच में जुटी है। परिजनों ने बताया कि कल शाम दो लोगों को उल्टी दस्त होने के बाद परिजन हरथल के बंगाली डॉक्टर के पास इलाज के लिए ले गए थे, जहां झोलाछाप डॉक्टर ने कुछ दवाइयां देकर इंजेक्शन लगाया था। इसके बाद परिजन दोनों को अपने घर ले गए थे, जिसके एक घण्टे बाद ही दोनों की मौत हो गई। मृतकों में 53 वर्षीय हुर्तन और 52 वर्षीय बालू हैं। पुलिस ने दोनों शवों का पोस्टमार्टम कराया गया है। स्वास्थ्य केंद्र पर पदस्थ डॉ दीपक मेहता का कहना है कि दो लोगों की मौत का मामला सामने आया है। दोनों की मौत गलत उपचार से हुई या किसी अन्य कारण से इस बात का खुलासा पोस्टमार्टम रिपोर्ट के बाद ही हो सकेगा।

बंगाल में रामनवमी पर हुई हिंसा की जांच करेगी एनआईए

सुवेंदु अधिकारी की याचिका पर हाईकोर्ट का आदेश

कोलकाता, 27 अप्रैल (एजेंसियां)। पश्चिम बंगाल में रामनवमी पर हुई हिंसा की जांच अब एनआईए करेगी। कलकत्ता हाई कोर्ट ने हावड़ा और दलखोला जिलों और अन्य हिस्सों में रामनवमी के दौरान भड़की हिंसा की जांच एनआईए को स्थानांतरित कर दी है।

कलकत्ता हाई कोर्ट का निर्देश

बंगाल के हावड़ा, हुगली व डालखोला में रामनवमी पर हुई हिंसा की जांच के लिए कलकत्ता हाई कोर्ट ने गुरुवार को एनआइए (राष्ट्रीय जांच एजेंसी) जांच का निर्देश दिया है। हाई कोर्ट ने बंगाल पुलिस को इस हिंसा की जांच से जुड़े सभी दस्तावेज एनआइए को सौंपने का निर्देश दिया है।

सुवेंदु अधिकारी ने की थी मांग

भाजपा विधायक व नेता प्रतिपक्ष सुवेंदु अधिकारी ने राज्य में रामनवमी पर हुई हिंसा की एनआइए जांच की मांग करते हुए कोर्ट में याचिका दायर की थी। बता दें कि राज्य में कई जगहों पर रामनवमी पर निकली शोभायात्राओं पर हमला हुआ था। आगजनी, तोड़फोड़ व मारपीट की घटनाएं भी हुई थी।

दो सप्ताह के भीतर दस्तावेज सौंपने के निर्देश

जनहित याचिका में, अधिकारी ने हिंसा की एनआईए जांच की मांग करते हुए यह आरोप लगाया था कि कई इलाकों में बम विस्फोट भी हुए थे। अदालत ने राज्य पुलिस को दो सप्ताह के भीतर मामले से संबंधित सभी रिकॉर्ड और सीसीटीवी फुटेज केंद्र सरकार को स्थानांतरित करने का निर्देश दिया। केंद्र को इसके बाद एनआईए को दस्तावेज भेजने का निर्देश दिया गया।

ममता बनर्जी के लिए झटका

हाई कोर्ट द्वारा एनआईए से हिंसा की जांच करवाने का निर्देश ममता बनर्जी के लिए झटका माना जा रहा है। ममता पहले कई दफा केंद्र पर जांच एजेंसियों के गलत इस्तेमाल का आरोप लगा चुकी है। स्कूल शिक्षक भर्ती घोटाला समेत कई कथित घोटालों की जांच केंद्रीय एजेंसियां पहले ही कर रही हैं। इस बीच हिंसा की जांच एनआईए को सौंपा जाना ममता के लिए बड़ा झटका माना जा रहा है।

युवती ने मनचले को सिखाया सबक

कॉल कर पार्क में मिलने बुलाया फिर चप्पलों से पीटा

ग्वालियर, 27 अप्रैल (एजेंसियां)। मनचलों द्वारा युवतियों को छेड़ने और प्रताड़ित करने की खबरें तो आती ही रहतीं है, लेकिन ग्वालियर में एक युवती ने ऐसे ही एक मनचले को जाल में फंसाकर अपने पास बुलाया और फिर उसकी चप्पलों से जमकर पिटाई की। इसका वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है। विश्व विद्यालय थाना क्षेत्र में रहने वाली एक युवती और उसकी बहन को एक युवक मोबाइल पर कॉल और मैसेज कर परेशान कर रहा था। युवतियों ने उसे समझाने की कोशिश की। लेकिन वह अपनी हरकतों से बाज नहीं आ रहा था। जिसके बाद युवती ने उसे सबक सिखाने की ठानी।

युवती ने युवक को मिलने के बहाने आकाशवाणी के सामने स्थित झलकारी बाई पार्क पर बुलाया। उसने लड़के की पहचान पूछी। लड़की वहां पहुंची इसके थोड़ी देर बाद मनचला युवक भी वहां पहुंच गया और लड़की से जाकर मिला। लड़की ने पहले तो उसे बैठाया और फिर चप्पल उतारकर उसकी पिटाई शुरू कर दी।

कालियागंज हिंसा: आक्रोशित लोगों ने बंगाल पुलिस को बंधक बनाकर पीटा

जावेद पर नाबालिग की हत्या का आरोप,

कोलकाता, 27 अप्रैल (एजेंसियां)। पश्चिम बंगाल के उत्तर दिनाजपुर जिले के कालियागंज में नाबालिग छात्रा डोली बर्मन की मौत के बाद से हिंसा भड़की हुई है। पुलिस ने पूरे इलाके में धारा 144 लागू कर दी है। पिछले सप्ताह कालियागंज में नाबालिग लड़की की लाश एक नहर में मिली थी। परिजनों ने हत्या का शक जताया था। इसके बाद से कालियागंज के आसपास इलाके भीड़ आगबबूला हो गई और आगजनी कर डाली। वहीं, अब इस इलाके में पुलिसकर्मियों को घर में बंद करके पिटाई का मामला प्रकाश में आया है। रिपोर्ट के अनुसार, प्रदर्शनकारियों ने मंगलवार (25 अप्रैल) को 25 पुलिसकर्मियों को थाने के पास एक घर में बंद करके लगभग 3 घंटे तक बेरहमी से पीटा। बाद में गंभीर रूप से जख्मी पुलिसकर्मियों को थाने के विशेष बलों ने किसी तरह रेस्क्यू किया। इस घटना का वीडियो भी सोशल मीडिया पर जमकर वायरल हो रहा है। मंगलवार की इस घटना का वीडियो सोशल मीडिया में तेजी से वायरल रहा है। जिस घर में पुलिसकर्मियों की पिटाई हुई है। उस घर की मालकिन अनीता पाल का कहना है कि प्रदर्शनकारियों के हमले से बचने के लिए 20-25 पुलिसकर्मी उनके घर में जबरन घुस आए थे।

THE LARGEST CIRCULATED AND READ HINDI DAILY IN TELANGANA & ANDHRA PRADESH

स्वतंत्र वार्ता

सुविचार

विशेषतायें व गुण दाता की देन हैं, दाता को देखो, व्यक्ति को नहीं

दक्षिण मध्य रेलवे

हमें @SCRailwayindia पर फॉलो करें

द.म. रेलवे की निविदा सूचनाओं के विवरणों को हमारी वेबसाइट : www.scr.indianrailways.gov.in पर देखा जा सकता है

ई-निविदा आमंत्रण सूचना (https://ireps.gov.in के माध्यम से) पीयूबी/0424

भारत के राष्ट्रपति की ओर से सीई/सी-II/एससी, सीई/सी-IV/एससी, सीई/सी-II/एससी एवं सीई/सी-V/एससी, निर्माण संगठन, दक्षिण मध्य रेलवे, सिकन्दराबाद द्वारा क्रमशः निम्नलिखित कार्यो के लिए ई-निविदा आमंत्रित है।

क्र.सं. 1, **निविदा आमंत्रण सूचना सं.** : 14-सीएओ-सी-एससी-2023, दिनांक : 19-04-2023, **कार्य का नाम** : सिकन्दराबाद डिवीजन : काजीपेट-बल्हारशाह सेक्शन : हसनपर्ती रोड-काजीपेट-वरंगल स्टेशनों के मध्य प्रस्तावित बाइपास लाइन एवं काजीपेट एवं वरंगल स्टेशनों के मध्य प्रस्तावित तृतीय लाइन - हसनपर्ती रोड यार्ड (छोड़कर) एवं वरंगल यार्ड (मिलाकर) के मध्य सीएच. 355900.00 मी. से सीएच. 378635.00 मी. (22.735 किमी.) और काजीपेट (यार्ड छोड़कर) और वरंगल (यार्ड छोड़कर) स्टेशनों के मध्य सीएच. 368900.00 मी. से 375900.00 मी. (7 किमी.) तक, रेल ज्वाइंट्स के वेल्डिंग हेतु सिंगल शाट क्रुसिबल का उपयोग करते हुए आटोमेटिक टेपिंग थिम्बल के साथ इन-सिटु वेल्डिंग एवं 60 किग्रा (60 ईआई-आर260) एवं 52 किग्रा 90 यूटीएस रेल ज्वाइंट्स के लिए एटी वेल्डिंग पोर्शन की आपूर्ति। **विवरण : अनुमानित मूल्य** : रु. 43,26,564.70, **पूधरा** : रु. 86,500.00, **पूरा करने की अवधि** : 06 (छह) महीने, **खोलने की तिथि** : 15-05-2023 को 15-00 बजे।

क्र.सं. 2, **निविदा आमंत्रण सूचना सं.** : 15-सीएओ-सी-एससी-2023, दिनांक : 20-04-2023, **कार्य का नाम** : दमरे निर्माण संगठन - सिकन्दराबाद डिवीजन : काजीपेट-कोंडापल्ली स्टेशनों के मध्य प्रस्तावित तृतीय लाइन - कोंडापल्ली–दोर्णाकल स्टेशनों के मध्य कवर ओवर प्लेटफार्म्स एवं प्रस्तावित फुट ओवर ब्रिजों का निर्माण। **विवरण : अनुमानित मूल्य** : रु. 26,95,84,032.19, **पूधरा** : रु. 14,97,900.00, **पूरा करने की अवधि** : 12 (बारह) महीने, **खोलने की तिथि** : 15-05-2023 को 15-00 बजे।

क्र.सं. 3, **निविदा आमंत्रण सूचना सं.** : 16-सीएओ-सी-एससी-2023, दिनांक : 20-04-2023, **कार्य का नाम** : दमरे निर्माण संगठन : नड़ीकुड़ी-श्रीकालहस्ती स्टेशनों के मध्य नई बीजी लाइन का प्रस्तावित निर्माण- गुंड्लाकम्मा-दारसी-कनिगिरी सेक्शन : i) देदनकोंडा क्रासिंग स्टेशन, दारसी क्रासिंग स्टेशन, गौटुवारीपल्ली हाल्ट स्टेशन, मल्लावरम हाल्ट स्टेशन, पोदिली क्रासिंग स्टेशन, गौटुवारीपल्ली क्रासिंग स्टेशन, गारलापेटा रोड हाल्ट स्टेशन और कनिगिरी क्रासिंग्स स्टेशन पर प्लेटफार्मों के लिए मिट्टी कार्य, प्लेटफार्म फेंसिंग वाल प्लेटफार्म्स एवं सीओपीस, आरआर मेसनरी कम्पाउंड वाल, गैंग रेस्ट रूम्स, सर्कुलेटिंग एरिया एवं सड़कों को बिछाना सहित प्रस्तावित स्टेशन बिल्डिंग का निर्माण। ii) देकनाकोंडा क्रासिंग स्टेशन, गौटुवारीपल्ली क्रासिंग स्टेशन एवं कनिगिरी क्रासिंग स्टेशन पर सब-वेज का प्रस्तावित निर्माण। iii) दारसी क्रासिंग स्टेशन एवं पोदिली क्रासिंग स्टेशन पर एफओबी'स का प्रस्तावित निर्माण (iv) दारसी एवं कनिगिरी पर आफीसर्स रेस्ट हाउस का प्रस्तावित निर्माण (v) कनिगिरी पर स्टोर्स के लिए शेड के साथ एसएसई/वर्क्स, एसएसई/पी.वे एवं एसएसई/एसएण्डटी और दारसी पर एसएसई/ वर्क्स, एसएसई/पी.वे के कार्यालयों का प्रस्तावित निर्माण (vi) कनिगिरी पर एडीईएन, एडीएसटीई एवं एईई कार्यालयों का प्रस्तावित निर्माण (vii) दारसी, पोदिली एवं कनिगिरी पर प्लेटफर्मों के साथ टीएम साइडिंग रेस्ट रूम, टूल रूम का प्रस्तावित निर्माण (viii) गुंड्लाकम्मा एवं कनिगिरी स्टेशनों के मध्य ट्रैकों के मध्य सीसी ड्रेन्स, प्लेटफार्म एवं बिल्डिंग्स के मध्य रिटेनिगं वाल का प्रस्तावित निर्माण, फुटकर कार्यों का क्रियान्वयन। **विवरण : अनुमानित मूल्य** : रु. 86,95,64,337.20, **पूधरा** : रु. 44,97,800.00, **पूरा करने की अवधि** : 12 (बारह) महीने, **खोलने की तिथि** : 29-05-2023 को 15-00 बजे।

क्र.सं. 4, **निविदा आमंत्रण सूचना सं.** : 17-सीएओ-सी-एससी-2023, दिनांक : 21-04-2023, **कार्य का नाम** : दमरे निर्माण संगठन - सिकन्दराबाद डिवीजन : अहमदनगर-बीड़-परली वैजनाथ नई बीजी लाइन के कनेक्टिविटी के संबंध में परली वैजनाथ स्टेशन पर प्रस्तावित जंक्शन अरेंजमेंट्स - फार्मेशन में मिट्टी कार्य का क्रियान्वयन, फुटओवर ब्रिज एवं माइनर ब्रिज का विस्तार, आरबीजी रूम्स एवं हाई लेवल प्लेटफार्म का निर्माण, बैलेस्ट का कलेक्शन, पी.वे मटेरियल का परिवहन, ट्रैक को बिछाना एवं जोड़ना एवं अन्य जुड़े हुए फुटकर कार्य आदि। **विवरण : अनुमानित मूल्य** : रु. 11,19,51,691.81, **पूधरा** : रु. 7,09,800.00, **पूरा करने की अवधि** : 13 (तेरह) महीने, **खोलने की तिथि** : 15-05-2023 को 15-00 बजे।

1) बोली दस्तावेज एवं अन्य विवरणों के लिए कृपया वेबसाइट https://ireps.gov.in को लॉग इन करें।
2) निविदादाता अपने प्रस्ताव निविदा प्रस्तुत करने की अवधि, जो निविदा बंद होने की तिथि से पंद्रह दिन पूर्व है, में ऑनलाइन प्रस्तुत कर सकते हैं।
3) निविदादाताओं को निविदा प्रस्तुत करने की अवधि प्रारंभ होने की तिथि तक किसी शुद्धिपत्र (केवल ऑनलाइन जारी किए हुए) के लिए देखना होगा।

मुख्य प्रशासनिक अधिकारी (निर्माण), सिकन्दराबाद

ई-निविदा सूचना सं. : 08-2023 दि. 25-04-2023 पीयूबी/0425

कृते एवं भारत के राष्ट्रपति की ओर से कार्यरत **सीनियर डिवीज़नल इंजीनियर/ को-ऑर्डिनेशन/ गुंटकल** द्वारा निम्नलिखित कार्यों के लिए ई-निविदाएँ आमंत्रित हैं।

बन्द होने की तिथि एवं समय :19-05-2023 को 15.00 बजे

क्र.सं. : 01. **निविदा सं.**: इंजी-जीटीएल -एबीएसएस-1374, **कार्य का विवरण : अनंतपुर एवं धर्मावरम स्टेशन्स-** अमृत भारत स्टेशन स्कीम के अंतर्गत स्टेशनों का पुन: विकास, जिसमें सर्कुलेटिंग एरिया का सुधार, पार्किंग सुविधाओं की व्यवस्था, स्टेशन बिल्डिंग्स का सुधार, जलापूर्ति व्यवस्थाओं का संवर्धन, प्लेटफार्म सतहों का सुधार, दिव्यांगजनों के लिए एमईए की व्यवस्था एवं अन्य जुड़े हुए कार्य। **अनुमानित मूल्य** : रु. 7,54,80,123/-, **पूर्व धरोहर राशि**: रु. 5,27,400/-

क्र.सं. : 02. **निविदा सं.**: इंजी-जीटीएल - साउथ-1375, **कार्य का विवरण : रेनीगुंटा जंक्शन - गूटी जंक्शन सेक्शन** : 1X5.00X2.50 मी. आरसीसी बाक्स बाय बाक्स पुशिंग एवं कट एंड कवर मेथड तथा 1X6.00X5.00 मी. आरसीसी बाक्स बाय बाक्स पुशिंग मेथड़ के रूप में कोदुरु-अनंतराजूपेट स्टेशनों के मध्य किमी. 176/6-7 पर एलसी नं. 84 के स्थान पर रोड अंडर ब्रिज नं. 255-ए एवं 255-बी (सब-वे) का प्रस्तावित निर्माण। **विज्ञापित मूल्य** : रु. 8,80,02,213.06 पैसे, **पूर्व धरोहर राशि**: रु. 5,90,000.00 पैसे.

क्र.सं. : 03. **निविदा सं.**: इंजी-जीटीएल - साउथ-1376, **कार्य का विवरण : रेनीगुंटा जंक्शन- गूटी जंक्शन सेक्शन** : बाक्स पुशिंग मेथड द्वारा 1X6.00X5.00 मी. आरसीसी बाक्स की तरह कोडुरू - अनंतराजूपेट स्टेशनों के मध्य किमी. 179/13-15 पर एलसी नं. 86 के स्थान पर रोड अंडर ब्रिज (सब-वे) का प्रस्तावित निर्माण। **विज्ञापित मूल्य** : रु. 6,90,87,453.88 पैसे, **पूर्व धरोहर राशि**: रु. 4,95,400.00 पैसे.

क्र.सं. : 04. **निविदा सं.**: इंजी-जीटीएल - साउथ-1377, **कार्य का विवरण : रेनीगुंटा जंक्शन- गूटी जंक्शन सेक्शन** : बाक्स पुशिंग मेथड द्वारा 1X6.00X5.00 मी. आरसीसी बाक्स की तरह अनंतराजुपेट यार्ड स्टेशनों के मध्य किमी. 183/29-31 पर एलसी नं. 89 के स्थान पर रोड अंडर ब्रिज (सब-वे) का प्रस्तावित निर्माण। **विज्ञापित मूल्य** : रु. 6,90,87,526.40 पैसे, **पूर्व धरोहर राशि**: रु. 4,95,400.00 पैसे.

क्र.सं. : 05. **निविदा सं.**: इंजी-जीटीएल - साउथ-1378, **कार्य का विवरण : रेनीगुंटा जंक्शन- गूटी जंक्शन सेक्शन** : बाक्स पुशिंग मेथड द्वारा 1X6.00X5.00 मी. एवं 1X5.00X2.5 मी. आरसीसी बाक्स की तरह ओबुलावारीपल्ली जंक्शन में किमी. 189/9-11 पर एलसी नं. 93 के स्थान पर रोड अंडर ब्रिज (सब-वे) का प्रस्तावित निर्माण। **विज्ञापित मूल्य** : रु. 9,04,92,603.75 पैसे, **पूर्व धरोहर राशि**: रु. 6,02,500.00 पैसे.

क्र.सं. : 06. **निविदा सं.**: इंजी-जीटीएल - साउथ-1379, **कार्य का विवरण : रेनीगुंटा जंक्शन- गूटी जंक्शन सेक्शन** : बाक्स पुशिंग मेथड द्वारा 1X6.00X5.00 मी. आरसीसी बाक्स की तरह ओबुलावारीपल्ली जंक्शन एवं पुल्लमपेट स्टेशनों के मध्य किमी. 191/7-9 पर एलसी नं. 94 के स्थान पर रोड अंडर ब्रिज (सब-वे) का प्रस्तावित निर्माण। **विज्ञापित मूल्य** : रु. 7,30,20,138.19 पैसे, **पूर्व धरोहर राशि**: रु. 5,15,100.00 पैसे.

क्र.सं. : 07. **निविदा सं.**: इंजी-जीटीएल - साउथ-1380, **कार्य का विवरण : रेनीगुंटा जंक्शन- गूटी जंक्शन सेक्शन** : बाक्स पुशिंग मेथड द्वारा 1X6.00X5.00 मी. की तरह ओबुलावारीपल्ली जंक्शन- पुल्लमपेट स्टेशनों के मध्य किमी. 194/19-21 पर एलसी नं. 95 के स्थान पर रोड अंडर ब्रिज (सब-वे) का प्रस्तावित निर्माण। **विज्ञापित मूल्य** : रु. 6,90,87,526.46 पैसे, **पूर्व धरोहर राशि**: रु. 4,95,400.00 पैसे.

क्र.सं. : 08. **निविदा सं.**: इंजी-जीटीएल - साउथ-1381, **कार्य का विवरण : रेनीगुंटा जंक्शन- गूटी जंक्शन सेक्शन** : बाक्स पुशिंग मेथड द्वारा 1X6.00X5.00 मी. एवं 1X5.00X2.5 मी. की तरह पुल्लमपेट-ओबुलावारीपल्ली जंक्शन स्टेशनों के मध्य किमी. 197/25-27 पर एलसी नं. 98 के स्थान पर रोड अंडर ब्रिज (सब-वे) का प्रस्तावित निर्माण। **विज्ञापित मूल्य** : रु. 8,12,17,733.00 पैसे, **पूर्व धरोहर राशि**: रु. 5,56,100.00 पैसे.

क्र.सं. : 09. **निविदा सं.**: इंजी-जीटीएल - साउथ-1382, **कार्य का विवरण : रेनीगुंटा जंक्शन- गूटी जंक्शन सेक्शन** : बाक्स पुशिंग मेथड द्वारा 1X6.00X5.00 मी. आरसीसी बाक्स की तरह पीएमटी यार्ड स्टेशनों के मध्य किमी. 200/19-21 पर एलसी नं. 99 के स्थान पर रोड अंडर ब्रिज (सब-वे) का प्रस्तावित निर्माण। **विज्ञापित मूल्य** : रु. 6,90,87,526.46 पैसे, **पूर्व धरोहर राशि**: रु. 4,95,400.00 पैसे.

क्र.सं. : 10. **निविदा सं.**: इंजी-जीटीएल - साउथ-1383, **कार्य का विवरण : रेनीगुंटा जंक्शन- गूटी जंक्शन सेक्शन** : बाक्स पुशिंग मेथड द्वारा 1X6.00X5.00 मी. आरसीसी बाक्स की तरह पुल्लमपेट-राजमपेटा स्टेशनों के मध्य किमी. 204/9-11 पर एलसी नं. 101 के स्थान पर रोड अंडर ब्रिज (सब-वे) का प्रस्तावित निर्माण। **विज्ञापित मूल्य** : रु.7,19,00,717.15 पैसे, **पूर्व धरोहर राशि**: रु. 5,09,500.00 पैसे.

क्र.सं. : 11. **निविदा सं.**: इंजी-जीटीएल - साउथ-1384, **कार्य का विवरण : रेनीगुंटा जंक्शन- गूटी जंक्शन सेक्शन** : बाक्स पुशिंग मेथड द्वारा 1X4.50X5.00 मी. आरसीसी बाक्स की तरह येर्रागुंट्ला जंक्शन- कलामल्ला स्टेशनों के मध्य किमी. 302/9-0 पर एलसी नं. 140 के स्थान पर रोड अंडर ब्रिज (सब-वे) का प्रस्तावित निर्माण। **विज्ञापित मूल्य** : रु. 8,91,83,871.56 पैसे, **पूर्व धरोहर राशि**: रु. 5,95,900.00 पैसे.

क्र.सं. : 12. **निविदा सं.**: इंजी-जीटीएल - ब्रिजेस-1385, **कार्य का विवरण : गुंटकल डिवीजन- रेनीगुंटा- गुडूर सेक्शन** : पीएससी स्लैब (पोस्ट टेंशन्ड 59 अप ऑफ 9X12.20 मी.) के साथ स्टील गिर्डरों का प्रस्तावित बदलाव **विज्ञापित मूल्य** : रु. 2,86,99,829.87 पैसे, **पूर्व धरोहर राशि**: रु. 2,93,500.00 पैसे.

बोली दस्तावेज एवं अन्य विवरणों के लिए http://ireps.gov.in को लॉग इन करें। कोई भी शुद्धिपत्र केवल ऑनलाइन जारी किया जाएगा।

डिवीजनल रेलवे मैनेजर/कार्य/ गुंटकल

टीएससीएचई नए कौशल विकास पाठ्यक्रम शुरू करेगा

छात्रों को पाठ्यक्रम के दौरान सशुल्क इंटर्नशिप

हैदराबाद, 27 अप्रैल (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना में डिग्री छात्र जल्द ही उद्योग से संबंधित कौशल हासिल करने के साथ-साथ कोर्स सीखने के साथ-साथ कमाई भी कर सकेंगे। तेलंगाना स्टेट काउंसिल ऑफ हायर एजुकेशन (टीएससीएचई) राज्य विश्वविद्यालयों के सहयोग से नए कौशल विकास पाठ्यक्रम शुरू करेगा, जो छात्रों को कोर्सवर्क के दौरान सशुल्क इंटर्नशिप और अंडर-ग्रेजुएशन के बाद नौकरी देने में सक्षम बनाता है। छात्रों को उद्योग कौशल हासिल करने में मदद करने के लिए अगले शैक्षणिक वर्ष से खुदरा बिक्री, ई-कॉमर्स, संचालन और रसद, सामग्री और रचनात्मक लेखन, मीडिया और मनोरंजन, एनीमेशन, मनोरंजन और फार्मेसी और संबद्ध पाठ्यक्रमों सहित 10 कौशल विकास पाठ्यक्रम शुरू किए जाएंगे। ये पाठ्यक्रम डोमेन विशिष्ट हैं। उदाहरण के लिए, बीकॉम और बीबीए के छात्रों को खुदरा बिक्री, ई-कॉमर्स, संचालन और रसद पाठ्यक्रम लेने की अनुमति है, जबकि बीएससी के छात्र फार्मा से संबंधित और एनीमेशन पाठ्यक्रम चुन सकते हैं और बीए के छात्र रचनात्मक लेखन, मीडिया और मनोरंजन पाठ्यक्रम चुन सकते हैं। छात्र इन पाठ्यक्रमों को अंडरग्रेजुएशन के पहले वर्ष में या द्वितीय वर्ष के पाठ्यक्रम शुरू कर सकते हैं। कोर्स पूरा होने पर सेक्टर स्किल काउंसिल की ओर से सर्टिफिकेट जारी किया जाएगा। जबकि राज्य में सरकारी और निजी सहित 1,054 डिग्री कॉलेज हैं, यह नई पहल उन 103 कॉलेजों में शुरू की जाएगी, जिन्होंने पिछले कुछ वर्षों में सबसे अधिक प्रवेश दर्ज किए हैं।

चुने गए कुल कॉलेजों में से 37 सरकारी और शेष निजी हैं और अकेले 56 कॉलेज उस्मानिया विश्वविद्यालय के अधिकार क्षेत्र में हैं। चयनित 10 कौशल विकास पाठ्यक्रमों में से, कॉलेजों को प्रत्येक पाठ्यक्रम में अधिकतम 60 छात्रों के साथ केवल एक या दो पाठ्यक्रम चलाने की अनुमति होगी। पहल का सबसे अच्छा हिस्सा यह है कि कॉलेजों को संबंधित उद्योग के लिए मैप किया जाएगा, जो 6,000 रुपये से 10,000 रुपये प्रति माह के हिसाब से सशुल्क इंटर्नशिप प्रदान करता है और अंडर-ग्रेजुएशन पूरा होने पर नौकरी की गारंटी देता है। टीएससीएचई और राज्य विश्वविद्यालय इन कौशल विकास पाठ्यक्रमों के कार्यान्वयन के लिए एक रोडमैप बनाने के लिए शुक्रवार को एक बैठक आयोजित कर रहे हैं। ये कौशल विकास पाठ्यक्रम उद्योग में सशुल्क इंटर्नशिप हासिल करने में मदद करेंगे और उनके अंडर-ग्रेजुएशन पूरा होने पर नौकरियां भी देंगे।

छात्रों को इंटर्नशिप के हिस्से के रूप में तीन दिन का क्लासवर्क और तीन दिन का उद्योग में काम करना होगा। उनका मूल्यांकन किया जाएगा और प्रमाण पत्र प्रदान किए जाएंगे।' राज्य में सर्वश्रेष्ठ कॉलेजों को सूचीबद्ध करने की चुनौतियों से निपटने के लिए टीएससीएचई कॉलेजों को ग्रेड और रैंक प्रदान करने की योजना बना रहा है। ग्रेड - ए, बी, सी और डी, और रैंकिंग क्रमशः राष्ट्रीय मूल्यांकन और प्रत्यायन परिषद (एनएएसी) और राष्ट्रीय संस्थागत रैंकिंग फ्रेमवर्क (एनआईआरएफ) की तर्ज पर होगी। ग्रेडिंग अन्य मापदंडों के बीच बुनियादी ढांचे, प्लेसमेंट, फैकल्टी और लैब के आधार पर की जा सकती है।

हाल ही में हुई एक बैठक के दौरान शिक्षा विभाग और टीएससीएचई के अधिकारियों का विचार था कि कॉलेज की ग्रेडिंग और रैंकिंग एक स्वतंत्र निकाय द्वारा की जानी चाहिए। ग्रेडिंग के अलावा, अधिकारी प्रत्येक श्रेणी के तहत शीर्ष 10 कॉलेजों को सूचीबद्ध करना चाहते हैं। कॉलेजों की सूची उनके ग्रेड और रैंकिंग के साथ डिग्री ऑनलाइन सर्विसेज तेलंगाना और इंजीनियरिंग वेब काउंसलिंग वेबसाइटों पर उपलब्ध कराई जाएगी।

बीआरएस 22वां स्थापना दिवस बड़े पैमाने पर मनाएगी

हैदराबाद, 27 अप्रैल (स्वतंत्र वार्ता)। भारत राष्ट्र समिति (बीआरएस) ने अपना 22वां स्थापना दिवस बड़े पैमाने पर मनाने की तैयारी कर रहा है। तेलंगाना भवन में, बीआरएस अध्यक्ष और तेलंगाना के मुख्यमंत्री के चंद्रशेखर राव ने तेलंगाना तल्ली की प्रतिमा को माल्यार्पण किया और समारोह का शुभारंभ पार्टी का झंडा फहरा कर किया। तेलंगाना राष्ट्र समिति (टीआरएस) द्वारा अपना नाम बदलकर भारत राष्ट्र समिति (बीआरएस) करने के बाद यह पहला स्थापना दिवस समारोह है। बाद में, बीआरएस आम सभा की बैठक अध्यक्ष के चंद्रशेखर राव के नेतृत्व में हुई और मंत्रियों, विधायकों, एमएलसी, सांसदों, जिला परिषद, डीसीसीबी, डीसीएमएस अध्यक्षों और पार्टी जिला अध्यक्षों सहित कुल 279 पार्टी प्रतिनिधियों ने बैठक में भाग लिया। बैठक की शुरुआत पार्टी महासचिव के. केशव राव के भाषण से हुई है। इस अवसर पर, बीआरएस के कार्यकारी अध्यक्ष के टी रामा राव ने कुछ प्रस्ताव पेश किए, जिन्हें बैठक में शामिल पार्टी के प्रतिनिधियों ने सर्वसम्मति से स्वीकार कर लिया।

सीएम केसीआर ने मक्के की फसल की खरीद के इंतजाम करने के दिए निर्देश

हैदराबाद, 27 अप्रैल (स्वतंत्र वार्ता)। राज्य सरकार ने धान की खरीद की तर्ज पर इस सीजन में किसानों से मक्के की फसल खरीदने का फैसला किया है। मुख्यमंत्री के चंद्रशेखर राव ने गुरुवार को कृषि मंत्री सिंगरेड्डी निरंजन रेड्डी को इस संबंध में तत्काल उपाय करने और पूरे तेलंगाना राज्य में खरीद केंद्र स्थापित करने का निर्देश दिया। वर्तमान यासंगी सीजन के दौरान, राज्य भर में लगभग 6.50 लाख एकड़ में मक्का की फसल की खेती की गई है और अधिकारियों को उम्मीद है कि फसल का उत्पादन लगभग 17.37 लाख मीट्रिक टन होगा। मक्का (मक्का) तेलंगाना राज्य में उगाई जाने वाली दूसरी प्रमुख फसल है और इसकी व्यापक रूप से संयुक्त वारंगल, आदिलाबाद, निजामाबाद, खम्मम और करीमनगर जिलों में खेती की जाती है। फसल के लिए समर्थन अब 1,962 रुपये प्रति क्विंटल तय किया गया है।

रेलवे स्पोर्ट्स एसोसिएशन समर कोचिंग कैंप आयोजित करेगा

16 साल तक के बच्चों के लिए 1 मई से 4 जून, 2023 तक

हैदराबाद, 27 अप्रैल (स्वतंत्र वार्ता)। रेलवे स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स (आरएससी) ग्राउंड, सिकंदराबाद में साउथ सेंट्रल रेलवे स्पोर्ट्स एसोसिएशन (एससीआरएसए) 1 मई से 4 जून, 2023 तक 16 साल तक के बच्चों के लिए रेलवे स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स ग्राउंड, सिकंदराबाद में समर कोचिंग कैंप का आयोजन कर रहा है। समर कोचिंग कैंप में 16 साल तक के बच्चों के लिए एथलेटिक्स, बास्केटबॉल, शतरंज, क्रिकेट, फुटबॉल, जिम्नास्टिक, हॉकी और कबड्डी शामिल हैं। 20 वर्ष से अधिक आयु के वयस्कों के लिए बुनियादी स्वास्थ्य प्रशिक्षण व योग प्रशिक्षण शिविर का समय सुबह 06.00 बजे से 08.30 बजे तक रहेगा। इच्छुक व्यक्ति खेल कार्यालय, रेलवे स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स ग्राउंड, सिकंदराबाद से जानकारी प्राप्त कर सकते हैं।

बंडी संजय की जमानत याचिका रद्द करने की याचिका में पुलिस को झटका

वारंगल, 27 अप्रैल (स्वतंत्र वार्ता)। हनमकोंडा की एक अदालत में राज्य भाजपा अध्यक्ष बंदी संजय की जमानत रद्द करने की याचिका पर जिला पुलिस को आज झटका लगा। हनुमाकोंडा के चतुर्थ अपर प्रथम श्रेणी दंडाधिकारी ने पुलिस द्वारा दायर जमानत रद्द करने की याचिका को खारिज कर दिया। कोर्ट ने दोनों पक्षों की दलीलें विस्तार से सुनीं और आदेश पारित किया। पुलिस ने अपनी याचिका में अदालत से बंडी संजय की जमानत रद्द करने का आग्रह करते हुए कहा कि वह मामले की जांच में सहयोग नहीं कर रहा है। हालांकि, संजय के वकील ने पुलिस की दलीलों का खंडन किया और अदालत से यह कहते हुए याचिका खारिज करने का आग्रह किया कि यह सुनवाई योग्य नहीं है।

राचकोंडा यातायात कर्मियों की सुरक्षा और कल्याण सर्वोपरि : डीएस चौहान

आयुक्त ने ट्रैफिक स्टाफ को बांटे एसी हेलमेट व ओआरएस के पैकेट

हैदराबाद, 27 अप्रैल (स्वतंत्र वार्ता)। कल्याणकारी कार्यक्रमों के तहत आज राचकोंडा पुलिस आयुक्त डी.एस. चौहान ने गर्मी के मौसम में डिहाइड्रेशन को दूर करने के लिए यातायात कर्मियों को ओआरएस पैकेट और एसी हेलमेट वितरित किए। 14 अप्रैल को राचकोंडा आयुक्त डीएस चौहान ने राचकोंडा यातायात एवं सड़क सुरक्षा विभाग के अधिकारियों के साथ यातायात एवं सड़क सुरक्षा को लेकर समीक्षा बैठक की। इस अवसर पर बुनियादी ढांचे को मजबूत करने और यातायात कर्मियों के सुरक्षा उपकरणों की खरीद का निर्णय लिया गया। यातायात कर्मियों के लिए बुनियादी ढांचे के विकास कार्यक्रम के हिस्से के रूप में, सीपी राचकोंडा ने धनराशि आवंटित की।

3.2 करोड़ मूल्य की स्पीड लेजर गन, डिजिटल कैमरा, यातायात सुरक्षा उपकरण जैसे बैरिकेड्स, कोन, बोलार्ड, अत्याधुनिक संचार उपकरण, किट बैग, सुरक्षा हेलमेट, मास्क, रेडियम जैकेट, धूप का चश्मा, दस्ताने, पानी की बोतलें, जूते और रेन कोट ट्रैफिक स्टाफ को सामान उपलब्ध कराने की व्यवस्था करने का आदेश दिया। इस अवसर पर बोलते हुए आयुक्त ने कहा कि इस कार्यक्रम में यातायात अमले को गर्मी की तेज धूप से खुद को बचाने के लिए सभी सावधानियां बरतनी चाहिए और अपने स्वास्थ्य का ध्यान रखना चाहिए। आयुक्त ने चेतावनी दी कि उचित नंबर प्लेट नहीं लगाने और फर्जी नंबर प्लेट लगाने वाले वाहन मालिकों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने कहा कि फर्जी नंबर प्लेट वाले वाहनों की विशेष जांच की जा रही है। सीपी डीएस चौहान, वी. सत्यनारायण, संयुक्त पुलिस आयुक्त, डी. श्रीनिवास, डीसीपी रचाकोंडा ट्रैफिक- II, एसवी हरि कृष्ण, एसीपी, एलबी नगर ट्रैफिक डिवीजन, एस. श्रीनिवास राव, एसीपी, मल्काजीगिरी ट्रैफिक डिवीजन और एसएचओ और अन्य ट्रैफिक पुलिस स्टेशनों ने भाग लिया।

CLASSIFIEDS

CHANGE OF NAME

I, MOHAMMAD IBRAHIM PASHA, R/o.18-12-419/A/102, HAFEZ BABA NAGAR, BANDLAGUDA, Hyd, T.S, Changed My Name as MOHAMMED IBRAHIM PASHA S/o.ISMAIL MOHAMMED.

I, SUBAN ALI, R/o.13-5-778/B/1, Mustaidpura Karwan, Asifnagar, Hyd, T.S, Changed My Name as SUBHAN ALI S/o.MIRZA IBRAHIM ALI BAIG.

I, KAREEM UNNISA BEGUM, R/o.17-3-194/8, Madina Nagar, Yakutpura, Hyd, T.S, Changed My Name as KAREEM UNNISA W/o.MOHAMMED CHAND PASHA.

I, AHMED AWAD AMRI, R/o.3-5-782/30, Kings Koti, Himayathnagar, Hyd-29, Changed My Name as AHMED AWAD AL AMRI S/o.AWAD ABDULLAH AL AMRI UROOJ ALI.

I, FARZANA AHMED, R/o.3-5-782/30, Kings Koti, Himayathnagar, Hyd-29, Changed My Name as FARZANA AHMED AMRI W/o.AHMED AWAD AL AMRI.

I, AWAD AMRI UROOJ ALI, R/o.3-5-782/30, Kings Koti, Himayathnagar,Hyd-29, Changed My Name as AWAD ABDULLAH AL AMRI UROOJ ALI.

सावधान

पाठकों को सूचित किया जाता है कि वर्गीकृत विज्ञापन का प्रतिवादन करने से पहले उसकी पूरी तरह से जाँच पड़ताल कर लें। विज्ञापनदाता ने दावा कर रहे हैं या कह रहे हैं, उन बातों से दैनिक समाचार पत्र (स्वतंत्र वार्ता) का किसी भी तरह का कोई सम्बन्ध नहीं है।

मंचेरियल मर्डर : एक ही परिवार के पांच गिरफ्तार

हैदराबाद, 27 अप्रैल (स्वतंत्र वार्ता)। मंचेरियल के जयपुर मंडल के इंदाराम गांव में मंगलवार को सार्वजनिक रूप से एक लॉरी चालक की हत्या करने के आरोप में एक परिवार के पांच लोगों को गिरफ्तार किया गया है। जयपुर के सहायक पुलिस आयुक्त जी. नरेंद्र ने कहा कि आरोपी व्यक्ति पेद्दापल्ली कनकैया, एक किसान, उसकी पत्नी पद्मा, बच्चे साईं, श्रुति और श्वेता थे, सभी इंदाराम गांव से संबंधित है। पीड़ित जयपुर के नजीरपल्ली के मुस्के महेश (24) था।

पूछताछ किए जाने पर, कनकैया ने अपने परिवार के सदस्यों से सहायता लेकर अपराध करना स्वीकार किया क्योंकि वे काफी समय से अपनी बेटी श्रुति को परेशान करने के लिए महेश के खिलाफ द्वेष रखते थे। उन्होंने मिलकर महेश को खत्म करने की योजना बनाई थी, जो तब भी नहीं सुधरा जब श्रुति के पति ने अपनी जीवन लीला समाप्त कर ली जब महेश और श्रुति के अंतरंग वीडियो इंस्टाग्राम पर अपलोड किए गए थे।

10 दिन पहले दरांती खरीदी थी

पुलिस ने कहा कि कनकैया के बेटे सई ने 10 दिन पहले गोदावरीखनी से दरांती खरीदी थी। जब सई ने महेश को रोका, तो कनकैया ने उसे पकड़ लिया और उन्होंने उसे 25 अप्रैल को सुबह 8.30 बजे दरांती से काटने के अलावा सीमेंट की ईंट से पीट-पीट कर मार डाला। इसके बाद पांचों एकऑटो-रिक्शा पर सवार होकर मौके से फरार हो गए। कनकैया ने पुलिस को बताया कि कॉलेज में मिले श्रुति और महेश 2020 में रिलेशनशिप में थे। हालाँकि, उसके व्यवहार के साथ मिलने के बाद उसने उसे नज़रअंदाज़ करना शुरू कर दिया। फिर उसकी शादी नसपुर के एक व्यक्ति से कर दी गई। इसके बावजूद महेश उसका पीछा करता रहा। महेश के खिलाफ दो मामले दर्ज हैं, जबकि साई के खिलाफ पूर्व में एक मामला दर्ज है।

शुद्धिपत्र-1 दिनांक : 25-04-2023 पीयूबी/0428

कार्य का नाम : दक्षिण मध्य रेलवे के विजयवाड़ा डिवीजन के सामलकोट-थाड़ी सेक्शन में स्वचालित ब्लाक सिग्नलिंग की व्यवस्था के लिए विस्तृत सिग्नलिंग एवं दूरसंचार कार्य।

निविदा सं. बी/एसजी/जीएस/4/2023-24, दिनांक : 06-04-2023.

कार्य का निविदा मूल्य : मौलिक : रु. 1,53,19,88,428.00, **संशोधित/सुधार** : रु. 1,48,59,45,303.00.

निविदा का बोली सुरक्षा मूल्य : मौलिक : रु. 76,60,000.00, **संशोधित/सुधार** : रु. 74,30,000.00.

अन्य सभी शर्तें एवं नियम पूर्व के समान अपरिवर्तित हैं एवं आगे के विवरणों के लिए कृपया वेबसाइट www.ireps.gov.in देखें।

डिप्टी चीफ सिग्नल एवं टेलीकॉम इंजीनियर/जीएस/विजयवाड़ा

बासर में फिर बढे चोरी के मामले, दूसरी बार 3.40 लाख के कीमती सामान की चोरी

हैदराबाद, 27 अप्रैल (स्वतंत्र वार्ता)। किरगुल (बी) गांव के दो घरों से 3.40 लाख रुपये के कीमती सामान की चोरी करते हुए बासर मंडल में सेंधमारों ने कई दिनों में दूसरी बार चोरी की घटना को अंजाम दिया। बासर सब-इंस्पेक्टर महेश ने कहा कि शिकायतकर्ता किरगुल (बी) गांव के कपिल कुमार और शेख मोइन हैं। सुबह करीब 8 बजे अज्ञात लोगों ने कपिल कुमार के घर से लोहे की अलमारी तोड़कर 90,000 रुपये के 7 तोले सोने के आभूषण चुरा लिए। अज्ञात लोगों ने मोईन के 2.54 लाख रुपये मूल्य का 30 ग्राम सोना चोरी कर लिया। चोरों ने कथित तौर पर एक ही गांव के तीन घरों में कीमती सामान उड़ा लिया, लेकिन अभी तक शिकायत दर्ज नहीं की गई है।

जलाल बेगम से 4,000 रुपये लूटने से पहले अज्ञात व्यक्तियों ने मंगलवार की रात उप्पुकुंता गांव में एक महिला गोदावरी के घर से 3 तोला सोना और 3,000 रुपये नकद लूट लिया, जब वह मौजूद नहीं थी। चोरों ने मैलापुर गांव में गेट तोड़कर एर्राम पांडुरंग के घर में घुसकर 3 तोला सोना और 40 हजार रुपये नकद चोरी कर लिया। इसके बाद उन्होंने उसी गांव की एक बुजुर्ग महिला नरसुबाई से चांदी के गहने चुराने का व्यर्थ प्रयास किया। पुलिस ने कहा कि ग्रामीण इलाकों और बसर मंडल केंद्र में गश्त बढ़ा दी गई है, जबकि चोरों को पकड़ने के लिए विशेष टीमों का गठन किया गया है।

एसीबी ने सब रजिस्ट्रार व मंडल राजस्व कार्यालयों में छापेमारी की

विजयवाड़ा, 27 अप्रैल (स्वतंत्र वार्ता)। आंध्र प्रदेश भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो (एसीबी) के अधिकारियों ने बुधवार को नौ सब-रजिस्ट्रार और मंडल राजस्व कार्यालयों में अचानक छापेमारी की. एसीबी कार्यालयको टोल-फ्री नंबर और मोबाइल ऐप के माध्यम से कई शिकायतें मिलने के बाद छापेमारी की गई। डीजी केवी राजेंद्रनाथ रेड्डी ने अधिकारियों को चयनित क्षेत्र उप-पंजीयक और मंडल राजस्व कार्यालयों के औचक निरीक्षण के निर्देश दिए। छापेमारी बुधवार देर रात तक जारी रही और गुरुवार को भी जारी रहेगी। आंध्र प्रदेश में मेडिकोंडुरु (गुंटूर) और जालुमुरु (श्रीकाकुलम) में एमआर कार्यालयों के अलावा, बडवेल (कडप्पा जिला), तिरुपति ग्रामीण, अनंतपुरम ग्रामीण, जगदंबा (विशाखापत्तनम), तुनी (काकीनाडा) में उप-पंजीयक कार्यालयों में छापे मारे गए। , नरसापुरम (एलुरु), और कंदुकुरु (नेल्लोर) शामिल हैं।

आईएमडी ने नगर में भारी बारिश व ओलावृष्टि की संभावना जताई

हैदराबाद, 27 अप्रैल (स्वतंत्र वार्ता)। भारत मौसम विज्ञान विभाग-हैदराबाद (आईएमडी-एच) के नवीनतम पूर्वानुमान के अनुसार शुक्रवार को हैदराबाद में भारी बारिश होने की संभावना है। शहर में तेज हवाओं के साथ बारिश या गरज के साथ छींटे पड़ने की संभावना है। जारी ऑरेंज अलर्ट जारी से संकेत मिलता है कि मौसम की स्थिति गंभीर होने की संभावना है। आईएमडी ने यह भी चेतावनी दी है कि ओलावृष्टि शाम या रात के समय हो सकती है, जो पहले से ही चुनौतीपूर्ण मौसम की स्थिति को और बढ़ा रही है।

हनमकोंडा में 35 किलो गांजा के साथ चार गिरफ्तार

हनमकोंडा, 27 अप्रैल (स्वतंत्र वार्ता)। टास्कफोर्स ने काकतीय विश्वविद्यालय कैंपस पुलिस के साथ गुरुवार को हैदराबाद में गांजे की तस्करी करने के आरोप में चार तस्करों को गिरफ्तार किया और उनके पास से 35 किलोग्राम मादक पदार्थ जब्त किया। गिरफ्तार लोगों में पबबती सागर, ए. उमाशंकर, भुक्या सुनीता और रामिनादला चिंटू शामिल हैं। वारंगल के पुलिस आयुक्त एवी रंगनाथ ने कहा कि इस मामले में पांच अन्य आरोपी ओडिशा के रामू, परुपल्ली कार्तिक, शिवा, उपेंद्र और भुक्या वामशी फरार हैं। जब्त गांजे की कीमत करीब सात लाख रुपये है।

राष्ट्रीय भारतीय चिकित्सा संपदा संस्थान
(केंद्रीय आयुर्वेदीय विज्ञान अनुसंधान परिषद, आयुष मंत्रालय, भारत सरकार)
रेवेन्यू बोर्ड कॉलोनी, गड्डिअन्नारम, हैदराबाद-500 036, तेलंगाना, भारत
National Institute of Indian Medical Heritage
(Central Council for Research in Ayurvedic Sciences, Ministry of Ayush, Govt. of India)
Revenue Board Colony, Gaddiannaram, Hyderabad - 500 036, Telangana, INDIA
Ph: 040-24067388, Web: http://niimh.nic.in, E-mail:niimh.hyderabad@gmail.com, niimh-hyderabad@gov.in

150 YEARS OF CELEBRATING THE MAHATMA

अधिसूचना. 04/2022

इस संस्थान में उपलब्ध परियोजनाएँ सलाहकार (संस्कृत) -01 और एसआरएफ (आईटी) -01 पद के लिए आवेदन का निमंत्रण है। पूर्ण विवरण इस वेबसाइट http://niimh.nic.in या http://ccras.nic.in से डाउनलोड किया जा सकता है। किसी भी स्पष्टीकरण के लिए सभी कार्य दिवसों पर टेलीफोन नंबर 040-24067388 पर संपर्क किया जा सकता है।

भवदीय,
(डॉ. जी.पी.प्रसाद)
प्रभारी सहायक निदेशक

लालू यादव से मुलाकात के बाद

अखिलेश यादव ने शेयर की पहली तस्वीर

लखनऊ, 27 अप्रैल (एजेंसियां)। समाजवादी पार्टी प्रमुख अखिलेश यादव गुरुवार को अपने दिल्ली दौरे पर हैं। इस दौरान सपा प्रमुख राजद सांसद मीसा भारती के आवास पर पहुंचे, जहां उन्होंने आरडेजी प्रमुख लालू प्रसाद यादव से मुलाकात। इस मुलाकात के बाद सपा प्रमुख ने अपने अधिकारिक सोशल मीडिया अकाउंट से इसकी तस्वीरें साझा की। अखिलेश यादव ने गुरुवार को दिल्ली में राजद सुप्रीमो लालू यादव से मुलाकात की। दोनों की बीच ये मुलाकात करीब 20 मिनट तक चली। सूत्रों के अनुसार इस दौरान सपा प्रमुख ने लालू यादव का स्वास्थ्य हाल जाना। इसके अलावा दोनों नेताओं के बीच विपक्षी गठबंधन को लेकर भी चर्चा हुई। हालांति बाहर निकलने के बाद मीडिया ने सपा प्रमुख से बात करने की कोशिश की लेकिन अखिलेश यादव बिना जवाब दिए ही चले गए।

क्या बोले सपा प्रमुख?

लेकिन अखिलेश यादव ने अपने सोशल मीडिया अकाउंट से इस मुलाकात की तस्वीर साझा की। तस्वीर में लालू यादव के सामने अखिलेश यादव कुर्सी पर बैठे नजर आ रहे हैं। सपा प्रमुख के द्वारा तस्वीर शेयर करने के बाद इसे सोशल मीडिया पर यूजर्स ने जमकर शेयर किया। अखिलेश यादव ने तस्वीर शेयर करते हुए लिखा, आदरणीय लालू जी से एक 'कुशलक्षेम-मुलाक़ात'। हालांकि इससे पहले मार्च में अखिलेश यादव लालू यादव से मिलने गए थे। तब सपा प्रमुख की पत्नी डिंपल यादव भी उनका स्वास्थ्य हाल जानने उनके आवास गई थीं। बीते महीने ही लालू यादव अपनी सिंगापुर से किडनी ट्रांसप्लाट के बाद वापस लौटे हैं। लेकिन अब इस मुलाकात के राजनीतिक मायने निकाले जा रहे हैं।

बरेली में मोबाइल फोन विवाद में एक छात्र ने एमडी को मारी गोली ,हालत गंभीर

बरेली, 27 अप्रैल (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश के बरेली में लखनऊ हाईवे स्थित लोटस कॉलेज में कक्षा में मोबाइल चलाने के विवाद में बी फार्मा छात्र ने दोपहर कॉलेज एमडी को गोली मार दी। लोट्स कॉलेज एमडी अभिषेक अग्रवाल रामपुर गार्डन में रहते है। इसी कॉलेज में बरेली नें जाटव पुरा टायर मंडी निवासी श्रेष्ठ सैनी बी फार्मा तृतीय वर्ष का छात्र है। श्रेष्ठ सैनी कॉलेज में मोबाइल लाता था और कक्षा में चलाता था। बताया जाता है कि एमडी ने छात्र को कई बार मना किया फटकार लगाई। एमडी ने अनुशासनहीनता के आरोप में छात्र को कॉलेज से निकाला दिया था। दोपहर आरोपी श्रेष्ठ सैनी बातचीत करने कॉलेज पहुंचा था। इस दौरान दोबारा विवाद हो गया और गुस्से में आकर छात्र ने गोली मार दी जो एमडी के चेहरे पर लगी।

निकाय चुनाव के बीच कई नेता बीजेपी में शामिल

ब्रजेश पाठक ने किया बड़ा दावा

लखनऊ, 27 अप्रैल (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश में निकाय चुनाव के लिए प्रचार अभियान अब तेज हो गया है। वहीं टिकट नहीं मिलने से नाराज नेताओं का दल बदलना अब तेज हो गया है। इसी क्रम में बीजेपी ने गुरुवार को समाजवादी पार्टी खेमे में बड़ी सेंधमारी की है। लखनऊ में डिप्टी सीएम ब्रजेश पाठक ने उन्हें बीजेपी में शामिल कराया है। निकाय चुनाव से पहले विरोधी पार्टी के नेताओं का बीजेपी ज्वाइन करने का सिलसिला लगातार जारी है। सपा खेमे में बीजेपी ने गुरुवार को फिर एक बार सेंधमारी की है। डिप्टी सीएम ब्रजेश पाठक ने सपा के निवर्तमान जिला पंचायत सदस्य और पार्षद को बीजेपी की सदस्यता दिलाई है। सपा के सरोजनी नगर से निवर्तमान जिला पंचायत सदस्य पलक रावत बीजेपी में शामिल हुए। इसके अलावा सपा के हैदरगंज द्वितीय वार्ड से निवर्तमान पार्षद तारा चंद्र रावत बीजेपी में शामिल हुए।

क्या बोले डिप्टी सीएम?

इस दौरान डिप्टी सीएम ब्रजेश पाठक ने कहा, डीपी सिंह ने हजारों समर्थकों साथ कांग्रेस छोड़कर बीजेपी जॉइन की है। ये लोग अब भाजपा प्रत्याशियों को जिताने का काम करेंगे। रणवीर सिंह कलसी नगर निगम चुनाव प्रभारी ने भी बीजेपी ज्वाइन की है। संजय गिरी कांग्रेस के शहर महासचिव ने भी बीजेपी की सदस्यता ली है। इसके पहले राममूर्ति वर्मा की बहू अर्चना वर्मा ने भी बीजेपी की सदस्यता ली थी। जबकि तारा चंद्र रावत, पालक रावत समेत कुछ पूर्व और निवर्तमान पार्षदों ने भी गुरुवार बीजेपी का दामन थामा है। सूत्रों की मानें तो अगले कुछ दिनों में कई और नेता बीजेपी में शामिल हो सकते हैं। बता दें कि निकाय चुनाव के लिए नामांकन खत्म हो चुका है। पहले चरण के लिए चार मई और दूसरी चरण के लिए 11 मई को वोटिंग होगी। जबकि 13 मई को वोटों की गितनी होगी और नजीते घोषित किए जाएंगे।

बाराबंकी:20 किलो गांजे के साथ चार बदमाश गिरफ्तार

बाराबंकी, 27 अप्रैल (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश के बाराबंकी में आज पुलिस ने चार अभियुक्तों को गिरफ्तार कर उनके पास से लगभग 20 किलो अवैध गांजा बरामद किया।पुलिस सूत्रों के अनुसार थाना लोनी कटरा पुलिस को आज सूचना मिली थी कुछ लोग अवैध सामान लेकर कहीं जा रहे हैं। पकड़े गए अभियुक्तों में कौशिक मिश्र पुत्र संजय मिश्र निवासी चन्दीखेडा मजरे त्रिवेदीगंज , सत्यम राजपूत पुत्र स्व0 केशव प्रसाद निवासी नरेन्द्रपुर मदरहा , दिनेश प्रताप सिंह पुत्र श्याम बहादुर सिंह निवासी फिरोजाबाद और इन्द्र बहादुर सिंह उर्फ अंशू सिंह पुत्र सुरेन्द्र बहादुर सिंह निवासी हसनपुर को दहिला गांव की मोड़ के पास गिरफ्तार किया गया। अभियुक्तों के कब्जे से 19 किलो 900 ग्राम अवैध गांजा, घटना में प्रयुक्त एक मोटरसाइकिल व 03 मोबाइल बरामद हुए हैं ।

अतीक अहमद की पत्नी शाइस्ता परवीन

गैंग में संभालती थी सारे काम शूटर्स को देती थी रकम

प्रयागराज, 27 अप्रैल (एजेंसियां)। गैंगस्टर से माफिया बना अतीक अहमद की पत्नी शाइस्ता परवीन की तलाश लगातार तेजी से चल रही है। उत्तर प्रदेश पुलिस ने शाइस्ता की खोज के लिए 50 हजार का इनाम भी घोषित किया हुआ है। वहीं, यूपी एसटीएफ समेत जांच एजेंसिया अगल-अलग ठिकानों पर दबिश दे रही हैं। ऐसे में अब नया खुलासा हुआ है। पुलिस सूत्रों के मुताबिक, अतीक के जेल में रहने के दौरान शाइस्ता ही गैंग के सभी काम संभाला करती थी। सूत्रों की माने तो अतीक की बीवी शाइस्ता को पति के सभी जुर्म की खबर थी। कब कैसे क्या हो रहा है इसकी शाइस्ता को पूरी जानकारी होती थी साथ ही अतीक के बच्चे उस जुर्म के गवाह होते थे। अब मामले में बड़ा खुलासा ये हुआ है कि उमेश पाल हत्याकांड से ठीक पहले शाइस्ता और अतीक के बेटे असद ने शूटर्स के साथ पार्टी की थी और होने वाले हत्याकांड का जश्न मनाया था।

दरअसल, अब उमेश पाल मर्डर मामले में तीन नए खुलासे हुए हैं।

पहला, पुलिस के सूत्रों के मुताबिक माफिया परिवार ने उमेश पाल मर्डर को ऑपरेशन जानू नाम दिया था।

दूसरा, 24 फरवरी को उपेश पाल को गोलियों से भूनने से पहले शाइस्ता परवीन और असद ने शूटर्स के साथ मिलकर पार्टी की थी। तीसरा, उमेश पाल की हत्या के बाद असद और शूटर्स चकिया में इकठ्ठा हुए थे जिसके बाद यहां से भागने का पूरा प्लान बना। इस दौरान अतीक अहमद नैनी जेल में बंद था और उसके करीबी राकेश के फोन से पार्टी से जुड़ी चैट मिली है। मीडिया सूत्रों के मुताबिक, अतीक के जेल में रहने के दौरान शाइस्ता ही उसके पूरे गैंग को ऑपरेट किया करती थी। यही नहीं, गैंग से जुड़ा सभी पैसों का हिसाब शाइस्ता खुद देखती थी।

मैनपुरी जेल में बंदी की मौत: डिंपल यादव ने भाजपा पर साधा निशाना

कहा- बीजेपी सरकार में गरीबों पर हो रहा अत्याचार

मैनपुरी, 27 अप्रैल (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश के जनपद मैनपुरी के कोतवाली क्षेत्र में परिजनों के साथ आई भीड़ ने जेल में बंद बंदी की संदिग्ध मौत के बाद सड़क जाम कर जोरदार हंगामा काटा। परिजनों का आरोप था कि, पुलिस प्रशासन की लापरवाही से बंदी की जान गई है। उन्होंने पुलिस पर गंभीर आरोप लगाते हुए जोरदार हंगामा किया। सूचना पर पहुंची पुलिस ने परिजनों को समझा-बुझाकर कड़ी मशक्कत के बाद सड़क जाम खुलवाया। वहीं, बंदी की मौत के बाद सपा की मैनपुरी सांसद डिंपल यादव ने ट्वीट कर सरकार को घेरा है। बता दें कि, यह मामला सदर कोतवाली क्षेत्र के गिहार कॉलोनी से जुड़ा है। थाना कोतवाली क्षेत्र के नई मंडी के सामने बिहार कॉलोनी निवासी भूरे पुत्र बारेलाल 2 दिन पूर्व एनबीडब्ल्यू के बारे में जारी होने के बाद पुलिस ने उस को हिरासत में लेकर जेल भेज दिया था। जिसके बाद उसकी संदिग्ध परिस्थिति में मौत हो गई। जैसे ही इस बात की जानकारी परिजनों को मिली तो परिजनों ने आज जिला अस्पताल के सामने जाम लगाकर हंगामा काटना शुरु कर दिया। परिजनों ने पुलिस प्रशासन पर हत्या का आरोप लगाया है। हालांकि जिला अस्पताल के सामने सड़क जाम की सूचना मिलते ही बड़ी संख्या में पुलिस बल मौके पर पहुंच गया। जिसने परिजनों को समझा-बुझाकर कड़ी मशक्कत के बाद जाम खुला कर यातायात सुचारू कराया। इसके बाद बंदी की मौत पर सियासत तेज हो गई।

सपा सांसद डिंपल यादव ने सरकार पर साधा निशाना

परिजनों के जोरदार हंगामे और गंभीर आरोपों के बाद मैनपुरी से सांसद डिंपल यादव ने ट्वीट कर सरकार को घेरा है। उन्होंने ट्वीट कर लिखा यूपी में नहीं थम रहा। पुलिस हिरासत में हत्या का सिलसिला मैनपुरी के कोतवाली थाना क्षेत्र में पुलिस द्वारा भूरा गिहार की हत्या हुई। उन्होंने कहा कि, भाजपा सरकार में गरीबों पर अत्याचार हो रहा है। निंदनीय आरोपी पुलिसकर्मियों को इसकी सख्त सजा मिले।

2 ट्रकों में टक्कर; आग लगने से एक ड्राइवर जला,दूसरे ने भागकर बचाई जान

जमुई, 27 अप्रैल (एजेंसियां)। जमुई में एक बेटे के सामने उसके पिता की जिंदा जलकर मौत हो गई। बेटे ने किसी तरह से भाग कर अपनी जान बचाई। उसकी हालत गंभीर बनी हुई है। दरअसल, गुरुवार की सुबह दो ट्रकों के बीच टक्कर हो गई। दोनों ट्रकों में आग लग गई। हादसे में एक ट्रक के ड्राइवर डब्लू सिंह जिंदा जल गए। जबकि उनके बेटे सोनू कुमार (उप चालक) की हालत गंभीर बनी हुई है। घटना चकाई-गिरिडीह मुख्य मार्ग के जम्हरा मोड़ के पास की है। दोनों ट्रकों की स्पीड ज्यादा होने के कारण दोनों के बीच आमने-सामने की टक्कर हो गई। इस दौरान दोनों ट्रकों में आग लग गई। हादसे में घायल ड्राइवर के हेल्पर सोनू का इलाज चकाई अस्पताल में हुआ। जहां प्राथमिक इलाज के बाद उसे बेहतर इलाज के लिए सदर अस्पताल रेफर कर दिया गया है। मारे गए ड्राइवर की पहचान खगड़िया जिले के नया गांव निवासी डब्लू सिंह और उप चालक उसका बेटे सोनू कुमार के रूप में की गई है। बताया जाता है कि दोनों अपने ट्रक पर मकई लेकर झारखंड की ओर जा रहे थे। चकाई गिरिडीह मुख्य मार्ग के जवारा मोड़ के पास सामने से आ रहे हैं दूसरे ट्रक से टक्कर हो गई।

आजम खान को एक और झटका, बीएसए दफ्तर में तैनात बाबू तौफीक अहमद गिरफ्तार

रामपुर, 27 अप्रैल (एजेंसियां)। समाजवादी पार्टी के नेता आज़म खान और उनके करीबियों की मुसीबतें कम होने का नाम नहीं ले रही हैं। इस बीच सपा नेता को एक और बड़ा झटका लगा है। पुलिस आजम खान के रामपुर पब्लिक स्कूल को मान्यता देने वाले बीएसए दफ्तर में तैनात बाबू तौफीक अहमद को गिरफ्तार कर लिया है। आरोपी के खिलाफ फर्जी दस्तावेजों के आधार पर इस स्कूल को मान्यता देने का आरोप है। तौफीक इन दिनों मुरादाबाद के बीएसए दफ्तर में तैनात है। आजम खान का रामपुर पब्लिक स्कूल, जौहर ट्रस्ट द्वारा संचालित है। इस जौहर ट्रस्ट के अध्यक्ष आजम खान हैं। उनके इस स्कूल को फर्जी दस्तावेज तैयार कर मान्यता दी गई थी। इस मामले में आज़म खान उनकी पत्नी ताज़ीन फ़ातिमा और बीएसए बाबू तौफीक अहमद आरोपी हैं। आजम और उनकी पत्नी को इस मामले में पहले ही जमानत मिल चुकी है,

लेकिन अब कोतवाली पुलिस ने इस मामले में आरोपी बाबू तौफीक अहमद को गिरफ्तार कर लिया है।

स्कूल की लीज भी हो चुकी है रद्द

इससे पहले योगी सरकार ने रामपुर पब्लिक स्कूल की बिल्डिंग की लीज को भी खारिज कर दिया था और उसे कब्जा मुक्त कराने के निर्देश दिए गए थे। इसके लिए प्रशासन की ओर से नोटिस भी भेजा गया था। जिसके बाद स्कूल की मान्यता पर भी संकट मंडराने लगा है। क्योंकि स्कूल के पास अगर अपना भवन ही नहीं होगा तो फिर उसकी मान्यता भी खुद ब खुद रद्द हो जाएगी। दरअसल रामपुर पब्लिक स्कूल का संचालन जौहर ट्रस्ट के द्वारा किया जा रहा था। सपा सरकार में आजम खान ने जिला जेल के बाद जौहर ट्रस्ट बनाया था। तब तत्कालीन अखिलेश यादव की सरकार ने ये बिल्डिंग सिर्फ सौ रुपये सालाना की लीज पर जौहर ट्रस्ट को 33 साल के लिए दे दी थी। कहा गया कि यहांअरबी-फारसी की पढ़ाई के साथ शोध कार्य कराए जाएंगे लेकिन बाद में बदलाव करते हुए उच्च शिक्षा के स्थान पर सभी विषयों में प्राथमिक और माध्यमिक शिक्षा शब्द जुड़वा दिया गया था। आपको बता दें कि भड़काऊ भाषण मामले में तीन साल की सजा मिलने के बाद आजम खान की विधायकी पहले ही जा चुकी है। इसके अलावा आजम और उनके परिवार के खिलाफ कई मुकदमें भी चल रहे हैं।

समलैंगिक विवाह के खिलाफ अभियान

1 हजार लोगों ने हस्ताक्षर कर डीएम को सौंपा पत्र

बुलंदशहर, 27 अप्रैल (एजेंसियां)। शहर के विभिन्न समाजसेवी संगठनों के पदाधिकारी और कार्यकर्ता समलैंगिक विवाह के विरोध में आवाज उठा रहे हैं। समलैंगिक विवाह को भारतीय संस्कृति के विरुद्ध बताते हुए 1 हजार लोगों ने हस्ताक्षर युक्त ज्ञापन डीएम चन्द्र प्रकाश सिंह को सौंपा। ज्ञापन में इस विवाह को मान्यता न देने की मांग की गई है। महिला सामाजिक कार्यकर्ता कमलेश सोलंकी, डॉ। ममता यादव एवं राष्ट्र चेतना मिशन के अध्यक्ष हेमन्त सिंह के नेतृत्व में काफी संख्या में लोग कलेक्ट्रेट स्थित जिलाधिकारी कार्यालय पहुंचे। सभी ने समलैंगिक विवाह को विधिक मान्यता दिलाने के प्रयासों पर घोर आपत्ति जताई। इसके बाद डीएम चन्द्र प्रकाश सिंह को 1 हजार लोगों के हस्ताक्षर वाला पत्र भी सौंपा।कमलेश सोलंकी ने कहा कि भारत आज अनेक सामाजिक व आर्थिक क्षेत्रों के अनेक गंभीर चुनौतियों व समस्याओं से जूझ रहा है। ऐसे में समलैंगिक विवाह जैसे औचित्यहीन प्रकरण को इतनी गंभीरता से क्यों लिया जा रहा है। डॉ। ममता यादव ने कहा कि भारत में विवाह को महिला और पुरुष के बीच सामाजिक, सांस्कृतिक एवं पारिवारिक रूप से पवित्र मिलन के रूप में जाना जाता है। आदिकाल से इस परंपरा को निभाया जा रहा है। समलैंगिक विवाह हमारी संस्कृति का हिस्सा नहीं रहा है। राष्ट्र चेतना मिशन के अध्यक्ष हेमन्त सिंह ने भी समलैंगिक विवाह का समर्थन करने वालों की आलोचना की। इस दौरान अलका, गीता बंसल, हेमन्त सिंह, कमलेश सोलंकी, डॉ। ममता यादव, मिथलेश सोलंकी, डॉ। हेमा तोमर, ज्योति गोयल, प्रेमलता, प्रेरणा सोलंकी, पूर्वा तोमर, कृष्ण मिश्रा, विकास सिंह, शुभ पंडित, प्रखर सोलंकी, कृष्णा गोयल आदि सम्मिलित रहे।

मोतिहारी में 5 दिन के अंदर दूसरी डकैती

मोतिहारी, 27 अप्रैल (एजेंसियां)। मोतिहारी में महिला वार्ड सदस्य के घर डकैती हुई है। मामला घोड़ासहन प्रखंड के श्रीपुर पंचायत के वार्ड नंबर चार का है। बताया जा रहा है कि बीती रात करीब 10 बजे 15 से 20 की संख्या में आए डकैतों ने घटना को अंजाम दिया। इस दौरान 50 हजार रुपए नगद और 20 लाख से अधिक की संपत्ति अपने साथ ले गए वार्ड सदस्य पिंकी देवी ने बताया की पूरा परिवार खाना खा कर रात आठ बजे ही सो गया था। इसी बीच दस बजे के करीब छत पर चलने की आवाज सुनाई दी। जब वह छत पर गई तो देखा कि छह से सात की संख्या में डकैत थे। इसी बीच उनलोगों में से एक ने उसने मेरा बाल पकड़ लिया, वहां से घसीटते हुए नीचे लाया। फिर पैसा और चेक मांगने लगा। 50 हजार रुपए मेरे पास कैस था, वह ले लिया। उसके बाद चेक मांगने लगा, जब मैं बोली की चेक मुखिया जी के पास है। उसके बाद उसने मेरा बाल पकड़, सिर को दीवार से टकरा दिया। उसके बाद वह बेहोश हो गई। वार्ड सदस्य पिंकी देवी के पति राजू ने बताया की वह बाहर से आया था। थकान के कारण जल्द ही सो गया। साढ़े नौ बजे से दस बजे के बीच डकैतों ने हमला किया। घर में रखा जेवर, मेरे एक लाख 58 हजार रुपए और पत्नी का 50 हजार रुपए नगद ले गए।

'डीएम को बचाने के लिए अपनी जान दे देते'

लवली आनंद बोलीं- आनंद मोहन सिंह का वहां न होना ही दर्द दे गया

पटना, 27 अप्रैल (एजेंसियां)। आनंद मोहन सिंह की रिहाई हो गई है। गुरुवार सुबह वह जेल से बाहर आ गए हैं। इसके बाद आनंद मोहन सिंह और उनके परिवार में जश्न का माहौल है। आनंद मोहन सिंह का पूरा परिवार उनके पैतृक गांव पंचगछिया में उनके स्वागत के लिए तैयार हैं। उनकी पत्नी और पूर्व सांसद लवली आनंद भी पछगछिया गांव में मौजूद है। आनंद मोहन सिंह की पत्नी लवली आनंद से एक्सक्लूसिव बातचीत की। इस दौरान लवली आनंद ने बताया कि आनंद मोहन सिंह के स्वागत के लिए पूरा परिवार तैयार है। उन्होंने कहा कि पिछले 15 सालों से हमारे यहां कोई तीज त्योहार नहीं मनाया गया। इसके साथ ही लवली आनंद ने कहा कि उनका और उनके परिवार की सहानुभूति जी कृष्णय्या के परिवार से है। वह उनके लिए दुख प्रकट करती हैं लेकिन उनसे मिलकर गलतफहमी दूर भी करना चाहती हैं। लवली आनंद ने कहा कि जी कृष्णैया एक ईमानदार अधिकारी थे। अगर आनंद मोहन सिंह घटना स्थल पर होते तो अपनी जान देकर भी उनकी रक्षा करते। आनंद मोहन सिंह की रिहाई को लेकर जहां परिवार और समर्थकों में खुशी है, वहीं दूसरी तरफ इसके खिलाफ पटना हाईकोर्ट में भीम आर्मी के नेता अमर ज्योति ने पीआईएल दायर किया है। इसपर याचिकाकर्ता के वकील ने कहा कि यह किसी व्यक्ति विशेष के खिलाफ में नहीं है। आनंद मोहन की रिहाई के लिए कानून आया है वह जनता से जुड़ा है इसलिए पीआईएल किया है।

उपचुनाव में नाराज नेता बने बीजेपी की मुसीबत

मुस्लिम प्रत्याशी की वजह से बढ़ सकती है चुनौती

रामपुर, 27 अप्रैल (एजेंसियां)। उपचुनाव में टिकट ना मिलने पर पार्टी के भीतर मन मुटाव शुरू हो गई है। अपना दल -बीजेपी गठबंधन ने इस बार हमजा मियां को टिकट न देकर पसमांदा मुस्लिम प्रत्याशी शफीक अहमद अंसारी पर भरोसा जताया है। टिकट न मिलने से हमजा मिया नाराज बताए जा रहे हैं। मालूम हो कि पिछले विधानसभा चुनाव में हमजा मिया ने स्वार विधानसभा सीट से अब्दुल्लाह आज़म के खिलाफ चुनाव लड़ा था। कांग्रेस की पूर्व सांसद बेगम नूर बानो ने रामपुर की स्वार विधान सभा सीट पर अपने पोते नवाब हैदर अली उर्फ हमजा मियां को बीजेपी गठबंधन से टिकट न मिलने पर नाराज़गी जताई। टिकट न मिलने पर उन्होंने कहा कि यह उनकी राजनीतिक ज़िंदगी का फैसला है, जो कि हमजा मियां को खुद ही लेना चाहिए। वह तो मेरी ज़िंदगी है। मैं हर वक़्त उस के साथ खड़ी रहूंगी लेकिन इस समय उसे पता चलेगा कि किस से उसे फायदा हुआ और किस से नुकसान हुआ। इसी से वह सीखेगा। नूर बानो ने आगे कहा कि अगर वह मुझ से कोई राय मांगेगा, सलाह लेगा तो मैं उसे जरूर दूंगी और अगर वह कांग्रेस में आना चाहेगा तो मैं उसका स्वागत करूंगी। वह मेरी सर आंखों पर है। अगर हज़मा मियां को फैसला लेंगे और राय लेंगे तो ज़रूर दूंगी। वहीं इस बार नगर निकाय चुनाव में बीजेपी का मुस्लिमो को बड़ी संख्या में टिकेट देने पर कहा कि यह समय बहुत कठिन समय चल रहा है, बहुत सोच समझ कर फैसला लेने की ज़रूरत है। आने वाली नस्लों के लिए फ़ैसला लेना है। बता दें कि टिकट न मिलने से हमजा मिया नाराज बताए जा रहे हैं और पिछले कई दिनों से है वह रामपुर में भी नहीं है। मालूम हो कि पिछले विधानसभा चुनाव में हमजा मिया ने स्वार विधानसभा सीट से अब्दुल्लाह आज़म के खिलाफ चुनाव लड़ा था और हमजा मियां चुनाव हार गए थे। वहीं इस बार भी स्वार विधानसभा सीट पर अपना दल बीजेपी गठबंधन से हमजा मियां टिकट मांग रहे थे लेकिन उन्हें टिकट नहीं मिल सका।

'आनंद मोहन सिंह की रिहाई दलित विरोधी'

चिराग के बयान पर जीतन राम मांझी ने कहा- सजा काटकर आए बाहर

पटना, 27 अप्रैल (एजेंसियां)। बाहुबली नेता और पूर्व सांसद आनंद मोहन सिंह की जेल से रिहाई हो गई है। आईएएस अधिकारी जी कृष्णैया की हत्या के लिए उम्रकैद की सजा काट रहे आनंद मोहन सिंह को गुरुवार को अहले सुबह रिहा कर दिया गया है। आनंद मोहन सिंह की रिहाई के बाद इसपर खूब सियासत हो रही है। बाहुबली नेता के रिहाई का जहां महागठबंधन के नेता स्वागत कर रहे हैं वहीं बीजेपी ने इसपर गोल-मोल स्टैंड लिया है। इधर एलजेपी (रामविलास) प्रमुख चिराग पासवान ने आंनद मोहन सिंह को रिहा करने के फैसले का विरोध किया है। चिराग पासवान ने कहा है कि किसी को फंसाना होता है बिहार के सीएम नीतीश कुमार नया कानून बना देते हैं। किसी को छुड़ाना होता है तो वह नया कानून बना देते हैं। चिराग पासवान ने कहा कि एक जिम्मेदार आईएएस अधिकारी की बिहार में हत्या हुई इसे कैसे झुठला सकते हैं।

मायावती की जनता से अपील

दुष्कर होते जीवन से मुक्ति चाहते हैं तो भाजपा के लुभावने वादे के छलावे से निकलना होगा बाहर

लखनऊ, 27 अप्रैल (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश में सभी राजनीतिक पार्टियां नगर निकाय चुनाव की तैयारियों में लगी है। सभी पार्टियों चुनाव जीतने की कोशिश में लगी है। साथ ही साथ एक दूसरे को नीचा दिखाने और उन पर तंज कर रही है। इसी को लेकर बहुजन समाज पार्टी की राष्ट्रीय अध्यक्ष मायावती ने अपने ट्वीट के जरिए लोगों से अपील की है। उन्होंने लिखा है कि, यूपी में मेयर व सभासद, नगर पालिका व नगर पंचायत अध्यक्ष आदि के लिए हो रहे चुनाव में इन संस्थानों में जबरदस्त भ्रष्टाचार, सड़क, सफाई, नाली सहित विकास का घोर अभाव, हाउस टैक्स में मनमानी वृद्धि व उनपर

भारी ब्याज आदि जंजालों से मुक्ति के लिए बीएसपी जैसा सर्वजन हिताय परिवर्तन जरूरी। अपने दूसरे ट्वीट में बसपा सुप्रीमो मायावती ने भारतीय जनता पार्टी और समाजवादी पार्टी को आड़े हाथों लिया है। उन्होंने लिखा है कि, वैसे भाजपा हो या सपा सत्ताधारी पार्टियों सरकारी मशीनरी के दुरुपयोग के अलावा साम, दाम, दण्ड, भेद आदि अनेकों हथकंडे चुनावों में अपनाती हैं, किन्तु प्रबुद्ध व मेहनतकश शहरी जनता द्वारा अपने असली हित, सुख-सुविधा, सफाई व भ्रष्टाचार पर अंकुश आदि हेतु वोट का प्रभावी इस्तेमाल जरूरी। वहीं, मायावती ने ट्विटर पर किए हुए अपने तीसरे ट्वीट में लिखा है कि, स्वाभाविक है कि यूपी के लोग अगर अपनी दिन-प्रतिदिन की मुसीबतों, जंजालों, जुल्म-ज्यादती व लगातार दुष्कर होते जीवन व असुरक्षा आदि से मुक्ति चाहते हैं तो उन्हें भाजपा सरकार के लुभावने वादे एवं कागजी दावों आदि के छलावे से बाहर निकलना होगा, बीएसपी की यह अपील।

जम्मू में हुए आतंकी हमले में ओवर ग्राउंड वर्कर को पुलिस ने किया गिरफ्तार

आरोपियों को दी थी अपने घर में पनाह

जम्मू, 27 अप्रैल (एजेंसियां)। जम्मू के पुंछ में बीते गुरुवार हुए आतंकी हमले में सुरक्षा बलों को बड़ी कामयाबी मिली है. सुरक्षा एजेंसी ने जम्मू के पुंछ के मेंढर इलाके से एक ओवर ग्राउंड वर्कर को गिरफ्तार किया है जिसने इस हमले में शामिल आतंकियों को पिछले 2 महीने से पनाह दे रखी थी.

बीते गुरुवार को जम्मू के पुंछ में हुए आतंकी हमले में सुरक्षा एजेंसीयों ने जम्मू के पुंछ जिले के मेंढर इलाके से नसीर अहमद को गिरफ्तार किया है. नसीर अहमद एक ओवर ग्राउंड वर्कर है और उसने इस हमले में शामिल आतंकियों को दो महीने तक अपने घर में छुपा कर रखा और उन्हें खाना भी मुहैया करवाया. जम्मू और दिल्ली की टीम लगातार नसीर से पूछताछ कर रही है. सूत्रों ने ये भी बताया है कि ये आतंकी नसीर अहमद से पिछले तीन महीनों से संपर्क में थे और लगातार उसके घर आ जा रहे थे.

पाकिस्तानी आतंकी संगठनों के कुछ हैंडलर...

सूत्रों ने ये भी बताया कि नसीर अहमद सीमा पार पाकिस्तान में बैठे पाकिस्तानी आतंकी संगठनों के कुछ हैंडलर से भी संपर्क में था और लगातार उन से निर्देश प्राप्त कर रहा था. इस हमले में अब तक सुरक्षा एजेंसियों ने करीब 60 लोगों को हिरासत में लिया है जिन पर आरोप है कि उन्होंने इस हमले में शामिल आतंकियों की किसी न किसी तरीके से मदद की है.

पांच जवान हुए थे शहीद

दरअसल, जम्मू के राजौरी में सेना के एक वाहन पर आतंकवादी हमला हुआ था जिसमें पांच जवान शहीद हो गए थे. घटना के बाद से हमलावरों को पकड़ने के लिए इलाके में एक बड़ा अभियान शुरू किया गया. हमलावरों के बारे में सुराग खोजने के लिए कुछ लोगों को पहले ही हिरासत में लिया जा चुका है.

ये दूसरी बार कृष्णैया की हत्या, आनंद मोहन की रिहाई को लेकर बिहार सरकार पर बरसे ओवैसी

नई दिल्ली, 27 अप्रैल (एजेंसियां)। एआईएमआईएम चीफ और सांसद असदुद्दीन ओवैसी ने बिहार के पूर्व सांसद आनंद मोहन की रिहाई को लेकर बड़ा बयान जारी किया है. उन्होंने कहा कि ये दूसरी बार कृष्णैया की हत्या है. इस मामले में बिहार की आईएएस असोसिएशन चुप है. उन्होंने पूछा कि क्या उस समय लालू यादव की सरकार नहीं थी क्या उन्होंने उनकी पत्नी से मुलाक़ात नहीं की थी. अब कौन सा आईएएस अधिकारी बिहार में जान जोखिम में डालेगा. असदुद्दीन ओवैसी ने कहा कि 5 दिसंबर 1994 को एक दलित आईएएस की हत्या की गई, जब वह महज 37 साल का था.

उन्होंने कहा कि आखिर अब कौन सा आईएएस अधिकारी बिहार में जान जोखिम में डालेगा. कृष्णैया ने मजदूरी कर पढ़ाई की थी. उन्होंने कहा कि वह कृष्णैया के परिवार के साथ हैं और ये भी उम्मीद करते हैं कि एक बार फिर इस मामले को लेकर सोचा जाएगा. दरअसल, बिहार सरकार को जेल नियमावली में बदलाव करने और गैंगस्टर से राजनेता बने आनंद मोहन की रिहाई का रास्ता साफ करने के लिए आलोचनाओं का सामना करना पड़ रहा है. इसी को लेकर ओवैसी ने भी कई सवाल खड़े किए हैं. उन्होंने पूछा कि क्या एक बार फिर बिहार में सनलाइट या रणवीर सेना आने वाली है क्या? ऐसे कदम केवल सियासी फायदे के लिए उठाए जा रहे हैं. पहले बीजेपी सरकार ने बिलकिस के साथ रेप करने वालों को रिहा किया था अब बिहार सरकार ने एक और दोषी को रिहा कर दिया है. ये कौन सा सामाजिक न्यान है. जब बिलकिस बानो के साथ रेप करने वाले दोषियों को छोड़ा गया था तब बीजेपी का कोई भी नेता उनके विरोध में नहीं था .

भाजपा की महिला नेता ने संपत्ति की जानकारी छुपाकर जीता चुनाव, एचसी ने रद्द की विधायक की सदस्यता

ईटानगर, 27 अप्रैल (एजेंसियां)। गुवाहाटी उच्च न्यायालय ने चुनावी हलफनामे में अपनी संपत्तियों के बारे में जानकारी छिपाने के कारण अरुणाचल प्रदेश की भाजपा विधायक दसांगलू पुल के चुनाव को अवैध घोषित कर दिया। उच्च न्यायालय की ईटानगर पीठ ने 25 अप्रैल को एक आदेश में जनप्रतिनिधित्व अधिनियम के तहत अंजाव जिले की हयुलियांग विधानसभा सीट से उनके चुनाव को शून्य घोषित कर दिया।

'सिर्फ सरकार को यह अधिकार

एससी में हलफनामा दायर कर बोला केंद्र, तीन तलाक पर हो जेल

नई दिल्ली, 27 अप्रैल (एजेंसियां)। देश की सर्वोच्च अदालत सुप्रीम कोर्ट में उलेमा-ए-हिंद द्वारा तीन तलाक की वैधता को लेकर दायर की गई याचिका में केंद्र सरकार ने अपना जवाब दाखिल किया है. इस जवाब में उसने तीन तलाक को आपराधिक कानून घोषित किए जाने को लेकर वकालत की है. सरकार ने सुप्रीम कोर्ट को बताया कि आखिर क्यों उसको तीन तलाक को लागू करने के लिए मजबूर होना पड़ा क्योंकि मुस्लिम पुरुषों ने सुप्रीम कोर्ट के फैसले के बावजूद इस प्रथा को जारी रखा. सरकार ने 117 पेज का हलफनामा दायर करके कहा, सुप्रीम कोर्ट के ट्रिपल तालक को अवैध घोषित करने के बावजूद देश के मुस्लिम समुदाय ने इस प्रथा को जारी रखा है. इसलिए, अवैध तलाक के पीड़ितों की शिकायतों के निवारण के लिए राज्य सरकार को यह महसूस हुआ कि इसके लिए एक कानून होना चाहिए. इसलिए सरकार ने एक नए कानून को बनाया. सरकार ने सुप्रीम कोर्ट से यह भी कहा, सिर्फ विधायिका तात्कालीन सरकार की अध्यक्षता में यह फैसला लेने और उस पर कानून बनाने का अधिकार रखती है, राज्य के लोगों के लिए सामाजिक तौर पर क्या अच्छा है और नहीं. अदालत की उस टिप्पणी पर भी केंद्र सरकार ने प्रतिक्रिया दी, जिसमें अदालत ने कहा था उन्होंने तीन तलाक को सिर्फ अवैध घोषित किया था

पत्नी से झगड़ा, आपा खोकर पति ने कैंची से ही कर दिया हमला, रोंगटे खड़े करने वाली घटना

मुंबई, 27 अप्रैल (एजेंसियां)। मुंबई में एक पति ने मामूली से झगड़े पर आग बबूला होकर पत्नी को कैंची से गोदकर मौत के घाट उतार दिया है. घटना धारावी इलाके की है जब विश्वकर्मा नाम के शख्स का पत्नी (रेणू विश्वकर्मा) से झगड़ा हुआ और इस दौरान उसने इश कदर आपा खोया कि घर में रखी कैंची को हथियार बना लिया. पुलिस ने मामले की जानकारी देते हुए बताया कि ये हमला इतना खतरनाक था कि कैंची गले पर लगते ही रेणू का बहुत सारा खून बह गया जिसकी वजह से वो बेहोश हो गई. आनन-फानन में रेणू को सायन अस्पताल ले जाया गया जहां इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई. पुलिस ने आरोपी पति के खिलाफ मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है.

उधर उत्तर प्रदेश के अमरोहा से भी हैरान करने वाला मामला सामने आया है. यहां एक महिला के प्रेमी ने बीच चौराहे पर महिला के पति को चाकू से गोदकर मौत के घाट उतार दिया है. मीडिया रिपोर्टेस के मुताबिक, आरोपी इस कदर महिला के पति पर हमलावर था कि मौके पर मौजूद कुछ लोगों ने उसके हाथ से चाकू छीना और आरोपी को पुलिस के हवाले किया. वहीं, पुलिस ने आरोपी प्रेमी के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर मामले की जांच शुरू कर दी है. पुलिस के मुताबिक, घटना के दौरान महिला को भी चोटें लगी हैं जिसका इलाज अस्पताल में चल रहा है. पुलिस ने बताया, दोनों का पिछले काफी समय से प्रेम-प्रसंग चल रहा था. महिला के पति को जब इसकी खबर पड़ी तो उसने विरोध जताया जिसके बाद प्रेमी ने इस घटना को अंजाम देने का प्लान बनाया.

'भड़काऊ बयान, दुश्मनी और नफरत।'

बीजेपी और अमित शाह के खिलाफ कांग्रेस ने दर्ज कराई शिकायत

बेंगलूरू, 27 अप्रैल (एजेंसियां)। कर्नाटक विधानसभा चुनाव को लेकर तमाम राजनीतिक दलों का प्रचार जोरों पर है। आए दिन चुनावी राज्य में रैलियां हो रही हैं। इस बीच अब कांग्रेस ने बीजेपी की एक रैली को मुद्दा बनाते हुए पार्टी पर भड़काऊ बयान देने और नफरत फैलाने का आरोप लगाया है। इसके खिलाफ कांग्रेस के नेताओं ने बेंगलुरु के हाई ग्राउंड्स पुलिस स्टेशन में अमित शाह और बीजेपी के खिलाफ शिकायत भी दर्ज कराई है। कांग्रेस का आरोप है कि बीजेपी ने कथित रूप से भड़काऊ बयान दिया, दुश्मनी और नफरत को बढ़ावा दिया और विपक्ष को बदनाम करने का काम किया है। शिकायत दर्ज कराने वाले नेताओं में रणदीप सिंह सुरजेवाला, डॉ। परमेश्वर और डीके शिवकुमार शामिल हैं।

'कर्नाटक का अपमान कर रही बीजेपी'

इससे पहले कांग्रेस नेता रणदीप सिंह सुरजेवाला ने इसे लेकर ट्वीट भी किया था। इसमें उन्होंने कहा था कि बीजेपी और अमित शाह हर दिन कर्नाटक का अपमान कर रहे हैं। जेपी नड्डाजी का कहना है कि कन्नडिगों को मोदी के आशीर्वाद की जरूरत है। उन्होंने सवाल किया था कि क्या उन्हें राज्य को चलाने के लिए एक भी कन्नडिगा नहीं मिल सकता है कि इसे मोदी को सौंपना है?

'धमकी देना राज्य की जनता का अपमान'

प्रियंका गांधी ने भी बीजेपी अध्यक्ष जेपी नड्डा की कर्नाटक में दी गई एक हालिया टिप्पणी को लेकर सत्तारूढ़ पार्टी पर तीखा प्रहार किया था। उन्होंने कहा था कि कर्नाटक को मौजूदा समय के किसी नेता के आशीर्वाद की जरूरत नहीं है और 'वोट नहीं देने पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का आशीर्वाद' नहीं मिलने की धमकी देना' राज्य की जनता का अपमान है

सीएम शिवराज बोले- कोविड से ज्यादा नुकसान दिग्विजय सिंह और कमलनाथ ने प्रदेश की जनता को पहुंचाया

भोपाल, 27 अप्रैल (एजेंसियां)। मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने गुरुवार को पूर्व मुख्यमंत्री दिग्विजय सिंह, कमलनाथ और कांग्रेस पर जमकर निशाना साधा। सीएम ने कहा कि प्रदेश कोरोना से जितना नुकसान नहीं हुआ, उतना दिग्विजय सिंह ने किया। मध्य प्रदेश के जल संसाधन मंत्री तुलसी सिलावट ने पूर्व मुख्यमंत्री दिग्विजय सिंह को हाल ही में कोरोना वायरस बताया था। इस पर दिग्विजय सिंह ने प्रतिक्रिया देते हुए कहा था कि हां मैं भाजपा और आरएसएस के लिए कोरोना वायरस हूं। इस पर गुरुवार को मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने कहा कि कोविड वायरस ने जितना नुकसान पहुंचा था, उससे कई गुना ज्यादा नुकसान दिग्विजय सिंह और कमलनाथ जी ने पहुंचाया है। मुझे तो आश्चर्य लगता है कि उन्हें तुलना के लिए और कोई वायरस नहीं मिला उन्हें कोविड वायरस ही मिला। वह कोविड वायरस जिसके चलते हाहाकार मच गया था लोगों की जिंदगी गई थी अर्थव्यवस्था अस्त-व्यस्त हो गई थी। सीएम ने कहा कि कोविड से भी ज्यादा नुकसान भाई दिग्विजय सिंह और कमलनाथ ने प्रदेश की जनता को पहुंचाया है। पूरे मध्य प्रदेश को तबाह और बर्बाद किसने किया। पूरे मध्यप्रदेश को तबाह और बर्बाद किसने किया। ना बिजली थी ना सड़के थी ना पानी था ग्रोथ रेट नेगेटिव हो रही थी। 15 महीने की सरकार में भी इन्होंने प्रदेश को तबाह करने की कोशिश की थी। सीएम ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में एक नहीं दो वैक्सिंग बनी और बाद में कोविड का मुकाबला कर लिया गया। नहीं तो कमलनाथ जी ने तो कोविड के भरोसे ही मध्य प्रदेश की जनता को छोड़ दिया था जो करना है कोविड ही करें। सीएम ने सूडान से मध्य प्रदेश के फंसे लोगों को सुरक्षित वापसी पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का धन्यवाद दिया।

टेस्ट में फेल हुईं ये 48 दवाएं। कहीं आप भी तो नहीं कर रहे इन मेडिसिन का इस्तेमाल?

नई दिल्ली, 27 अप्रैल (एजेंसियां)। सेंट्रल ड्रग्स स्टैंडर्ड कंट्रोल ऑर्गेनाइजेशन (सीडीएससीओ) की जांच रिपोर्ट में एक बड़ा खुलासा किया गया है। रिपोर्ट में बताया गया है कि देश में 48 दवाओं के सैंपल स्टैंडर्ड टेस्ट में फेल पाए गए हैं। इन दवाओं में हार्ट डिजीज में इस्तेमाल होने वाली मेडिसिन भी है। जानकारी के मुताबिक, पिछले महीने कुल 1497 दवाओं के सैंपल को टेस्ट किया गया था, जिसमें 48 दवा अपने मानक पर खरी नहीं पाई गई। सेंट्रल ड्रग्स स्टैंडर्ड कंट्रोल ऑर्गेनाइजेशन (सीडीएससीओ) की जांच रिपोर्ट में उत्तराखंड की बनी 14 दवाएं शामिल हैं। हिमाचल प्रदेश की 13 ,कर्नाटक की 4, हरियाणा, महाराष्ट्र व दिल्ली की 2-2 दवाएं और गुजरात, मध्य प्रदेश, सिक्किम, जम्मू और पुडुचेरी की भी 1-1- मेडिसिन हैं सीडीएससीओ की रिपोर्ट के मुताबिक, इन दवाओं में लाइकोपेने मिनरल सिरप जैसी मेडिसिन भी शामिल है, जिसका लोग बड़ी मात्रा में इस्तेमाल करते हैं।

इसके अलावा विटामिन सी इंजेक्शन, फोलिक एसिड इंजेक्शन, अल्बेंडाजोल, कौशिक डोक-500, निकोटिनमाइड इंजेक्शन, एमोक्सनोल प्लस और अलसिफ्लोक्स जैसी दवाएं भी हैं। ये मेडिसिन विटामिन की कमी को पूरा करने, हाई बीपी को कंट्रोल करने, एलर्जी रोकने, एसिड कंट्रोल और फंगल इंफेक्शन को खत्म करने के लिए इस्तेमाल की जाती हैं। इन दवाओं में एक नामी कंपनी का टूथपेस्ट भी फेल पाया गया है, जिसका लोग काफी यूज करते हैं। परीक्षण में फेल हुई दवाओं को लेकर फार्मा कंपनियों को नोटिस जारी कर जवाब मांगा गया है।

केवल शासन-प्रशासन से गोवर्धन पर्वत नहीं उठाया जाएगा

आरएसएस प्रमुख मोहन भागवत ने क्यों कही ये बात

मुंबई, 27 अप्रैल (एजेंसियां)। राष्ट्रीय स्वयं सेवक संघ (आरएसएस) प्रमुख मोहन भागवत ने नागपुर में नेशनल कैंसर इंस्टिट्यूट के उद्घाटन के दौरान कहा कि काम करने वाला संघ होकर काम करते हैं तो, संघ अपने आप उसके पीछे खड़ा हो जाता है। स्वास्थ्य, शिक्षा के लिए जो करना है शासन प्रशासन कर रहा है, लेकिन अकेले शासन प्रशासन के करने से यह गोवर्धन उठाया नहीं जा सकता। वहीं इस दौरान महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे ने आरएसएस प्रमुख मोहन भागवत की जमकर प्रशंसा की। एकनाथ शिंदे ने कहा कि संघ जिसके पीछे खड़ा रहता है तो सभी प्रकल्प अच्छी तरीके से खड़े हो जाते हैं। सीएम शिंदे ने कहा कि मोहन भागवत उनके लिए और सभी के लिए ऊर्जा का स्थान हैं, प्रेरणा के स्थान हैं। शिंदे ने कहा कि जिसके पीछे सरसंघचालक हो, पूरा संघ हो तो अच्छा प्रकल्प शुरू हो जाता है। नेशनल कैंसर इंस्टिट्यूट के लोकार्पण के दौरान आरएसएस प्रमुख मोहन भागवत ने कहा कि स्वास्थ्य, शिक्षा, समाज की मूलभूत आवश्यकता है। समाज उसके बारे में शिक्षित हुआ है, इसीलिए सब लोग स्वास्थ्य, शिक्षा चाहते हैं, उसके लिए कुछ भी करने को तैयार हैं। अब स्वास्थ्य, शिक्षा के लिए जो करना है शासन-प्रशासन तो कर ही रहा है, लेकिन अकेले उनके करने से यह गोवर्धन उठाया नहीं जा सकता, क्योंकि यह सब की आवश्यकता है। ये 148 करोड़ समाज की आवश्यकता है और इसलिये समाज की ओर से प्रयास शुरू होना चाहिए। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के सरसंघचालक डॉ मोहन भागवत ने अपने संबोधन में कहा कि सपना देखना और उसको पूरा करने में बहुत अंतर होता है, संकल्प पक्का है तो कभी न कभी होता है। टीम के नाते सब ने किया तो जल्दी होता है। संघ के स्वयंसेवक जब मिलकर अच्छा काम करते हैं तो बहुत अच्छा लगता है, काम करने वाला संघ होकर काम करते हैं तो, संघ अपने आप उसके पीछे खड़ा हो जाता है।

नितिन गडकरी, सीएम शिंदे और फडणवीस भी रहे मौजूद

नागपुर में नेशनल कैंसर इंस्टिटट का आरएसएस प्रमुख मोहन भागवत, मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे, उप मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस, केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी, सहित देश के जाने-माने उद्योगपतियों की मौजूदगी के बीच इसका लोकार्पण हुआ। गौरतलब है कि इसके लोकार्पण के लिए केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह आने वाले थे ,लेकिन किसी कारणवश उनका नागपुर का दौरा रद्द कर दिया गया।

सपा की प्रत्याशी अनुराधा चौहान का वीडियो वायरल, बोलीं- मैं भी ठाकुर, योगी जी भी ठाकुर

रामपुर, 27 अप्रैल (एजेंसियां)। स्वार विधानसभा सीट पर होने वाले उपचुनाव को लेकर सपा की प्रत्याशी अनुराधा चौहान का वीडियो तेजी से वायरल हो रहा है। इस वीडियो में वो कहती हुई नजर आ रही हैं कि मैं भी ठाकुर हूं, योगी जी भी ठाकुर हैं वह मेरे बड़े भाई हैं, उनका मन जरूर मुझे आशीर्वाद देने के लिए करेगा। अनुराधा चौहान ने इस बात को स्वीकार किया है उन्होंने ऐसा बयान दिया है। उनका कहना है कि मुख्यमंत्री तो सबके हैं।

फरार वारंटी को पकड़ने गए पुलिसकर्मियों पर जानलेवा हमला

हादसे में सब इंस्पेक्टर का हाथ टूटा, कई जख्मी

शहडोल, 27 अप्रैल (एजेंसियां)। जंगली जानवर के शिकार करने वाले फरार वारंटी को गिरफ्तार करने गई ब्यौहारी थाना पुलिस पर आरोपी के परिजनों ने जानलेवा हमला कर दिया। हमले में कई पुलिसकर्मी घायल हुए हैं। हमले में सब इंस्पेक्टर का हाथ फैक्चर हुआ है। इस घटना के बाद माना जा रहा है कि जिले में पुलिस का डर लोगों में खत्म होता जा रहा है। पहले जहां आम लोगों पर इस तरह के हमले होते थे,लेकिन अब पुलिस पर ही लोग हमले कर रहे हैं। थाना प्रभारी समीर वारसी ने जानकारी देते हुए बताया कि ग्राम साखी में पुलिस पहुंची और वारंटी गया प्रसाद लोनी को पकड़ लिया, जिसके बाद हमला हुआ है। पुलिस के अनुसार गया प्रसाद लोनी का वारंट था, जिसको लेकर पुलिस की एक टीम वहां पहुंची। इस टीम में सब इंस्पेक्टर व अन्य पुलिसकर्मी शामिल थे। पुलिस ने छापामार कार्रवाई कर गया प्रसाद लोनी को पकड़ लिया और पुलिस वाहन में बैठा लिया। उसी दौरान उसके परिवार और आस पास के लोग इकट्ठा हो गए और गया प्रसाद लोनी को छुड़ाने का प्रयास करते हुए , पुलिस के ऊपर जानलेवा हमला कर दिया, जिसमें सब इंस्पेक्टर एम एल सोनवानी एवं अन्य पुलिसकर्मियों पर वारंटी के परिवार के सदस्यों के ने प्राणघातक हमला किया, आरोपियों ने कुल्हाड़ी से पुलिसकर्मियों के सिर पर वार किया। लाठी-डंडों से भी पुलिस कर्मियों के साथ मारपीट की गई है, जिसमें सूर्य प्रताप सिंह, आरक्षक पुष्पेंद्र सिंह सहित अन्य पुलिसकर्मी भी घायल हुए हैं। घटना की जानकारी थाना प्रभारी को मौजूद पुलिसकर्मियों ने दी। सूचना लगते ही थाना प्रभारी अन्य पुलिसकर्मियों के साथ घटनास्थल पहुंचे और बीच बचाव किया। तब तक आरोपी वहां से भाग गए हालांकि पुलिस ने आरोपियों पर मामला दर्ज किया है। वारंटी को पुलिस गिरफ्तार कर अपने साथ थाने ले आई है। वारंटी के परिवार के सदस्यों के खिलाफ पुलिस ने प्राणघातक हमला, शासकीय कार्य में बाधा, बलवा व अन्य धाराओं पर मामला दर्ज किया है। पुलिस ने बताया है कि आरोपी छोटी बाई, वर्षा लोनी, अमृत लोनी, पंकज लोनी, सोनू लोनी, सहित कुल 7 लोगों पर मामला दर्ज कर लिया है।

कांग्रेस के 'झूठे वादों' के झांसे में न आएं

शिवराज सिंह चौहान ने कर्नाटक के मतदाताओं को किया आगाह

बेलगावी, 27 अप्रैल (एजेंसियां)। कर्नाटक में 10 मई को चुनाव होने वाले हैं। ऐसे में सभी पार्टियों के प्रचार चरम पर हैं। जहां एक तरफ प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की जल्द ही ताबड़तोड़ रैलिया होने वाली हैं वहीं कांग्रेन भी अपनी पकड़ को मजबूत करने के लिए रास्ते बना रही हैं। भाजपा-कांग्रेस के कई बड़े नेता इस समय कर्नाटक में चुनाव जीतने के लिए अपनी अपनी भूमिका निभा रहे हैं। जहां एक तरफ कांगेस के रणदीप सुरजेवाला ने अमित शाह के खिलाफ शिकायत दर्ज करवाई हैं। वहीं दूसरी तरफ बीजेपी के वरिष्ठ नेता और मध्य प्रदेश के सीएम शिवराज सिंह चौहान भी कर्नाटक में विपक्ष पर हमलावर हैं। कर्नाटक की गोकक विधानसभा सीट से भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के उम्मीदवार रमेश जारकीहोली जब पड़ोसी निर्वाचन क्षेत्रों में चुनाव प्रचार में व्यस्त थे, तब गोकक में एक जनसभा को संबोधित कर रहे मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान मतदाताओं से उनके (जारकीहोली के) पक्ष में मतदान करने का अनुरोध कर रहे थे। शिवराज ने मतदाताओं से कांग्रेस द्वारा किए गए 'झूठे वादों' के झांसे में न आने की भी अपील की। बुधवार को हुई इस जनसभा में रमेश जारकीहोली की जगह उनके भाई बालचंद्र जारकीहोली मौजूद थे, जो अराभवी विधानसभा सीट से भाजपा के उम्मीदवार हैं। भाजपा के कई अन्य दिग्गज नेता भी इस जनसभा में शामिल हुए। छह बार विधायक रह चुके रमेश जारकीहोली की गिनती न सिर्फ गोकक, बल्कि पूरे बेलगावी जिले के प्रभावशाली नेताओं में होती है। वह उन 17 विधायकों में शामिल थे, जिन्होंने 2019 में कांग्रेस छोड़ भाजपा का दामन थाम लिया था, जिससे राज्य में सत्तारूढ़ कांग्रेस-जद(एस) गठबंधन सरकार गिर गई थी।

माना जाता है कि रमेश जारकीहोली ने ही विधायकों को बगावत के लिए उकसाया था, जिससे भाजपा को कर्नाटक की सत्ता में लौटने में मदद मिली। शिवराज ने जनसभा को संबोधित करते हुए कहा कि सिर्फ भाजपा सरकार विकास कार्य करती है, न कि कांग्रेस, जो लिंगायत-विरोधी है और जिसने कर्नाटक को सिर्फ 'भ्रष्टाचार, अपराध और कमीशन' में उलझाया है। उन्होंने आरोप लगाया कि विपक्षी दल केवल झूठे वादे करता है। उन्होंने मतदाताओं से इन वादों के झांसे में न आने की अपील की। शिवराज ने कहा, कांग्रेस नेता राहुल गांधी के वादों से सतर्क रहें। उन्होंने मध्य प्रदेश में कर्ज माफी का वादा किया था, लेकिन इस दिशा में कुछ भी नहीं किया गया। उन्होंने कहा, कांग्रेस वोटों के लिए कुछ भी कर सकती है। वह आसमान से तारे तोड़कर लाने का वादा भी कर सकती है। भाजपा नेता ने आरोप लगाया कि कांग्रेस सिर्फ 'पैसे बनाने के लिए' चुनाव जीतना चाहती है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस और जद(एस) एक ही सिक्के के दो पहलू हैं, जो वंशवाद की राजनीति करते हैं। शिवराज ने कहा कि जद(एस) के पक्ष में मतदान करने से कांग्रेस मजबूत होगी।

केंद्र और कर्नाटक में भाजपा सरकार की उपलब्धियां गिनाते हुए शिवराज ने कहा कि राज्य में 'डबल इंजन' की सरकार के चुने जाने पर और विकास कार्य किए जाएंगे। उन्होंने दावा किया, भाजपा एकमात्र पार्टी है, जो विकास कार्य कर सकती है। इसलिए, भाजपा और प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी का समर्थन करें, जो कर्नाटक को और मजबूत बनाएंगे। शिवराज ने कांग्रेस से बगावत करने के लिए रमेश जारकीहोली का आभार भी जताया। कांग्रेस ने गोकक में महंतेश कड़ाडी को रमेश जारकीहोली के खिलाफ चुनाव मैदान में उतारा है।

दिल्ली में रोंगटे खड़े करने वाली घटना

350 मीटर घिसटने से दोनों पैर और पीठ का उधड़ गया था मांस, हड्डियां भी।

नई दिल्ली, 27 अप्रैल (एजेंसियां)। फिरोजशाह रोड पर अनियंत्रित कार द्वारा ई रिक्शा में टक्कर मारने के बाद चालक को करीब 350 मीटर तक घसीटने के मामले में पुलिस ने आरोपी कार चालक के खिलाफ हत्या के प्रयास का मुकदमा लिखा है। दुर्घटना के पीड़ित युवक मनोज के शरीर को जिस किसी ने भी देखा, उसके रोंगटे खड़े हो गए। इतनी दूर घिसटने से मनोज के दोनों पैरों के घुटने से नीचे का पूरा मांस घिस गया था। पीठ से भी मांस हट गया था। इससे पैरों व पीठ की हड्डियां दिखाई देने लगी हैं।

नई दिल्ली जिले के एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि कच्ची सराय सक्को वाली गली, मुराद नगर गाजियाबाद यूपी निवासी फरमान अपनी बहन, महिला दोस्त व दोस्त के साथ घूमने गुरुग्राम गया था। सड़क दुर्घटना के समय ये लोग वापस लौट रहे थे। इसने फिरोजशाह रोड पर रिक्शा को पीछे से जबरदस्त तरीके से टक्कर मार दी। टक्कर के बाद रिक्शा तो आगे चला गया और मनोज हवा में उछलकर कार के बोनट पर जा गिरा। इसके बाद वह नीचे गिरकर पहिए के नीचे फंस गया। इससे कार टेड़ी-मेडी चलने लग गई। लेकिन चालक ने कार रोकने के बजाय उसकी गति बढ़ा दी। परिणामस्वरूप कार के नीचे फंसा मनोज करीब 350 मीटर तक घिसटता रहा। आगे लाइट सिग्नल व ट्रैफिक होने की वजह से उसे कार रोकनी पड़ी। पुलिस अधिकारियों के अनुसार घिसटने से मनोज के दाहिना पैर के पीछे से और बाएं पैर का आगे की तरफ से व पीठ का मांस पूरी तरह खत्म हो गया। एक स्कूटर चालक अपने स्कूटर को कार के साथ दौड़ा कर चिल्लाता रहा, मगर कार चालक ने सुनी नहीं।

संसद मार्ग थाना पुलिस ने आरोपी फरमान के खिलाफ हत्या के प्रयास का मामला दर्ज किया है। उसे बुधवार को कोर्ट में पेश किया गया। कोर्ट ने उसे न्यायिक हिरासत में भेज दिया है। आरोपी का कहना है कि सड़क दुर्घटना के बाद वह डर गया था और भागने का प्रयास कर रहा था। नई दिल्ली जिला पुलिस उपायुक्त प्रणब तायल ने बताया कि यह सड़क दुर्घटना फिरोजशाह रोड पर मंगलवार देर शाम को हुई।

स्वतंत्र वार्ता

शुक्रवार, 28 अप्रैल- 2023

नक्सलियों का खूनी खेल

एक बार फिर नक्सल प्रभावित छत्तीसगढ़ का दंतेवाडा जिला नक्सलियों के खूनी खेल से दहल उठा। नक्सलियों ने सडक पर एक विस्फोट के जरिए दस जवानों की जान ले ली। इस हादसे में शहीद होने वाले पुलिसकर्मियों में उस गाडी का चालक भी था जो पुलिस की गाडी चला रहा था। इस गंभीर हादसे के बाद एक बार फिर राज्य में इस मसले को लेकर तमाम कवायदें शुरू कर दी गई हैं। विपक्ष के तेवर भी तीखे होना स्वाभाविक है तो सीएम भूपेश बघेल दावा कर रहे हैं कि हादसे के आरोपियों को किसी भी कीमत पर नहीं छोडा जाएगा। बहरहाल, लाख दावों के बाद भी इस बात से इनकार नहीं किया जा सकता कि तमाम सरकारी कोशिशें नक्सलियों को ठिकाने लगाने में कामयाब नहीं हो पा रही हैं। नक्सली आज भी घात लगा कर इतना बड़ा नुकसान पहुंचाने में सफल रहे। घटना के बाद सरकार और संबंधित महकमों ने भरोसा दिलाया है कि जिम्मेदार लोगों को बख्शा नहीं जाएगा। साथ ही नक्सलियों के खात्मे के लिए अभियान तेज किया जाएगा। इस तरह के सरकारी दावों के कुछ समय बाद ही नक्सली समूह सुनियोजित हमले से बड़ा नुकसान कर देते हैं। इस तरह के हमले में जान गंवाने वाले जवानों की सुरक्षा-व्यवस्था को किस तरह से देखा जाएगा! खबरों के अनुसार दंतेवाड़ा के एक इलाके में नक्सलियों की मौजूदगी की सूचना मिलने पर डीआरजी बल यानी डिस्ट्रिक रिजर्व गार्ड की एक टुकड़ी को मौके पर भेजा गया था। जब यह मौरे पर जा रही थी तभी नक्सलियों ने अरनपुर मार्ग पर 'इम्प्रोवाइज्ड एक्सप्लोसिव डिवाइस' यानी आईईडी विस्फोट कर दिया, जिसमें डीआरजी के दस जवान सहित वाहन चालक की जान चली गई। हमले से साफ है कि डीआरजी जवानों के अभियान की जानकारी नक्सलियों को लग चुकी थी और इसीलिए उन्होंने योजना बना कर यह हमला किया। देखा जाए तो इस तरह की यह कोई पहली घटना नहीं है। इसके पहले भी कई हमले इसी तरह के हो चुके हैं। अक्सर ऐसे हमले के बाद सरकार और सुरक्षा बलों की सख्त मुस्तैदी से नक्सली समूह कुछ समय के लिए शांत पड़ जाते हैं, लेकिन जैसे ही मौका मिलता है वे हिंसक हमले करने से परहेज नहीं करते। इसके जरिए वे अपनी मौजूदगी का भी एहसास कराते रहते हैं। ताजा घटना में जिन डीआरजी के जवानों की जान गई, वे छत्तीसगढ़ पुलिस के खास जवान हैं, जिन्हें केवल नक्सलियों से लड़ने के लिए ही भर्ती किया गया है। इस प्रशिक्षित समूह की विशेषता यह है कि इस समूह में आत्मसर्पण करने वाले और बस्तर के वातावरण में पले-बढ़े लोग शामिल होते हैं। ये लोग चूंकि जटिल जंगल और उसमें अपनी गतिविधियां संचालित करने वाले नक्सलियों के काम करने की प्रकृति को समझते हैं, इसलिए उनके जरिए कई मौकों पर इन्होंने अहम कामयाबी भी दर्ज की है। शायद यही वजह है कि डीआरजी के जवान नक्सलियों के निशाने पर थे। हालांकि इस तरह के हमलों में कई मौकों पर सीआरपीएफ के जवानों पर भी घातक हमले किए गए हैं। हैरानी की बात तो यह है कि अपनी इस तरह की तमाम हिंसक गतिविधियों के बावजूद वे अपने मकसद में आज तक कामयाब नहीं हो सके हैं। इसकी वजह साफ है कि वे अपनी बातें उस समूह तक पहुंचाने में सफल नहीं हो सके हैं जिसको वे चाहते हैं। अच्छी बात यह है कि वे अपने लक्षित समूह का विश्वास भी नहीं जीत सके हैं। इन नक्सलियों के घातक हमलों से निपटने के लिए सरकार की ओर से अब तक जितनी भी कोशिशें और नीतिगत पहल की गई है, उनका असर सिर्फ तात्कालिक महत्त्व के रूप में ही देखने को मिला है। हैरानी वाली बात है कि दंतेवाड़ा जैसे संवेदनशील जगह में सुरक्षा बलों की टीम अपने अभियान पर गई और उसकी पूरी खबर नक्सलियों के हाथ लग गई? जाहिर है, हिंसा को ही अपना राजनीतिक हथियार मानने वाले नक्सली समूहों के खिलाफ सुरक्षा के प्रत्यक्ष मोर्चों के साथ-साथ एक मजबूत और सुगठित खुफिया तंत्र भी जरूरत के अनुसार उनकी मदद कर रहा है। इस घटना के बाद इस पहलू पर भी अब ठोस और रणनीतिक तरीके से काम करने की जरूरत महसूस की जा रही है। घटनास्थल बेहद मुश्किल भौगोलिक क्षेत्र के रूप में जाना जाता है। घने पेडों से आच्छादित जंगल में अपनी गतिविधियां संचालित करने वाले नक्सलियों तक पुलिस का पहुंचना आसान नहीं होता। ऊपर से वहां रह रहे लोगों का जीवन भी अभावों और मुश्किलों से भरा होता है। इसके बाद भी जीवन गुजारते आम लोगों के भीतर सरकार और प्रशासन के प्रति भरोसा पैदा भरपूर है। यही वजह है कि जरूरत पड़ने पर भी वे नक्सलियों को उनके मन के मुताबिक सहयोग नहीं करते । इसका लाभ शासन व प्रशासन वक्त बेवक्त ले सकता है।

बन गए पढ़ाई के दही बड़े!

रामविलास जांगिड़

हर किसी ने सरकारी स्कूलों में पढ़ाई के दही-बड़े बनते हुए देखे होंगे। आखिर ये सरकारी स्कूल पढ़ाई के दही बड़े कैसे बनाते हैं? आपने कभी गौर किया है? पढ़ाई के दही बड़े शिक्षा अधिकारी ही बनाते हैं और शिक्षक-छात्र मिलकर खाते खिलाते हैं। फिर उन्हीं दही बड़ों को कागजों में सूचना बनाकरउछलते हैं।चलिए इस रहस्य से पर्दा उठा देते हैं। सबसे पहले शिक्षा को स्कूलों से साफ करके सूचनाओं के डिजिटल पोर्टल पर भिगोया जाता है। उसके बाद उस भीगी हुई शिक्षा को कागजों व व्हाट्सएपीय शिक्षा समूहों में बारीकी से पीसा जाता है। सारे टीचरों को इसी काम में लगा दिया जाता है। इस पिसी हुई शिक्षा को थेप-थेप कर सरकारी कायदे कानूनों का ऐसा आकार दिया जाता है, जिससे किसी पार्टी विशेष को वोटों की आय होती हो। फिर उसके बाद इन शैक्षिक थेपलों को शिक्षा अधिकारियों की खोपड़ियों में तला जाता है। एक अच्छे खासे खुर्रांट शिक्षक की मदद से इन्हें अच्छी तरह से पकाया जाता है। जब ये शैक्षिक थेपले अच्छी तरह से पक जाते हैं, तो इन्हें स्कूलों के बरामदों में डाला जाता है। थोड़ी देर बच्चों के खोपड़ों में भिगोने के बाद इन्हें निचोड़ लिया जाता है और परीक्षा की कॉपियों में डालकर परोसा जाता है। बन गए पढ़ाई के दही बड़े! आप कहेंगे इसमें दही कहां है? लेकिन हुजूर आप तनिक खोजबीन करेंगे तो आपको दही ही दही दिखाई देगा। सरकारी स्कूल में पढ़ने वाले बच्चों से लेकर शिक्षकों तक के दिमाग का इतना दही बना दिया जाता है कि बेचारी शिक्षा अपने आप को दही-बड़े बनाने से नहीं रोक सकती। इतनी कठिन तपस्या से गुजरने के पश्चात तब कहीं जाकर बड़े बनते हैं। जीवन में भी बड़े बनने के लिए इन सब प्रक्रियाओं से होकर गुजरना पड़ता है। तब कहीं जाकर आदमी बड़ा बनता है। ऐसे आदमी को दही में डुबोकर मजे से खाया जा सकता है। ऐसी शिक्षा का रायता फैला पड़ा है। स्कूलों में शिक्षा का रायता, शिक्षा का दही बड़ा, शिक्षा का कोफ्ता, शिक्षा समोसा; सब कुछ! बस शिक्षा ही नहीं है। स्कूलों में शिक्षा का क्या काम! शिक्षा अधिकारी बैठे-बैठे शिक्षा को रगड़ने का काम करते हैं। शिक्षा हथेली में रखा हुआ जर्दा है, जिसे शिक्षा अधिकारी रगड़ते रहते हैं। कार्यालयों में बैठकर थपकियां देते रहते हैं। चूंटी से पकड़ते हैं। बची-खुची शिक्षा को फूंक मारकर हवा में उड़ाते रहते हैं। चूंटी की गिरफ्त में आई शिक्षा को वे अपने निश्चित स्थान पर, पूर्व में तय की गई दाढ़ की जड़ में रख देते हैं। फिर ऐसी जुगाली करते रहते कि अच्छी खासी भैंस भी इनके आगे पानी भरती रहे। फिर स्कूलों में इसको शानदार ढंग से थूकने का काम करते रहते हैं। पिच्च पिच्च! स्कूलों की दीवारों पर शानदार पोपले मुंह की दुर्गंध युक्त शानदार पिच्चकारी की धार छोड़कर पच्चीकारी कर रहे हैं।

मुंह से तो कुछ बोल नहीं पाते। केवल खों-खों की आवाज करते हुए, हाथों से शिक्षा के दही बड़े बनाते-उछालते शिक्षा अधिकारियों का कारवां चलता चला जा रहा है।

नई तकनीक से बदल गई शल्य चिकित्सा की दुनिया

निरंकार सिंह

स्पेन के सर्जनों की एक टीम ने दुनिया में पहली बार एक रोबोट के जरिए फेफड़े का प्रत्यारोपण सफलतापूर्वक किया है । बर्सिलोना के वेल्डिंग रोड़ अस्पताल के सर्जनों ने यह आप्रेशन किया इस काम को करने में रोबोट को सिर्फ 4 घंटे लगे । इस टीम के प्रमुख डॉक्टर जोरेगोई का कहना है कि इस विधि से ऑपरेशन के बाद जब जल्दी भरेगा और रोगी को दर्द भी कम होगा । इससे पहले रोगी के सीने में लगभग 30 सेंटीमीटर का चीरा लगाया जाता था और पसलियों को काट दिया जाता था । इस नई विधि से सर्जनों ने 14 भुजाओं वाले रोबोट के जरिए रोगी की त्वचा. वसा और मांस पेशियों के एक छोटे से हिस्से को काट कर क्षतिग्रस्त फेफड़े को निकाल कर उसकी जगह नए फेफड़े को लगा दिया ।

इसके लिए उन्होंने सिर्फ 8 सेंटीमीटर का चीरा लगाया और पसलियों को काटने की आवश्यकता नहीं पड़ी। एक नई रोबोटिक प्रक्रिया फेफड़ों के कैंसर से पीड़ित कई लोगों की जान बचा रही है। आमतौर पर, फेफड़ों का कैंसर जानलेवा हो जाता है क्योंकि इसका जल्दी पता लगाना मुश्किल होता है। मेन लाइन हेल्थ के डॉक्टरों का कहना है कि रोबोटिक तकनीक फेफड़ों के कैंसर का जल्द पता लगा सकती है और उसी समय इसका इलाज भी कर सकती है, सीबीएस ने बताया।नई तकनीक को ₹रोबोटिक ब्रोंकोस्कोपी₹ कहा जाता है और डॉक्टरों को इमेजिंग मार्गदर्शन और मिनी-ट्यूब के माध्यम से फेफड़ों के दूरस्थ हिस्सों तक पहुंचने की अनुमति देता है।नई रोबोटिक तकनीक फेफड़ों के कैंसर के घातक होने से पहले उसका पता लगाती है, उसका इलाज करती है। इस तकनीक की सबसे खास बात शायद यह है कि अगर फेफड़े में कैंसर के निशान पाए जाते हैं, तो डॉक्टर उसी समय इसका इलाज कर सकते हैं, जब मरीज सामान्य संज्ञाहरण के तहत होते हैं।जब वे जागते हैं, तो हम कहते हैं कि आपको फेफड़े का कैंसर है और इसका इलाज हो गया है। और यह सब अंतर है, मेन लाइन हेल्थ के डॉ। पैट्रिक रॉस ने सीबीएस को बताया, इसे क्रांतिकारी कहा।डॉक्टरों के अनुसार, यह रोबोटिक तकनीक उन लोगों के लिए विशेष रूप से महत्वपूर्ण हो सकती है, जिन्हें फेफड़ों के कैंसर के विकास का उच्च जोखिम है।

एक नई रिपोर्ट के मुताबिक, पूर्व धूम्रपान करने वाले जो इस तकनीक का लाभ उठा सकते हैं, उन्हें इसकी पहुंच नहीं मिल रही है। रुझान यह भी बताते हैं कि युवा धूम्रपान न करने वाले भी इन दिनों फेफड़ों के कैंसर का शिकार हो रहे हैं। वायु प्रदूषण जैसे कारक लोगों में फेफड़ों के कैंसर के विकास की संभावनाओं को बढ़ा सकते हैं। धूम्रपान के अलावा, फेफड़ों के कैंसर का एक और आम कारण रेडॉन है, एक रेडियोधर्मी गैस जो तब बनती है जब रेडियोधर्मी धातुएं चट्टानों, मिट्टी में स्वाभाविक रूप से टूट जाती हैं।भारत में फेफड़ों के कैंसर के लगभग 70,000 मामले सामने आते हैं। 2025 में ये संख्या पुरुषों में 81,000+ और महिलाओं में 30,000 तक बढ़ने की उम्मीद है। इस तरह की तकनीक फेफड़ों के कैंसर से जुड़ी मौतों को सीमित करने में बेहद उपयोगी हो सकती है। भारत में पहली बार किसी सर्जरी को रोबो (Robot) ने अंजाम दिया है। दिल्ली में 1 मरीज की स्पाइन सर्जरी में रोबो की मदद ली गई और ऑपरेशन सफल रहा. इस उपलब्धि से भारत अब अमेरिका के बाद ऐसा दूसरा देश बन गया है। जहां पहली बार 1 रोबोट ने सफल स्पाइन सर्जरी की है। भारत में अपने आप मे पहला ऐसा रोबो जो अब मुश्किल से मुश्किल सर्जरी आसान कर देगा।

फिलहाल यह स्पाइनल इंजरीज से जुड़ी सर्जरी करेगा। इस रोबो से की जाने वाली सर्जरी 1 बार में और समय से पूरी होगी. बोन कैंसर, ज्वाइंट रिप्लेसमेंट, हड्डियों के अंदरुनी हिस्सों तक पहुंचने में इसका इस्तेमाल किया जा सकेगा. दिल्ली के इंडियन स्पाइन इंजरीज सेंटर में मौजूद इस एडवांस्ड रोबो ने अब तक 5 सफल सर्जरी कर मेडिकल फील्ड में खुद को साबित कर दिया है।

रोबो की मदद से स्पाइन कैंसर की सर्जरी भी आसानी से हो सकेगी। इसमें रोबो को हड्डी में 1.6 मिमी का गड्ढा करना है तो भी डॉक्टर के आदेश पर रोबोट उसे आसानी से कर देगा। जानकारों का मानना है कि रोबो के आने से ऑपरेशन सटीक, सुरक्षित होंगे। साथ ही इससे सर्जरी का समय भी कम हो जाएगा। ऑपरेशन के दौरान बहने वाले खून की क्षति भी कम होगी। नई तकनीकों के विकास के साथ-साथ स्वास्थ्य सेवाओं की दुनिया भी बदलती जा रही है। क्वांटम गणना और दिमागी मशीन अर्थात आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस का उपयोग अब शल्य चिकित्सा के क्षेत्र में भी होने लगा है। आभासी वास्तविकता (वर्चुअल रियलिटी) और संवर्द्धित वास्तविकता (ऑगमेटेड रियलिटी) जैसी तकनीकों के विकास से हमारी स्वास्थ्य सेवायें अब और बेहतर होती जा रही है।

संवर्द्धित वास्तविकता (आगमेटेड रियलिटी या एआर)- आभासी वास्तविकता (वर्चुअल रियलिटी) और वीडियो सहित कई तकनीकों का संयोजन है जहां आप एक डिजिटल दुनिया के भीतर जा सकते हैं। यह अवधारणा धीरे-धीरे अत्यधिक महत्व प्राप्त कर रही है। एआर का उपयोग गेमिंग, मनोरंजन, शिक्षा और विज्ञापन सहित विभिन्न क्षेत्रों में किया गया है। पिछले कुछ वर्षो में, एआर ने स्वास्थ्य सेवा उद्योग में विशेष रूप से चिकित्सा प्रशिक्षण, रोगी की देखभाल और शल्य चिकित्सा प्रक्रियाओं में महत्वपूर्ण तरीके से उपस्थिति दर्ज की है। यह नयी तकनीक न केवल डाक्टरों को स्थितियों का सटीक निदान और उपचार करने में मदद करती है, बल्कि यह रोगियों को उनके लक्षणों की समझ की सुविधा भी देती है। इस प्रकार उनकी उपचार योजना में अधिक जुड़ाव और भागीदारी को बढ़ावा देती है। संर्जरी में एआर का उपयोग करने का एक अन्य लाभ दूरस्थ विशेषज्ञता का लाभ उठाने की क्षमता है। कुछ मामलों में सर्जरी करने के लिए एक विशेषज्ञ की आवश्यकता हो सकती है, लेकिन वे मीलों दूर किसी और शहर में हो सकते हैं। एआर-आधारित एप्लिकेशन और डिजिटल उपकरणों का उपयोग करके, सर्जन सर्जरी करते समय दूरस्थ विशेषज्ञों के साथ रीयल टाइम विजुअल-आधारित संचार व्यवस्था के जरिए उनसे सम्पर्क बनाये रख सकते हैं। आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस और इंटरनेट आफ थिंग्स जैसे उन्नत विश्लेषण के साथ एआर आधारित सुविधाओं का संयोजन और भी महत्वपूर्ण लाभ प्रदान कर सकता है, जिससे सर्जिकल परिणामों में और बेहतर सुधार हो सकता है। मेडिकल इमेजिंग शरीर के आंतरिक या भीतर के दृश्य प्रस्तुतियों को दर्शाने के लिए तकनीक के उपयोग को संदर्भित करता है, जिसका उपयोग चिकित्सा पेशेवरों द्वारा विभिन्न स्थितियों का पता लगाने और निदान एवं उपचार करने के लिए किया जाता है।

एआर तकनीक में चिकित्सा पेशेवरों को वास्तविक समय में इंटरैक्टिव दृश्य की प्रतिक्रिया प्रदान करके चिकित्सा इमेजिंग को बढ़ाने की क्षमता है। एआर का इस्तेमाल विशेष उपकरणों को बनाने के लिए किया जा सकता है जो आंतरिक अंगों की विभिन्न संरचनाओं और छवियों को तस्वीर की शक्ल में उतारने के लिए सेंसर और साफ्टवेयर के साथ संयोजन करते हैं।

रोगी की स्थिति का व्यापक और विस्तृत दृश्य प्रदान करने के लिए ग्राफिक्स और अन्य दृश्य साधनों का उपयोग करके यह जानकारी वास्तविक समय में प्रदर्शित की जा सकती है। यह चिकित्सा पेशेवरों को संभावित समस्याओं की अधिक तेजी से और सटीक रूप से पहचान करने और उसके उपचार योजनाओं को तैयार करने में मदद करती है। मेडिकल इमेजिंग में एआर का एक प्रमुख लाभ यह है कि यह रोगियों को उनकी स्थिति और उपचार के विकल्पों के बारे में शिक्षित करने में मदद कर सकता है।

रोगी के आंतरिक अंगों के चित्रांकन करके और यह दिखाते हुए कि विभिन्न उपचार उन्हें कैसे प्रभावित करेंगे, चिकित्सा पेशेवर को रोगियों की स्थिति को बेहतर ढंग से समझने और उनके उपचार के बारे में समुचित निर्णय लेने में मदद करता है। यह शल्य प्रक्रियाओं के दौरान त्रुटियों और जटिलताओं के जोखिम को कम करने में मदद कर सकता है, जिससे रोगियों के लिए बेहतर परिणाम मिलते हैं।

देश की आन्तरिक सुरक्षा को चुनौती दे रहा नक्सलवाद

अशोक भाटिया

छत्तीसगढ़ के दंतेवाडा कल फिर नक्सलियों ने हमारे वीर जवानों के खून की होली खेली है। आईईडी ब्लास्ट में 10 जवान वीरगति को प्राप्त हो गए। साथ ही, जवानों को ले जा रहे वाहन के ड्राइवर की भी जान चली गई। आईईडी इतना बड़ा और ताकतवर था कि सड़क पर काफी लंबा, चौड़ा और गहरा गड्ढा हो गया। इसे देखते ही कोई भी समझ जाएगा कि नक्सलियों ने कितने गुप्त तरीके से, कितनी बड़ी साजिश को अंजाम दिया है। हैरानी की बात है कि जहां हमारे जवानों पर हमला हुआ है, उस दंतेवाड़ा इलाके में लंबे समय से नक्सल विरोधी अभियान चल रहे हैं, फिर भी वहां गाहे-बगाहे बड़ी वारदातें सामने आ ही जाती हैं। ऐसा भी नहीं है कि नक्सली सिर्फ दंतेवाड़ा के इलाके तक ही सीमित रह गए हैं, बस्तर, बीजापुर और सुकमा की पहाड़ियों से भी उन्हें अब तक पूरी तरह उखाड़ा नहीं जा सका है। 25 मई, 2013 को इसी सुकमा की झीरम घाटी में 200 नक्सलियों ने कांग्रेस पार्टी की रैली पर हमला कर दिया था जिसमें तत्कालीन प्रदेश कांग्रेस प्रमुख नंद कुमार पटेल, पूर्व केंद्रीय मंत्री विद्याचरण शुक्ल, छत्तीसगढ़ विधानसभा में विपक्ष के पूर्व नेता महेंद्र कर्मा सहित 32 लोगों की जान चली गई थी। इस खौफनाक वाकये को 200 से ज्यादा नक्सलियों ने अंजाम दिया था। फिर 2 अप्रैल 2021 का वो दिन, जब सुरक्षा बलों के 2,000 जवानों ने एक साथ बीजापुर और सुकमा के जंगलों में धावा बोल दिया। नक्सल विरोधी इस बड़े अभियान में भी 22 जवानों को जान गंवानी पड़ी थी। कुल मिलाकर कहें तो छत्तीसगढ़ की धरती नक्सल नरसंहारों से लाल होती रहती है। आज बेशक नक्सलियों पर नकेल की बात की जा रही हो लेकिन अभी भी नक्सली आतंकी इन क्षेत्रों में सक्रिय हैं। वर्ष 2014 में भाजपा-नीत सरकार के गठन के बाद गृहमंत्री राजनाथ सिंह ने नक्सल समस्या पर कहा था कि 'हमारी सरकार 'जीरो-टोलरेंस' नीति पर काम करेगी। हालांकि वर्ष 2013 के बाद नक्सली मूमेंट में कुछ हद तक कमी जरुर दिखी थी, उसके बाद भी हुए हमलों से यह साफ़ हुआ है कि सरकारी सख्ती से नक्सली लड़ाके सुस्त जरुर हुए हैं, लेकिन यह समस्या पूरी तरह से समाप्त नही हुई है। दंतेवाडा में हुए इस हमले के बाद देश की आन्तरिक सुरक्षा को चुनौती दे रहे नक्सलवाद को लेकर एकबार फिर कई सवाल खड़े होने लगे हैं। सबसे बड़ा सवाल ये है कि छह दशक से देश में पाँव पसार रहे नक्सलवाद पर लगाम लगाने में आखिर हमारा तंत्र पूरी तरह कामयाब क्यों नहीं हो पा रहा है ? वहीँ दूसरा सवाल ये है कि आखिर नीतिगत स्तर पर नक्सलवाद की समस्या से निपटने के लिए किस ढंग के प्रयास किये जाने चाहिए ? इन तमाम सवालों को समझने के लिए नक्सलवाद के संक्षिप्त इतिहास एवं इसके राजनीतिकरण की वजहों को समझना जरुरी होगा। इसमें कोई शक नही कि साठ के दशक में चारु मजुमदार के नेतृत्व में हक़ और हकूक की लड़ाई के नाम पर पश्चिम बंगाल के नक्सलबाड़ी से नक्सल आन्दोलन शुरू हुआ था। शुरूआती दौर में इसे एक राजनीतिक आन्दोलन बताया गया था। मगर समय के साथ-साथ यह आन्दोलन अपने मूल चरित्र के साथ सामने आता गया और आज इसका असली चरित्र सबके सामने है। पश्चिम बंगाल के नक्सलबाड़ी से शुरू हुआ वह तथाकथित आंदोलन आज आंदोलन भी कहा जाना चाहिए कि नहीं यह बात आज संदिग्ध बहस के घेरे में है। हक और हकूक की लड़ाई कब और किस तरह आंदोलन से भटककर आतंकवाद का रूप पकड़ लेती इसका प्रमाण पिछले कुछ सालों में हुई नक्सली वारदातों से मिलता रहा है। हालांकि इस हिंसा की प्रवृति को जनताना आन्दोलन का नाम देकर बौद्धिक पोषण देने का काम भी होता रहा है। लेकिन हिंसा की शर्तों पर एक लोकतांत्रिक राज्य को चुनौती देना किसी भी नजरिये से न तो लोकतांत्रिक कहा जा सकता है न ही मानविक ही कहा जा सकता है। नक्सल प्रभावित राज्यों में हुए पिछले तमाम चुनावों ने यह साबित किया है कि वहां की स्थानीय जनता, जिनकी आड़ लेकर नक्सलवादी इस हिंसाचार को अंजाम दे रहे हैं, ने नक्सलवाद को पूरी तरह से खारिज किया है। यह प्रमाणित तथ्य है कि नक्सलियों के विरोध और आह्वान के बावजूद छत्तीसगढ़ के विधानसभा चुनावों में लगभग 70 फीसद तक मतदान हुआ था। ऐसे में यह कहा जा सकता है कि स्थानीय जनता नक्सलियों के साथ बिलकुल भी नहीं है। यह समय नक्सली समर्थन के विचारधारा वाले कथित बुद्धिजीवियों के आत्ममंथन का भी है कि आखिर ऐसी क्या वजह है कि जिस आंदोलन को वो जनताना सरकार की मांग की हिंसक शर्तों पर चलाते रहे हैं उसी कथित हिंसक एवं तथाकथित जनताना आंदोलन के खिलाफ उसी के गढ़ में 68% आम जनता का बहुमत हमेशा से खड़ा रहा है। वर्तमान लोकतान्त्रिक स्वरुप के पक्ष में खड़ी जनता का बहुमत क्या यह सोचने पर मजबूर नहीं कर रहा कि आंदोलन के इस हिंसात्मक ढंग को देश की जनता नकार चुकी है और अब नक्सली नेताओं को भी हिंसा का रास्ता छोड़कर लोकतंत्र में जगह बनाकर अपनी लड़ाई लड़नी चाहिए ? यह नक्सलवाद के समर्थक बुद्धिजीवियों के लिए भी आत्ममंथन का विषय है। नक्सलवाद का समर्थन करने वाले तथाकथित बुद्धिजीवियों का जिक्र इसलिए जरुरी है क्योंकि अब यह महज संदेह तक सीमित बात नहीं है। दिल्ली विश्वविद्यालय से एक प्रोफ़ेसर को वर्ष 2014 में नक्सलियों से संबंध होने के आरोप में गिरफ्तार किया गया था और अभी हाल में ही गढ़चिरौली की अदालत ने उम्र कैद की सजा सुनाई है। जब दिल्ली के एक विश्वविद्यालय के प्रोफ़ेसर का तार नक्सलियों से जुड़ता है तो इस संदेह को पुख्ता करता है कि बस्तर के जंगलों में नक्सलवाद की जो फसल लहलहा रही है, उसकी बौद्धिक खुराक इन्हीं तथाकथित बुद्धिजीवियों से मिलती है। कहीं न कहीं अलगाववाद, बहुराष्ट्रवाद एवं सर्वहारा की तानाशाही सहित वर्गशत्रु की अवधारणा को वैचारिकी का जामा पहनाकर देश में अस्थिरिता की स्थिति पैदा करने की कोशिश कुछ मोर्चों पर की जा रही है, जिसका परिणाम है कि आज भी नक्सलवाद की हिंसक गतिविधियाँ जहाँ-तहाँ सक्रीय हैं। अब अगर इस समस्या की मूल वजह एवं इसके निराकरण पर बात करें तो यह कई बार कहा जा चुका है कि भारत में वामपंथी आन्दोलन का यह नक्सली स्वरुप भारत के अहित में जुटे बाहरी देशों द्वारा प्रायोजित है।

मासूमों के साथ बर्बरता का सिलसिला कब तक ?

मनोज कुमार अग्रवाल

देश के अलग अलग हिस्सों से तकरीबन हर दिन छोटी छोटी मासूम बच्चियों के साथ हैवानियत भरी दरिंदगी करने और उन की नृशंस हत्या करने के मामले सामने आ रहे हैं। ये मामले बेहद क्रूरता भरे और दिल दहला देने वाले हैं ताजा वारदात बुलंदशहर के जहांगीराबाद में 5 साल की बच्ची से रेप के बाद हत्या का मामला सामने आया है। बच्ची से दुष्कर्म के बाद हत्या की सूचना मिलने पर भारी संख्या में लोगों की भीड़ जुट गई। उन्होंने घटना की जानकारी पुलिस को दी। मौके पर पहुंची पुलिस आरोपी को हिरासत में लेकर मामले की जांच पड़ताल कर रही है। साथ ही बच्ची के शव को कब्जे में लेकर पोस्टमॉर्टम के लिए भेज दिया।जनपद बुलंदशहर के जहांगीराबाद कस्बे के एक मोहल्ले की रहने वाली 5 वर्षीय बच्ची रविवार को 4 बजे से गायब थी। परिजनों ने काफी खोजबीन की, लेकिन उसका कोई सुराग नहीं लगा। रात करीब 9 बजे युवक के घर में बच्ची मृत अवस्था में मिली। परिजनों ने पुलिस को मामले की जानकारी मिली। घटना के बाद मौके पर बड़ी संख्या में लोग इकट्ठे हो गए। पुलिस ने मौके पर पहुंचकर शव को कब्जे में लेकर पोस्टमॉर्टम के लिए भेज दिया। एसपी देहात ने मौके पर पहुंचकर परिजनों से घटना की जानकारी ली। मासूम अबोध बच्ची घर के बाहर खेल रही थी। उसी दौरान पड़ोसी युवक उसे बहला-फुसलाकर अपने घर ले गया। जहां उसके साथ दरिंदगी की, इसके बाद हत्या कर दी। परिजन बच्ची की तलाश कर थे। इस दौरान जानकारी मिली कि बच्ची युवक के साथ देखी गई थी।जिसके बाद परिजन आरोपी के घर पर पहुंचे तो उन्होंने बच्ची को अस्त-व्यस्त कपड़ों में मृत अवस्था में देखा।क्षेत्राधिकारी अनूपशहर अन्विता उपाध्याय के मुताबिक मासूम की रेप के बाद हत्या किए जाने की आशंका है। शव को पोस्टमॉर्टम के लिए भेज दिया गया है। एसपी देहात ने मौका मुआयना किया है और परिजनों से तहरीर लेकर रिपोर्ट दर्ज की जा रही है। आरोपी युवक को हिरासत में ले लिया गया है। मामले की जांच की जा रही है। उधर राजस्थान के उदयपुर से एक दिल दहला देने वाली घटना सामने आई है। उदयपुर के मावली में एक 8 साल की मासूम बच्ची के साथ दरिंदगी और फिर उसकी बेरहमी से हत्या कर दी गई। इस हादसे के बाद मावली के लोग सदमे में है।लोग ये जान कर हैरान हैं कि कोई इतनी हैवानियत कैसे कर सकता है। बता दें कि हत्यारे ने पहले बच्ची के साथ दुष्कर्म किया। इसके बाद गला घोंटकर उसकी हत्या कर दी। वह यहीं नहीं रुका। उसने बच्ची के शव के साथ भी दुष्कर्म किया और इसके बाद 10 टुकड़े कर दिए। पहले हत्यारे ने बच्ची के शव को चाकू से काटने की कोशिश की, लेकिन जब ऐसा नहीं हो पाया तो उसने लकड़ी काटने वाले कुल्हाड़ीनुमा औजार(कूट) से बच्ची का सिर धड़ से अलग कर दिया। उत्तर प्रदेश के मुजफ्फरनगर से रोंगटे खड़े कर देने वाली खबर सानने आई है।यहां 10 साल के लड़के ने स्कूल में तीन साल की बच्ची से रेप किया. आरोपी लड़के को पुलिस ने हिरासत में ले लिया है. वहीं, बच्ची का मेडिकल करवाया जा रहा है। एक न्यूज एजेंसी के मुताबिक, बच्ची के परिजनों ने रविवार को आरोपी लड़के के खिलाफ मामला दर्ज करवाया है. पुलिस ने बताया कि लड़का और बच्ची एक ही स्कूल में पढ़ते हैं. आरोपी लड़का पहली कक्षा का छात्र है. जबकि, 3 साल की मासूम प्लेग्रुप की स्टूडेंट है। पीड़िता के परिजनों के अनुसार, लड़का ने रेप की वारदात को स्कूल की छत में अंजाम दिया है. वह उसे बहाने से स्कूल की छत पर ले गया। फिर उसके साथ रेप किया. बच्ची जब घर पहुंची तो उसके प्राइवेट पार्ट से खून निकल रहा था. उसने घर वालों को लड़के की हरकत के बारे में बताया. परिजन तुरंत बच्ची को लेकर थाने पहुंचे और आरोपी लड़के के खिलाफ मामला दर्ज करवाया।

करीब एक माह पहले गाजियाबाद में भी बेहद शर्मनाक व हैवानियत भरी वारदात सामने आई थी जहां 4 साल की मासूम की उसके पोषण करने वाले ने ही हत्या कर दी. इस मामले में आरोपी द्वारा ही बच्ची की गुमशुदगी की रिपोर्ट दर्ज कराई गई थी, जिसके बाद पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार किया गया था। दरअसल इस बच्ची के पिता की मौत हो गई थी और मां मानसिक बीमारी के कारण मानसिक अस्पताल में रह रही थी ऐसे हालात में एक परिचित ने एक चार साल की बच्ची को गोद लिया लेकिन इस गोद लेने वाले व्यक्ति में हैवानियत भरी हरकतें शुरू कर दी और एक दिन अपनी दरिंदगी का खुलासा हो जाने के भय से उस ने चार साल की मासूम की हत्या कर लाश फेंक दी।

दिखावा है दिखावा

डॉ. सुरेश कुमार मिश्रा

जब मनुष्य न कहलायें तो धर्म हिंदू हो या मुसलमान क्या फर्क पड़ता है? मंदिर की चौखट पर बैठने वाले भिखारी हिंदू ही सही वहाँ आने वाले भक्त गले थोड़े न लगायेंगे। उसी तरह मस्जिद के आगे बैठने वाले फकीर मुस्लिम हुए तो क्या हुआ, इबादत के लिए आने वाले नमाज पढ़ेंगे न कि गले लगाते फिरेंगे। क्या फर्क पड़ता है हिंदू या मुसलमान होने से? हिंदू चाहे कितने भी व्रत क्यों न कर लें और मुसलमान चाहे जितने भी रोजे रख लें, दोनों टैक्स से बचने के लिए छोटी सी छोटी संभावना के लिए हाथ-पैर मारते ही हैं, क्योंकि पैसे दोनों को प्यारे हैं। हो सकता है एक के मंत्रों की भाषा संस्कृत हो और दूसरे के आयतों की भाषा अरबी लेकिन दोनों के बच्चे पढ़ते तो अंग्रेजी मीडियम के स्कूल में ही हैं न! क्या फर्क पड़ता है कि भगवद्गीता की भाषा संस्कृत है या फिर क़ुरान की भाषा अरबी? दोनों ही आज के चकाचौंध वाले अंग्रेजी मीडियम स्कूलों में दम तोड़ती नजर आ रही हैं।मंदिर जाने वाला भक्त जिस ऊबर-खाबड़ सड़क से होकर गुजरता है उसी सड़क से कोई नमाजी नमाज अदा करने लिए मस्जिद जाता है। दोनों के रास्ते में विकास का टायर कब का पंक्चर हो गया है। दोनों ही कौमों के न जाने कितने लोग गिरकर अपने हाथ-पैर तुड़वा चुके हैं। चाहे हलवा, पूड़ी, खीर बनाना हो या फिर बिरयानी, शीरखुर्मा दोनों के लिए किराणा की दुकान में कीमतों की सूची तो एक ही होती है। महंगाई दोनों के लिए एक जैसी होती है। कोई आँखों के बीच माथे पर जितना बड़ा तिलक या फिर कोई आँखों में जितना सुरमा लगा लें दोनों की आँखें मिलावट को पहचानने से धोखा खा ही जाती हैं। कोई वास्तुदोष को ध्यान में रखकर घर बनाता है तो कोई बिना वास्तु के, लेकिन क्या फर्क पड़ता है? दोनों के घर के आगे मैनहोल तो खुला रहता है। बदबू दोनों को एक सी मारती है। चाहे इसे देवभूमि कह लो या फिर सारे जहाँ से अच्छा दोनों को खुली हवा में सांस लेने की आजादी कहाँ है? दोनों ही प्रदूषण के शिकार हैं। दोनों ही बिन माँगी बीमारियों के फरियादी हैं। हर दिन पवित्र गोमूत्र पीने से न गरीबी मिटने वाली है और न ही दाढ़ी मूँछ बढ़ाने से दो जून की रोटी मिलने वाली है। जब तक वे दोनों अपना पसीना नहीं बहायेंगे तब तक उन्हें कोई मेहनताना देने के लिए तैयार नहीं है। चाहे कन्या का विवाह पूर्ण संस्कारों से हों या फिर बेटी की शादी पूरे तौर-तरीकों से। दोनों इसी चिंता में तिल-तिल जला करते हैं कि उनकी लड़की जलने या मरने से बची तो रहेगी न!

कल है सीता नवमी?

पूजा मुहूर्त, तिथि और महत्व

हुआ था और वैशाख शुक्ल नवमी को माता सीता की उत्पत्ति हुई थी। तिरुपति के ज्योतिषाचार्य डॉ। कृष्ण कुमार भार्गव से जानते हैं सीता नवमी की तिथि, पूजा मुहूर्त, शुभ योग आदि के बारे में।

सीता नवमी 2023 तिथि मुहूर्त

हिंदू कैलेंडर के अनुसार, इस साल वैशाख माह के शुक्ल पक्ष की नवमी तिथि का प्रारंभ 28 अप्रैल दिन शुक्रवार को शाम 04 बजकर 01 मिनट से हो रहा है। यह तिथि अगले दिन 29 अप्रैल शनिवार को शाम 06 बजकर 2 मिनट पर खत्म हो जाएगी। ऐसे में उदयातिथि की मान्यता के अनुसार सीता नवमी 29 अप्रैल को मनाई जाएगी।

सीता नवमी 2023 पूजा मुहूर्त

29 अप्रैल को सीता नवमी के दिन पूजा का शुभ मुहूर्त सुबह 10 बजकर 19 मिनट से प्रारंभ हो रहा है और यह दोपहर 12 बजकर 56 मिनट तक रहेगा। ऐसे में सीता नवमी के दिन पूजा के लिए 2 घंटे 37 मिनट का समय मिलेगा।

सीता नवमी का महत्व

सीता नवमी के दिन सुहागन महिलाएं व्रत रखती हैं और माता सीता के साथ भगवान श्रीराम की पूजा करती हैं। इस व्रत को करने से सौभाग्य की प्राप्ति होती है। पति को लंबी आयु प्राप्त होती है।

रवि योग में मनेगी सीता नवमी

इस साल 29 अप्रैल को सीता नवमी वाले दिन रवि योग बना है। इस दिन रवि योग दोपहर 12 बजकर 47 मिनट से प्रारंभ हो रहा है और यह अगले दिन 30 अप्रैल को सुबह 05 बजकर 05 मिनट तक है। इस दिन का शुभ समय यानि अभिजित मुहूर्त दिन में 11 बजकर 12 मिनट से दोपहर 12 बजकर 04 मिनट तक है।

वैशाख माह के शुक्ल पक्ष की नवमी तिथि को सीता नवमी मनाते हैं। इस तिथि को माता सीता का जन्म हुआ था। इस वजह से इस दिन को सीता जयंती भी कहते हैं। सीता जी के पिता मिथिला के राजा जनक जी थे, इसलिए सीता जी को जानकी भी कहा जाता है। इस तरह से सीता नवमी जानकी नवमी के नाम से भी जानी जाती है। सीता नवमी राम नवमी से ठीक एक माह बाद आती है। चैत्र शुक्ल नवमी को भगवान राम का जन्म

सीता नवमी के उपाय

1.सीता नवमी के दिन सुहागन महिलाएं माता सीता को श्रृंगार की सामग्री अर्पित करें। इससे उनको अखंड सौभाग्य प्राप्त होगा।

2. सुखी दांपत्य जीवन के लिए पति और पत्नी साथ में माता सीता और भगवान राम की पूजा करें। इससे वैवाहिक जीवन सुखद और शांतिपूर्ण रहेगा। -मुकेश ऋषि

क्या था माता लक्ष्मी के माता-पिता का नाम

पुराणों में माता लक्ष्मी की उत्पत्ति के बारे में विरोधाभास पाया जाता है। एक कथा अनुसार माता लक्ष्मी की उत्पत्ति समुद्र मंथन के निकले रत्नों के साथ हुई थी। लेकिन दूसरी कथा कुछ और ही कहती है। भगवान विष्णु की पत्नी है माता लक्ष्मी। दरअसल, पुराणों की कथा में छुपे रहस्य को जानना थोड़ा मुश्किल होता है। इससे समझना जरूरी है। आपको शायद पता ही होगा कि शिवपुराण अनुसार ब्रह्मा, विष्णु और महेश के माता पिता का नाम सदाशिव और दुर्गा बताया गया है। उसी तरह तीनों देवियों के भी माता पिता रहे हैं। अर्थात किसी की भी उत्पत्ति असाधारण नहीं थी। लेकिन पुराणों में उनकी उत्पत्ति और उनके शक्ति को अलंकारिक तरीके से प्रस्तुत किया गया। खैर..

समुद्र मंथन वाली लक्ष्मी : समुद्र मंथन से कुल 14 तरह के रत्न आदि उत्पन्न हुए थे। उनको सूरों (देव) और असुरों ने आपस में बांट लिया था। हलाहल विष निकला जिन्हें भगवान शिव ने अपने कंठ में धारण कर लिया, फिर सुरभि नामक कामधेनु गाय उत्पन्न हुई।

उसके बाद उड़ने वाला उच्चैः श्रवा घोड़ा नामक घोड़ा निकला, फिर ऐरावत हाथी, फिर कौस्तुभ मणि, फिर कल्पद्रुम नाम का दुनिया का पहला धर्मग्रंथ निकला, फिर रंभा नामक अप्सरा, फिर महालक्ष्मी (गोल्ड), फिर वारुणी नामक मदिरा, फिर चंद्रमा, फिर पारिजात का वृक्ष, फिर पांचजन्य शंख, धन्वंतरि वैद्य (औषधि) और अंत में अमृत निकला था।

समुद्र मंथन के दौरान लक्ष्मी की उत्पत्ति भी हुई। लक्ष्मी अर्थात श्री और समृद्धि की उत्पत्ति। कुछ लोग इसे सोने (गोल्ड) से जोड़ते हैं, लेकिन कुछ लोग इसे देवी मानते हैं। समुद्र मंथन से उत्पन्न लक्ष्मी को कमला कहते हैं जो दस महाविद्याओं में से अंतीम महाविद्या है। देवताओं तथा दानवों ने मिलकर, अधिक सम्पन्न होने हेतु समुद्र का मंथन किया, समुद्र मंथन से 18 रत्न प्राप्त हुए, जिन में देवी लक्ष्मी भी थी, जिन्हें भगवान विष्णु को प्रदान किया गया था। इसी कारण देवी कमला, जगत पालन कर्ता भगवान विष्णु की पत्नी कही गई है। उन महालक्ष्मी ने स्वयं ही विष्णु को वर लिया था।

देवी का घनिष्ठ संबंध देवराज इन्द्र तथा कुबेर से हैं, इन्द्र देवताओं तथा स्वर्ग के राजा हैं तथा कुबेर देवताओं के खजाने के रक्षक के पद पर आसीन हैं। देवी लक्ष्मी ही इंद्र तथा कुबेर को इस प्रकार का वैभव, राजसी सत्ता प्रदान करती हैं। अध्ययन से पता चलता है कि समुद्र मंथन से निकली लक्ष्मी को वैभव और समृद्धि से जोड़कर देखा गया, जिसमें सोना, चांदी आदि कीमती धातुएं थी जो कि लक्ष्मी का प्रतिक है।

विष्णु प्रिया लक्ष्मी : ऋषि भृगु की पुत्री माता लक्ष्मी थीं। उनकी माता का नाम ख्याति था। (समुद्र मंथन के बाद क्षीरसागर से जो लक्ष्मी उत्पन्न हुई थी उसका इनसे कोई संबंध नहीं।) महर्षि भृगु विष्णु के श्वसुर और शिव के साढ़ू थे। महर्षि भृगु को भी सप्तर्षियों में स्थान मिला है। राजा दक्ष के भाई भृगु ऋषि थे। इसका मतलब राजा दक्ष की भतीजी थीं। माता लक्ष्मी के दो भाई दाता और विधाता थे। भगवान शिव की पहली पत्नी माता सती उनकी (लक्ष्मीजी की) सौतेली बहन थीं। सती राजा दक्ष की पुत्री थी। माता लक्ष्मी के 18 पुत्रों में से प्रमुख चार पुत्रों के नाम हैं:- आनंद, कर्दम, श्रीद, चिक्लीत। माता लक्ष्मी को दक्षिण भारत में श्रीदेवी कहा जाता है।

लक्ष्मी-विष्णु विवाह कथा : जब लक्ष्मीजी बड़ी हुई तो वह भगवान नारायण के गुण-प्रभाव का वर्णन सुनकर उनमें ही अनुरक्त हो गई और उनको पाने के लिए तपस्या करने लगी उसी तरह जिस तरह पार्वतीजी ने शिव को पाने के लिए तपस्या की थी। वे समुद्र तट पर घोण तपस्या करने लगीं। तदनन्तर लक्ष्मी जी की इच्छानुसार भगवान विष्णु ने उन्हें पत्नी रूप में स्वीकार किया।

दूसरी विवाह कथा : एक बार लक्ष्मीजी के लिए स्वयंवर का आयोजन हुआ। माता लक्ष्मी पहले ही मन ही मन विष्णु जी को पती रूप में स्वीकार कर चुकी थी लेकिन नारद मुनि भी लक्ष्मीजी से विवाह करना चाहते थे। नारदजी ने सोचा कि यह राजकुमारी हरि रूप पाकर ही उनका वरण करेगी। तब नारदजी विष्णु भगवान के पास हरि के समान सुन्दर रूप मांगने पहुंच गए।

विष्णु भगवान ने नारद की इच्छा के अनुसार उन्हें हरि रूप दे दिया। हरि रूप लेकर जब नारद राजकुमारी के स्वयंवर में पहुंचे तो उन्हें विश्वास था कि राजकुमारी उन्हें ही वरमाला पहनाएगी। लेकिन ऐसा नहीं हुआ।

राजकुमारी ने नारद को छोड़कर भगवान विष्णु के गले में वरमाला डाल दी। नारद वहाँ से उदास होकर लौट रहे थे तो रास्ते में एक जलाशय में अपना चेहरा देखा। अपने चेहरे को देखकर नारद हैरान रह गये क्योंकि उनका चेहरा बन्दर जैसा लग रहा था।

हरि का एक अर्थ विष्णु होता है और एक वानर होता है। भगवान विष्णु ने नारद को वानर रूप दे दिया था। नारद समझ गए कि भगवान विष्णु ने उनके साथ छल किया। उनको भगवान पर बड़ा क्रोध आया। नारद सीधा बैकुण्ठ पहुँचे और आवेश में आकर भगवान को श्राप दे दिया कि आपको मनुष्य रूप में जन्म लेकर पृथ्वी पर जाना होगा। जिस तरह मुझे स्त्री का वियोग सहना पड़ा है उसी प्रकार आपको भी वियोग सहना होगा। इसलिए राम और सीता के रूप में जन्म लेकर विष्णु और देवी लक्ष्मी को वियोग सहना पड़ा।

क्या आप भी है बढ़ते कर्ज से परेशान तो अपनाएं ये खास टिप्स

कुछ मजबूरियों की वजह से कई बार हमें कर्ज लेने की जरूरत पड़ जाती है। हम कर्ज ले तो लेते हैं परंतु उसे चुका नहीं पाते। चाहे कितना भी प्रयास कर लो फिर भी कुछ न कुछ चुकाना बच ही जाता है, इसलिये आज हम आपको कर्ज के बोझ से कैसे बच सकते है।

कर्ज की किस्त चुकाने के लिए हमेशा मंगलवार के दिन का ही चयन करना चाहिए। इस दिन किसी का पैसा वापस लौटाने से कर्ज जल्दी उतर जाता है। वास्तु के अनुसार, घर के दक्षिण-पश्चिम हिस्से में बना वॉशरूम भी व्यक्ति पर कर्ज का बोझ बढ़ने वाला है, इसलिए घर की इस दिशा में वॉशरूम का निर्माणन करवाएं।

वास्तु शास्त्र के मुताबिक, घर या दुकान की उत्तर-पूर्व दिशा में कांच लगाना कर्ज से मुक्ति के लिए अच्छा भी कहा जा रहा है, लेकिन कांच का फ्रेम लाल, सिन्दूरी या मैहरुन रंग का नहीं होना जरुरी है। साथ ही कांच जितना हल्का और बड़े आकार का होगा, आपके लिए उतना ही लाभदायक होने वाला है।

पीपल के 11 पत्ते दिलाएंगे आपको धन और ऐश्वर्य, बस करना होगा ये काम

हिन्दू धर्म के मुताबिक पीपल के पेड़ की बहुत मान्यता है। कहते है पीपल के पेड़ की पूजा करने से सारी मनोकामनाएं पूरी हो जाती है ऐसा माना जाता है की यदि व्यक्ति पैसो की तंगी से जूझ रहा हो तो वह व्यक्ति अगर पीपल के पेड़ की पूजा करता है, तो उसकी सारी परेशानियां दूर हो जायेंगी वास्तुशास्त्र के मुताबिक पीपल के पेड़ में भगवान विष्णु और माता लक्ष्मी जी का वास होता है। अगर जो व्यक्ति सच्चे मन से हमारे बताये गए इन उपायों को करता है तो उस व्यक्ति की सारी परेशानियां दूर हो जायेगी, आईये जानते है उन उपायों को।

आप हर मंगलवार और शनिवार के दिन सुबह उठकर स्नान आदि करने के बाद किसी पीपल के वृक्ष से 11 पत्ते तोड़ कर अच्छे से साफ़ पानी से धो लें उसके बाद इन पत्तो पर कुमकुम या चन्दन से श्रीराम लिखकर बजरंग बलि के मंदिर में रख आयें शुभ फल प्राप्त होगा। ध्यान रहे की पत्ते कही से कटे फटे या उसमे किसी प्रकार का छेद न हो।

पीपल में प्रतिदिन जल अर्पित करने से कुंडली के समस्त अशुभ गृह योगो का प्रभाव समाप्त हो जाता है पीपल की परिक्रमा से कालसर्प जैसे गृह योग के बुरे प्रभावों से भी छुटकारा मिल जाता है।

यदि पीपल के पेड़ के नीचे बैठकर रविवार को छोड़कर नित्य हनुमान चालीसा का पाठ किया जाय तो इससे उच्च फल मिलने की संभावना होती है।

ऐसा माना जाता है, यदि कोई व्यक्ति पीपल के पेड़ के नीचे शिवलिंग स्थापित करता है तो उसकी जीवन में बड़ी से बड़ी परेशानियां भी दूर हो जाती है।

बदरीनाथ के खुल गए कपाट

भगवान श्री बद्रीनाथ मंदिर के कपाट आज गुरुवार को सुबह 7:10 बजे शुभ मुहूर्त पर ब्रह्म बेला में पूरे वैदिक मंत्रोच्चारण और विधि विधान के साथ श्रद्धालुओं के लिए खुल गए है। इस मौके पर पहली पूजा प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के नाम से की गई।

कपाटोद्घाटन के साक्षी बनने के लिए हजारों संख्या में श्रद्धालु धाम मौजूद थे। गुरुवार को सुबह चार बजे से कपाट खुलने की प्रक्रिया शुरू हुई। कुबेर जी, श्री उद्धव जी और गाडू घडा दक्षिण द्वार से मंदिर परिसर में लाया गया। इसके बाद मंदिर के मुख्य पुजारी रावल समेत धर्माधिकारी, हकहकूधारी एवं श्री बदरीनाथ केदारनाथ मंदिर समिति के पदाधिकारियों द्वारा प्रशासन और हजारों श्रद्धालुओं की मौजूदगी में विधि विधान के साथ मंदिर के कपाट खोले गए। मुख्य पुजारी वीसी ईश्वर प्रसाद नंबूदरी ने गर्भगृह में भगवान बद्रीनाथ की विशेष पूजा-अर्चना करते हुए सबके लिए मंगलमय की कामना की। पहली पूजा प्रधानमंत्री मोदी के नाम से की गई। इसके साथ इस साल के लिए बद्रीनाथ के दर्शन शुरू हो गए है। कपाटोद्घाटन के अवसर पर बद्रीनाथ मंदिर को 15 कुंतल फूलों से सजाया गया। हल्की बर्फबारी व बारिश के बीच सेना की टुकडी ने बैण्ड की मधुर धुन और स्थानीय महिलाओं के पारंपरिक संगीत व नृत्य के साथ भगवान बद्रीनाथ की स्तुति ने श्रद्धालुओं को मंत्रमुग्ध कर दिया। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी के दिशा निर्देशों के अनुरूप बद्रीनाथ मंदिर के कपाट खुलने के अवसर पर तीर्थ यात्रियों के स्वागत में हेलीकॉप्टर से पुष्प वर्षा से श्रद्धालु गदगद हो उठे। कपाट खुलने के एक दिन पूर्व से ही बद्रीनाथ धाम में श्रद्धालुओं की भीड़ जुटने लगी थी। पहले दिन ही हजारों श्रद्धालुओं ने बद्रीनाथ में अखण्ड ज्योति एवं भगवान श्री बद्रीनाथ के दर्शन कर पुण्य अर्जित किया। गंगोत्री, यमुनोत्री, केदारनाथ एवं बद्रीनाथ धाम के कपाट खुलने के साथ ही उत्तराखंड में चारधाम यात्रा का आगाज हो गया है।

कपाटोद्घाटन के अवसर पर श्री बद्रीनाथ केदारनाथ मंदिर समिति के अध्यक्ष अजेन्द्र अजय, जिलाधिकारी हिमांशु खुराना, पुलिस अधीक्षक प्रमेन्द्र डोभाल, सीडीओ डा.ललित नारायण मिश्र, एडीएम डा.अभिषेक त्रिपाठी, बीकेटीसी के मुख्य कार्यकारी अधिकारी योगेन्द्र सिंह, उपाध्यक्ष किशोर पंवार, धर्माधिकारी राधाकृष्ण थपलियाल, एसडीएम कुमकुम जोशी, ईओ सुनील पुरोहित आदि सहित मंदिर समिति के अन्य पदाधिकारी, सदस्य, हक हकूकधारी एवं भारी संख्या में श्रद्धालु मौजूद थे।

बैकुंठ धाम में अन्य तीर्थ और पर्यटक स्थलों पर जुटने लगी श्रद्धालुओं की भीड

बद्रीनाथ मंदिर के कपाट खुलने के साथ ही भू-बैकुण्ठ धाम के आसपास तप्तकुण्ड, नारद कुण्ड, शेष नेत्र झील, नीलकंठ शिखर, उर्वशी मंदिर, ब्रह्म कपाल, माता मूर्ति मन्दिर तथा देश के प्रथम गांव माणा, भीम फुल, वसुधारा जलप्रपात एवं अन्य ऐतिहासिक व दार्शनिक स्थलों पर भी श्रद्धालुओं एवं पर्यटकों की भीड़ जुटने लगी है।

कब कितने यात्री पहुंचे बद्रीनाथ

विगत वर्षों में लाखों श्रद्धालु बद्रीनाथ की यात्रा कर चुके है। पिछले आंकड़ों पर नजर डाले तो वर्ष 2016 में 654355, वर्ष 2017 में 920466 तथा वर्ष 2018 में 1048051, वर्ष 2019 में 1244993 तथा वर्ष 2020 में 155055 श्रद्धालु बद्रीनाथ पहुंचे। वर्ष 2021 में कोरोना संकट के कारण 197997 श्रद्धालु ही बदरीनाथ पहुंचे। जबकि कोरोना महामारी पर नियंत्रण के बाद विगत वर्ष 2022 में 1763549 श्रद्धालु बद्रीनाथ धाम पहुंचे। इस बार शुरुआत में ही रिकॉर्ड पंजीकरण के साथ बड़ी संख्या में श्रद्धालु बदरीनाथ पहुंच रहे है।

साउथ स्टार्स ने छोड़ी हिंदी फिल्में, कभी तरसते थे काम के लिए

'**तुलसी नर** का क्या बड़ा, समय बड़ा बलवान, भीलां लूटी गोपियां, वही अर्जुन वही वाण' तुलसीदास का ये दोहा समय के फेर को समझाते हुए कई सौ साल बाद आज भी रिलेवेंट लगता है. समय कभी एक सा नहीं रहता, इस बात पर तो यकीन करना ही पड़ता है. कभी धूप है, कभी हैं छांव जिंदगी के बीच लोग अपने मन को उल्टे समय में दिलासा देते हैं.

बॉलीवुड आज समय के इसी मुंहाने पर खड़ा है जब उसका जादी गायब हो गया है. हिंदी फिल्में बनाने वाले जादूगरों की ट्रिक्स अब फेल होती दिख रही हैं. पिछले करीब 4 साल से हिंदी फिल्मों का समय खराब चल रहा है. वहीं साउथ सिनेमा का समय फिर गया है. साउथ की फिल्में ना केवल भारत में बल्कि विदेशों में भी अपना जलवा बिखेरती हैं. लेकिन हमेशा से ही समय ऐसा नहीं था. कभी आलम ये भी था कि साउथ के सुपरस्टार्स हिंदी फिल्मों में काम करने का ख्वाब देखा करते थे.

ठुकरा दी सुपरहिट फिल्में

ग्लैमर की चकांचौंध और पैसों से भरी रंगीन इंडस्ट्री साउथ के लिए बड़ी चीज हुआ करती थी. लेकिन अब फिर समय ने करवट ली है. अब साउथ के सुपरस्टार्स हिंदी फिल्मों के लिए उतने उतावले नहीं रहते. कई हिंदी सुपरहिट फिल्में तो साउथ स्टार्स ने मना कर दीं. उदाहरण के लिए शाहरुख खान और दीपिका पादुकोण की फिल्म चेन्नई एक्सप्रेस (2013) में लीड किरदार नयनतारा को ऑफर किया गया था.

लेकिन नयनतारा ने इस किरदार को करने से मना कर दिया था. इसके बाद दीपिका पादुकोण को इस रोल के लिए कास्ट किया गया और फिल्म भी हिट रही थी. जहम आपको बताते हैं ऐसे 5 साउथ के सुपरस्टार्स जिन्होंने हिंदी फिल्मों में बड़े रोल ठुकरा दिए.

अनुष्का शेट्टी : बाहुबली फेम साउथ की सुपरस्टार अनुष्का शेट्टी के लाखों लोग दीवाने हैं. बाहुबली से पहले भी अनुष्का शेट्टी बड़ी स्टार हुआ करती थीं. अनुष्का शेट्टी भी बॉलीवुड फिल्म सिंघम में लीड किरदार को मना कर चुकी हैं. 2011 में रिलीज हुई अजय देवगन स्टारर फिल्म सिंघम सुपरहिट रही थी. फिल्म में अजय के साथ काजल अग्रवाल नजर आईं थीं. इससे पहले अनुष्का शेट्टी को ये किरदार ऑफर किया गया था. लेकिन उन्होंने इसके लिए मना कर दिया था.

नयनतारा : नयनतारा साउथ की बड़ी हीरोइन्स में गिनी जाती हैं. नयनतारा के साउथ समेत पूरे देश में फैन्स हैं. नयनतारा को शाहरुख खान की फिल्म चेन्नई एक्सप्रेस में दीपिका पादुकोण का किरदार ऑफर किया गया था. लेकिन नयनतारा ने इसे करने से मना कर दिया था.

अल्लू अर्जुन : साउथ सुपरस्टार अल्लू अर्जुन को भी कई हिंदी फिल्मों के ऑफर आ चुके हैं. मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक अल्लू अर्जुन को कबीर खान की फिल्म बजरंगी भाईजान के लिए भी ऑफर दिया गया था. लेकिन अल्लू ने इस फिल्म को करने से मना कर दिया था. इसके बाद कबीर खान ने सलमान खान के साथ ये फिल्म बनाई थी. ये फिल्म हिट रही थी.

रश्मिका मंदाना : नेशनल क्रश के नाम से पहचानी जाने वाली रश्मिका मंदाना ने बॉलीवुड की कई फिल्मों में काम किया है. रश्मिका मंदाना ने शाहिद कपूर की फिल्म जर्सी करने से मना कर दिया था. इसके बाद इस रोल को मृणाल ठाकुर ने किया था.

यश : केजीएफ सुपरस्टार यश को भी हिंदी की फिल्मों के कई ऑफर आ चुके हैं. यश को बॉलीवुड फिल्म कप्तान भी ऑफर की गई थी. लेकिन यश ने इस फिल्म को करने से मना कर दिया था. इसके बाद सैफ अली खान को इस फिल्म में कास्ट किया गया था.

समय से पहले ही सीनियर रोल में आ गए अनिल

एक्सेल एंटरटेनमेंट के बैनर तले जोया अख्तर ने साल 2015 में फिल्म 'दिल धड़कने दो' बनाई थी. इस फिल्म में प्रियंका चोपड़ा और रणवीर सिंह भाई-बहन के रोल में थे और अनिल कपूर ने इनके 'ऑनस्क्रीन डैड' का रोल प्ले किया था. इस फिल्म को साइन करने में अनिल ने एक साल का समय लगा दिया था. कहते हैं कि जोया के भाई फरहान, पिता जावेद अख्तर और यहां तक कि आमिर खान ने भी उन्हें रोल के लिए समझाया था लेकिन बेटे हर्षवर्धन कपूर ने ऐसी बात कही जिसे सुनकर अनिल राजी हो गए.

उम्र सिर्फ एक नंबर..वाली कहावत अनिल कपूर पर पूरी तरह फिट बैठती है. नाना बन चुके एक्टर की फिटनेस कमाल की है. अनिल जब कैरेक्टर रोल में शिफ्ट हुए थे तो उन्हें सीनियर कैरेक्टर ना करने की सलाह दी गई थी. एक इंटरव्यू में एक्टर ने बताया था कि 'मुझे कहा गया था कि 8-10 साल बाद पिता की भूमिका करें, लेकिन मुझे मजबूरी में ऐसे रोल समय से पहले करने पड़े. फाइननेंशियल क्राइसिस की वजह से मुझे पिता का रोल करना पड़ा'.

प्रियंका के पापा का रोल करने से हिचक रहे थे अनिल कपूर

फिल्म चैंपियन को दिए एक इंटरव्यू में अनिल कपूर ने बताया था कि 'फिल्म 'दिल धड़कने दो' में प्रियंका चोपड़ा के पिता का रोल निभाने के लिए मुझे मेरे बेटे हर्ष ने ही कन्विंस किया था. मुझे प्रियंका के पापा का रोल करने में हिचकिचाहट हो रही थी तो हर्ष ने मुझसे कहा कि आप सच में उसके पापा थोड़े ही हैं, वह तो बस स्क्रीन पर एक रोल प्ले करना है'. मजे की बात है कि इसी रोल के लिए अनिल कपूर को 61वें फिल्मफेयर अवॉर्ड में बेस्ट सपोर्टिंग एक्टर का अवॉर्ड मिला था. अनिल ने आगे बताया था कि 'जब मैंने ऐसे रोल करने का फैसला लिया तो सबने कहा था कि अभी इसके लिए 8-10 साल और इंतजार करिए. मैं करीब 6-7 साल लीडिंग रोल निभा सकता था. लेकिन मैंने कहा कि मुझे अब बस ट्रांजिशन ले लेने दो. अब नए युवा लीड रोल में अपनी जिम्मेदारी निभाएं. मेरा खुद को लेकर मोहभंग नहीं हुआ था बल्कि ये एक मेरा बड़ा फैसला था. आपको रिएलिस्टिक होना चाहिए और यही वजह है कि मैं यहां हूं'.

अल्लू अर्जुन का पूरा परिवार करता है एक्टिंग!

एक भाई तो जीत चुके हैं ऑस्कर, कपूर खानदान की तरह चलता है सिक्का

साउथ सिनेमा के सुपरस्टार अल्लू अर्जुन की फिल्म 'पुष्पाः द राइज' ने 350 करोड़ रुपयों से ज्यादा की कमाई की थी. अल्लू अर्जुन साउथ सिनेमा के एक बड़े सुपरस्टार हैं और फिल्मी परिवार से आते हैं. अल्लू के अर्जुन के 3 चचेरे भाई भी साउथ सिनेमा के बड़े सितारे हैं. जिनमें से एक ने तो ऑस्कर अवॉर्ड भी जीत लिया है. वेदम, आर्या, जुलाई और एंड रेस गुर्रम जैसी बेहतरीन फिल्मों में लोगों का दिल जीतने वाले अल्लू अर्जुन 32 से ज्यादा मूवी कर चुके हैं.

स्टार्स के घर में जन्मे थे अल्लू अर्जुन

8 अप्रैल 1980 को तेलुगू इंडस्ट्री के बड़े एक्टर अल्लू अरविंद के घर में अल्लू अर्जुन का जन्म हुआ था. अर्जुन के दादा अल्लू रामालिंगाह भी एक दिग्गज एक्टर रहे हैं. अल्लू अर्जुन का पूरा परिवार सिनेमा इंडस्ट्री में काम करता है. हाल ही में अपनी फिल्म आरआरआर के गाने नाटू नाटू से ऑस्कर जीतने वाले रामचरण तेजा भी अल्लू अर्जुन के भाई हैं. दरअसल मेगास्टार चिरंजीवी भी अल्लू अर्जुन के चाचा हैं. इस हिसाब से रामचरण भी अल्लू अर्जुन के भाई हुए. साउथ सिनेमा के तीन सुपरस्टार भाई चिरंजीवी कोनिडेला, पवन कल्याण और नागेंद्र बाबू अल्लू अर्जुन के

चाचा हैं।

भाई जीत चुके हैं ऑस्कर

साउथ सिनेमा के एक्टर वरुण तेजा भी अल्लू अर्जुन के भाई हैं. साउथ सिनेमा के सबसे मंहगे सितारों में गिने जाने वाले अल्लू अर्जुन बचपन से एक्टर नहीं बनना चाहते थे. फिल्मी परिवार में बड़े हुए अल्लू अर्जुन स्कूल के दिनों में एनीमेटर बनने का सपना देखते थे. लेकिन जब बड़े हुए तो उनकी दिलचस्पी अपने पिता और दादा की तरह एक्टिंग में आ गई. साल 1985 में आई फिल्म विजेता से अल्लू अर्जुन ने बाल कलाकार के तौर पर भी काम किया है. बचपन से ही कैमरे के सामने बड़े हुए अल्लू अर्जुन ने फिल्म फेयर को दिए इंटरव्यू में बताया था, 'मैं बचपन में एनीमेशन को लेकर काफी जिज्ञासू रहता था. मुझे इसमें दिलचस्पी थी. लेकिन समय के साथ जब मैं बड़ा हुआ तो मेरी रुचि अपने आप उससे कम हो गई. मैं फिल्मी परिवार में पैदा हुआ, इसी में मेरी भी दिलचस्पी आ गई. मैंने भी काम करना शुरू कर दिया. ये घर है आप कहीं भी चले जाइये लेकिन पूरी धरती पर घर जैसी कोई दूसरी चीज नहीं होती.'

बन गया सामंथा का मंदिर, फैन ने कराया निर्माण, कल से होगी लोगों की एंट्री!

दक्षिण सिनेमा में प्रशंसकों के बीच अपनी पसंदीदा अभिनेत्रियों को श्रद्धांजलि के रूप में मंदिरों का निर्माण करने की परंपरा है और ऐसे मामले सामने आए हैं जहां नयनतारा, हंसिका और नमिता जैसी अभिनेत्रियों ने तमिलनाडु में उनके बाद मंदिरों का निर्माण करवाया. सामंथा देश की सबसे प्रसिद्ध अभिनेत्रियों में से एक हैं जिनकी बहुत बड़ी फैन फॉलोइंग है. अब उनके नाम पर भी एक मंदिर का निर्माण हो रहा है जिसे आंध्र प्रदेश में बापटला के पास अलापडू गांव में पूरा हो रहा है. उनके एक कट्टर फैन तेनाली संदीप द्वारा मंदिर का निर्माण किया जा रहा है. प्रशंसक ने मंदिर का काम पूरा कर लिया है और अपनी पसंदीदा अभिनेत्री के नाम पर आधिकारिक रूप से मंदिर खोलने के लिए 28 अप्रैल यानी कल का इंतजार कर रहा है.

कल से खुलेगा सामंथा का मंदिर

इस कहानी का सबसे दिलचस्प पहलू ये है कि ये फैन अब तक अपनी आइडल एक्ट्रेस से नहीं मिल सका. सामंथा के फैन का कहना है कि वो न सिर्फ उनके फिल्मी काम बल्कि मुख्य रूप से प्रत्यूषा फाउंडेशन के माध्यम से उसके डोनेशन वर्क को देखकर उनका प्रशंसक बन गया है. फैन द्वारा बनाए जा रहे मंदिर पर अब तक एक्ट्रेस की पीआर टीम की ओर से किसी तरह का बयान नहीं आया है. लेकिन प्रशंसक आने वाले दिनों में फैन सामंथा से उनकी प्रतिक्रिया की उम्मीद कर रहा है. ऐसा कई अभिनेत्रियों के साथ हुआ है, जिन्हें इस हद तक आदर्श बना दिया गया है कि उनके प्रशंसक उनके लिए एक पवित्र श्रद्धांजलि चाहते हैं. मंदिर में समांथा के सिर की एक विशाल मूर्ति होगी जो जगह का केंद्रबिंदु है.

बात अगर वर्क फ्रंट की करें तो सामंथा को आखिरी बार अंडरपरफॉर्मिंग पीरियड रोमांस 'शाकुंतलम' में देखा गया था जिसे समीक्षकों से मिली-जुली प्रतिक्रिया मिल रही हैं.

मैं उन लोगों में से नहीं हूं, अच्छी स्क्रिप्ट मिली तो पंजाबी फिल्म जरूर करूंगी : शहनाज

एक्ट्रेस और सिंगर शहनाज गिल इन दिनों फिल्म 'किसी का भाई किसी की जान' को लेकर बेहद सुर्खियों में हैं। इस बीच मीडिया को दिए इंटरव्यू में शहनाज ने बताया कि वो पंजाबी फिल्म इंडस्ट्री में काम जारी रखना चाहती हैं। बीते दिनों फिल्म 'किसी का भाई किसी की जान' के प्रमोशन के दौरान शहनाज ने यह खुलासा किया था पंजाबी फिल्म इंडस्ट्री में उन्हें साइडलाइन कर दिया गया था।

सिद्धार्थ कानन को दिए इंटरव्यू में शहनाज ने कहा था- 'मुझे पूरी तरह से साइड कर दिया था। मेकर्स ने फिल्म के प्रीमियर पर मेरे अलावा टीम के सभी को बुलाया था। मैं इस बात को सुनकर बहुत रोई थी।' एक इंटरव्यू में शहनाज ने बताया कि भले ही इंडस्ट्री ने उन्हें साइड लाइन कर दिया होगा। लेकिन अगर उन्हें काम करने का मौका मिला, तो वो जरूर पंजाबी फिल्मों में काम करना चाहेंगी। शहनाज ने कहा- 'जरूर काम करना चाहूंगी। मैं उन लोगों में से नहीं हूं। मेरे लिए सबसे ज्यादा जरूरी एक अच्छी स्क्रिप्ट है।'

सिंगिंग में करियर नहीं बनाना चाहती शहनाज, बोलीं- मुझे एक्टिंग करना है

फिल्मों के अलावा शहनाज ने म्यूजिक इंडस्ट्री में भी नाम कमाया है। शहनाज मानती हैं कि म्यूजिक से उन्हें प्यार है, लेकिन वो अभी प्रोफेशनल सिंगर नहीं बनना चाहती हैं। उनका फोकस अभी एक्टिंग पर है। शहनाज ने कहा- म्यूजिक मेरे लिए एक शौक की तरह है। मैं प्रोफेशनल तौर पर नहीं गाती है। मुझे पता है कि अगर मैं मेहनत करूंगी तो एक प्रोफेशनल सिंगर भी बन सकती हूं। लेकिन अभी मैं एक्टिंग करना चाहती हूं।

मैं अभी तक अपने आपको ब्रांड नहीं मानती- शहनाज

करियर के बारे में बात करते हुए शहनाज ने कहा- 'मेरे पास आज जो कुछ है शायद वो मेरे फैंस और मेरे लिए उनके प्यार के कारण है। ये कहकर मुझे लगता है कि मैं अभी तक अपनी आंखों में एक ब्रांड नहीं हूं। मैं अभी अपने करियर में काम करना जारी रखना चाहती हूं और लाइफ टाइम अच्छे-अच्छे प्रोजेक्ट्स का हिस्सा रहना चाहती हूं।'

अब डूबती दिख रही सलमान खान की फिल्म, छठे दिन कमाए इतने करोड़

सलमान खान के लिए इस बार की ईद फीकी पड़ती नजर आ रही है. ईद के मौके पर आई उनकी फिल्म 'किसी का भाई किसी की जान' का ग्राफ अब नीचे आता दिख रहा है. तमाम तरह का मसाला डालने के बावजूद सलमान दर्शकों को वो मनोरंजन नहीं दे सके, जिसकी उम्मीद की जा रही थी. हालांकि 'भाई' के फैंस ने फिल्म को सफल बनाने की पूरी कोशिश की और वीकेंड पर फिल्म ने अच्छी कमाई भी की लेकिन छठे दिन फिल्म कुछ खास कमाई नहीं कर सकी. कभी बॉक्स ऑफिस पर धमाल मचाने वाले सलमान को अब 100 करोड़ क्लब में शामिल होने के लिए भी जद्दोजहद करनी पड़ रही है.

सलमान की मच अवेटेड 'किसी का भाई किसी की जान' के कलेक्शन की बात करें तो फिल्म ने 15.81 करोड़ के साथ अपना खाता खोला था. भाई के लिए इसे शानदार ओपनिंग मानी जा रही थी. दूसरे दिन भी फिल्म के कलेक्शन में उछाल देखने को मिला था. दूसरे दिन का कलेक्शन बढ़कर 25.75 करोड़ रुपये पहुंच गया था. इसके बाद तीसरे दिन कमाई थोड़ी कम हुई और फिल्म ने 26.61 करोड़ रुपये कमाए. चौथे दिन तो फिल्म के कलेक्शन में भयंकर गिरावट देखने को मिली. फिल्म का कलेक्शन सिर्फ 10.17 करोड़ रहा और इसके बाद पांचवे दिन फिल्म की गति और धीमी हो गई. 5वें दिन फिल्म ने 7.25 करोड़ रुपये का कलेक्शन किया.

छठे दिन डूबती दिखी फिल्म

सलमान की फिल्म के कलेक्शन में जो शुरुआती उछाल देखा जा रहा था वह उनके फैंस की बदौलत था. लेकिन फैंस की लाख कोशिशों के बाद अब सलमान की यह फिल्म नीचे जाती नजर आ रही है. अलग अलग कलेक्शन रिपोर्ट मानें तो छठे दिन 'किसी का भाई किसी की जान' ने सिर्फ 5 से 6 करोड़ के बीच में बिजनेस किया है. यानी तमाम कोशिशों के बावजूद अब जनता का फिल्म से मोह भंग होता नजर आ रहा है।

पर्दे पर पहले कभी नहीं किया था किस अब पलक झपकते ही किया लिपलॉक

साई पल्लवी साउथ फिल्म इंडस्ट्री की सबसे टैलेंटेड एक्ट्रेस में से एक हैं. वे अपने स्क्रीन व्यक्तित्व, नृत्य कौशल और शीर्ष अभिनय कौशल के साथ दर्शकों को सिनेमाघरों तक खींचने के लिए जानी जाती हैं. शेखर कम्मुला की लव स्टोरी ऐसी ही एक फिल्म है जिसने उन्हें अपनी फिल्मोग्राफी में ऊंचाइयों तक पहुंचाया, जहां उन्होंने एक तेलंगाना लड़की की भूमिका निभाई, जो शहर में नौकरी खोजने के लिए संघर्ष करती है. उनके प्रदर्शन, केमिस्ट्री और ब्लॉकबस्टर समीक्षाओं के अलावा, नागा चैतन्य के साथ उनके लिप-लॉक सीन ने लोगों का सबसे ज्यादा ध्यान खींचा.

जी हां, पलक झपकते ही क्लाइमेक्स में साईं पल्लवी और नागा चैतन्य के बीच लिपलॉक सीन फिल्माया गया. हालांकि दोनों के किसिंग सीन को एक इमोशनल क्लाइमेक्स में दिखाया गया था, लेकिन प्रशंसकों को यह देखकर आश्चर्य हुआ कि साईं पल्लवी स्क्रीन पर 'नो किसिंग पॉलिसी' का पालन करती हैं, फिर भला उन्होंने इतना भी कैसे किया.

लेकिन अब उन्होंने लव स्टोरी के लिए अपनी पॉलिसी को तोड़ दिया और नागा चैतन्य को होठों पर चूम लिया. सामंथा के एक्स हसबैंड पहले हीरो हैं जिन्हें साई पल्लवी ने पर्दे पर किस कर प्यार का इजहार किया है.

लव स्टोरी के बारे में

लव स्टोरी दो बड़े सपने देखने वाले दो लोगों के बीच एक रोमांटिक ड्रामा है. नागा चैतन्य ने रेवंत की भूमिका निभाई, जबकि साईं पल्लवी ने मौनिका का किरदार निभाया. दोनों स्टार फिल्म में तेलंगाना बोली बोलतेनजर आते हैं. लव स्टोरी में राजीव कनकला, ईश्वरी राव, देवयानी, राव रमेश और पोसानी कृष्णा मुरली भी अहम भूमिका निभाते हैं. श्री वेंकटेश्वर सिनेमा के सहयोग से फिल्म को क्रमशः एशियन सिनेमा और एमिगोस क्रिएशन्स के बैनर तले बैंकरोल किया गया है. शेखर कम्मुला के निर्देशन ने दर्शकों और बॉक्स ऑफिस के बीच कमाल किया.

साईं पल्लवी की आने वाली फिल्में

साईं पल्लवी को आखिरी बार तेलुगु फिल्म विराट पर्वम और तमिल फिल्म गार्गी में देखा गया था. अफसोस इन दोनों ही फिल्मों में अभिनेत्री को कुछ खास पसंद नहीं किया गया. इसके बाद से वे एक ब्रेक पर हैं और अगली बार वे शिवकार्तिकेयन के साथ एक अनटाइटल्ड प्रोजेक्ट में स्क्रीन साझा करती नजर आएंगी, जिसे कमल हासन के प्रोडक्शन राज कमल फिल्म्स द्वारा निर्मित किया जा रहा है. फिल्म शिवकार्तिक्यान और साई पल्लवी के प्राथमिक सहयोग को स्क्रीन पर चिह्नित करेगी. रिपोर्ट्स के मुताबिक, फिल्म या तो एक पीरियड ड्रामा होगी या फिर एक सुपरहीरो गाड़ी।

हाथ मिलाने आए फैन पर सलमान खान को आया गुस्सा

बॉडीगार्ड शेरा ने दिया शख्स को धक्का, बर्ताव के लिए ट्रोल हुए

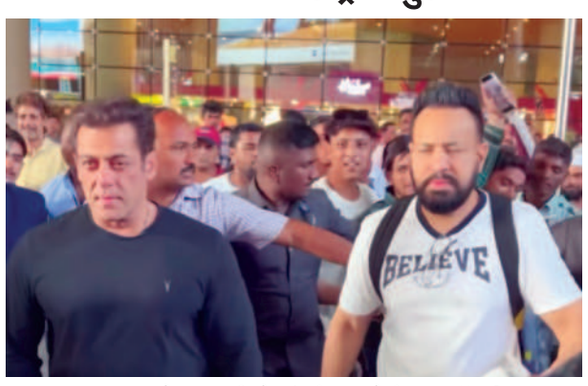

सलमान खान को हाल ही में मुंबई एयरपोर्ट पर स्पॉट किया गया। इस दौरान उन्हें फैंस की भीड़ ने घेर लिया। सोशल मीडिया पर हाल ही में एक वीडियो सामने आया है, जिसमें एक फैन सलमान से हाथ मिलाने की कोशिश करता है। सलमान के बॉडीगार्ड शेरा उस फैन को धक्का देकर साइड हटाते हैं। इस दौरान सलमान ने भले ही कोई रिएक्ट न किया हो, लेकिन उनके चेहरे पर गुस्सा नजर आ रहा था।

सलमान ने फैन से हाथ नहीं मिलाया, शेरा ने फैन को धक्का दिया

चर्चित वीडियो में सलमान सिक्योरिटी के साथ चलते नजर आ रहे हैं। इस दौरान गार्ड्स फैंस को सलमान से दूर करने की कोशिश करते हैं। इस बीच अचानक एक जिद्दी फैन सलमान से हाथ मिलाने के लिए अपना हाथ आगे बढ़ाता है। हालांकि, सलमान उससे हाथ नहीं मिलाते और इशारे से उसे दूर रहने को कहते हैं। जैसे ही सलमान आगे बढ़ते हैं, इतने में शेरा उस फैन को पीछे धकेल देते हैं। सोशल मीडिया पर भाईजान का यह वीडियो काफी सुर्खियों में है।

बुरे बर्ताव पर नाराज हुए ट्रोलर्स

सलमान खान के इस वीडियो पर यूजर्स जमकर रिएक्ट कर रहे हैं। एक यूजर ने कमेंट सेक्शन में लिखा- लॉरेंस बिश्नोई का डर है इसलिए भाई फैन से हाथ नहीं मिला रहे। दूसरे फैन ने लिखा- 'यह कितना बुरा बर्ताव है अपने फैन से।' तीसरे फैन ने लिखा- यह सिर्फ इनकी समस्या नहीं है, सारे सेलिब्रिटीज की समस्या है। जिनकी वजह से इनका घर चलता है उनके साथ ही बुरा व्यवहार करते हैं। पता नहीं ये भला ऐसा कैसे कर लेते हैं। भला पब्लिक अगर फिल्म नहीं देखेगी तो कौन देखेगा।

दुबई इवेंट से वापस लौटे थे सलमान

बता दें कि सलमान फिल्म किसी का भाई किसी की जान के प्रमोशन के लिए दुबई गए थे। इस दौरान वो एक इवेंट में पहुंचे, जहां उन्होंने फैंस से इंट्रेक्ट भी किया। वहीं बुधवार को सलमान दुबई से मुंबई वापस लौटे।

बॉडीकॉन ग्रीन ड्रेस में जान्हवी कपूर का स्टनिंग अवतार में देख फैंस बोले- इंडियन किम कर्दाशियां

जान्हवी कपूर ने हाल ही में एक अवार्ड शो में शिरकत की, जिसका एक वीडियो सोशल मीडिया पर सामने आया है। वीडियो में जान्हवी ग्रीन बॉडीकॉन ड्रेस में बेहद ग्लैमरस लग रही हैं। इस कट-आउट बैकलेस ड्रेस में वह कमाल की दिखीं। इवेंट में जान्हवी ने पैपराजी को एक से बढ़कर एक पोज भी दिए।

फैंस को पसंद आया लुक

सोशल मीडिया पर फैंस जान्हवी के इस लुक पर तरह तरह के कमेंट कर रहे हैं। वीडियो पर एक यूजर ने लिखा, इंडियन किम कर्दाशियां, तो वहीं दूसरे यूजर ने लिखा, 'गॉर्जियस इन ग्रीन'। बता दें, जान्हवी जल्दी ही जूनियर एनटीआर की फिल्म से टॉलीवुड डेब्यू करेंगी। फिल्म की रिलीज की बात करें तो 'एनटीआर 30' अगले साल 5 मार्च, 2024 को सिनेमाघरों में रिलीज होगी। ये जूनियर एनटीआर की पहली सोलो पैन इंडिया फिल्म है, जिसे तेलुगु के साथ-साथ तमिल, हिंदी, कन्नड़ और मलयालम भाषा में रिलीज किया जाएगा। इसके अलावा वह वरुण धवन के साथ फिल्म बवाल में नजर आएंगी। इसके अलावा वह राजकुमार राव के साथ फिल्म 'मिस्टर एंड मिसेस माही' में भी दिखाई देंगी। इसके अलावा उनके पास साउथ का एक बड़ा प्रोजेक्ट भी हैं।

अब जवान के बाद डंकी का वीडियो लीक

कश्मीर में तापसी पन्नू के साथ शूटिंग करते दिखे शाहरुख खान, फैंस के साथ ली सेल्फी

शाहरुख खान इन दिनों कश्मीर में अपनी अपकमिंग फिल्म डंकी की शूटिंग कर रहे हैं। शूटिंग के दौरान का एक वीडियो सोशल मीडिया पर सामने आया है, जिसमें किंग खान तापसी पन्नू के साथ नजर आए।

वीडियो में शाहरुख ब्लैक ट्राउजर और रेड जैकेट में दिखाई दे रहे हैं। दूर से शूट की गई इस वीडियो में तापसी ब्लू डेनिम- व्हाइट जैकेट पहने दिखाई दे रही हैं। शूटिंग लोकेशन पर चारों तरह बर्फ और कुछ दुकानें नजर आ रही हैं।

फैन के साथ किंग खान ने खिंचवाई फोटो

सोशल मीडिया पर शाहरुख खान की एक फोटो भी सामने आई है, जिसमें वह एक फैन के साथ फोटो क्लिक करवाते हुए दिखाई दिए। इस फोटो में किंग खान ब्लैक जैकेट में काफी हैंडसम लग रहे हैं।

शाहरुख खान का कश्मीर में हुआ जोरदार स्वागत

बीते दिनों शाहरुख डंकी की शूटिंग के लिए कश्मीर पहुंचे थे, जिससे जुड़ा एक वीडियो सोशल मीडिया पर सामने आया था। इस वीडियो में किंग खान का रिसॉर्ट में फूलों के गुलदस्ते और सफेद शॉल से जोरदार स्वागत किया गया। वीडियो में उन्हें दर्जनों लोगों से घिरे अपनी कार से उतरते देखा गया था। किंग खान अपनी मैनेजर पूजा ददलानी के साथ स्पॉट हुए।

22 दिसंबर को रिलीज होगी डंकी

फिल्म डंकी में शाहरुख खान के साथ तापसी पन्नू, विक्की कौशल, बोमन ईरानी और सतीश शाह भी लीड रोल में नजर आने वाले हैं। ये फिल्म 22 दिसंबर 2023 को सिनेमाघरों में रिलीज होगी। इस फिल्म का फैंस बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं। डंकी के अलावा शाहरुख बॉलीवुड स्टार सलमान खान की फिल्म टाइगर 3 में कैमियो करने वाले है। वहीं किंग खान एटली की अपकमिंग एक्शन फिल्म जवान में दिखाई देंगे, जिसमें नयनतारा, विजय सेतुपति, सान्या मल्होत्रा, प्रियामणि और सुनील ग्रोवर भी शामिल हैं।

पिता मिथुन चक्रवर्ती का स्ट्रगल यादकर इमोशनल हुए नमाशी

बोले- कोलकाता के जिस घर में वो रहे, मैं ऐसी जगह कभी नहीं रह सकता

मिथुन चक्रवर्ती के बेटे नमाशी चक्रवर्ती जल्द ही फिल्म बैड बॉय से अपना बॉलीवुड डेब्यू करने जा रहे हैं। इस बीच मीडिया को दिए इंटरव्यू में नमाशी ने अपने पिता के स्ट्रगल के दिनों को याद किया। नमाशी ने बताया कि उनके पिता ने जिस तरह की जिंदगी जी, वो वैसी जिंदगी कभी नहीं जी सकते। नमाशी ने बताया कि उन्हें महसूस होता है कि उनके पिता मिथुन 'जीरो से हीरो' बनने का परफेक्ट उदाहरण हैं।

फिल्मी बीट को दिए इंटरव्यू में नामाशी ने बताया कि वो हाल ही में कोलकाता गए थे। तब उन्होंने वहां अपने पिता का पुराना घर देखा, जहां मिथुन बचपन बीता था। वहां जाकर नमाशी को महसूस हुआ कि वो ऐसी जगह कभी नहीं रह सकते हैं, क्योंकि

उन्होंने हमेशा से एक बेहतरीन और लग्जरी से भरपूर जिंदगी जी है।

बातचीत के दौरान नमाशी ने कहा- जब मैं अपनी फिल्म के प्रमोशन के लिए कोलकाता गया था, तब मैं उस घर में गया था, जहां मेरे पिता और दादा-दादी रहा करते थे। मैं यह कैमरे पर यह कह सकता हूं, कि नमाशी चक्रवर्ती उन गलियों में कभी नहीं रह सकता है। क्योंकि मैंने हमेशा एक अच्छी जिंदगी जी है। बंगले देखे हैं, कार, होटल और सभी तरह की लग्जरी चीजें। लेकिन मेरे पिता ने उन गलियों से, उस घर से भी बड़ा बनने का सपना देखा।

जब उनके जैसी प्रेरणा घर पर है, तो डर कम लगता है- नमाशी

नमाशी ने आगे कहा- मेरे आस पास मेरे पिता और उनका करियर एक उदाहरण की तरह है। उनसे मुझे बड़े सपने देखने का साहस मिलता है। ठीक उसी तरह जैसे हर नया एक्टर खुद को इंडस्ट्री में स्टेबल करना है।

नमाशी बोले- अगर आप में इच्छा है, तो आपको डरना नहीं चाहिए। आपको लड़ना चाहिए। उनके जीवन की सबसे बड़ी सीख यही है कि वो जीरो से हीरो बने। जब उनके जैसी प्रेरणा घर पर होती है, तो आपको डर कम लगता है। मेरे पिता न केवल मेरे लिए बल्कि हर एक एक्टर के लिए उदाहरण हैं, जो अपना नाम बनाने की कोशिश कर रहा है।

बता दें कि बैड बॉय को अंजुम कुरैशी और साजिद कुरैशी ने इनबॉक्स पिक्चर्स के बैनर तले बनाया गया है। फिल्म का डायरेक्शन राजकुमार संतोषी ने किया है। इसमें अमरीन कुरैशी, जॉनी लीवर राजपाल यादव, शाश्वत चटर्जी और दर्शन जरीवाला जैसे एक्टर्स अहम भूमिकाओं में नजर आएंगे। यह फिल्म 28 अप्रैल को रिलीज होने वाली है।

ये एक्टर्स जिन्होंने तोड़ दिया था राजकुमार का घमंड, निकाल दी थी हेकड़ी

राजकुमार एक जहीन एक्टर थे, पर अक्खड़ स्वभाव की वजह से उनकी ज्यादातर कोस्टार्स के साथ बनती नहीं थी. वे नए-पुराने एक्टर्स पर अपना रौब जमाने का मौका नहीं छोड़ते थे, हालांकि 3 फेमस एक्टर्स ने उनकी हेकड़ी निकाल दी थी.

दिग्गज एक्टर राजकुमार ने जिस ठसक के साथ डायलॉग बोलते थे, वह लोगों को भूलता नहीं है. हालांकि, इंडस्ट्री के दूसरे एक्टर्स के बीच उनकी छवि एक घमंडी एक्टर वाली थी. वह अपने कोस्टार्स को नीचा दिखाने का मौका नहीं छोड़ते थे. कहते हैं कि उन्होंने गोविंदा और अमिताभ बच्चन जैसे टॉप एक्टर्स को भी नहीं बख्शा था, लेकिन बॉलीवुड के तीन ऐसे स्टार्स थे, जिन्होंने राजकुमार की हेकड़ी निकाल दी थी.

धर्मेंद्र जब बॉलीवुड में नए थे, तब उन्हें फिल्म 'काजल' में लोकप्रिय सितारों मीना कुमारी और राजकुमार के साथ काम करने का मौका मिला. मीडिया रिपोर्ट के अनुसार, जब राजकुमार की नजर धर्मेंद्र पर पड़ी, तब उनका मजाक बनाते हुए कहा कि यह पहलवान कहां से पकड़ लाए. पहलवानी करवानी है या एक्टिंग? यह एक्टिंग जानता भी है. धर्मेंद्र गुस्सा हुए. उन्होंने पहले तो खुद पर काबू रखा, लेकिन

राजकुमार ने दोबारा उनका मजाक उड़ाया तो वे आपा खो बैठे और राजकुमार का कॉलर पकड़कर बोले, 'कहो तो यही पहलवानी दिखा दूं.' धर्मेंद्र का गुस्सैल रूप देखकर हर कोई हैरान रह गया. फिल्म के डायरेक्टर और अन्य लोगों ने उन्हें शांत किया और मामले को वहीं खत्म कर दिया.

साल 1965 की बात है. फिल्म 'ऊंचे लोग' की शूटिंग चल रही थी, जिसमें अशोक कुमार, राजकुमार और फिरोज खान अहम रोल निभा रहे थे. राजकुमार ने शूटिंग के दौरान फिरोज खान को अपने पास बुलाया और उन पर रौब जमाने की कोशिश की. वे फिरोज से बोले कि यह एक बड़ी फिल्म है, चूंकि मैं भी फिल्म में हूं, तो तुम्हें बड़ी सावधानी से काम करना होगा. राजकुमार, फिरोज को एक्टिंग को लेकर नसीहत देने लगे. बातचीत के बीच में, फिरोज खान खड़े हो गए और राजकुमार से गुस्से में बोले, 'मुझे मत सिखाओ, आप अपना देखिए और मैं अपना कर लूंगा.' राजकुमार को एक नए एक्टर से ऐसे जवाब की उम्मीद नहीं थी.

मेहुल कुमार जब फिल्म 'तिरंगा' बनाने की तैयारी कर रहे थे, तब उन्होंने नाना पाटेकर और राजकुमार को कास्ट करने का मन बनाया. वे जब नाना पाटेकर के पास फिल्म का ऑफर लेकर पहुंचे, जिसे नाना ने स्वीकार कर लिया, पर यह शर्त भी रख दी कि अगर राजकुमार ने उनसे कुछ गलत कहा या किसी तरह दखलअंदाजी की, तो वे फिल्म को बीच में ही छोड़ देंगे. मेहुल फिर राजकुमार के पास पहुंचे और उन्हें फिल्म का ऑफर दिया. राजकुमार को जब पता चला कि नाना पाटेकर भी फिल्म में काम कर रहे हैं, तो वे मेहुल से बोले कि सुना है कि वह फिल्म के सेट पर गाली-गलौज भी कर देता है. मेहुल ने भरोसा दिलाया कि ऐसा कुछ नहीं होगा. राजकुमार फिल्म की शूटिंग के दौरान नाना से दूर रहे, क्योंकि वे उनके बर्ताव से वाकिफ थे.

राजकुमार ने 4 दशक लंबे करियर में 'मदर इंडिया' जैसी उम्दा फिल्मों में काम किया था. उन्होंने 1952 में आई फिल्म 'रंगीली' से बॉलीवुड डेब्यू किया

ऐश्वर्या ने 'हम दिल दे चुके सनम' में अपने किरदार को किया याद, 'पीएस 2' के रोल से जुड़ा है कनेक्शन!

हिंदी सिनेमा की खूबसूरत और बेहतरीन अभिनेत्रियों में से एक ऐश्वर्या राय बच्चन इन दिनों अपनी आने वाली नई फिल्म 'पोन्नियिन सेलवन 2' को लेकर लगातार सुर्खियों में बनी हुई हैं। वह फिल्म के प्रमोशन में व्यस्त हैं। फिल्म के प्रमोशन के दौरान ऐश्वर्या ने 'पोन्नियिन सेलवन' में निभाए अपने किरदार के बारे में बात की। इस दौरान अभिनेत्री ने फिल्म 'हम दिल दे चुके सनम' के समय को भी याद किया। ऐश्वर्या राय बच्चन ने हिंदी सिनेमा को कई सुपरहिट फिल्में दी हैं। अपने सफल करियर के दौरान उन्होंने कई फिल्मों में यादगार किरदार निभाए, जिनमें से एक फिल्म है 'हम दिल दे चुके सनम'। सलमान खान के साथ ऐश्वर्या ने इस फिल्म में काम किया था। 1999 में आई इस फिल्म में ऐश्वर्या ने 'नंदिनी' नाम का किरदार निभाया था, जो फैंस को आज तक याद है। अब दिलचस्प बात यह है कि अपनी आने वाली फिल्म 'पोन्नियिन सेलवन 2' में भी ऐश्वर्या 'नंदिनी' नाम का किरदार निभा रही हैं।

'पोन्नियिन सेलवन 2' के प्रचार के दौरान ऐश्वर्या ने दोनों फिल्म में अपने किरदार का एक ही नाम होने के बारे में बात की। उन्होंने इसे खूबसूरत इत्तेफाक बताया और कहा यह अद्भुत है कि ऐसा हुआ। ऐश्वर्या ने कहा, 'क्या संयोग है? यहां तक कि 'हम दिल दे चुके सनम' में 'नंदिनी' भी बहुत यादगार थीं। वह लोगों के दिलों में रहती हैं और मैं बहुत आभारी हूं कि मुझे 'नंदिनी' की भूमिका निभाने का मौका मिला। वह दर्शकों के लिए और निश्चित रूप से मेरे लिए भी खास बनी

रहीं। मेरी वह फिल्म संजय लीला भंसाली जी के साथ थी।' ऐश्वर्या ने कहा, 'अब मणिरत्नम के साथ उन्हें 'पोन्नियिन सेलवन' में 'नंदिनी' का किरदार निभाने का मौका मिला। यह एक आशीर्वाद है कि उन्हें इतनी मजबूत महिला की भूमिका निभाने का अवसर मिला, जिसने कई महिलाओं के जीवन को छुआ। इसके लिए मैं बहुत आभारी हूं।' वहीं फिल्म की बात करें तो पिछले साल रिलीज हुई 'पोन्नियिन सेलवन' के पहले भाग ने दर्शकों का भरपूर मनोरंजन किया था। अब वहीं उसका दूसरा भाग भी दर्शकों का मनोरंजन करने के तैयार है।

संजय दत्त के साथ 'वंदे मातरम' में नजर आएंगे सैराट फेम आकाश

बॉलीवुड अभिनेता संजय दत्त इन दिनों काफी व्यस्त चल रहे हैं। केजीएफ चैप्टर 2 में अपने दमदार परफॉर्मेंस के बाद उनके पास कई बड़े प्रोजेक्ट हैं। इसी बीच उनके अपकमिंग फिल्मों की लिस्ट में एक और नाम जुड़ गया है। संजू बाबा जल्द ही वंदे मातरम नाम की एक फिल्म में नजर आने वाले हैं।

देशभक्ति पर आधारित इस फिल्म में उनके साथ सैराट फेम एक्टर आकाश ठोसर स्क्रीन स्पेस साझा करेंगे। एक रिपोर्ट में यह दावा किया गया है कि दोनों अभिनेता पहली बार एक साथ फिल्म में नजर आने को पूरी तरह से तैयार हैं। फिल्म कथित तौर पर राष्ट्रीय पुरस्कार विजेता निर्देशक डॉ. राजेश मापुस्कर द्वारा निर्देशित की जाएगी, जिन्होंने पहले मराठी फिल्म वेंटीलेटर और हिंदी फिल्म फरारी की सवारी का निर्देशन किया था। रिपोर्ट के अनुसार, वंदे मातरम में संजय और आकाश पिता-पुत्र के रोल में नजर आने वाले हैं।

बताया जा रहा है कि फिल्म में दोनों की विचारधाराएं अलग होंगी लेकिन लक्ष्य समान होगा। फिल्म

में दोनों कलाकारों का रोल देशभक्ति की भावनाओं से भरा हुआ होगा। फिल्म को भारत के उन गुमनाम नायकों के लिए एक श्रद्धांजलि बताया जा रहा है, जिन्होंने देश के लिए अपने प्राणों की आहुति दी है। फिल्म के जल्द ही फ्लोर पर जाने की उम्मीद है, जिसकी शूटिंग मुंबई में शुरू होने वाली है। आने वाले दिनों में फिल्म के कलाकारों और क्रू के बारे में अधिक जानकारी की सामने आने की उम्मीद जताई जा रही है। वर्क फ्रंट की बात करें तो संजय जल्द ही वेलकम फ्रैंचाइजी में नजर आने वाले हैं। इसके अलावा वह हेरा फेरी 3 का भी हिस्सा हैं। फैंस को इन दोनों ही फिल्मों का बेसब्री से इंतजार है।

गवर्नर को भी साइबर अटैक की चिंता

जानें बैंकों को क्या दी सलाह

नई दिल्ली, 27 अप्रैल (एजेंसियां)। आरबीआई गवर्नर शक्तिकांत दास ने बैंकों में गाढ़ी कमाई और जीवनभर की बचत जमा करने वाले डिपॉजिटर्स के पैसे की रक्षा करना बैंकों का सबसे बड़ा पवित्र कर्तव्य है। आरबीआई गवर्नर ने कहा कि बैंकिंग सिस्टम की सुरक्षा और सुदृढ़ता प्रभावी गवर्नेंस पर निर्भर करती है जिसे बैंक डिपॉजिटर्स समेत सभी स्टेकहोल्डरों के हितों की रक्षा की जा सके।

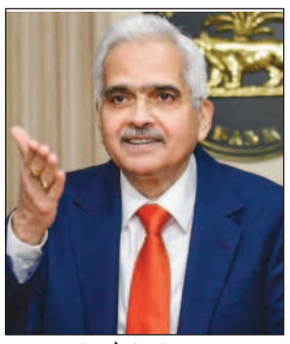

जमाकर्ताओं के पैसे की सुरक्षा पवित्र कर्तव्य

शक्तिकांत दास ने कहा कि बैंकों के रिसोर्सेज में बैंकों में पैसा जमा करने वाले डिपॉजिटर्स का सबसे बड़ा हिस्सा है जो अपने जीवनभर की गाढ़ी कमाई और बचत को बैंकों के पास जमा रखते हैं। जमाकर्ताओं के पैसे की सुरक्षा करना बैंकों का पवित्र कर्तव्य जो बेहतर गवर्नेंस से ही संभव है और इसके साथ कोई समझौता नहीं किया जा सकता है।

सायबर खतरों से किया आगाह

आरबीआई गवर्नर ने सायबर रिस्क और सायबर अटैक को लेकर भी आगाह किया है। उन्होंने कहा कि सायबर रिस्क को ग्लोबल फाइनैंशियल संस्थाओं के लिए 2023 में टॉप 10 ऑपरेशनल जोखिम के तौर पर दाखा जा रहा है। उन्होंने कहा कि रोबस्ट आईटी और इंफॉरमेशन सिक्योरिटी गवर्नेंस से ऐसे जोखिमों का पता पहले से जहां लगाया जा सकेगा और ऑपरेशन में अस्थिरता को कम करने में मदद मिलेगी साथ सिक्योरिटी से जुड़े हादसों से होने वाले नुकसान को कम किया जा सकेगा। शक्तिकांत दास ने कहा कि बैंक और दूसरे रेग्युलेटेड संस्था इन दिनों बड़े लेवल पर ऑउटसोर्सिंग कर रहे हैं इस दिशा में ठोस नीति और प्रैक्टिस अपनाये जाने की जरुरत है। उन्होंने बताया कि आरबीआई ने 10 अप्रैल 2023 को बैंकों, एनबीएफसी और दूसरे रेग्युलेटेड एनटीटी के लिए आईटी के आउटसोर्सिंग को लेकर गाइडलाइंस जारी किया है।

वैश्विक वित्तीय संकट से किया बैंकों को आगाह

आरबीआई गवर्नर ने अमेरिका यूरोप में बैंकिंग क्राइसिस के बाद देश में बैंकों को भविष्य में सतर्क रहने की नसीहत दी है। उन्होंने कहा कि विकसित अर्थव्यवस्थाओं में आए वित्तीय अस्थिरता का भारतीय बैंकिंग सिस्टम पर कोई असर नहीं पड़ा है। ये हाल में आरबीआई की ओर से किए गए स्ट्रेस टेस्ट के नतीजों से भी पता लगा है।

फेसबुक की सिर्फ 3 महीने की कमाई जानकर दांतों तले उंगली दबा लेंगे

कंपनी के शेयर में जोरदार उछाल आया

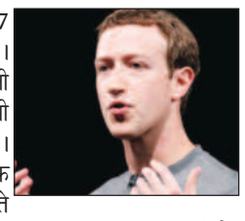

नई दिल्ली, 27 अप्रैल (एजेंसियां)। सोशल मीडिया कंपनी फेसबुक का हम सभी इस्तेमाल करते हैं। क्या आपको पता है कि दुनियाभर में बढ़ते यूजर्स के चलते कंपनी की लगातार बंपर कमाई हो रही है। आपको बता दें कि फेसबुक की मूल कंपनी मेटा का पहली तिमाही का मुनाफा और आमदनी वॉल स्ट्रीट की उम्मीदों से ज्यादा रही है। इसके चलते कंपनी के शेयर में जोरदार उछाल आया है। मेटा ने बताया कि उसके प्रमुख मंच फेसबुक के मासिक उपयोगकर्ताओं की संख्या भी तीन अरब के पास पहुंच गई है। मेटा प्लेटफॉर्म्स इंक ने बुधवार को कहा कि जनवरी-मार्च की तिमाही में उसका मुनाफा 5.71 अरब डॉलर (Rs. 4,66,22,43,55,000) या 2.20 डॉलर प्रति शेयर रहा। यह एक साल पहले की समान अवधि के 7.47 अरब डॉलर या 2.72 डॉलर प्रति शेयर के मुनाफे से 19 प्रतिशत कम है। इस दौरान कंपनी की आमदनी तीन प्रतिशत बढ़कर 28.65 अरब डॉलर पर पहुंच गई, जो एक साल पहले समान अवधि में 27.91 अरब डॉलर रही थी। हालांकि, विश्लेषकों का अनुमान था कि कंपनी का मुनाफा 27.67 अरब डॉलर की आमदनी के साथ 2.02 डॉलर प्रति शेयर रहेगा।हाल ही में फेसबुक की मूल कंपनी मेटा 10,000 कर्मचारियों को निकालने का ऐलान किया था। कंपनी ने कॉस्ट कटिंग में कमी करने के लिए यह छंटनी करने का फैसला किया था। कंपनी ने नवंबर, 2022 में 11,000 नौकरियां खत्म करने की घोषणा की थी।

तेज हुई सोने-चांदी की चमक, जानें क्या है आपके शहर का ताजा भाव

नई दिल्ली, 27 अप्रैल (एजेंसियां)। पिछले दो दिनों में सोना और चांदी की कीमतों में भारी उतार-चढ़ाव के बाद आज दोनों कीमती धातु मजबूती में हैं। वायदा बाजार यानी मल्टी कमोटिडी एक्सचेंज पर गुरुवार 27 अप्रैल को 24 कैरेट सोना 257 रुपये की तेजी के साथ 60,150 रुपये प्रति 10 ग्राम पर खुला है। इसके बाद सोने के दाम में और बढ़त दर्ज की गई है और यह सुबह 11 बजे तक 60,155 रुपये पर कारोबार कर रहा था। वहीं पिछले दिन यह 59,893 रुपये पर बंद हुआ था।

चांदी हुई 74,000 हजार के पार

वहीं चांदी की बात करें तो गुरुवार के दिन इसकी कीमत में बढ़त देखी जा रही है। मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज पर चांदी आज 394 रुपये की तेजी के साथ 74,213 रुपये पर खुला है। कल चांदी 73,819 रुपये प्रति किलोग्राम पर बंद हुआ था। आज की बात करें तो सुबह 11 बजे तक चांदी 74,316 रुपये पर कारोबार कर रहा है।

प्रमुख शहरों में गोल्ड के आज के रेट-

दिल्ली- 22 कैरेट वाला 56,100 रुपये प्रति 10 ग्राम पर बिक रहा है। मुंबई- 22 कैरेट वाला सोना 55,950 रुपये प्रति 10 ग्राम पर बिक रहा है। कोलकाता- 24 कैरेट वाला सोना 55,950 रुपये प्रति 10 ग्राम बिक रहा है। चेन्नई- 22 कैरेट वाला सोना 56,400 रुपये प्रति 10 ग्राम पर बिक रहा है।

प्रमुख शहरों में सिल्वर के आज के रेट-

दिल्ली- चांदी 76,700 रुपये प्रति किलो पर बिक रही है। मुंबई- चांदी 76,700 रुपये प्रति किलो के रेट पर बिक रही है। चेन्नई- चांदी 76,700 रुपये प्रति किलो की उछाल पर बिक रही है। कोलकाता- चांदी 80,200 रुपये प्रति किलो के रेट पर बिक रही है।

अंतरराष्ट्रीय बाजार में क्या है हाल?

अंतरराष्ट्रीय बाजार में सोने की कीमत की बात की जाए तो इसमें बढ़त दर्ज की जा रही है। आज अमेरिका में इकोनॉमिक डाटा जारी किया जाएगा। डाटा रिलीज होने से पहले अमेरिका में सोने की कीमत में 0.6 फीसदी बढ़त के साथ गोल्ड 2,008.10 डॉलर प्रति औंस पर कारोबार कर रहा है। वहीं इंटरनेशनल मार्केट में आज गोल्ड 0.48 फीसदी की बढ़त के साथ 1,999.01 डॉलर प्रति औंस पर कारोबार कर रहा है।

एअर इंडिया की अमेरिकी कंपनी सेबर के साथ डील

ट्रैवल एजेंट्स को एअर इंडिया के फेयर का एक्सेस मिलेगा, ये डील एक्सपेंशन प्लान का हिस्सा

नई दिल्ली, 27 अप्रैल (एजेंसियां)। अमेरिका सॉफ्टवेयर और टेक्नोलॉजी प्रोवाइडर सेबर कॉर्पोरेशन और एयरलाइन एअर इंडिया ने मल्टी-ईयर डील की है। अब ट्रैवल एजेंट और कॉर्पोरेशन सेबर के ग्लोबल ट्रैवल मार्केट प्लेस के जरिए एअर इंडिया के फेयर और सीटों को एक्सेस कर सकेंगे। हालांकि ये डील कितने में हुई है इसका खुलासा नहीं किया गया है।

एक्सपेंशन प्लान का हिस्सा है डील

यह डील एअर इंडिया के एक्सपेंशन प्लान का हिस्सा है। एयरलाइन ने बीते दिनों 470 विमानों के लिए एविएशन हिस्ट्री का सबसे बड़ा ऑर्डर दिया था। एयरलाइन अपनी सर्विसेज को बेहतर बनाने के लिए साबरे की कंसलटेंसी एक्सपर्टाइज का भी इस्तेमाल करेगी।

डील में रूट नेटवर्क की डीटेल्ड प्लानिंग शामिल

इस डील में इन-डेप्थ इवैल्यूएशन, नए हब का डेवलपमेंट, स्ट्रक्चरल डिजाइन और रूट नेटवर्क की डीटेल्ड प्लानिंग शामिल होगी। एअर इंडिया के चीफ कॉमर्शियल एंड ट्रांसफॉर्मेशन ऑफिसर निपुन अग्रवाल ने कहा कि इंडियन ट्रैवल मार्केट मजबूत होकर लौटा है।

ज्यादा कॉम्पिटिटिव बनने में मदद करेगी डील

अग्रवाल ने कहा कि डील एअर इंडिया को ग्लोबल एविएशन प्लेटफॉर्म पर ज्यादा प्रतिस्पर्धी बनने में मदद करेगी। एअर इंडिया ने हाल ही में विहान.एआई नाम से अपने पांच साल के ट्रांसफॉर्मेशन प्लान की घोषणा की थी। इस प्लान के तहत, एयरलाइन अपनी फ्लीट और नेटवर्क का विस्तार कर रही है।

अमेरिकी कंपनी सेबर टेक्नोलॉजी प्रोवाइड करती है

1960 में शुरु हुई अमेरिकी कंपनी सेबर एक लीडिंग सॉफ्टवेयर और टेक्नोलॉजी कंपनी है। ये कंपनी एयरलाइन्स, होटल व्यवसायियों और एजेंसियों को टेक्नोलॉजी प्रोवाइड करता है। मोबाइल ऐप, एयरपोर्ट चेक-इन कियोस्क, ऑनलाइन ट्रैवल साइट्स, एयरलाइन और होटल रिजर्वेशन नेटवर्क, ट्रैवल एजेंट टर्मिनल्स और अन्य अन्य ट्रैवल सॉल्यूशन्स कंपनी देती है।

टाटा ग्रुप की एयर लाइन एअर इंडिया ने 470 एयरक्राफ्ट की दुनिया की सबसे बड़ी एविएशन डील साइन की है। इस डील में एअर इंडिया को फ्रांस की कंपनी एयरबस से 250 एयरक्राफ्ट और अमेरिकी कंपनी बोइंग से 220 एयरक्राफ्ट मिलेंगे।

आईटी और बैंकिंग स्टॉक्स में तेजी से बाजार में आया जोश

शानदार तेजी के साथ बंद हुआ भारतीय शेयर बाजार

नई दिल्ली, 27 अप्रैल (एजेंसियां)। अप्रैल महीने के एक्सपाइरी के दिन भारतीय शेयर बाजार शानदार तेजी के साथ बंद हुआ है। इस हफ्ते लगातार चौथे दिन भारतीय शेयर बाजार में निवेशकों की तरफ से खरीदारी देखी गई। कारोबार बंद होने पर बीएसई सेंसेक्स 348 अंकों के उछाल के साथ 60,649 तो नेशनल स्टॉक एक्सचेंज का निफ्टी 101 अंकों की तेजी के साथ 17,915 अंकों पर बंद हुआ है। निफ्टी 18,000 के आंकड़े को पार करने से कुछ ही फायले की दूरी पर है। आज के कारोबार में एफएमसीजी सेक्ट को छोड़कर दूसरे सभी सेक्टर के शेयर में तेजी रही। बैंकिंग, ऑटो, आईटी, फार्मा, मेटल्स, इंफ्रा, एनर्जी, कंज्यूमर ड्यूरेबल्स, हेल्थकेयर, ऑयल एंड गैस सेक्टर के स्टॉक सानदार तेजी के साथ बंद हुए। मिड कैप और स्मॉल कैप स्टॉक्स में भी खरीदारी देखी गई। सेंसेक्स के 30 शेयरों में 23 शेयर तेजी के साथ और 7 गिरकर बंद हुए। जबकि निफ्टी के 50 शेयरों में 40 शेयर तेजी के साथ और 10 गिरकर बंद हुए। आज के ट्रेड में बजाज फाइनैंस 2.39 फीसदी, बजाज फिनसर्व 1.90 फीसदी, भारती एयरटेल 1.62 फीसदी, इंफोसिस 1.55 फीसदी, कोटक महिंद्रा 1.37 फीसदी, आईटीसी 0.89 फीसदी, महिंद्रा एंड महिंद्रा 0.82 फीसदी की तेजी के साथ बंद हुआ है। जबकि एचयूएल 1.46 फीसदी, पावर ग्रिड 1.13 फीसदी, एक्सिस बैंक 0.76 फीसदी की गिरावट के साथ बंद हुआ है। शेयर बाजार में शानदार तेजी के चलते शेयर बाजार के निवेशकों की संपत्ति मेंगुरुवार के सत्र में जबरदस्त उछाल देखने को मिला है। बीएसई पर लिस्टेड कंपनी का मार्केट कैपिटलाईजेशन बढ़कर 269.07 लाख करोड़ रुपये पर जा पहुंचा है जो बुधवार को 267.71 लाख करोड़ रुपये पर रहा था। आज के सत्र में निवेशकों की संपत्ति में 1.36 लाख करोड़ रुपये का उछाल आया है।

दैनिक पंचांग

ग्रह गोचर

ग्रह स्थिति		
सूर्य-	मेष	में
चंद्र-	कर्क	में
मंगल	मिथुन	में
बुध-	मेष	में
गुरु-	मेष	में
शुक्र-	वृष	में
शनि-	कुंभ	में
राहु-	मेष	में
केतु-	तुला	में

लग्नारंभ समय		
मेष--	05-11	बजे
वृष--	06-56	बजे
मिथुन..	08-56	बजे
कर्क...	11-08	बजे
सिंह...	13-20	बजे
कन्या..	15-28	बजे
तुला...	17-33	बजे
वृश्चिक.	19-42	बजे
धनु.....	21-56	बजे
मकर..	00-02	बजे
कुंभ...	01-53	बजे
मीन ..	03-32	बजे

श्री पिंगल नामक संवत्सर-विक्रम संवत्- 2080
शक संवत् -1945, सूर्य उत्तरायणे,ऋतु- ग्रीष्म
महावीर निर्वाण संवत् -2549,हिजरी सन् -1444
कलियुग अवधि-432000 सूर्योदय- 05-55 सूर्य अस्त- 18-31
भोग्य कलि वर्ष-426876
कलियुग संवत् -5124 वर्ष,
कल्पारभ संवत् -1972949124
सृष्टि ग्रहारंभ संवत्-1955885124
दिशाशूल -- पश्चिम - दही खाकर घर से निकल
तिथि- अष्टमी - 16 -01 तक उपरान्त नवमी
मास - वैशाख शुक्ल पक्ष , शुक्रवार April 28
नक्षत्र - पुष्य - 09- 52 - तक उपरान्त आश्लेषा
योग - शूल - 09 - 37 - तक उप - गण्ड
करण- बव - 16 - 01 - तक उप- बालव
विशेष:- देवी बगुलामुखी जं.
व्रत -त्योहार - गुरु उदयं - 12-56

विशेष:- राशिफल ग्रहों के गोचर के आधार पर लिखा गया है।सूक्ष्म फलादेश के लिए जन्म पत्रिका की सूक्ष्म स्थिति जानने के लिए जन्म कुण्डली दिखाना चाहिए।

राहुकाल 10:39 से 12:14 तक

श्री पंचागुली ज्योतिष केन्द्र Hyd,Sec

दिन का चौघड़िया			रात का चौघड़िया		
चंचल	05:55 - 07:28	शुभ	रोग	18:31 - 19:59	अशुभ
लाभ	07:28 - 09:04	शुभ	काल	19:59 - 21:24	अशुभ
अमृत	09:04 - 10:39	शुभ	लाभ	21:24 - 22:49	शुभ
काल.	10:39 - 12:14	अशुभ	उत्पात	22:49 - 00:13	अशुभ
शुभ.	12:14 - 13:49	शुभ	शुभ	00:13 - 01:38	शुभ
रोग	13:49 - 15:24	अशुभ	अमृत.	01:38 - 03:03	शुभ
उत्पात	15:24 - 16:59	अशुभ	चंचल.	03:03 - 04:28	शुभ
चंचल	16:59 - 18:31	शुभ	रोग	04:28 - 05:55	अशुभ

पोस्ट ऑफिस की इस स्कीम का जलवा

स्मृति ईरानी को भी लगाना पड़ा लाइन

महिलाओं और बच्चियों को प्रोत्साहन देने के लिए सरकार कई तरह की स्कीम लॉन्च करती रहती है। बजट 2023 में वित्त मंत्री निर्मला सीतारामन ने एक स्कीम के बारे में बताया था। इस स्कीम का नाम है महिला सम्मान बचत पत्र।

वित्त मंत्री के ऐलान के बाद इस स्कीम को 1 अप्रैल से चालू कर दिया गया है। योजना की शुरुआत के बाद अब केंद्रीय महिला एवं बाल विकास मंत्री स्मृति ईरानी ने संसद मार्ग पर स्थित पोस्ट ऑफिस में जाकर 'महिला सम्मान बचत प्रमाण पत्र' स्कीम के तहत खाता खुलवाया है। स्मृति ईरानी ने पोस्ट ऑफिस में जाकर लाइन में लगकर यह खाता खुलवाया। वह 26 अप्रैल बुधवार के दिन आम लोगों की तरह पोस्ट ऑफिस पहुंची और लाइन में खड़े होकर उन्होंने अकाउंट खोलने की सभी प्रक्रियाओं को पूरा किया। सभी औपचारिकताएं पूरी होने के बाद उन्हें कंप्यूटर द्वारा जनरेट किया गया पासबुक दिया गया। इस अकाउंट को खुलवाने के बाद उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अध्यक्षता में महिलाओं को बढ़ाने देने के लिए लगातार बड़े कदम उठाए जा रहे हैं। उन्होंने इस कदम को महिला सशक्तिकरण के लिए एक अनूठी पहल करार दिया। इसके साथ ही महिलाओं और बच्चियों से यह अपील की कि वह ज्यादा से ज्यादा संख्या में इस योजना का लाभ उठाएं। इसके साथ केंद्रीय मंत्री ने अपने आधिकारिक ट्विटर हैंडल पर खाता खुलवाने के बाद की कुछ तस्वीरें भी शेयर की।'महिला सम्मान बचत प्रमाणपत्र' स्कीम महिलाओं के लिए शुरू की गई एक छोटी बचत योजना है। इस स्कीम के तहत कोई भी महिला या बच्ची 2 लाख रुपये तक की राशि जमा कर सकती है। इस स्कीम के तहत निवेशकों को 7.5 फीसदी ब्याज दर का लाभ मिलता है। इसमें आप 1,000 रुपये से लेकर 2 लाख रुपये तक का निवेश कर सकते हैं।

इस स्कीम के तहत सरकार ब्याज हर तिमाही में खाते में जमा करेगी। इस स्कीम की खास बात ये है कि यह छोटी अवधि की बचत योजना है। अगर आप अप्रैल 2023 में खाता खुलवाते हैं तो इस स्कीम की मैच्योरिटी अप्रैल 2025 में होगी। इस स्कीम की खास बात ये है कि इस स्कीम के तहत जमा राशि में से आप 1 साल के बाद आंशिक निकासी कर सकते हैं।

चाइल्ड राइट्स बॉडी ने 'बॉर्नविटा' को भेजा नोटिस

एनसीपीसीआर ने कंपनी को सभी भ्रामक विज्ञापन और पैकेजिंग हटाने को कहा

नई दिल्ली, 27 अप्रैल (एजेंसियां)। राष्ट्रीय बाल अधिकार संरक्षण आयोग (एनसीपीसीआर) ने बॉर्नविटा बनाने वाली कंपनी मोंडेलेज इंटरनेशनल इंडिया लिमिटेड को नोटिस भेजा है। जिसमें कहा गया है कि इस प्रोडक्ट में काफी मात्रा में चीनी (प्रति 100 ग्राम में 37.4 ग्राम) होने की शिकायत है। कुछ ऐसे तत्व भी हैं जो बच्चों की सेहत को नुकसान पहुंचा सकते हैं। लिहाजा कंपनी अपने उत्पाद के सभी भ्रामक विज्ञापनों, पैकेजिंग और लेबल की समीक्षा करे और उन्हें वापस ले।

एनसीपीसीआर ने कंपनी से 7 दिन में जवाब मांगा

एनसीपीसीआर ने कहा कि बॉर्नविटा में यूज किए जाने वाले इंग्रीडिएंट्स के बारे में इसकी पैकेजिंग पर सही जानकारी देने में कंपनी असफल रही है। आयोग ने कंपनी को सात दिन में विस्तार में जवाब देने को कहा है।बता दें कि बॉर्नविटा अमेरिकी कंपनी कैडबरी का प्रोडक्ट है। भारत में इसे मोंडेलेज इंटरनेशनल इंडिया लिमिटेड बनाती है।

इन्फ्लुएंसर ने बॉर्नविटा को बताया था नुकसानदायक

75 साल पुराना ब्रांड बॉर्नविटा खुद को चॉकलेट हेल्थ ड्रिंक बताता है। हाल ही में सोशल मीडिया इन्फ्लुएंसर रेवंत हिमतसिंग्का ने एक वीडियो जारी किया था। उनका इंस्टाग्राम हैंडल 'फूडफार्मर' के नाम से है। इसी पर उन्होंने बॉर्नविटा का रिव्यू किया और इसे हेल्थ के लिए नुकसानदायक बताया था।रेवंत का यह वीडियो वायरल हो गया था। उनके इस वीडियो पर पूर्व क्रिकेटर कीर्ति आजाद, एक्टर आर. माधवन और परेश रावल ने भी रिएक्ट किया था। कीर्ति आजाद ने तो यहां तक कह दिया था कि इस वीडियो को सुनने के बाद मैं अपने वकील की सलाह लूंगा और कंपनी पर केस करूंगा।अप्रैल को पोस्ट किए गए अपने वीडियो में रेवंत ने कहा था कि कैडबरी हेल्थ कंपनी नहीं, बल्कि चॉकलेट कंपनी है। रेवंत ने दावा किया था कि बॉर्नविटा के इंग्रीडिएंट्स में शामिल 'कलर (150सी)' कैंसर का कारण बन सकता है और इम्यूनिटी को भी कम कर सकता है। उन्होंने ये भी कहा था कि बॉर्नविटा के इंग्रीडिएंट्स लेबल के अनुसार, उनके प्रति 100 ग्राम में 50 ग्राम शुगर होती है। रेवंत ने वीडियो में आगे कहा था, 'मैं माता-पिता से रिक्वेस्ट करूंगा कि कृपया अपने बच्चों को इन प्रोडक्ट्स का आदी बनाना बंद करें। मैं सरकार से इन झूठे दावों के खिलाफ कार्रवाई करने का अनुरोध भी करता हूं।'इस वीडियो के वायरल होने के बाद बॉर्नविटा बनाने वाली कंपनी कैडबरी ने रेवंत हिमतसिंग्का को लीगल नोटिस भेजा था। मोंडेलेज, कैडबरी की सब्सिडियरी कंपनी है।

[illegible] 21,000 [illegible]

नई दिल्ली, 27 अप्रैल (एजेंसियां)। जरा सोचिए, आपकी कंपनी बेहतरीन वित्तीय नतीजों के एलान के बाद अपने सभी कर्मचारी को एप्पल का आईपैड गिफ्ट करे! ये खबर कोई सपना या फसाना नहीं बल्कि सौ अना पूरी तरह सच है। ये खबर पढ़कर आपको थोड़ी जलन तो जरुर हुई होगी। दरअसल आईटी सेक्टर की कंपनी कोफॉर्ज ने अपने सभी 21,000 से ज्यादा एम्पलॉयज को एप्पल आईपेड देने का एलान किया है।

क्यों दे रही कंपनी आईपैड

कोफॉर्ज ने गुरुवार 27 अप्रैल की सुबह वित्त वर्ष 2022-23 की चौथी तिमाही के नतीजों का एलान किया है। कंपनी के नतीजे तो शानदार रहे हैं। लेकिन कंपनी के लिए सबसे बड़ी उपलब्धि ये रही कि 2022-23 में कंपनी का रेवेन्यू एक बिलियन डॉलर के आंकड़े को पार कर गया। इस माइलस्टोन को अपने कर्मचारियों के साथ सेलीब्रेट करने के लिए कंपनी ने अपने सभी 21,000 से ज्यादा कर्मचारियों को एप्पल आईपैड देने का एलान किया है। कोफॉर्ज के सीईओ सुधीर सिंह ने कहा कि हमारा मानना है कि इस तिमाही में हमने दो उपलब्धियां हासिल की है। सबसे पहला डॉलर टर्म्स में हमने 5 फीसदी के दर से ग्रोथ हासिल किया है। और दूसरा लैंडमार्क ये रहा कि कंपनी ने एक बिलियन डॉलर रेवेन्यू को हासिल किया है। और इस प्रदर्शन के साथ हम 2023-24 में भी बेहतर प्रदर्शन करेंगे।

46.50 करोड़ रुपये होंगे खर्च

21000 से ज्यादा एम्पलॉयज को आईपैड देने में कोफॉर्ज को 46.50 करोड़ रुपये खर्च होंगे। कंपनी ने बताया कि वित्त वर्ष में माइलस्टोन को हासिल करने पर कर्मचारियों को नॉन मॉनीटरी इंसेटिव के लिए इस रकम का प्रावधान किया गया है।

आपका राशिफल

मेष (चू,चे, चो, ला, ली, लू, ले, लो, अ,)
आपकी अपने पिछले समय में से किसी पुराने व्यक्ति से मिलने की सम्भावना है और यह व्यक्ति आपके भविष्य में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा । सहायता करने और लेने में अपने पूर्वाग्रहों को आड़े ना आने दें ,इससे आपकी प्रगति के नए रास्ते खुल सकते हैं । अब कोई भी बदलाव नयी सफलता ही लाएगा ।

वृष (ई, उ, ए, जो, वा, वी, वू, वे, वो,)
आज का दिन घटनाओं से भरा रहेगा और आपको किसी अप्रत्याशित घटना के लिए तैयार रहना है । आपको कई दिशायों में सक्रिय रहना पड़ेगा लेकिन सकारात्मक बने रहेंगे । आप नयी उर्जा एवं वास्तविकता से परिपूर्ण सार्थक योजनायें पेश करेंगे । अपनों को भी इनमे शामिल करें । आज किसी ख़ास व्यक्ति से मुलाक़ात होगी ।

मिथुन (का, की, कू, घ, ड, झ, के, को, हा,)
आप सृजनात्मक ऊर्जा से भरपूर हैं ,अपनी कल्पनाशक्ति का उपयोग करें । इससे आपको ख़ुशी और सौभाग्य दोनों मिलेंगे । दिल की ना सुनें ,अपने दिमाग की सुनें । तर्कशक्ति से काम लें । अपनी ऊर्जा को सही जगह पर लगायें । निवेश के लिए अच्छा दिन है ।अधिक सावधानी की बजाय अपने आप को थोडा ढीला छोड़ दें,राहत मिलेगी ।

कर्क (ही, हू ,हे , हो, डा , डी, डू, डे, डो,)
आज आपकी किसी से कोई महत्वपूर्ण बातचीत होने के आसार हैं । टकराव की स्थिति भी बन सकती है या साधारण बातचीत भी हो सकती है । लेकिन यह जो भी हो,इससे आपको सोचने के लिए काफी कुछ मिलेगा और आप पूरे दिन इसी में व्यस्त रहेंगे । आप आज कोई विकर्षण सहन नही करेंगे फिर भी आपको यह महसूस होगा कि इस घटना पर अधिक सोचकर कुछ हासिल नही होगा ।

सिंह (मा, मी ,मू ,मे, मो, टा, टी ,टू ,टे,)
आज आप साझेदारी के अंतर्गत घर और ऑफिस दोनों ही में बहुत अच्छा काम करेंगे । यदि अकेले काम करेंगे तो अस्पष्ट और असंभव सी लगने वाली मुसीबतों में फंस सकते हैं । टीम के रूप में काम करने पर ये बाधाएं परेशान नही करेंगी । आपसी सहयोग से आज आप किसी भी प्रयास में सफलता हासिल कर पायेंगे।

कन्या (टो, पा, पी, पू ,ष, ण, ट, पे ,पो,)
आपकी कोई ऐसी निजी घटना है जो आपको रोके हुए है और आपकी तरक्की की राह में बाधा बन रही है। अगर आप खुद को गंभीर मुसीबतों से बचाना चाहते हैं तो इन मुद्दों को सुलझा लें । अपने रिश्तों की महत्ता समझने की कोशिश करें , अपने प्रयासों को रिश्तों की अहमियत देखकर ही निर्धारित करें ।

तुला (रा, री, रू ,रे ,रो , ता, ती, तू ,ते,)
आप आज सकारात्मक उर्जा से भरे हुए हैं । हालाँकि आपका उद्देश्य अच्छा है परन्तु आपकी बातों का हर स्थान पर स्वागत नही होगा । आपको अपनी प्रवृति का उपयोग अपने आप को ख़ुशी देने के लिए भी करना चाहिए और आज आप अपने ऊपर अच्छी खासी रकम खर्च कर सकते हैं । जहां तक दूसरों के बारे में आपकी राय का सवाल है ।

वृश्चिक (लो,ना,नी, ने,नू, या, यी ,यू,)
कोई लगातार पूरी वफादारी,सहायता और समर्थन से आपके साथ बना हुआ है ,आज आपके पास इसका बदला उतारने और उसका साथ देने का एक मौका आएगा । आपको उसका साथ देने में एक मुश्किल स्थिति से भी गुजरना पद सकता है,पर अंतत इससे आपका रिश्ता मजबूत ही होगा ।आपको दया और कृतज्ञता दिखाते हुए बहादुर बने रहना होगा ।

धनु (ये, यो,य, मी, मू धा ,फा, ढा, मे)
आज आपके लिए अच्छा दिन है । आपका सुंदर व्यक्तित्व दूसरों को आकर्षित करेगा ।आज आप कुछ भी करें,सफलता मिलेगी । आप काफी लोकप्रिय हैं । आप सृजनात्मक भी हैं और नम्र भी ,आपके इन्ही गुणों ने आपको इस मुकाम पर पहुंचाया है । चालाकी और अभिमान को आने दिये बिना इसी रास्ते पर चलते रहें ।

मकर (मो, जा, जी, खो, खू, खे, खो, ग, गी)
आज आपको दूसरों पर विश्वास करना होगा । यह आपका कोई करीबी या कोई दोस्त हो सकता है और वः आपकी किसी ऐसे विशेष काम में मदद करेगा जिससे आपके भविष्य पर काफी प्रभाव पड़ेगा। लेकिन इसके लिए सबसे जरुरी यह होगा की आप उस व्यक्ति में विश्वास बनाये रखें । आपको अपनी ही तरफ से विश्वास की पहल करनी होगी ।

कुंभ (गू, गे ,गो, सा, सि, सू, से, सो, द,)
आज सब कुछ आपके मनचाहे तरीके से होगा और आपको अपने प्रयासों में सफलता मिलेगी ।आप पुराने नुक्सान की भरपाई भी कर लेंगे ।इसके परिणामस्वरूप आप अपनी संभावनाओं के प्रति अधिक आशावादी भी हो सकते हैं ,किसी भी अवसर के बारे में गहरे से सोचे बिना जोखिम ना उठायें ।असावधान रहेंगे तो किसी से मुठभेड़ हो सकती है ।

मीन (दी, दू,थ, झ, ञ, दे, दो, चा,ची)
आज अप्रत्याशित रूप से काफी खर्च हो सकता है ।आप कोई ऐसी चीज खरीद सकते हैं जिसकी आपको जरुरत नही है लेकिन आपको अच्छी लगती है,इससे आपकी वित्तीय स्थिति काफी प्रभावित भी होगी ।अपनी इस खर्च करने की प्रवृति पर नियंत्रण रखें तो दिन शांति से गुजर जाएगा । आपको आज कुछ नयी वित्तीय योजनायें भी पता चलेंगी ।

पं. महेशचन्द्र शर्मा 9247132654, 8309517693

आनंद मोहन पहला नेता, जिसे मौत की सजा मिली थी

डीएम को मरवाया, नीतीश सरकार में जेल और उसी सरकार में रिहाई

पटना, 27 अप्रैल (एक्सक्लूसिव डेस्क)। बिहार के बाहुबली नेता और पूर्व सांसद आनंद मोहन जेल से आज रिहा हो गए। वो गोपालगंज के डीएम रहे जी कृष्णैया की हत्या में उम्रकैद की सजा काट रहे थे। कृष्णैया तेलंगाना के महबूबनगर के रहने वाले थे। 10 दिन पहले ही बिहार की नीतीश सरकार ने जेल रूल्स में एक बदलाव किया, जिसके बाद आनंद मोहन की रिहाई का रास्ता साफ हो सका। कौन है आनंद मोहन सिंह, जिसे रिहा कराने के लिए नीतीश सरकार ने जेल रूल्स में बदलाव तक कर डाला। बीजेपी भी इस फैसले का समर्थन करती दिखना चाहती है।

जाति और दबंगई के सहारे राजनीति में एंट्री

बिहार के सहरसा जिले में एक गांव पड़ता है। नाम है पनगछिया। इस गांव में 26 जनवरी 1956 को आनंद मोहन का जन्म हुआ। उसके दादा राम बहादुर सिंह स्वतंत्रता सेनानी थे। 17 साल का था, तब बिहार में जेपी आंदोलन शुरू हुआ और यहीं से उसके राजनीतिक करियर की शुरुआत भी। कहते हैं कि बिहार की राजनीति दो चीजों पर चलती है- जाति और दबंगई। उसने इन दोनों का ही सहारा लेकर राजनीति में कदम रखा।

1978 में तत्कालीन प्रधानमंत्री मोरारजी देसाई के एक भाषण के दौरान आनंद मोहन ने काले झंडे दिखाए थे। साल 1979-80 में कोसी रीजन में यादवों के खिलाफ मोर्चा खोलकर वो लाइमलाइट में आ गया। इसके साथ ही पहली बार उनका नाम गैर कानूनी गतिविधियों में पुलिस रिकॉर्ड में दर्ज हुआ। अपनी जातिगत राजनीति को आगे ले जाने के लिए साल 1980 में आनंद मोहन सिंह ने समाजवादी क्रांति सेना का गठन किया। इसका मकसद था निचली जातियों के उत्थान का विरोध करना। उस समय आनंद अगड़ी जातियों के नेता बनता जा रहा था। इस दौरान उसकी राजेश रंजन उर्फ पप्पू यादव की गैंग के साथ भी काफी अनबन चल रही थी। कहा जाता है कि उस वक्त कोसी के इलाके में गृह युद्ध जैसे हालात हुआ करते थे। 1990 के विधानसभा चुनाव में आनंद मोहन जनता दल के टिकट पर महिषी से चुनाव लड़ा और कांग्रेस के लहतान चौधरी को 62 हजार से ज्यादा वोट से हराया।

लालू आरक्षण समर्थक थे, आनंद मोहन विरोधी

ये वो समय था जब देश में मंडल आयोग की सिफारिशें लागू की गई थीं। इन सिफारिशों में सबसे अहम बात थी सरकारी नौकरियों में ओबीसी को 27% का आरक्षण देना। जनता दल ने भी इसका समर्थन किया, लेकिन आनंद मोहन ठहरे आरक्षण विरोधी। उसने 1993 में जनता दल से अलग होकर अपनी पार्टी बनाई, जिसका नाम 'बिहार पीपुल्स पार्टी' यानी बीपीपी रखा। बाद में समता पार्टी से हाथ मिला लिया।

पहले नेता जिसे मौत की सजा मिली थी

जिस समय आनंद मोहन ने अपनी चुनावी राजनीति शुरू की, उसी समय बिहार के मुजफ्फरपुर में एक नेता हुआ करते थे छोटन शुक्ला। आनंद मोहन और छोटन शुक्ला की दोस्ती काफी गहरी थी। 1994 में छोटन शुक्ला की हत्या हो गई। छोटन शुक्ला की अंतिम यात्रा के बीच से एक लालबत्ती की गाड़ी गुजर रही थी, जिसमें उस समय के गोपालगंज के डीएम जी कृष्णैया सवार थे। लालबत्ती की गाड़ी देख आनंद मोहन ने भीड़ को बरगलाया और भड़की भीड़ ने जी कृष्णैया को पीट-पीटकर मार डाला। जी कृष्णैया की हत्या का आरोप आनंद मोहन पर लगा। इसके बावजूद आनंद मोहन का कद बढ़ता रहा।

2005 में बीजेपी से गठबंधन करके नीतीश कुमार दूसरी बार बिहार के सीएम बने। उन्होंने आनंद मोहन मामले पर फोकस किया और 2007 में निचली अदालत ने उन्हें मौत की सजा सुना दी। आनंद मोहन देश के पहले पूर्व सांसद और पूर्व विधायक हैं, जिन्हें मौत की सजा मिली थी।

हालांकि, पटना हाईकोर्ट ने दिसंबर 2008 में मौत की सजा को उम्रकैद में बदल दिया। बाद में सुप्रीम कोर्ट ने भी जुलाई 2012 में पटना हाईकोर्ट के फैसले को बरकरार रखा। तब से आनंद मोहन जेल में ही था।

जेल से चुनाव जीतता रहा

1996 में लोकसभा चुनाव हुए। उस वक्त आनंद मोहन जेल में था। जेल से ही उसने समता पार्टी के टिकट पर शिवहर से चुनाव लड़ा और जनता दल के रामचंद्र पूर्वे को 40 हजार से ज्यादा वोटों से हराया। 1998 में फिर शिवहर से लोकसभा चुनाव लड़ा, लेकिन इस बार राष्ट्रीय जनता पार्टी के टिकट पर। ये चुनाव भी जीत लिया। 1999 और 2004 के लोकसभा चुनाव में भी आनंद मोहन खड़ा हुआ, लेकिन हार गया। इसके बाद दोषी साबित हो गया और चुनाव लड़ने पर रोक लग गई।

खुद तो राजनीति में था, पत्नी-बेटे भी आ गए

आनंद मोहन ने 13 मार्च 1991 को लवली सिंह से शादी की। लवली स्वतंत्रता सेनानी माणिक प्रसाद सिंह की बेटी हैं। शादी के तीन साल बाद 1994 में लवली आनंद की राजनीति में एंट्री उपचुनाव से हुई। 1994 में वैशाली लोकसभा सीट पर उपचुनाव हुए, जिसमें लवली आनंद यहां से जीतकर पहली बार संसद पहुंचीं। बिहार में लवली आनंद को लोग भाभीजी कहकर बुलाते हैं। लोग बताते हैं कि जब भाभीजी रैली करने आती थीं, तो लाखों की भीड़ इकट्ठा होती थी। इतनी भीड़ तो आनंद मोहन की रैलियों में भी नहीं आती थी। बिहार की राजनीति को करीब से देखने वालों का कहना है कि लवली आनंद की रैलियों में भीड़ देखकर उस समय लालू प्रसाद यादव और नीतीश कुमार सरीखे नेता भी दंग रह जाते थे। हालांकि, लवली आनंद की रैलियों में आने वाली भीड़ वोटों में तब्दील नहीं हो पाती थी। जब वोटिंग होती थी, तो लवली आनंद की हार ही होती थी।

आनंद मोहन सिंह के बेटे चेतन आनंद ने 2015 में अपने राजनीतिक करियर की शुरुआत की। वो जीतन राम मांझी की पार्टी हिंदुस्तानी आवाम मोर्चा के स्टूडेंट विंग के अध्यक्ष बने। 2020 में उन्होंने आरजेडी ज्वॉइन कर ली और शिवहर से विधानसभा चुनाव लड़ा। चेतन ने अपना पहला ही चुनाव जीत लिया और विधायक बन गए।

आनंद मोहन के लिए नियमों में बदलाव

जनवरी में नीतीश कुमार ने एक पार्टी इवेंट में मंच से कहा था कि वो आनंद मोहन को बाहर लाने की कोशिश कर रहे हैं। जिसके बाद आनंद का नाम फिर से अखबारों की सुर्खियां बना। हालांकि, उसकी रिहाई में कानून आड़े आ रहा था। बिहार सरकार ने 10 अप्रैल को कानून में संशोधन कर उस अड़चन को भी दूर कर दिया। नीतीश सरकार ने बिहार जेल मैनुअल, 2012 के नियम 484 (1) में बदलाव किया। इस नियम में लिखा है कि कुछ खास क्राइम वाले कैदियों की समय से पहले रिहाई नहीं हो सकती। सरकार ने इसमें से सिर्फ 5 शब्द हटाए- a civil servant on duty यानी ऑन ड्यूटी सरकारी कर्मचारी की हत्या वाली धारा हटा दी, क्योंकि आनंद मोहन इसी के तहत दोषी थे। नियमों में इस बदलाव की वजह से आनंद मोहन के अलावा 26 अन्य कैदी भी समय से पहले रिहा हो सकते हैं।

नीतीश कुमार का आनंद मोहन दांव

बिहार में राजपूत एक प्रभावशाली जाति है। राजपूतों की आबादी बिहार में करीब 8% है। राज्य की करीब 30 विधानसभा सीटों और 8 लोकसभा सीटों पर राजपूत हार या जीत में निर्णायक भूमिका निभाते हैं। 2019 के लोकसभा चुनाव में बीजेपी ने 5 राजपूतों को टिकट दिया था और ये सभी जीतकर लोकसभा पहुंचे थे। जदयू और राजद सवर्ण जातियों तक पहुंच बनाकर अपने ओवीसी केंद्रित वोटर बेस को बढ़ाने की कोशिश कर रहे हैं। आनंद मोहन सिंह इसका जरिया हैं। बिहार में राजपूत वोटों के समीकरण की वजह से आनंद मोहन की रिहाई पर बीजेपी ने खामोशी अख्तियार कर ली है उनके पक्ष में खड़ी है। देखना दिलचस्प होगा कि 2024 चुनाव से पहले नीतीश सरकार का ये दांव कितना कारगर साबित होगा।

अवैध वसूली करने का आरोप

पुलिस की वर्दी में हथियार दिखा वाहनों को रोक करते थे अवैध वसूली, दो गिरफ्तार

रांची, 27 अप्रैल (एजेंसियां)। नामकुम क्षेत्र में पुलिस की वर्दी पहन वाहनों को रोक अवैध वसूली करने के आरोप में दो लोगों को गिरफ्तार किया गया है। इनमें नामकुम के कालीनगर निवासी चंदन सिंह और अनिल कुमार शामिल हैं। दोनों बोलेरो वाहन में पुलिस लिख हथियार दिखा वाहन चालकों पर धौंस जमाते थे और ओवरलोडिंग व चालान में गड़बड़ी की बात कह वसूली करते थे।

क्षेत्र में बालू लेकर चल रहे हाईवा और डंपर चालकों को भी डरा-धमकाकर वसूली करते थे। थानेदार ने बताया कि एक ट्रक चालक से दोनों अपराधियों ने 25 हजार रुपए ले लिए थे। उसके बाद भी उससे पैसे की मांग कर रहे थे। एएसपी मूमल राजपुरोहित ने बताया कि लगातार सूचना मिल रही थी कि दो संदिग्ध पुलिस की वेशभूषा में पेट्रोलिंग कर वाहनों की चेकिंग भी कर रहे हैं।

बन्ना गुप्ता के व्यक्तिगत आक्षेप से भड़के विधायक सीपी सिंह

सीबीआई जांच कराने की रखी मांग, छह सवाल भी पूछे

रांची, 27 अप्रैल (एजेंसियां)। अश्लील वायरल वीडियो प्रकरण पर राजनीति धीरे-धीरे गरमाने लगी है। कल तक जहां इस मामले की फोरेंसिंक जांच और साइबर जांच की मांग की जा रही थी, वहीं अब सीबीआई जांच कराने की मांग भी होने लगी है। सीबीआई से जांच कराने की बात रांची के विधायक सीपी सिंह ने कही है। दरअसल स्वास्थ्य मंत्री बन्ना गुप्ता ने इस प्रकरण को लेकर बुधवार को प्रेस कांफ्रेंस की थी। इस प्रेस कांफ्रेंस में उन्होंने कई बार विधायक सीपी सिंह का नाम लिया। इस बात की जानकारी मिलने के बाद सीपी सिंह ने अपने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म फेसबुक में मंत्री बन्ना गुप्ता को चुनौती देते हुए कहा कि वे मुख्यमंत्री को पत्र लिखें और अपने मामले के साथ-साथ मेरे मामले की भी सीबीआई जांच कराने को कहें। विधायक सीपी सिंह ने लगे हाथ बन्ना गुप्ता से छह सवाल भी पूछे हैं।

फेसबुक पर सीपी सिंह ने क्या लिखा

उन्होंने फेसबुक पर लिखा है कि किसी शुभचिंतक ने बताया कि बुधवार को मंत्री बन्ना गुप्ता ने प्रेस कांफ्रेंस किया और पानी की घूंट पी-पी कर कई बार मेरे नाम का जिक्र किया। हालांकि मेरा सिद्धांत है कि मैं किसी के व्यक्तिगत जिंदगी पर टिका टिपण्णी नहीं करता हूं। न कभी किया हूं। बन्ना गुप्ता के मामले में भी हर बार मैंने यही कहा था कि यह मामला पुलिस के पास है और पुलिस इसकी जल्द जांच कर सच्चाई सामने लाए। उन्होंने आगे लिखा है कि जमाना कुछ ऐसा हो गया है कि लोग शराफत को कमजोरी समझने की अक्सर भूल कर बैठते हैं। यही भूल बन्ना गुप्ता ने भी की। मैं इस कीचड़ में कूदना तो बिलकुल भी नहीं चाहता, लेकिन कल जब बन्ना गुप्ता के प्रेस कांफ्रेंस से लगभग साफ ही हो गया है कि वे अपने मामले की लीपापोती में लग गए हैं। इसके बाद भी वे मीडिया के सामने सीना

चौड़ा कर बैठे हैं तो लगे हाथ मेरे भी दो चार प्रश्न का जवाब दे हीं दें। 24 अप्रैल की रात्रि को मेरे फोन नंबर पर रात 1:15 बजे आए कॉल, कॉल उठाने से लेकर काटने तक जो भी 15-20 सेकेंड लगा होगा उसकी पूरी जानकारी मोबाइल नंबर के साथ कल ही प्रेस कांफ्रेंस के माध्यम से सभी को दे दी है तो अब किंतु परंतु कहां है बन्ना गुप्ता जी?

ऐसे हजारों मामले आजकल रोज सामने आ रहे हैं। पैसे कमाने का एक बेहद ही घटिया और बेहूदा तरीका शातिर अपराधियों ने इजाद किया है। जो फंसा वो या तो पैसे देकर पीछा छुड़ा रहा है, कुछ घर छोड़कर भाग गए तो कुछ ने अपराध बोध में जान ही दे दी। लोगों के बीच इसको लेकर जागरूकता फैलाना जरूरी है। क्या आप स्पष्टता से बता पाएंगे की आप ऐसे किसी मामले में फंसे हैं या आपका मामला कुछ "दूसरा" है?

कहीं ऐसा तो नहीं की बन्ना गुप्ता के मामले को दबाने या छुपाने के लिए उनके या उनके सहयोगियों के ही द्वारा कुछ ऐसा षड्यंत्र किया गया हो की उनका मामला ठंडा हो जाए या दब जाए? लेकिन षड्यंत्र तो विफल हो गया, अब क्या कीजिएगा बन्ना गुप्ता जी?

पुलिस इसकी भी जांच करें एवं वस्तु स्तिथि बताए। कल भी मैं सुबह सोकर उठा तो देखा की 24 की रात्रि 1:15 की तरह 25 की रात्रि को भी 1:25 बजे दूसरे नंबर से एक मिस्ड कॉल आया था, मतलब बन्ना गुप्ता समझ लिए हो क्या भाई? या कांग्रेसी समझ लिए हो? कारवाई के लिए इसकी जानकारी मैंने एस.एस.पी, रांची एवं थाना प्रभारी, लालपुर को कल दोपहर में ही दे दी है।

झारखंड में तेजी से बढ़ रहा है संक्रमण का खतरा

रांची, 27 अप्रैल (एजेंसियां)। झारखंड में कोरोना संक्रमण के मामलों में लगातार बढ़त दर्ज की जा रही है। जमशेदपुर में कोरोना संक्रमण के 89 छात्राओं समेत 103 संक्रमित मामले मिले हैं। स्कूल में मिले संक्रमण के मामले बड़ा संकेत है कि खतरा और बढ़ सकता है। रोज औसतन साढ़े चार हजार से पांच हजार सैंपल की जांच की जा रही है।

बढ़ता संक्रमण का दायरा

राज्य में संक्रमण का दायरा लगातार बढ़ रहा है। राज्य में पिछले छह दिनों के आंकड़े पर नजर डाले तो राज्य में 306 मरीज मिले हैं। जबकि, 01 से 10 अप्रैल (10 दिन) के बीच राज्य भर में 78 नए मरीजों की पहचान हुई। यानी प्रतिदिन औसतन 7.8 मरीज मिल रहे हैं। 25 अप्रैल के बाद से संक्रमण के आंकड़ों में भारी तेजी देखी जा रही है। राज्य में एक तरफ सैंपल टेस्टिंग की संख्या बढ़ाई गयी है वहीं दूसरी तरफ सैंपल के लिए जांच के लिए पेंडिंग मामलों की संख्या 25 अप्रैल तक 6,574 हो गयी है। आंकड़े लगातार बढ़ रहे हैं 18 मार्च को राज्य में महज 910 सैंपल जांच के लिए पेंडिंग थे, जो 31 मार्च को 4592 हुए और 18 अप्रैल को 6171 पर पहुंच गये। राज्य में जांच रिपोर्ट के लिए कई लोगों को लंबा इंतजार करना पड़ रहा है। इन वजहों से संक्रमण का खतरा बढ़ रहा है।

क्यों घट रहे हैं कोरोना जांच के सैंपल

राज्य में कोरोना संक्रमितों की पहचान के लिए लिए जा रहे सैंपल की संख्या भी लगातार घट रही है। झारखंड में 26486 सैंपल यानी प्रतिदिन औसतन 4414 सैंपल की जांच की गयी। इसमें केवल 25 अप्रैल को ही राज्य में 7640 सैंपल की जांच हुई। इससे पहले 19 अप्रैल को 5190, 10 अप्रैल को 1840 जबकि बीते 31 मार्च को राज्य भर में 1156 जांच हुई है।

अधिवक्ता राजीव कुमार और अमित अग्रवाल पर आरोप गठित

13 अक्टूबर को दाखिल हुआ था आरोप पत्र

रांची, 27 अप्रैल (एजेंसियां)। पैसे लेकर पीआईएल मैनेज करने के मामले में आज ईडी की विशेष अदालत में सुनवाई हुई। इस मामले में आज आरोपी अधिवक्ता राजीव कुमार और व्यवसायी अमित अग्रवाल पर आरोप गठित कर दिया गया है। ईडी के विशेष न्यायधीश पीके शर्मा ने कोर्ट में आरोपों को पढ़ कर सुनाया। इस दौरान अधिवक्ता राजीव कुमार और व्यवसायी अमित अग्रवाल सशरीर कोर्ट में मौजूद थे।

ट्रायल फेस करेंगे आरोपी

ईडी की विशेष अदालत में आरोप गठित किए जाने के बाद दाखिल आरोपों से आरोपियों ने खुद को इनकार कर दिया। उन्होंने ट्रायल फेस करने की बात कही। आरोपियों पर अपराध गठित होने के बाद की कार्रवाई की जाएगी। ईडी की ओर से अधिवक्ता शिव कुमार ने बहस की। वहीं अधिवक्ता राजीव कुमार का पक्ष शंभू अग्रवाल ने रखा। व्यवसायी

अमित अग्रवाल की ओर से अधिवक्ता विद्युत चौरसिया ने बात रखी। बता दें कि छह अप्रैल को राजीव कुमार एवं अमित अग्रवाल के डिस्चार्ज पिटिशन को ईडी कोर्ट ने खारिज कर दिया था। ईडी ने 13 अक्टूबर 2022 को राजीव कुमार एवं अमित अग्रवाल के खिलाफ आरोप पत्र दाखिल किया था। फिलहाल दोनों आरोपी जमानत पर हैं।

अधिवक्ता राजीव कुमार को पहले ईडी कोर्ट ने जमानत देने से इनकार कर दिया था। जिसके बाद उन्होंने हाईकोर्ट का रुख किया था। झारखंड हाईकोर्ट में जस्टिस एसके द्विवेदी की अदालत ने लंबी सुनवाई के बाद राजीव कुमार को जमानत देने का फैसला लिया। अदालत ने उन्हें एक-एक लाख के दो निजी मुचलके पर रिहा करने का निर्देश दिया। 31 जुलाई 2022 को कोलकाता पुलिस ने अधिवक्ता राजीव कुमार को गिरफ्तार किया था। उनके खिलाफ कोलकाता के व्यवसायी अमित अग्रवाल ने हेयर स्ट्रीट थाने में प्राथमिकी दर्ज कराई थी। इस संबंध में बताया जाता है कि एक पीआईएल से अधिवक्ता अमित अग्रवाल का नाम हटाने के एवज में राजीव कुमार ने 10 करोड़ की रिश्वत मांगी थी लेकिन डील 1 करोड़ रुपये में फाइनल हुई। इसी रकम का आधा हिस्सा यानी 50 लाख रुपये लेने के लिए राजीव कोलकाता गए थे।

वहां हैरिसन स्ट्रीट स्थित बिजनेस कॉम्प्लेक्स से उनको गिरफ्तार किया गया। ईडी ने बाद में मनी लांड्रिंग का केस दर्ज कर लिया था।

हाथी ने बाइक सवार 2 युवकों पर किया हमला

कोरबा, 27 अप्रैल (एजेंसियां)। कोरबा वनमंडल के मदनपुर गांव के पास हाथी ने बाइक सवार दो युवकों पर हमला कर दिया। जिसके बाद दोनों उठकर भागने लगे। हाथी ने दोनों युवकों को काफी दूर तक दौड़ाया। हाथी से बचने के लिए दोनों युवक भागकर एक गड्ढे में जा छिपे। अपनी जान बचाने के लिए दोनों कई घंटों तक गड्ढे में ही छिपे रहे। इधर हाथी ने अपना पूरा गुस्सा युवकों की बाइक पर निकाल दिया।

जानकारी के मुताबिक, दो युवक रेवा राम (25 वर्ष) और चैत राम (22 वर्ष) बाइक पर सवार होकर मदनपुर की ओर आ रहे थे। यहां उनका सामना एक हाथी से हो गया। हाथी ने बाइक को देख उसे पीछे से लात मारी, जिससे दोनों युवक गाड़ी से नीचे गिर पड़े। हाथी को देख वे बहुत डर गए और जंगल की ओर भागने लगे।

भूपेश बघेल बोले-ये शहादत बेकार नहीं जाएगी

मुख्यमंत्री शहीद जवानों को श्रद्धांजलि देकर पीड़ित परिवार से मिले, अधिकारियों के साथ की बैठक

रायपुर, 27 अप्रैल (एजेंसियां)। दंतेवाड़ा जिले के अरनपुर थाना क्षेत्र में हुए नक्सल हमले में शहीद जवानों को मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने श्रद्धांजलि दी। और शहीद जवानों के पार्थिव शरीर को कंधा दिया। इसके बाद बस्तर के पुलिस और सुरक्षाबल के अधिकारियों की बैठक ली। जिसमें घटना से संबधित पूरी जानकारी ली है।

हालांकि बैठक में अधिकारियों से क्या बात हुई है। ये बात सामने नहीं आई है। इसके बाद सीएम वहां से वापस लौट गए हैं। भाजपा के प्रदेश प्रभारी ओम माथुर भी श्रद्धांजलि देने यहां पहुंचे। उन्होंने मुख्यमंत्री बघेल से चर्चा भी की। शहीद जवानों को श्रद्धांजलि देकर भूपेश बघेल ने मीडिया से कहा, हमारे जवानों ने नक्सलियों से लड़ते हुए आहूति दी है। ये शहादत बेकार नहीं जाएगी। अब लड़ाई और तेजी से लड़ी जाएगी। भूपेश बघेल ने कहा, हमारे जवान, नक्सलियों को जंगल में घेरकर मारते हैं और उन्हें गिरफ्तार भी करते हैं। नक्सलियों को अब और ज्यादा नुकसान होगा। उन्हें मुंहतोड़ जवाब दिया जाएगा। कल भी एक नक्सली को पकड़ा गया है। लगातार नक्सलियों का दायरा घटता जा रहा है। भूपेश बघेल ने शहीद जवानों के परिजनों से पुलिस लाइन कार्ली में मुलाकात करके पीड़ित परिवार के प्रति संवेदना व्यक्त की है। परिजनों को मुख्यमंत्री ने हर संभव मदद का आश्वासन भी दिया है। पीड़ित परिवार का रो-रोकर बुरा हाल है। जवानों को श्रद्धांजलि देने पीसीसी चीफ मोहन मरकाम, बीजापुर विधायक विक्रम मंडावी, दंतेवाड़ा विधायक, देवती कर्मा समेत दंतेवाड़ा कलेक्टर, आईजी, एसपी से लेकर तमाम पदाधिकारी पहुंचे हैं। इससे पहले शहीदों को गार्ड ऑफ ऑनर भी दिया गया। शहीदों को अंतिम विदाई देने के लिए बड़ी संख्या में ग्रामीण यहां पहुंचे हुए थे। दंतेवाड़ा के शहीद जवानों के पार्थिव शरीरों को उनके गृह ग्राम के लिए रवाना कर दिया गया। शहीदों को अंतिम विदाई के लिए सुबह से उनके गांवों में ला का तांता लगा था। मुख्यमंत्री के साथ सांसद, विधायक, पूर्व विधायक तथा वरिष्ठ पुलिस अधिकारियों ने भी शहीद जवानों की अर्थी को कंधा दिया है।

मुख्यमंत्री ने सभी शहीदों के पीड़ित परिजनों से कहा है, हम सब इस घोर शोक की घड़ी में आपके साथ हैं। छत्तीसगढ़ बीजेपी प्रदेश प्रभारी ओम माथुर भी दंतेवाड़ा पहुंचकर मुख्यमंत्री से मुलाकात की है। इसके साथ ही शहीद जवानों को श्रद्धांजलि देते हुए पीड़ित परिवार का हाल जाना है। बुधवार को हुए नक्सली हमले में डीआरजी के 10 जवान शहीद हो गए।

भीषण सड़क हादसे में दो महिलाओं की मौत

बिलासपुर, 27 अप्रैल (एजेंसियां)। बिलासपुर-रतनपुर रोड पर भीषण सड़क हादसा हो गया, जिसमें हैदराबाद में रहने वाली एक महिला सहित दो महिलाओं की मौत हो गई। सड़क किनारे खड़ी टाटा मैजिक गाड़ी सवारी उतार रही थी। उसी समय तेज रफ्तार ट्रेलर ने पीछे से टक्कर मार दी, जिससे गाड़ी सड़क से 25 फीट दूर खेत में जा गिरी। घटना रतनपुर थाना क्षेत्र की है।

जानकारी के अनुसार बुधवार को यात्रियों को लेकर रतनपुर जा रहे मैजिक वाहन मदनपुर के पास सवारी उतारने के लिए नेशनल हाईवे पर रुका था। उसी समय पीछे से आ रहे तेज रफ्तार ट्रेलर ने मैजिक वाहन को पीछे से टक्कर मार दी। इस टक्कर से वाहन उछला और रोड से नीचे खेत में जा गिरा। इसमें सवार यात्री भी उसके साथ खेत में गिरे और गंभीर रूप से घायल हो गए।

राजकिशोर नगर निवासी पुष्पा (68) अपने पड़ोस में रहने वाली लक्ष्मीकांता सहित अन्य के साथ रतनपुर स्थित मां महामाया मंदिर देवी दर्शन करने के लिए जा रही थी। ये लोग मैजिक वाहन में सवार थे। मदनपुर में जब सवारी उतारने के लिए गाड़ी खड़ी हुई, तब उसमें नौ लोग सवार थे। इस हादसे में पुष्पा और लक्ष्मी समेत नौ लोग घायल हो गए। इस घटना के बाद घायलों को रतनपुर अस्पताल पहुंचाया गया, जहां उन्हें इलाज के लिए भर्ती किया गया है। पुलिस इस मामले की जांच कर रही है।

कस्तूरबा गांधी बालिका विद्यालयों पर कोरोना की मार

जमशेदपुर, 27 अप्रैल (एजेंसियां)। झारखंड के पूर्वी सिंहभूम जिले में चार आवासीय बालिका विद्यालयों की 148 छात्राओं की कोरोना रिपोर्ट पॉजिटिव आई है।

एक अधिकारी ने बुधवार को बताया कि सोमवार को 69 छात्राओं के कोरोना संक्रमित पाए जाने के बाद उपायुक्त विजया जाधव ने मंगलवार को जिले के सभी कस्तूरबा गांधी बालिका विद्यालयों (केजीबीवी) में कोविड-19 की जांच कराने का निर्देश दिया था। सिविल सर्जन डॉ. जुझार माझी के नेतृत्व में डॉक्टरों ने जिले के डुमरिया, पोटका और जमशेदपुर ब्लॉक के तीन अन्य केजीबीवी स्कूलों में कोरोना की जांच की। इस दौरान 79 और छात्राओं की कोरोना रिपोर्ट पॉजिटिव आई।

भाजपा नेता का शव पेड़ से लटका मिला

पलामू, 27 अप्रैल (एजेंसियां)। झारखंड के पलामू जिले में गुरुवार को एक भाजपा नेता का शव पेड़ से लटका मिला। बाजपा नेता की पहचान प्रमोद सिंह के तौर पर हुई है। परिवारवालों ने आरोप लगाया है कि एक जमीनी विवाद की वजह से उनकी हत्या की गई है और आत्महत्या का रूप देने के लिए पेड़ से लटका दिया।

पुलिस ने बताया कि सिंह बुधवार की शाम पांच बजे अपने घर से निकले थे, जिसके बाद वह वापस नहीं लौटे। जांच पड़ताल के बाद उनका शव एक एकांत स्थान पर पाया गया। उप-विभागीय पुलिस अधिकारी (लेसलीगुन) आलोक कुमार टुटी ने कहा- भाजपा के अनुसूचित जाति प्रकोष्ठ के मनतु मंडल अध्यक्ष 35 वर्षीय प्रमोद सिंह को आज सुबह एक पेड़ से लटका पाया गया। अपने कुछ परिजनों के साथ सिंह के परिवारवालों ने आरोपियों की गिरफ्तारी के लिए सेमरी-मनतु मुख्य सड़क पर जाम लगा दिया। परिवारवालों ने मनतु पुलिस स्टेशन के प्रभारी अधिकार पर भी आरोप लगाया है। उन्होंने बताया कि थाने के प्रभारी अधिकारी कमलेश कुमार ने सिंह के गायब होने की रिपोर्ट दर्ज नहीं की थी। उन्होंने दावा किया कि यदि पुलिस ने मौके पर मामला दर्ज कर लेती तो सिंह बच जाते।

अमेरिका परमाणु पनडुब्बी साउथ कोरिया भेजेगा

बाइडेन बोले- तानाशाह ने एटमी हमला किया तो ये नॉर्थ कोरिया में उसकी सत्ता का अंत होगा

वॉशिंगटन, 27 अप्रैल (एजेंसियां)। अमेरिका के राष्ट्रपति जो बाइडेन ने बुधवार को कहा कि अगर नॉर्थ कोरिया ने परमाणु हमला किया तो ये वहां की सत्ता के अंत का कारण बनेगा। दरअसल, साउथ कोरिया के राष्ट्रपति यून सुक येओल स्टेट विजिट के लिए अमेरिका पहुंचे थे। यहां उन्होंने राष्ट्रपति बाइडेन से मुलाकात की। इस मौके पर बाइडेन ने कहा कि नॉर्थ कोरिया के खिलाफ किसी भी संघर्ष में परमाणु हथियारों के इस्तेमाल से जुड़ी प्लानिंग में साउथ कोरिया को शामिल किया जाएगा।

इस दौरान अमेरिका और साउथ कोरिया ने न्यूक्लियर हथियारों से जुड़े एक अहम समझौते पर हस्ताक्षर भी किए। इसके तहत अमेरिका अपनी न्यूक्लियर बैलिस्टिक मिसाइल सबमरीन साउथ कोरिया भेजेगा। हालांकि, अमेरिका के कोई भी परमाणु हथियार सियोल में तैनात नहीं किए जाएंगे। दूसरी तरफ, समझौते के तहत साउथ कोरिया खुद के परमाणु हथियार नहीं बनाएगा। बुधवार को बाइडेन ने साउथ कोरिया के राष्ट्रपति यून सुक यिओल के लिए स्टेट डिनर होस्ट किया। अमेरिका-साउथ कोरिया के बीच हुए समझौते को वॉशिंगटन डेक्लेरेशन नाम दिया गया है। इस पर हस्ताक्षर के बाद बाइडेन और यून ने रोज गार्डन में एक प्रेस कॉन्फ्रेंस को संबोधित किया। बाइडेन ने कहा- ये समझौता नॉर्थ कोरिया के आक्रामक रवैये के खिलाफ अहम कदम है। हम नॉर्थ कोरिया से आने वाले हर खतरे के खिलाफ अपने सहयोगियों के साथ मिलकर जवाब देंगे। नए समझौते के तहत अमेरिका और साउथ कोरिया मिलकर एक न्यूक्लियर कंसल्टिव ग्रुप बनाएंगे। इसके जरिए नॉर्थ कोरिया के खिलाफ मिलिट्री एक्शन या परमाणु

हथियार इस्तेमाल करने से पहले चर्चा की जाएगी। हालांकि, समझौते में इस बात का जिक्र नहीं है कि अगर नॉर्थ कोरिया हमला करता है तो साउथ कोरिया की रक्षा के लिए अमेरिका परमाणु हथियार जरूर लॉन्च करेगा। न्यूक्लियर वेपन के इस्तेमाल से जुड़ा आखिरी फैसला अमेरिका के राष्ट्रपति का ही होगा। इसके बदले में अमेरिका ने समझौते के जरिए शर्त रखी है कि साउथ कोरिया अपने परमाणु हथियार नहीं बनाएगा। वो एक गैर-परमाणु राज्य और परमाणु हथियारों के अप्रसार का समर्थक ही रहेगा। अमेरिका का मानना है कि साउथ कोरिया का गैर-परमाणु देश रहना जरूरी है। अगर ऐसा नहीं होगा तो दूसरे देश भी उसके नक्शेकदम पर चलते हुए अपने परमाणु हथियार बनाने में जुट जाएंगे। अमेरिका पहले ही एक ट्रीटी के तहत साउथ कोरिया की रक्षा करने के लिए प्रतिबद्ध है। यूएस की तरफ से कई बार कहा जा चुका है कि वो जरूरत पड़ने पर न्यूक्लियर हथियार के इस्तेमाल से पीछे नहीं हटेगा। यून सुक यिओल के साथ मुलाकात के बाद बाइडेन ने दोबारा कहा- अमेरिका नॉर्थ कोरिया को फिर से समझौते के लिए तैयार करने की कोशिश कर रहा है। हमें उम्मीद है कि किम जोंग अपने परमाणु हथियार छोड़ देगा।

हालांकि, पिछले साल तानाशाह ने घोषणा की थी कि वो परमाणु हथियार बनाना जारी रखेंगे। नॉर्थ कोरिया की तरफ से आ रहे परमाणु धमकियों के बीच अमेरिका और साउथ कोरिया लगातार मिलिट्री ड्रिल्स कर रहे हैं। पिछले हफ्ते उन्होंने 12 दिन की एरियल एक्सरसाइज लॉन्च की थी। इसमें 110 वॉरप्लेन शामिल हुए थे। पिछले एक महीने से जारी मिलिट्री ड्रिल को 5 साल की सबसे बड़ी ड्रिल बताया गया था। इस ड्रिल को 'फ्रीडम शील्ड' नाम दिया गया था। दोनों देशों ने साल 2018 में नॉर्थ कोरिया से शांति वार्ता शुरू करने के दौरान इस तरह की ड्रिल्स को बंद कर दिया था। नॉर्थ कोरिया की तरफ से लगातार मिसाइल टेस्टिंग और बयानबाजी को देखते हुए अमेरिका और साउथ कोरिया में परमाणु खतरे को लेकर चिंता बढ़ गई है। नॉर्थ कोरिया ने लगातार ऐसे टैक्टिकल न्यूक्लियर वेपन बनाने का दावा किया है जो साउथ कोरिया पर हमला करने में सक्षम हैं। साथ ही तानाशाह किम ने ये भी कहा था कि उसने ऐसे लंबी दूरी के हथियार भी बनाए हैं जो जरूरत पड़ने पर अमेरिका तक पहुंच सकें।

एससी के आदेश के बाद भी पंजाब में चुनाव को लेकर अनिश्चितता

सीजेपी ने सरकार और विपक्ष को लेकर कही ये बात

इस्लामाबाद, 27 अप्रैल (एजेंसियां)। पाकिस्तान के मुख्य न्यायाधीश उमर अता बंदियाल (सीजेपी) ने गुरुवार को कहा कि उच्चतम न्यायालय सत्तारूढ़ गठबंधन को पंजाब प्रांत में चुनाव कराने को लेकर विपक्ष के साथ बातचीत करने के लिए बाध्य नहीं कर सकता है। उन्होंने कहा, ऐसा लगता है कि सरकार 'पास-पास खेल रही' है। शीर्ष अदालत के 14 मई को चुनाव कराने के आदेश के बावजूद पंजाब विधानसभा के भविष्य को लेकर अनिश्चतता बनी हुई है। इस बीच न्यायमूर्ति बंदियाल की अध्यक्षता वाली तीन सदस्यीय पीठ ने राजनीतिक रूप से संवेदनशील इस मामले की सुनवाई फिर से शुरू की है।

हालांकि, बंदियाल ने कहा कि विस्तृत आदेश बाद में जारी किया जाएगा। सुनवाई शुरू होने के महज एक घंटे बाद ही स्थगित कर दी गई। उन्होंने कहा, हम किसी पर दबाव नहीं डाल रहे हैं। हम केवल संविधान को लागू करने का रास्ता तलाश रहे हैं। सुनवाई के दौरान अदालत ने विपक्ष के साथ बातचीत को लेकर सरकार की गंभीरता पर सवाल उठाए।

उन्होंने पूछा, सरकार ने अपनी सही भावना को दिखाने के लिए क्या कदम उठाए हैं? देश के एक प्रमुख समाचार पत्र ने न्यायमूर्ति बंदियाल के हवाले से कहा, ऐसा लगता है कि सरकार पास-पास खेल रही है। पिछली सुनवाई में अदालत ने राजनीतिक दलों से 26 अप्रैल को बातचीत करने और हितधारकों को समझौते पर पहुंचने का मौका देने के बाद 27 अप्रैल तक जवाब देने के लिए कहा था। हालांकि, कोई बातचीत नहीं हुई और सरकार ने भी 4 अप्रैल के निर्देश का पालन करने से इनकार कर दिया। उन्होंने कहा, 'अगर सरकार बातचीत को लेकर गंभीर होती तो वह खुद प्रयास करती।

भारत-रूस के रिश्तों पर बोले अमेरिका के पूर्व रक्षा मंत्री- हमें धैर्य दिखाना होगा

वाशिंगटन, 27 अप्रैल (एजेंसियां)। अमेरिका के पूर्व रक्षा मंत्री जिम मैटिस ने भारत-अमेरिका शिखर सम्मेलन में भारत-रूस के रिश्तों पर टिप्पणी की है। यह आयोजन कांग्रेसनल इंडिया कॉकस के सह-अध्यक्ष रो खन्ना द्वारा आयोजित किया गया था।

अमेरिका के पूर्व रक्षा मंत्री जिम मैटिस का मानना है कि दिल्ली ने यूक्रेन पर मास्को के हमले का समर्थन नहीं किया है, ऐसे में भारत और रूस के रिश्ते के बीच अमेरिका को रणनीतिक धैर्य दिखाना होगा। उन्होंने कहा कि भारत और अमेरिका के बीच रक्षा संबंध मजबूत हुए हैं और तेजी से आगे भी बढ़ा है।

जिम मैटिस ने कहा- हमें धैर्य दिखाना होगा। वे (भारतीय) सही दिशा में बढ़ रहे हैं।

उन्होंने आगे कहा कि भारतीय

सरकारी ने यूक्रेन पर रूसी हमले का समर्थन नहीं किया है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी इस मुद्दे पर बहुत स्पष्ट रहे हैं। भारत को जो आखिरी काम करना है वह यह है कि रूस और चीन को करीब लाने में सहयोग करना होगा।

मैटिस का कहना है कि अपने क्वाड देशों के विपरित भारत ने अभी तक यूक्रेन पर रूसी हमलों की निंदा नहीं की है। भारत रूसी आक्रमण पर संयुक्त राष्ट्र के मंचों पर वोटों से दूर रहा है। भारत यूक्रेन में कूटनीति और बातचीत के माध्यम से युद्ध को रोकने की मांग कर रहा है। मैटिस का मानना है कि रूस के प्रभाव क्षेत्र से भारत बाहर निकल रहा है। यह समय भारत पर व्याख्यान देने का नहीं बल्कि उनके साथ मिलकर काम करने का है। एक तरफ जहां भारत के पास पड़ोसी राष्ट्र के रूप में कट्टरपथी परमाणु हथियार वाला पाकिस्तान है तो वहीं दूसरी तरफ चीन है जो भारत को धमकाने की कोशिश कर रहा है।

मैटिस ने कहा- राष्ट्रीय सुरक्षा परिषद इस समय महत्वपूर्ण और उभरती प्रौद्योगिकियों के बारे में एक प्रयास कर रहा है।भारत में एक ऐसी जगह है जहां हमें जाने की आवश्यकता है और जहां हमारे पास जाने का अवसर है। कुछ चीजें हैं जिसे हम चुनौतियों को कम करने के लिए कर सकते हैं। सामूहिक रूप से, यही हमें एक मजबूत नींव देता है।

सूडान से 367 भारतीय दिल्ली एयरलिफ्ट, अब तक 1100 रेस्क्यू

खार्तूम/नई दिल्ली, 27 अप्रैल (एजेंसियां)। सूडान में सिविल वॉर के बीच ऑपरेशन कावेरी के तहत भारतीयों को निकाला जा रहा है। इसके दूसरे दिन बुधवार देर रात 367 नागरिकों का पहला बैच जेद्दाह से नई दिल्ली एयरपोर्ट पहुंचा। एयरपोर्ट पर लोगों ने 'भारत माता की जय, इंडियन आर्मी जिंदाबाद, नरेंद्र मोदी जिंदाबाद' के नारे लगाए।

रेस्क्यू की गई की एक बच्ची ने कहा- हम वहां किसी भी पल मारे जा सकते थे। विदेश सचिव विनय मोहन क्वात्रा ने गुरुवार को मिशन कावेरी पर जानकारी दी। उन्होंने कहा कि हमारा मकसद जल्द से जल्द अपने लोगों को सेफ जगह भेजकर उन्हें भारत लाना है। हम किसी को पीछे नहीं छोड़ेंगे।

सूडान में हालात बहुत नाजुक हैं। वहां अभी 3500 भारतीय और 1000 इंडियन ऑरिजिन यानी भारतीय मूल के लोग फंसे हुए हैं। उन्हें वहां से निकालने की पूरी कोशिश की जा रही है। क्वात्रा ने बताया कि भारतीयों को लाने के लिए आईएनएस तरकश भी पोर्ट सूडान पहुंच चुका है। सूडान से अब तक 1100 भारतीयों को समुद्र और हवाई के रास्ते सऊदी अरब लाया जा चुका है। इनमें से 367 भारतीय बुधवार रात जेद्दाह से नई दिल्ली पहुंचे। बाकी सभी जेद्दाह में हैं। इन्हें जल्द भारत लाया जाएगा। सूडान में सिविल वॉर के पहले तक भारतीय की संख्या 4,000 से ज्यादा थी।

दिल्ली एयरपोर्ट पर ज्योति ने बताया, 'हमें नहीं पता था कि हम में से कौन जिंदा रहेगा। हमने घरों को बमों से उड़ते देखा। ऑफिस के साथियों को बंदूक की नोक पर बंधे देखा। हम अपने साथ पैसे भी नहीं लाए, क्योंकि वहां की सेना हमें लूट और मार सकती थी।' कुछ लोगों का कहना था कि हमारी आंखों के सामने फायरिंग हो रही थी।

दुनिया के भविष्य के लिए बेहद अहम हैं भारत-अमेरिकी संबंध

अमेरिका के राजदूत का बड़ा बयान

वॉशिंगटन, 27 अप्रैल (एजेंसियां)। भारत में नव-नियुक्त अमेरिका के राजदूत एरिक गार्सेटी का कहना है कि दुनिया के भविष्य के लिए भारत और अमेरिका के संबंध बेहद अहम हैं। उन्होंने कहा कि दोनों देश कई मुद्दों पर साथ मिलकर काम कर रहे हैं और इससे पहले ऐसा कभी नहीं हुआ। बता दें कि अमेरिकी संसद की इंडिया कॉकस सह-अध्यक्ष रो खन्ना और माइकल वाल्ट्ज ने यूएस इंडिया समिट का आयोजन किया था। इसी आयोजन में भारतीय मूल के अमेरिकी नागरिकों को संबोधित करते हुए एरिक गार्सेटी ने ये बातें कही। अपने संबोधन में एरिक गार्सेटी ने कहा कि 'दुनिया में ऐसे कुछ ही संबंध हैं, जो भारत और अमेरिका के लिए ज्यादा अहम हैं। हमारा संबंध दुनिया के भविष्य के लिए बेहद अहम है। जैसा कि राष्ट्रपति जो बाइडन कहते हैं कि

भारत और अमेरिका अपरिहार्य सहयोगी हैं।' गार्सेटी ने कहा कि 'जब मैं भारत के लिए जा रहा था तो मेरी राष्ट्रपति जो बाइडन से मुलाकात हुई थी। इस मुलाकात में मैंने उनसे भारत अमेरिकी संबंधों को लेकर उनका विजन जानना चाहा तो उन्होंने कहा कि यह समय बेहद नाजुक है और यह पूरी पृथ्वी के लिए बेहद नाजुक समय है साथ ही दोनों देशों के संबंधों के लिए भी अहम समय है।' गार्सेटी ने कहा कि हम दुनिया के प्रमुख लोकतंत्र हैं। हम दुनिया की सबसे बड़ी और पांचवीं सबसे बड़ी अर्थव्यवस्थाएं हैं। हमें दोनों देशों के लोग आपस में जोड़ते हैं और हम साथ मिलकर 21वीं सदी को दिशा दे सकते हैं।

बता दें कि एरिक गार्सेटी को भारत का राजदूत राष्ट्रपति जो बाइडन ने जुलाई 2021 में नामांकित किया था। हालांकि लॉस एंजेलेस का मेयर रहते हुए उन पर अपनी एक सहयोगी के यौन उत्पीड़न का आरोप लगा, जिसके चलते उनके नाम को संसद से मंजूरी मिलने में करीब दो साल का समय लग गया। इस साल मार्च में अमेरिकी संसद ने 52-42 की वोटिंग से एरिक गार्सेटी के पक्ष में मतदान किया और गार्सेटी का भारत में अमेरिका का राजदूत बनने का रास्ता साफ हो गया।

संघर्ष के बीच यूक्रेन जाएगा चीन का शांति प्रतिनिधिमंडल

मास्को, 27 अप्रैल (एजेंसियां)। 24 फरवरी 2022 को शुरु हुआ रूस और यूक्रेन के बीच युद्ध अब भी जारी है। दोनों देशों के हजारों सैनिक और नागरिक मारे जा चुके हैं। 14 महीने से जारी युद्ध के बीच चीन यूक्रेन में एक प्रतिनिधिमंडल भेजेगा जो इस संघर्ष को सुलझाने के लिए सभी पक्षों के साथ बातचीत करेगा। इससे पहले भी ड्रैगन युद्ध को रोकने के लिए एक शांति समझौता पेश कर चुका है। चीनी राष्ट्रपति शी जिनपिंग ने बुधवार को यूक्रेनी समकक्ष वोलोदिमिर जेलेंस्की के साथ फोन पर बातचीत की। लगभग एक घंटे हुई इस वार्ता के दौरान उन्होंने युद्ध को खत्म करने के लिए संघर्ष विराम और राजनीतिक समाधान लाने के लिए मध्यस्थता करने की पेशकश की। जिनपिंग संघर्ष को रोकने के लिए सभी पक्षों के साथ बातचीत करने के लिए यूक्रेन में एक प्रतिनिधिमंडल भेजेंगे।

चीन की सरकारी मीडिया सीसीटीवी के अनुसार, जिनपिंग ने यह भी स्पष्ट किया कि चीन संघर्ष में तटस्थ रहेगा।

पाकिस्तान से पूछकर तालिबान ने की थी भारत से बात

किताब का दावा- जावेद बाजवा अफगानिस्तान को भारत से मदद दिलाना चाहते थे

इस्लामाबाद, 27 अप्रैल (एजेंसियां)। तालिबान ने अगस्त 2021 में सत्ता में आने के बाद भारत से रिश्ते सुधारने के लिए पाकिस्तान से सलाह ली थी। इसका खुलासा 'द रिटर्न ऑफ तालिबान' नाम की किताब में किया गया है। किताब में बताया गया है कि तालिबान के विदेश मंत्री आमिर खान मुत्तकी की पाकिस्तान के पूर्व आर्मी चीफ जनरल कमर जावेद बाजवा से काबुल में मुलाकात हुई।

किताब के लेखक हसन अब्बास के मुताबिक दोनों के बीच भारत को लेकर बातचीत हुई थी। इसके बाद ही तालिबान ने भारत को अपने डिप्लोमैट्स और टेक्निकल स्टाफ को फिर से काबुल भेजने के लिए कहा था। दरअसल, अफगानिस्तान में तालिबान के टेक-ओवर के बाद भारत समेत कई देशों ने अपने नागरिकों और डिप्लोमैट्स को वहां से वापस बुला लिया था।

पाकिस्तान के बिना भारत-तालिबान में बात नहीं होती

हसन अब्बास ने अपनी किताब में लिखा है कि पाकिस्तान के कहे

बिना भारत और अफगानिस्तान के बीच बातचीत नहीं हो पाती। तालिबान की भारत से बात करवाने के पीछे पाकिस्तान की मंशा ये नहीं थी कि दोनों के रिश्ते बेहतर हों।

अब्बास ने बताया है कि पाकिस्तान की सेना चाहती थी कि तालिबान को दुनिया से फिर से आर्थिक मदद मिले। इसी वजह से उन्होंने तालिबान को इजाजत दी कि वो भारत से बात करें। उस समय अफगानिस्तान को आर्थिक मदद दिलाने के लिए पाकिस्तान भी उतना ही उतारू था जितना कि खुद अफगान तालिबान।

तालिबान से बातचीत को गंभीरता से ले रहा भारत

किताब में ये भी बताया है कि अफगानिस्तान में भारत की रणनीतिक दिलचस्पी है, जबकि तालिबान अपनी अंतर्राष्ट्रीय स्वीकार्यता के लिए साउथ एशिया की सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था से रिश्ते बनाना चाहता था। तालिबान को फिर से अफगानिस्तान को खड़ा करने के लिए निवेश की जरूरत है जो उसे भारत से मिल सकता है।

हसन अब्बास ने ये भी बताया है कि भारत अब गंभीरता से तालिबान पर अपनी पोजिशन को लेकर सोच रहा है। अफगानिस्तान में हालातों को स्थिर करने के लिए भारत तालिबान के साथ काम करना चाहता है।

अफगानिस्तान में पूर्व पाक आर्मी चीफ का इतना दबदबा कैसे?

हसन ने अपनी किताब में बताया है कि पाकिस्तान के पूर्व आर्मी चीफ जनरल बाजवा का अफगानिस्तान पर काफी प्रभाव है। उन्होंने इसकी वजह बताते हुए एक उदाहरण दिया है। उन्होंने लिखा, अमेरिका में 9/11 हमले के बाद पाकिस्तान की सेना ने तालिबान के वित्त मंत्री हिदायतुल्लाह बद्री को हिरासत में लेकर खूब टॉर्चर किया था। बाद में मुत्तकी ही उसे बाजवा के पास लेकर गया और दोनों के बीच सुलह कराई। बाजवा की हामी के बाद ही तालिबान ने बद्री को वित्त मंत्री बनाया था।

अमेरिकी कपल ने बच्चों के शरीर पर जबरदस्ती टैटू बनाए

रस्सी से बांधा, करतूत छिपाने के लिए मांस निकाल दिया

वॉशिंगटन, 27 अप्रैल (एजेंसियां)। अमेरिका के टेक्सास में एक कपल ने अपने बच्चों के शरीर पर जबरदस्ती टैटू बनवा दिए। इसके बाद पुलिस से बचने के लिए उन्होंने टैटू मिटाने की कोशिश की। इसके लिए कपल ने बच्चों की स्किन ही काट दी। पूरे मामले की जानकारी मिलने के बाद पुलिस ने कपल को गिरफ्तार कर लिया।

न्यूयॉर्क पोस्ट की रिपोर्ट के मुताबिक, कपल ने पहले तो अपने 5 साल और 9 साल के बच्चों को रस्सी से बांध दिया, जिससे वो भाग न पाएं। इसके बाद उनके मुंह पर टेप लगा दिया और आंखों पर भी पट्टी बांध दी। फिर टैटू बना दिया।

इसकी जानकारी चाइल्ड प्रोटेक्टिव सर्विस (सीपीएस) को लग गई। कानूनी कार्रवाई से बचने के लिए कपल ने टैटू मिटाने के लिए बच्चों की स्किन पर नीबू रगड़ दिया, जब स्किन छिलने लगी तो इसे काट दिया। 27 साल की मां मेगन और बच्चों के स्टेप-फादर 23 साल के गनर फर्र को पुलिस ने 25 अप्रैल को गिरफ्तार कर लिया। पुलिस ने अब मामले की जानकारी दी है। एक पुलिस अधिकारी ने कहा- कपल ने 5 साल के बच्चे के पैर और 9 साल के बच्चे के शोल्डर पर टैटू बनाए थे। बच्चों के शोषण के आरोप में सीपीएस मामले की जांच करने लगा। इस दौरान हमें बच्चों के पैर और शोल्डर पर घाव दिखाई दिए। टैटू वाली जगह से मांस निकाला गया था। इसके बाद उन्हें अस्पताल में भर्ती करवाया गया।

बच्चों के बयोलॉजिकल पिता जब उनकी स्टेप-मदर के साथ उनसे मिलने पहुंचे तो उन्हें इंक के कुछ निशान दिखे। पिता ने बच्चों की मां मेगन से इस बारे में पूछा, उसने जवाब न देते हुए बात टाल दी। पिता को शक हुआ तो उन्होंने चाइल्ड प्रोटेक्टिव सर्विस (सीपीएस) को फोन कर दिया।

17 अप्रैल को सीपीएस ने पुलिस को जानकारी दी। पुलिस ने कपल के घर छानबीन शुरू कर दी। इन्वेस्टिगेशन के दौरान उन्हें घर से टैटू किट मिला। इसके बाद 25 अप्रैल को कपल को गिरफ्तार किया गया। उनसे पूछताछ की जा रही है। वहीं, बच्चे फिलहाल चाइल्ड प्रोटेक्टिव सर्विस की देखरेख में हैं।

न्यूयॉर्क में मां ने 10 साल के बेटे की बाहों पर बनवाया था टैटू

ये पहला मामला नहीं है, जब पेरेंट्स ने बच्चों के शरीर पर टैटू बनवाया हो। 14 अक्टूबर 2022 को न्यूयॉर्क में रहने वाली एक महिला ने अपने 10 साल के बेटे के हाथ पर अपने नाम के टैटू बनवा डाले। जब बच्चा स्कूल पहुंचा तो उसे हाथ पर बने टैटू के बारे में पता चला। इसके बाद पुलिस ने महिला को गिरफ्तार कर लिया था।

भतीजी की शादी कराने के लिए भारतीय मूल के बुजुर्ग को छह महीने की जेल

सिंगापुर, 27 अप्रैल (एजेंसियां)। सिंगापुर में 73 साल के एक भारतीय मूल के बुजुर्ग को छह महीने जेल की सजा सुनाई गई है। दरअसल बुजुर्ग पर आरोप है कि उन्होंने अपने एक सहयोगी को इमीग्रेशन का फायदा देने के लिए अपनी भतीजी से उसकी शादी करा दी। दरअसल यह शादी फर्जी थी और सिर्फ सहयोगी को इमीग्रेशन का फायदा देने के लिए यह शादी की गई थी। अदालत में आरोप सिद्ध होने के बाद बुजुर्ग को छह महीने जेल की सजा सुनाई गई है। साथ ही जिनकी शादी हुई, उन्हें भी छह और सात महीने की जेल की सजा सुनाई गई है। मामला साल 2016 का है। मीरान गनी नागूर पिचई ने अपने सहयोगी अब्दुल कादेर कासिम (55 वर्षीय) की शादी अपनी भतीजी और सिंगापुर की निवासी नूरजान अब्दुल करीम (58 वर्षीय) से करा दी। अब्दुल कादेर कासिम एक भारतीय नागरिक है। अब्दुल कादेर कासिम ने 2016 में एक शॉर्ट टर्म वीजा पर सिंगापुर का दौरा किया था। अब्दुल का वीजा जल्द ही खत्म होने वाला था लेकिन वह वीजा की अवधि बढ़ावाना चाहता था और उसे इस काम के लिए एक स्थानीय स्पॉन्सर की जरूरत थी। नियमों के अनुसार, अगर कोई स्थानीय व्यक्ति वीजाधारक को स्पॉन्सर करता है तो उसका वीजा सिंगापुर आने की तारीख से 89 दिनों तक और बढ़ाया जा सकता है। इस पर भारतीय मूल के मीरान गनी नागूर ने अब्दुल की मदद की और अपनी भतीजी नूरजान की फर्जी शादी या कहें कि सुविधा अनुसार शादी अब्दुल से करा दी। यह शादी सिर्फ कागजों पर थी।

इस तरह नूरजान अब्दुल की स्पॉन्सर बन गई और उसका वीजा बढ़ गया। इसके एवज में अब्दुल ने नूरजान को 25 हजार सिंगापुर डॉलर और बुजुर्ग मीरान गनी नागूर को एक हजार सिंगापुर डॉलर भी दिए। स्थानीय मीडिया की रिपोर्ट के अनुसार, इस फर्जी शादी की भनक किसी तरह सिंगापुर की जांच एजेंसियों को पड़ गई तो उन्होंने जांच शुरू की।

पाकिस्तान पर भारत की तरफ से जवाबी हमले का खतरा

पाकिस्तान के पूर्व हाईकमिश्नर बोले- पुंछ हमले के बाद हमारे मुल्क में यही चर्चा का मुद्दा

नई दिल्ली/इस्लामाबाद, 27 अप्रैल (एजेंसियां)। भारत में पाकिस्तान के हाईकमिश्नर रह चुके अब्दुल बासित ने कहा है कि भारत जल्द ही पाकिस्तान में एक और सर्जिकल स्ट्राइक को अंजाम दे सकता है। बासित ने कहा-20 अप्रैल को जम्मू के पुंछ में भारतीय सैनिकों पर हमला हुआ था। इसके बाद से पाकिस्तान में यही चर्चा है कि भारत एक बार फिर सर्जिकल स्ट्राइक कर सकता है। अपने यूट्यूब चैनल पर बासित ने एक वीडियो जारी किया है। इसमें उन्होंने आशंका जताई है कि पाकिस्तान पर भारत की तरफ से जवाबी हमले का खतरा मंडरा रहा है और यह पुंछ हमले की वजह से है। इसमें 5 भारतीय सैनिक शहीद

हो गए थे। बासित के मुताबिक पाकिस्तान में इस वक्त भारत की तरफ से एक और सर्जिकल स्ट्राइक के खतरे पर चर्चा चल रही है। यह एयर स्ट्राइक भी हो सकती है। हालांकि मुझे ये भी लगता है कि भारत में एससीओ समिट होने वाली है और जी20 की प्रेसिडेंसी भी भारत के पास है तो ऐसे में वो क्या इस तरह का कोई कदम उठाएगा?

वैसे, अगले साल वहां चुनाव हैं और तब इस तरह के किसी हमले का खतरा बहुत ज्यादा होगा। हो सकता है कि भारत में जनरल इलेक्शन के ठीक पहले पाकिस्तान पर कोई हमला किया जाए। पुंछ आतंकी हमले को बासित ने जायज ठहराने के लिए तर्क भी दिए। कहा- चाहे जिसने भी पुंछ में इंडियन आर्मी पर हमला किया हो, उसने सिर्फ मिलिट्री को ही निशाना बनाया, किसी सिविलियन को नहीं। हो सकता है यह मुजाहिदीन रहे हों, जो अपने हक की जंग लड़ रहे हैं। जब कोई आंदोलन होता है तो उसमें मिलिट्री को ही निशाना बनाया जाता है, आम नागरिकों को नहीं। भारत बहुत अच्छे से जानता है कि वो अब कहां खड़ा है। पुंछ में 20 अप्रैल को आतंकियों ने भारतीय सेना के एक ट्रक को स्टिकी बम से निशाना बनाया था। हमले में हमारे पांच जवान शहीद हो गए थे। ये जवान इफ्तार के लिए खाने का सामान लेकर जा रहे थे।

हमले के बाद आर्मी ने पुंछ के घने जंगल में बड़ा सर्च ऑपरेशन चलाया था। न्यूज एजेंसी से बातचीत में एक डिफेंस सोर्स ने कहा था- हमारे पास मौजूद जानकारी के मुताबिक इस इलाके में 6 या 7 आतंकी मौजूद हैं।

गहलोत का वसुंधरा राजे को जवाब : बोले- नींबू और दूध में यही फर्क

राजे के समय की योजनाओं को हमने बंद नहीं किया

बीकानेर, 27 अप्रैल (एजेंसियां)। राजस्थान के मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने कहा- बीजेपी ने आते ही रिफाइनरी सहित हमारी योजनाओं को बंद कर दिया। नींबू और दूध में यही फर्क है। वसुंधरा राजे के समय की योजनाओं को हमने बंद नहीं किया। हमने तो उनकी ईआरसीबी सहित सारी योजनाओं को चालू रखा है। वसुंधरा राजे ने बीकानेर संभाग के सूरतगढ़ में ही बोला था कि नींबू और दूध मिल नहीं सकते तो आप दोनों में फर्क देख सकते हैं।

दूध और नींबू में अंतर वाले बयान पर पलटवार

बीकानेर के नोखा विधानसभा क्षेत्र के जसरासर गांव में बुधवार को किसान सम्मेलन का आयोजन किया गया। पूर्व नेता प्रतिपक्ष रामेश्वर डूडी ने इस किसान सम्मेलन के बहाने शक्ति प्रदर्शन किया। इसी कार्यक्रम में दोपहर करीब तीन बजे मुख्यमंत्री अशोक गहलोत भी पहुंचे थे। सम्मेलन के बाद गहलोत ने मीडिया से बात करते हुए वसुंधरा राजे के दूध और नींबू में अंतर वाले बयान पर पलटवार किया।

इससे पहले सम्मेलन में अशोक गहलोत ने कहा- मैंने सभी विधायक और मंत्रियों से कहा है कि तुम मांगते-मांगते थक जाओगे, मैं देते-देते नहीं थकूंगा। मुझे पता नहीं था कि ये विधायक जिले मांग लेंगे। तब भी मुझे इनके वादे पूरे करने पड़े। 19 जिले राजस्थान की जनता को दे दिए, क्योंकि मैंने कहा था देते हुए थकूंगा नहीं।

बीजेपी की मंशा खतरनाक

सीएम अशोक गहलोत ने कहा- आरएसएस और बीजेपी की मंशा बहुत खतरनाक है। देश समय पर नहीं समझा तो आने वाली पीढ़ियां भुगतेंगी। यहां रूस, चीन की तरह चुनाव होंगे, लेकिन नकली चुनाव होंगे। एक पार्टी होगी। वो ही आपस में चुनाव लड़कर नाटक करेगी। सत्ता में बार-बार आएगी। आज हम सांसद और विधायक बनने गरीब के घर में जाते हैं। किसान के घर जाते हैं। बुजुर्ग लोगों के पैरों के हाथ लगाते हैं। यह सब खत्म हो जाएंगे। आम आदमी का सम्मान लोकतंत्र की वजह से है।

महंगाई राहत कैंप का दौरा किया

इससे पहले सीएम ने यहां महंगाई राहत कैंप का भी दौरा किया। राहत कैंप में सीएम ने फुसी देवी नाम की एक महिला से सरकारी योजनाओं को लेकर बात की। महिला ने मुख्यमंत्री से कहा- आप जो दे रहे हैं, वो जोरदार है। आप तो गांवों में महिलाओं के सिर से ये घूंघट हटवाओ। इस पर गहलोत ने समर्थन किया। कहा- ये बंधन है, इससे मुक्ति मिलनी चाहिए।

ऐसा सीएम नहीं देखा

इससे पहले जसरासर में सभा को राजस्थान प्रदेश प्रभारी सुखविंदर सिंह रंधावा ने भी संबोधित किया। उन्होंने कहा- बहुत से चीफ मिनिस्टर कंजूस होते हैं। गहलोत कहते हैं जितने ले जाने हैं, मुझसे ले जाओ। ऐसा सीएम कहीं नहीं देखा। ऊर्जा मंत्री बीडी कल्ला ने कहा- एक करोड़ लोगों को 100 यूनिट बिजली का लाभ मिलेगा। अब तक शिक्षा विभाग 90 हजार को रोजगार दे चुका है। इसी साल 1 लाख युवाओं को और रोजगार दिया जाएगा। राज्य खेल क्रीड़ा परिषद (राजस्थान स्पोर्ट्स काउंसिल) की चेयरमैन कृष्णा पूनिया ने कहा- खेल के क्षेत्र में गहलोत सरकार ने सर्वाधिक काम किया। मेडल जीतने पर पुलिस में भी नौकरी मिली। रामेश्वर डूडी ने कहा- किसान को सोशल सिक्योरिटी दी जानी चाहिए। उसे 3 हजार रुपए मासिक मिलना चाहिए।

पिछले दिनों रामेश्वर डूडी घोषणा कर चुके हैं कि वो नोखा से ही विधानसभा चुनाव लड़ेंगे। ऐसे में शक्ति प्रदर्शन को चुनावी शंखनाद माना जा रहा है। पिछले चुनाव में डूडी नोखा से ही भाजपा के बिहारीलाल बिश्नोई से चुनाव हार गए थे। अगर डूडी चुनाव जीत जाते तो बड़े राजनीतिक पद के हकदार होते।

बड़ी सभा का दावा

डूडी समर्थकों का दावा है कि जसरासर में अब तक की सबसे बड़ी भीड़ पहुंची है। यहां सिर्फ नोखा या बीकानेर नहीं बल्कि प्रदेशभर से किसानों को आमंत्रित किया गया। आने-जाने के लिए वाहनों की व्यवस्था की गई। करीब 900 फीट में टेंट लगाया गया। गर्मी से बचने के लिए पंखों व कूलर तक की व्यवस्था की गई। वीआईपी मेहमानों के लिए एसी तक लगाए गए हैं।

किसान सम्मेलन में 2 घंटे रहे सीएम

गहलोत सीकर में एक कार्यक्रम में हिस्सा लेने के बाद हेलिकॉप्टर से जसरासर पहुंचे। महंगाई राहत कैंप में भी लोगों से मिले। उनके साथ प्रदेश कांग्रेस प्रभारी सुखविंदर सिंह रंधावा और प्रदेशाध्यक्ष गोविन्द डोटासरा भी रहे। हरियाणा के पूर्व मुख्यमंत्री भुपेंद्र सिंह हुड्डा भी मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। गहलोत सम्मेलन में करीब 2 घंटे रहे। वो शाम करीब पांच बजे यहां से निकल गए थे।

किसान सम्मेलन में राजस्थान के पूर्व डिप्टी सीएम सचिन पायलट को बुलाया ही नहीं गया है। नेता प्रतिपक्ष रहते हुए डूडी की तत्कालीन प्रदेशाध्यक्ष सचिन पायलट के साथ खूब जमी थी। पिछले विधानसभा चुनाव में भी दोनों ने साथ में प्रचार किया था। डूडी की मुख्यमंत्री गहलोत से नाराजगी भी जगजाहिर रही है। राजस्थान क्रिकेट एसोसिएशन के चुनाव के दौरान तो दोनों खुलकर आमने-सामने आए थे, लेकिन अब परिस्थितियां बदल चुकी हैं। इस सभा में शिक्षा मंत्री डॉ. बुलाकी दास कल्ला, ऊर्जा मंत्री भंवर सिंह भाटी, खेल मंत्री अशोक चांदना आदि शामिल हुए।

एक्स एमएलए छोटू सिंह ने जताई दावेदारी

दो बार भाजपा विधायक रह चुके भाटी ने फिर चुनाव लड़ने की इच्छा जताई

जैसलमेर, 27 अप्रैल (एजेंसियां)। जैसलमेर विधानसभा से दो बार विधायक बन चुके बीजेपी के छोटू सिंह भाटी एक बार फिर चुनावी मैदान में उतार चुके हैं। उन्होंने एक बार फिर बीजेपी से जैसलमेर विधानसभा के लिए टिकट की दावेदारी पेश की है। भाटी ने कहा कि वे साल 2008 और 2013 में विधायक जीत चुके हैं और लगातार बढ़िया काम करके जनता को फायदा पहुंचाया है। इस बार फिर वे अपनी दावेदारी पेश कर रहे हैं और चुनाव लड़ने की इच्छा जता रहे हैं। सरपंच संघ के धरने पर समर्थन करने आए एक्स एमएलए भाटी ने अपनी दावेदारी की बात करते हुए कहा कि पार्टी से चुनाव लड़ने की इच्छा जाहिर की है, अब पार्टी अगर टिकट देगी तो वे चुनाव लड़ेंगे।

2 बार लगातार रह चुके हैं विधायक

गौरतलब है कि छोटू सिंह भाटी बीजेपी के टिकट पर 2 बार चुनाव लड़ चुके हैं और दोनों ही बार चुनाव जीत कर विधायक बने। साल 2008 में भाटी ने जैसलमेर विधानसभा से कांग्रेस की सुनीता भाटी को करीब 6 हजार वोटों से हराया। वहीं साल 2013 में कांग्रेस के उम्मीदवार व वर्तमान विधायक रूपाराम धनदेव को करीब 2800 वोटों से हराया। वे लगातार 2 बार विधायक रहे हैं। साल 2018 में उनकी टिकट काटकर बीजेपी के सांग सिंह भाटी को टिकट दी गई। मगर सांग सिंह चुनाव हार गए। इस बार चुनाव में बीजेपी के कई दावेदार टिकट के लिए तैयार हो रहे हैं। ऐसे में एक बार फिर छोटू सिंह भाटी ने भी टिकट के लिए बीजेपी में अपनी दावेदारी पेश कर दी है।

भ्रष्टाचार की जांच पर पायलट से मिलाए सुर

मंत्री मुरारीलाल बोले- भाजपा हमारे पीछे पड़ी रहती है तो फिर उनकी भी जांच हो

दौसा, 27 अप्रैल (एजेंसियां)। पूर्व डिप्टी सीएम सचिन पायलट की ओर से भाजपा राज में हुए भ्रष्टाचार की जांच का मुद्दा उठाने के बाद दौसा विधायक व कृषि विपणन राज्यमंत्री मुरारीलाल मीणा ने समर्थन करते हुए जांच की बात कही है।

भ्रष्टाचार की जांच के सवाल पर उन्होंने कहा जब भाजपा वाले हमारे पीछे पड़े रहते हैं तो फिर उनकी भी जांच होनी चाहिए। मंत्री मीणा ने गुरुवार को दौसा विधानसभा क्षेत्र के कांग्रेस कार्यकर्ताओं की वर्कशॉप के दौरान मीडिया से बात करते हुए यह बात कही।

मंत्री ने कांग्रेस में गुटबाजी के सवाल पर कहा कि हमारी पार्टी में कोई दो फाड़ नहीं है। प्रजातंत्र है, आंतरिक लोकतंत्र की बात सभी पार्टियों में होती है। कांग्रेस पार्टी एकजुट होकर चुनाव लडेग़ी और

जीतेगी। इसके लिए कार्यकर्ताओं में उत्साह है।

पायलट बहुत बड़े और जनाधार वाले नेता

उन्होंने कहा हम सब कांग्रेस गुट से हैं। सचिन पायलट हमारे बहुत बड़े और जनाधार वाले नेता हैं। वो यहां से सांसद रहे हैं, राजेश पायलट भी एमपी रहे हैं। उनकी कर्मभूमि है, हम सभी कांग्रेस पार्टी के लिए काम कर रहे हैं। मंत्री ने कहा भाजपा के लोग जाति-धर्म के नाम पर माहौल खराब करते हैं। वर्कशॉप में इससे सावधान रहने के लिए कार्यकर्ताओं को सीख दी गई है कि लोग झूठी अफवाहों में नहीं आएं। यदि भाईचारे की भावना से चुनाव होंगे तो कांग्रेस भारी बहुमत से जीतेगी।

योजनाओं को धरातल पर पहुंचाएं कार्यकर्ता

मंत्री ने कहा कि प्रदेश के लोगों को महंगाई से राहत दिलाने के लिए सरकार द्वारा कैंप लगाए जा रहे हैं। इन कैंपों में ज्यादा से ज्यादा लोगों को फायदा मिले, इसके लिए दौसा विधानसभा के बूथ लेवल से ब्लॉक पदाधिकारियों की वर्कशॉप का आयोजन किया गया है।

इसका उद्देश्य हमारी पार्टी की सरकार द्वारा किए गए जनहित के कार्यों को धरातल पर पहुंचाना है। इससे कार्यकर्ता सक्रिय रहकर कार्य करेंगे तो पार्टी संगठन को मजबूती मिलेगी। इस दौरान कांग्रेस जिलाध्यक्ष रामजीलाल ओढ, जिला प्रमुख हीरालाल सैनी, ब्लॉक अध्यक्ष हेमराज गुर्जर, नगर परिषद चेयरमैन ममता चौधरी, उपसभापति कल्पना जैमन, दौसा प्रधान प्रहलाद मीणा, नांगल प्रधान दिनेश मीणा, लवाण प्रधान बीना बैरवा समेत बड़ी संख्या में कार्यकर्ता मौजूद रहे।

कांग्रेस ने तोड़ा मंदिर, मोदी बनवा रहे हैं- सीपी जोशी

बोले- अशोक गहलोत को 4 साल तक महंगाई क्यों याद नहीं आई

जयपुर, 27 अप्रैल (एजेंसियां)। राजस्थान में कांग्रेस सरकार के खिलाफ बीजेपी अब सड़क के साथ ही सोशल मीडिया पर भी मोर्चा खोलेगी। जयपुर में बीजेपी आईटी सेल की कार्यशाला आयोजित की गई। जिसमें बीजेपी के प्रदेश अध्यक्ष सीपी जोशी, आईटी सेल के प्रमुख अमित मालवीय के और संगठन महामंत्री शामिल हुए। इस दौरान जोशी ने बीजेपी कार्यकर्ताओं को सोशल मीडिया पर कांग्रेस की नाकामियों को आम जनता तक पहुंचाने का आह्वान किया।

उन्होंने कहा कि देश में मोदी सरकार बनने के बाद जो काम साठ साल में नहीं हो पाए। वो काम 9 साल में सरकार ने करके दिखा दिया। बीजेपी सरकार जो घोषणाएं करती है। उन्हें अंजाम तक पहुंचाने का काम होता है। जबकि राजस्थान में सिर्फ जूठी घोषणाएं होती है।

कांग्रेस के राज में आरपीएससी जैसी पवित्र संस्था भ्रष्टाचार का अड्डा बनकर रह गई है। वहीं बुलडोजर से राम मंदिर तोड़े गए है। इसके उलट दूसरी तरफ नरेंद्र मोदी अयोध्या में भव्य राम मंदि बनाने के लिए काम कर रहे है। इससे सरकार की कार्यशैली का अंतर पता चलता है।

जोशी ने कहा कि चिरंजीवी योजना के होर्डिंग्स पर करोड़ों रुपए खर्च कर दिए गए। मगर सरकार एक व्यक्ति बता दें जिसे 25 लाख की मेडिकल की सहायता दी गई हो। सिर्फ चुनावी साल में जनता को बेवकूफ बनाने के लिए इस तरह की झूठी घोषणाए कर रहे है। राजस्थान चुनावी साल में अशोक गहलोत को महंगाई याद आ रही है।

आखिर वो 4 साल तक कहा गायब थे। आज देश में सबसे महंगी बिजली, पेट्रोल, डीजल राजस्थान में मिल रहा है। फिर कैसे सरकार राहत का वादा कर रही है। इस सरकार में साढ़े 4 साल में केवल कुर्सी का ही खेल हुआ है। कोई कुर्सी बचाने में लगा कोई कुर्सी पाने में लगा रहा।

उदयपुर में 4 तेंदुए की खाल के साथ तस्कर गिरफ्तार

लड़कियों का किडनैप कर शादियां करवा चुका, 4 साल में कई लेपर्ड मार चुका

उदयपुर, 27 अप्रैल (एजेंसियां)। प्रदेश में तेंदुए का शिकार कर उनकी तस्करी का मामला सामने आया है। आरोपी तस्कर इन्हें मार इनकी खाल लाखों रुपए में बेचता था। एसओजी की इस कार्रवाई में 4 तेंदुए की खाल भी बरामद की है।

मामला उदयपुर के गोंगुदा थाना क्षेत्र का है। बुधवार देर रात करीब 10 बजे एसओजी एडीजी अशोक राठौड़ ने आरोपी चूनाराम उर्फ सुनील को गिरफ्तार किया है। आरोपी से 2 शावक और 2 बड़े तेंदुए की खाल सहित, बाइक, मोबाइल और अन्य सामग्री बरामद की गई है।

आरोपी गोगुंदा के ही पलादड़ा खुर्द का रहने वाला है, जिसे गोगुंदा हाइवे स्थित निजी होटल विष्णु के पास से दबिश देकर गिरफ्तार किया गया। प्रारंभिक जांच में सामने आया कि तस्कर पिछले 4 साल से ये काम कर रहा है। वह लड़कियों के किडनैपिंग और जबरन शादी के

होटल पर दबिश देकर तस्कर को पकड़ा

मामले में भी जेल जा चुका है।

बीते 4 साल में कई तेंदुए को उतार चुका मौत के घाट

पूछताछ में सामने आया कि आरोपी चूनाराम बीते 4 साल से तेंदुए की खाल की तस्करी कर रहा है। वह उदयपुर संभाग के कुम्भलगढ़ और रणकपुर वन्यजीव अभयारण्य में बीते 4 साल में कई तेंदुए को मौत के घाट उतार चुका है। तेंदुए को मारकर उनकी खाल उतारकर लाखों रूपए में बेचने की बात सामने आ रही है।

उदयपुर और आसपास क्षेत्रों में रिजर्व फोरेस्ट एरिया और वन्यजीव अभयारण्य है जहां बड़ी संख्या में तेंदुए की आबादी है। आरोपी के स्थानीय होने से उसे तेंदुए का एरिया और उसके मूवमेंट का पता रहता था, फिर वह जंगल में उन्हें मारने का प्लान बनाता था।

बड़े तस्कर गिरोह के सामने आने की संभावना

मामले में 4 तेंदुए की खाल के साथ तस्कर को पकड़े जाने के बाद एसओजी को इसके पीछे कोई बड़े सक्रिय गिरोह होने की संभावना है। इस संबंध में एसओजी की टीम आरोपी से सख्ती से पूछताछ में जुटी है, जिसमें ये सामने आएगा कि तेंदुए के शिकार में और कौन-कौन लोग शामिल हैं। साथ ही तेंदुए की खाल को किसके द्वारा और कहां-कहां बेचा जा रहा था।

प्रदेश में सबसे ज्यादा वन क्षेत्र वाला जिला उदयपुर, 160 से ज्यादा तेंदुए

प्रदेश में उदयपुर ऐसा जिला है जहां सबसे 2700 वर्ग किमी एरिया में वन क्षेत्र है। इस लिहाज से यहां वन्यजीवों की संख्या में ज्यादा है। जिले में 160 से ज्यादा तेंदुए हैं।

पिछले साल वन्यजीव गणना में सेंचुरी एरिया में 56 तेंदुए देखे गए थे। सेंचुरी के बाहर के वन क्षेत्रों में इनकी संख्या अधिक है। वन मंडल उत्तर और दक्षिण रेंज में इनका मूवमेंट सबसे ज्यादा रहता है।

वहीं शहर के आसपास के वन क्षेत्रों में 30 से ज्यादा तेंदुए का मूवमेंट दर्ज है। तेंदुए का जोड़ा हर साल 2 से 3 बच्चों को जन्म देता है इनकी मृत्युदर भी कम होती है।

वन विभाग के कामों में मजदूरी, पुताई आटा चक्की चलाने का काम कर चुका

आरोपी चूनाराम मनरेगा के तहत वन विभाग के कामों में मजदूरी कर चुका है। इससे उसकी वन विभाग के कर्मचारियों से जान-पहचान की बात सामने आ रही है। इससे पहले वह आटा चक्की चलाता था, लेकिन इनकम नहीं होने से चक्की बंद कर दी। इसके बाद मकानों में पुताई का काम करने लगा। यह भी काम ज्यादा नहीं चला तो तेंदुए की तस्करी का काम करने लगा। चूनाराम के दो पत्नियां है जिनसे उसके 11 बच्चे हैं। पहली पत्नी से 5 और दूसरी पत्नी से 6 बच्चे हैं। वह फिलहाल दूसरी पत्नी कावरी और उसके 6 बच्चों के साथ ही रह रहा था।

ऑनलाइन ठगी गैंग के चार आरोपी गिरफ्तार

यूट्यूब पर वीडियो लाइक के नाम पर ठगते थे, चित्तौड़गढ़ और भीलवाड़ा के है आरोपी

चित्तौड़गढ़, 27 अप्रैल (एजेंसियां)। यूट्यूब पर वीडियो लाइक करने के नाम पर ठगी करने वाली गैंग को एटीएस और एसओजी की टीम ने गिरफ्तार किया है। चारों में से तीन आरोपी चित्तौड़गढ़ और एक आरोपी भीलवाड़ा का रहने वाला हैं। आरोपियों ने 43 लाख रुपए की ठगी की है। एसओजी टीम के पुलिस महानिरीक्षक सत्येंद्र सिंह ने बताया कि जयपुर निवासी डॉक्टर अंकिता सिंह ने एक मामला दर्ज करवाया था। रिपोर्ट में बताया कि अपूर्वा ग्लोबल एडवरटाईजिंग कम्पनी के सेल्स मैनेजर के वाट्सअप और टेलीग्राम पर मैसेज आया था। उसमें बताया कि हमारी गलोबल एडवरटाईजिंग कम्पनी में पार्ट टाईम जॉब चल रहा है।

आपको यूट्यूब पर विडियो लाईक करने पर हर वीडियो के 50 रुपए मिलेंगे। साथ ही ऐसे कर के हर रोज 2500 रुपए कमा सकते

हो। डॉक्टर सिंह ने ऐसा किया तो उनके अकाउंट से 43 लाख रुपए निकल गए। साइबर क्राइम पुलिस स्टेशन जयपुर में यह मामला दर्ज हुआ था। जांच अधिकारी सज्जन कंवर ने तकनीकी आधार पर जांच की तो पाया गया कि डॉक्टर अंकिता ने जिन संदिग्ध 11 बैंक खातों में राशि जमा करवाई थी, उनमें से 9 बैंक खातों में फरवरी-मार्च 2023 में लगभग 22 करोड़ रुपए का लेन देन हुआ है। इस राशि में से 3081 लाख रुपए इन खातों में फ्रीज है। इन खातों से लिंक मोबाइल नम्बरों के सीडीआर रिकार्ड की जांच की गई।

जांच के हिसाब से चार आरोपियों भीलवाड़ा निवासी युवराज पुत्र हरलाल मीणा, आकोला, चित्तौड़गढ़ निवासी लेहरुलाल पुत्र राजमल तेली, संगेसरा, चित्तौड़गढ़ निवासी किशनलाल पुत्र बाबरू प्रजापत, गोवर्धन पुत्र बाबरु को चित्तौड़गढ़ और भीलवाड़ा से डिटेन कर पूछताछ की गई।

बोलेरो ने मां-बेटे को कुचला: खाना बनाते समय तेज रफ्तार कार ने टक्कर मारी

कोटा, 27 अप्रैल (एजेंसियां)। शहर के किशोरपुरा थाना क्षेत्र में एक तेज रफ्तार कार का कहर देखने को मिला। कार ने सड़क किनारे खाना बना रहे परिवार को कुचल दिया। हादसे में महिला की मौके पर ही मौत हो गई। जबकि उसका बेटा गम्भीर घायल हो गया। जिसे इलाज के लिए एमबीएस हॉस्पिटल में भर्ती करवाया है। हादसे के बाद पुलिस ने गाड़ी के ड्राइवर को पकड़ा है। मृतक महिला गीता बाई (42) पत्नी कान्हा एमपी के झाबुआ के रहने वाली थी। और अपने परिवार के साथ मजदूरी के लिए 19 अप्रैल को कोटा आई थी। किशोरपुरा थाने के पास दशहरा मैदान के पीछे कच्चे रास्ते पर टापरी में रह रही थी।

जानकारी के अनुसार घटना तड़के साढ़े 6 बजे के आसपास की। गीता बाई खाना बना रही थी। उसका लड़का रनेश (20) मां के पास बैठा था। 3 बेटियां व 2 जवाई भी टापरी के आसपास मौजूद थे। अचानक कच्चे रास्ते से RJ 33 नम्बर की तेज रफ्तार बोलेरो गाड़ी आई। उनको कुचलते हुए आगे निकल गई। गाड़ी गीता के ऊपर होकर निकल गई। टक्कर से बेटा रमेश भी गम्भीर घायल हुआ। परिवार के अन्य सदस्य बाल बाल बच गए।

कान्हा ने बताया कि 19 अप्रैल को परिवार सहित मजदूर करने कोटा आए थे। सुबह पत्नी गीता टापरी के बाहर खाना बना रही थी। एकदम से कच्चे रास्ते से तेज रफ्तार गाड़ी आई।

प्रशासन गांवों के संग शिविर में तू-तू-मैं-मैं: अतिक्रमण हटाने की बात पर हुआ विवाद; सरपंच गिरफ्तार, फिर रिहा

नागौर, 27 अप्रैल (एजेंसियां)। नागौर जिले की खींवसर पंचायत समिति के गांव पंचायत बैरावास में प्रशासन गांवों के संग अभियान के दौरान बवाल मच गया। मामला इतना बढ़ गया कि मौके पर खींवसर पुलिस पहुंचकर सरपंच को गिरफ्तार करना पड़ा।

हालांकि इसके बाद सरपंच को जमानत पर रिहा कर दिया गया। गांव पंचायत बैरावास में आयोजित प्रशासन गांवों के संग शिविर में सरपंच मूलाराम और तहसीलदार अमरदीप सिंह के बीच जमकर तनातनी हो गई। दोनों के बीच तू-तू-मैं-मैं हो गई। इस दौरान उनके पास बैठे विकास अधिकारी सहित कई ब्लॉक लेवल के अधिकारी मौजूद थे। बाद में एसडीएम और सरपंच के बीच तकरार हुई तो एसडीएम ने तत्काल खींवसर पुलिस बुलवाकर सरपंच को गिरफ्तार करवा दिया। हालांकि पुलिस ने सरपंच को शांति भंग के आरोप में गिरफ्तार कर उपखण्ड अधिकारी के समक्ष पेश किया तो उन्होंने जमानत पर रिहा कर दिया। सरपंच की ओर से गांव के काम को लेकर तहसीलदार और एसडीएम को धमकाने के बाद भी प्रशासन ने सरपंच पद की गरिमा का हवाला देते हुए उसे जमानत पर रिहा कर दिया। बैरावास के राजकीय उच्च माध्यमिक स्कूल में प्रशासन गांव के संग शिविर के पहले दिन सरपंच मूलाराम शिविर में पहुंचे। उन्होंने तहसीलदार से पिछली बार आयोजित प्रशासन गांवों के संग में पेश किए गए प्रकरणों की जानकारी और दो महीने पहले अतिक्रमण हटाने की मांग को लेकर सवाल जवाब किए।

शब्बीर अली ने किसानों की समस्याओं को नजरअंदाज करने के लिए सरकार की आलोचना की

हैदराबाद, 27 अप्रैल (स्वतंत्र वार्ता)। पूर्व मंत्री मोहम्मद अली शब्बीर ने बेमौसम बारिश के कारण अपनी फसल गंवाने वाले हजारों किसानों को सहायता या विशेष आश्वासन नहीं देने के लिए आज बीआरएस सरकार की आलोचना की। गुरुवार को यहां कांग्रेस पार्टी कार्यालय में मीडियाकर्मियों को संबोधित करते हुए शब्बीर अली ने किसानों की दुर्दशा की ओर ध्यान दिलाया, जिनकी फसल और आजीविका हाल ही में बेमौसम बारिश के कारण खो गई है। उन्होंने कहा कि किसान संकट में हैं, उनकी उम्मीदें उनकी फसलों के साथ बह गई हैं, और इस कठिन समय के दौरान सहायता या आश्वासन प्रदान नहीं करने के लिए सरकार की आलोचना की। शब्बीर अली ने राज्य सरकार और

सत्तारूढ़ पार्टी के नेताओं की बीआरएस पार्टी के स्थापना दिवस को भव्य उत्सवों के साथ मनाने की निंदा की, जबकि हजारों किसान पीड़ित हैं। उन्होंने तर्क दिया कि बीआरएस नेता जनप्रतिनिधियों की तरह व्यवहार नहीं कर रहे थे और पिछले नौ वर्षों में पार्टी की विफलताओं को देखते हुए समारोह व्यर्थ हैं। पूर्व मंत्री ने गरीब दलित परिवारों को भूमि वितरण, बेरोजगारों के लिए रोजगार सृजन और केजी से पीजी तक मुफ्त शिक्षा जैसे अधूरे वादों का हवाला देते हुए बीआरएस सरकार की उपलब्धियों पर भी सवाल उठाया। उन्होंने यह भी कहा कि छात्रों को शुल्क प्रतिपूर्ति या छात्रवृत्ति नहीं मिली, आदिवासियों को अभी तक पोडू भूमि पर अधिकार नहीं मिला है और किसानों को विभिन्न परियोजनाओं के लिए अधिग्रहित भूमि का मुआवजा नहीं मिला है।

उन्होंने गरीबों के लिए आवास उपलब्ध कराने में प्रगति की कमी और रुपये तक के फसल ऋण को माफ करने के अधूरे वादे पर प्रकाश डाला। 1 लाख। उन्होंने अभय हस्तम, श्री निधि, और ब्याज मुक्त ऋण जैसी सामाजिक कल्याण योजनाओं के लिए धन जारी नहीं करने के लिए बीआरएस सरकार की आलोचना की।

शिमला के आईजीएमसी अस्पताल में आग लगी

शिमला, 27 अप्रैल (एजेंसियां)। हिमाचल प्रदेश की राजधानी शिमला स्थित इंदिरा गांधी मेडिकल कॉलेज एवं अस्पताल (आईजीएमसी) में गुरुवार सुबह आग लग गई। आग कैंटीन में गैस सिलेंडर में ब्लास्ट से लगी। सिलेंडर फटने से जोर का धमाका हुआ और चिंगारी ने आग पकड़ ली। धमाके की आवाज सुनते ही मरीजों और तीमारदारों में भगदड़ मच गई।

बताया जा रही है कि सभी मरीज अस्पताल से बाहर की ओर दौड़ने लगे। वहीं अस्पताल सिक्योरिटी गार्ड मौके पर पहुंचे और आग बुझाने का प्रयास किया। हालांक आग को फैलने से रोक लिया गया है, लेकिन आग लगने की सूचना पर फायर ब्रिगेड की गाड़ियां मौके पर पहुंची और आग को पूरी तरह बुझाने का प्रयास कर रही हैं।

उस्मान सागर और हिमायत सागर में सीवरेज प्रवाह को रोकने की योजना

सरकार का चार सीवरेज ट्रीटमेंट प्लान स्थापित करने का फैसला

हैदराबाद, 27 अप्रैल (स्वतंत्र वार्ता)। उस्मान सागर और हिमायत सागर में सीवरेज के प्रवाह को रोकने के लिए तत्काल उपायों के एक हिस्से के रूप में, तेलंगाना सरकार ने चार सीवरेज ट्रीटमेंट प्लान (एसटीपी) स्थापित करने का फैसला किया है और 82.23 करोड़ रुपये की प्रशासनिक मंजूरी दी गई है। जहां हिमायत सागर में 9 मिलियन लीटर प्रति दिन (एमएलडी) क्षमता के दो एसटीपी आएंगे, वहीं उस्मान सागर में 11 एमएलडी क्षमता के दो और एसटीपी आएंगे।

हैदराबाद मेट्रोपॉलिटन वाटर सप्लाई एंड सीवरेज बोर्ड (एचएमडब्ल्यूएस एंड एसबी) जुड़वां जलाशयों में पानी के प्रदूषण को रोकने के लिए एसटीपीस्थापित करेगा, जो वर्तमान में उस्मान सागर के आस-पास के गांवों से बेरोकटोक हो रहा है। इन चार संयंत्रों की स्थापना जुड़वां जलाशयों के पूरे जलग्रहण क्षेत्र के लिए 'सीवरेज ट्रीटमेंट एंड डायवर्जन' की व्यापक योजना का एक हिस्सा है, जो वर्तमान में तैयारी के अधीन है। इन एसटीपी की स्थापना के अलावा, उस्मान सागरऔर हिमायत सागर की सुरक्षा के लिए राज्य सरकार द्वारा उपायों की एक श्रृंखला शामिल की जाएगी।

नगरपालिका प्रशासन और शहरी विकास (एमए एंड यूडी) विभाग के अनुसार, विभिन्न स्थानों पर अतिरिक्त एसटीपी की स्थापना की जाएगी और उपचारित पानी को ले जाने के लिए डायवर्जन चैनल बनाए जाएंगे ताकि यह सुनिश्चित हो सके कि यह जुड़वां जलाशयों में प्रवाहित न हो। भूजल की गुणवत्ता बनाए रखने के लिए काम किया जाएगा और इन दो जलाशयों में कृषि सतह अपवाह के माध्यम से प्रदूषण को कम करने के लिए एक प्रणाली स्थापित की जाएगी। कृषि अपवाह कृषि भूमि बहिर्वाह से सतही अपवाह है, जो खेत के अधिशेष जल से आता है।

एचएमडब्ल्यूएस एंड एसबी ने पहले से ही एनसीपीई इंफ्रास्ट्रॉक्चर इंडिया लिमिटेड की सेवाएं ली हैं, ताकि सीवेज प्रदूषण जुड़वां जलाशयों के पूर्ण उन्मूलन के लिए एक व्यापक योजना तैयार की जा सके। अगले 30 वर्षों के लिए जुड़वां जलाशयों में और उसके आसपास अनुमानित आबादी को ध्यान में रखते हुए योजना तैयार की जा रही है।

पहले, उस्मान सागर और हिमायत सागर में पीने के पानी की स्थापित क्षमता का 27.59 प्रतिशत हिस्सा था और वर्तमान में इन जलाशयों की निकासी निर्भरता 1.25 प्रतिशत से कम है और वे अब पीने के पानी के स्रोत नहीं हैं।

सिद्दीपेट में बारिश व ओलावृष्टि से आम के किसान परेशान

सिद्दीपेट, 27 अप्रैल (स्वतंत्र वार्ता)। बेमौसम बारिश ने सिद्दीपेट्रीलिंग में आम किसानों को भारी नुकसान पहुंचाया है। बागवानी अधिकारियों ने कहा कि प्रारंभिक सर्वेक्षण के अनुसार, जिले में 12,800 एकड़ आम के बागों में से 5,104 एकड़ में फसल को नुकसान हुआ है। अधिकांश बागों में लगभग 40 से 70 प्रतिशत आम के फल गिर चुके हैं, जिससे किसान चिंतित हैं।

23, 24 और 25 अप्रैल को सिद्दीपेट जिले में ओलावृष्टि और आंधी के साथ बेमौसम बारिश हुई। 6,000 एकड़ में क्षतिग्रस्त हुई बागवानी फसलों में से अकेले आम की फसल 5,104 एकड़ है, जबकि शेष 900 एकड़ में विभिन्न सब्जियों की फसलें हैं। उप निदेशक (बागवानी) पुट्टा सुनीता ने कहा कि वे वास्तविक क्षति का आकलन करने के लिए

पुन: सत्यापन कर रहे हैं। कुछ किसान अब भी फसल खराब होने की सूचना देने आ रहे हैं। मद्दुर मंडल के लदुनूर गांव के एक आम किसान ने कहा कि उनके परिवार के पास 18 एकड़ में आम का बाग है। एक हफ्ते पहले तक उन्हें उम्मीद थी कि इस साल कम से कम 10 लाख रुपये का मुनाफा होगा। हालांकि, बारिश के बाद, उन्हें इस साल 2 लाख रुपये मिलने की भी कोई उम्मीद नहीं थी, क्योंकि 70 प्रतिशत आम, वह भी बंगनपल्ली किस्म के पेड़ से गिर गए हैं, उन्होंने कहा कि बाकी की फसल पर लगातार तीन दिनों तक हुई तेज ओलावृष्टि से पेड़ भी क्षतिग्रस्त हो गए। किसान ने कहा कि गर्मी के दौरान इतनी तेज बारिश पिछले चार दशकों में नहीं देखी गई है। मेदक और संगारेड्डी जिलों के आम किसानों को भी इस साल बेमौसम बारिश से भारी नुकसान हुआ है।

मोहन भागवत ने गरीबों के कैंसर के इलाज में सहयोग करने की अपील की

नागपुर, 27 अप्रैल (एजेंसियां)। आरएसएस प्रमुख मोहन भागवत ने गुरुवार को स्वास्थ्य सेवा प्रणाली, विशेष रूप से समाज के गरीब तबकों के लिए कैंसर के इलाज के लिए सार्वजनिक समर्थन देने की अपील की।

राष्ट्रीय कैंसर संस्थान (एनसीआई) का उद्घाटन करते हुए, भागवत ने कहा कि हालांकि संस्थान में नवीनतम उपकरण और आधुनिक उपचार सुविधा है, उन्होंने उम्मीद जताई कि एनसीआई कैंसर रोगियों और उनके परिवार के सदस्यों की उम्मीदों पर खरा उतरेगा।

सुन्दरकाण्ड पाठ के आयोजन के संदर्भ में बैठक

हैदराबाद, 27 अप्रैल (स्वतंत्र वार्ता)। जन सेवा संघ द्वारा सुन्दरकाण्ड पाठ के आयोजन की तैयारी की समीक्षा की गई। बैठक में इस पर गहन विचार विमर्श किया गया। सुन्दरकाण्ड पाठ का आयोजन सिकंदराबाद स्थित क्लासिक गार्डन में 30 अप्रैल दिन रविवार शाम को 4 बजे से रात 10 बजे तक किया जा रहा है। स्थान की साफ सफाई से लेकर पार्किंग, भक्तों के बैठने, भजन कीर्तन आदि की समीक्षा की गई। इस अवसर पर एलएम चौधरी, आरपी सिंह, परमानंद शर्मा, डीडी तिवारी, सुनील श्रीवास्तव, केबीएन सिंह, संजय कुमार भगत, हरी सिंह आदि उपस्थित हुए।

रवींद्र भारती में वीबीजी यूट्यूब चैनेल के शुभारंभ कार्यक्रम में बतौर अतिथि भाग लेते हुए डॉ. ए. मोहन राव, बी. दामोदर, नरसिम्ह, डॉ. एन. गौतम राव, एन. राजू, विश्वेश्वर राव, एम. ज्ञानेंदर, जे. जगदीश व समाजसेवी गोपाल बल्दवा व अन्य।

चेलापुरा में आयोजित श्री श्याम जन्मोत्सव में बतौर अतिथि भाग लिये राष्ट्रीय हिंदू वाहिनी संघ के प्रदेश अध्यक्ष अशोक सेन का सम्मान करते हुए सी. धर्मेंद्र कुमार अग्रवाल, रहित अग्रवाल व अन्य।

केंद्रीय विद्यालय, पीकेट में आयोजित 55वें वार्षिकोत्सव में बतौर अतिथि भा गलेते हुए ब्रिगेडियर ए.ए. देशपांडे, श्रीमती अनुजा देशपांडे, स्कूल के प्राचार्य रुपींद्र सिंह व अन्य।

सिविल सप्लाई भवन, सोमाजीगुड़ा में दालों के बढते दामों के खिलाफ बैठक बुलाई गई। इसमें भाग लेते हुए हैदराबाद दाल मिल एवं मर्चेंट एसोसिएशन के अध्यक्ष विनोद कीमती, ए. गौतम जैन, राजेंद्र अग्रवाल, मधु बाबू व अन्य।

संत निरंकारी मिशन द्वारा देशभर में मेगा रक्तदान शिविर आयोजित

दिल्ली, 27 अप्रैल (स्वतंत्र वार्ता)। निरंकारी सत्गुरु माता सुदीक्षा जी द्वारा आज ग्राउंड नं. 2 निरंकारी चौक, दिल्ली में आयोजित हुए मानव एकता दिवस के अवसर पर विशाल जनसमूह को सम्बोधित करते हुए बताया कि रक्तदान सामाजिक कारक न होकर मानवीयता का एक ऐसा दिव्य गुण है, जो योगदान की भावना को दर्शाता है। संत निरंकारी चैरिटेबल फाउंडेशन के सचिव जोगिन्दर सुखीजा ने जानकारी देते हुए बताया कि मानव एकता दिवस के अवसर पर दिल्ली एन. सी. आर में लगभग 1,200 युनिट रक्त संग्रहित हुए। इसके अतिरिक्त संपूर्ण भारतवर्ष में भी 50,000 से अधिक युनिट रक्त संग्रहित किया गया। सद्गुरु माता ने मानव परिवार को सम्बोधित करते हुए फरमाया कि रक्तदान निष्काम सेवा का एक ऐसा सुंदर भाव होता है जिसमें केवल सर्वत्र के भले की कामना ही मन में होती है। फिर हृदय में यह भावना उत्पन्न नहीं होती कि केवल हमारे सगे संबंधी या हमारा परिवार ही महत्वपूर्ण है अपितु समस्त संसार ही हमारा परिवार बन जाता है। रक्तदान के महत्व को बताते हुए सत्गुरु माता जी ने फरमाया कि 'रक्त नाड़ियों में बहे, न कि नालियों में कि रक्त देते हुए हम यह विचार नहीं करते कि हमारा रक्त किसके शरीर में जा रहा है यह तो एक सामाजिक कार्य है जो मानवीय मूल्यों को दर्शाता है जिसका एक जीवन्त उदाहरण निरंकारी राजपिता जी ने स्वयं रक्तदान करके दिया। इसी श्रृंखला के अंतर्गत यह महाअभियान समूचे भारतवर्ष में स्थापित संत निरंकारी मिशन की लगभग सभी ब्रांचों सहित भारत की राजधानी दिल्ली में भी बड़े स्तर पर सत्गुरु माता सुदीक्षा महाराज एवं निरंकारी राजपिता जी के पावन सान्निध्य में आयोजित किया गया जिसमें सभी भक्तों ने इस सत्संग समारोह का भरपूर आनंद लिया और सभी रक्तदाताओं ने स्वैच्छापूर्वक सम्मिलित होकर पूरे जोश एवं उत्साह से रक्तदान किया। रक्त संग्रहित करने वाले अस्पतालों के डॉक्टरों एवं आंगतुकों ने मिशन की निःस्वार्थ भाव से की जा रही सभी सेवाओ हेतु भूरी भूरी प्रशसा की।

संत निरंकारी मिशन की हैदराबाद शाखा के लगभग 240 भक्तों ने भी संत निरंकारी सत्संग भवन, लकड़ी का पुल, हैदराबाद में रक्तदान किया, जिसे इंडियन रेड क्रॉस सोसाइटी द्वारा एकत्र किया गया था। रक्तदान शिविर के साथ-साथ निःशुल्क स्वास्थ्य जांच शिविर का भी आयोजन किया गया और लगभग 500 श्रद्धालुओं ने निःशुल्क शिविर की सेवाएं लीं।

एनएमडीसी को मिला इस्पात राजभाषा सम्मान

हैदराबाद, 27 अप्रैल (स्वतंत्र वार्ता)। इस्पात एवं ग्रामीण विकास राज्य मंत्री फग्गन सिंह कुलस्ते ने इस्पात मंत्रालय की हिंदी सलाहकार समिति की श्रीनगर में सम्पन्न बैठक में गणमान्य व्यक्तियों की उपस्थिति में एनएमडीसी लिमिटेड को वर्ष 2021-22 में राजभाषा हिंदी के कार्यान्वयन में उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिए इस्पात राजभाषा सम्मान (द्वितीय पुरस्कार) प्रदान किया। दिलीप कुमार मोहंती, निदेशक (उत्पादन), एनएमडीसी ने यह पुरस्कार माननीय मंत्री जी के कर-कमलों से ग्रहण किया।

इस अवसर पर इस्पात एवं ग्रामीण विकास राज्य मंत्री फग्गन सिंह कुलस्ते ने एनएमडीसी के उप महाप्रबंधक (राजभाषा) रूद्रनाथ मिश्र को प्रशस्ति पत्र भी प्रदान किया। बैठक के दौरान एनएमडीसी की राजभाषा को समर्पित छमाही गृह पत्रिका खनिज भारती के मार्च, 2023 अंक का विमोचन भी मंत्री ने किया। बैठक में इस्पात सचिव नागेन्द्र सिन्हा, राजभाषा विभाग की सचिव श्रीमती अंशुली आर्या सहित इस्पात मंत्रालय के उच्चाधिकारी तथा इस्पात मंत्रालय की हिंदी सलाहकार समिति के माननीय सदस्यगण उपस्थित रहे।

बीआरएस पार्टी स्थापना की 22वीं वर्षगांठ के अवसर पार्टी के कार्यकारी अध्यक्ष केटीआर का सम्मान करते हुए तेलंगाना पुलिस हाउसिंग कार्पोरेशन के चेयरमैन कोलेटी दामोदर।

बजरंग ने सोशल मीडिया से पीएम की फोटो हटाई

हरियाणा कुश्ती संघ का दावा- विनेश-साक्षी के साथ कुछ गलत नहीं हुआ

रेवाड़ी, 27 अप्रैल (एजेंसियां)। भारतीय कुश्ती संघ (डब्ल्यूएफआई) के अध्यक्ष बृजभूषण सिंह के खिलाफ पहलवानों के धरने का आज पांचवां दिन है। इनके समर्थन करने हरियाणा और पश्चिमी यूपी की काफी खाप पंचायतें जंतर-मंतर पहुंची। साथ ही पहलवानों का पक्ष लेते हुए बृजभूषण सिंह के खिलाफ तुरंत एफआईआर दर्ज कर उन्हें गिरफ्तार करने की मांग की गई।

ओलिंपियन विनेश फोगाट, साक्षी मलिक और बजरंग पुनिया ने खापों से साथ देने की अपील की थी। उत्तर भारत की सबसे बड़ी खाप पंचायत पालम-360 के प्रधान चौधरी सुरेंद्र सोलंकी समेत हरियाणा की तमाम खापें पहलवानों के हक में आ चुकी हैं। इस बीच हरियाणा कुश्ती संघ के महासचिव राकेश का बड़ा बयान आया है। उन्होंने कहा, विनेश और साक्षी के साथ कुछ भी गलत नहीं हुआ। फोगाट परिवार कुश्ती संघ पर कब्जा करना चाहता है। उन्होंने कांग्रेस नेताओं पर पहलवानों को भड़काने का आरोप लगाया। साथ ही कहा, बजरंग पूनिया सरकारी अधिकारी हैं। वे बिना अनुमति धरने पर नहीं बैठ सकते। धरने के दौरान बजरंग पूनिया ने अपने सोशल मीडिया अकाउंट का कवर बदल दिया है। इसमें वे प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के साथ हाथ मिलाकर खड़े थे, लेकिन अब उन्होंने अपनी सिंगल फोटो लगा ली है। दंगल गर्ल इंटरनेशनल रेसलर गीता फोगाट भी पहलवानों के समर्थन में आ गई हैं।

गलवान के बाद पहली बार चीनी मंत्री का भारत दौरा

नई दिल्ली, 27 अप्रैल (एजेंसियां)। चीन के डिफेंस मिनिस्टर जनरल ली शांगफू शंघाई सहयोग संगठन (एससीओ) के रक्षा मंत्रियों की बैठक में भाग लेने के लिए दिल्ली पहुंच गए हैं। ये बैठक 28 अप्रैल को होगी। इसके पहले आज जनरल ली शांगफू भारत के रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह से मुलाकात किये। दोनों नेताओं के बीच बाइलैटरल रिलेशन्स पर चर्चा हुयी।

2020 में भारत-चीन के बीच हुई झड़प के बाद ये किसी भी चीनी मंत्री की पहली भारत यात्रा है। 15 जून 2020 को गलवान घाटी में चीनी सेना के साथ हुई झड़प में 20 भारतीय सैनिक शहीद हो गए थे। चीन के 38 सैनिक मारे गए थे। हालांकि, चीन की पीपुल्स लिब्रेशन आर्मी ने 4 सैनिक मारे जाने की बात ही कबूली थी। यह टकराव करीब 3 घंटे तक चला था।

इसके पहले 23 अप्रैल को चुशुल-मोल्दो बॉर्डर मीटिंग प्वाइंट पर भारत-चीन के बीच कमांडर लेवल की बातचीत हुई थी। इस दौरान चीन की डिफेंस मिनिस्ट्री ने कहा था, हम जरूरी मुद्दों पर मिलकर जल्द ही समाधान निकालेंगे।

बांग्लादेश के सेना प्रमुख ने आर्मी चीफ जनरल मनोज पांडे से आतंकवाद विरोधी सहयोग पर चर्चा की

नई दिल्ली, 27 अप्रैल (एजेंसियां)। बांग्लादेश के सेना प्रमुख जनरल एस.एम. शफीउद्दीन अहमद गुरुवार को तीन दिवसीय यात्रा के लिए भारत पहुंचे हैं। राष्ट्रीय राजधानी में अहमद ने सेना प्रमुख जनरल मनोज पांडे से मुलाकात की और आतंकवाद विरोधी सहयोग एवं समग्र द्विपक्षीय सहयोग पर चर्चा की। इसके अलावा, दोनों सेना प्रमुखों ने दोनों देशों के बीच व्यापक रणनीतिक साझेदारी के हिस्से के रूप में पारस्परिकता, प्रशिक्षण और समग्र द्विपक्षीय सहयोग को बढ़ाने एवं मजबूत करने से संबंधित विभिन्न मुद्दों पर भी चर्चा की।

बांग्लादेश के सेना प्रमुख भारत के वरिष्ठ सैन्य और नागरिक नेतृत्व से भी मिलेंगे, जहां वे भारत-बांग्लादेश रक्षा संबंधों को बढ़ाने के तरीकों पर चर्चा करेंगे। जनरल मनोज पांडे से मिलने के बाद, जनरल अहमद ने बाद में चीफ ऑफ डिफेंस स्टाफ जनरल अनिल चौहान, चीफ ऑफ नेवल स्टाफ एडमिरल आर हरि कुमार, वाइस चीफ ऑफ एयर स्टाफ एयर मार्शल ए.पी. सिंह से मुलाकात की। रक्षा मंत्रालय ने बताया कि उन्हें रक्षा उत्पादन विभाग

(डीडीपी) और आर्मी डिजाइन ब्यूरो द्वारा भारतीय स्वदेशी रक्षा उपकरण निर्माण इको-सिस्टम के बारे में भी जानकारी दी गई। रक्षा मंत्रालय के एक अधिकारी ने कहा, यात्रा के दौरान दोनों सेनाओं के बीच संयुक्त राष्ट्र शांति स्थापना केंद्र, भारत-बांग्लादेश इंस्टीट्यूट ऑफ पीस सपोर्ट ऑपरेशंस ट्रेनिंग, बांग्लादेश के बीच संयुक्त राष्ट्र शांति अभियानों और प्रशिक्षण सहयोग के लिए एक कार्यान्वयन व्यवस्था पर हस्ताक्षर किए गए।

बांग्लादेश के दौरे पर आए सेना प्रमुख 29 अप्रैल को होने वाली ऑफिसर्स ट्रेनिंग एकेडमी, चेन्नई में पासिंग आउट परेड के लिए समीक्षा अधिकारी हैं। वह ऑफिसर्स ट्रेनिंग अकादमी संग्रहालय (म्यूजियम) का दौरा करेंगे और पासिंग आउट कोर्स के कैडेटों के साथ बातचीत करेंगे। रक्षा मंत्रालय ने कहा कि भारत और बांग्लादेश 1971 के मुक्ति संग्राम के दौरान सहयोग और समर्थन की ऐतिहासिक विरासत को साझा करते हैं। रक्षा पक्ष पर सक्रिय जुड़ाव में सेवा प्रमुखों के स्तर पर उच्च-स्तरीय आदान-प्रदान, रक्षा सचिवों द्वारा उद्घाटन वार्षिक रक्षा संवादों का संचालन, त्रि-सेवाएं और सेवा-विशिष्ट स्टाफ वार्ता शामिल हैं। बांग्लादेश के सेना प्रमुख ने गुरुवार को राष्ट्रीय युद्ध स्मारक पर माल्यार्पण कर भारतीय सशस्त्र बलों के शहीद नायकों को श्रद्धांजलि देकर अपनी यात्रा की शुरूआत की।

कोरोना पॉजिटिव खिलाड़ी डब्ल्यूटीसी फाइनल खेल सकेंगे

बीसीसीआई कोरोना नियमों में कर सकती है बदलाव, 5 दिन रहना पड़ता है क्वारैंटाइन

मुंबई, 27 अप्रैल (एजेंसियां)। कोरोना पॉजिटिव खिलाड़ी भी डॉक्टरों की सलाह पर वर्ल्ड टेस्ट चैंपियनशिप फाइनल में खेल सकेंगे। भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड अपनी कोविड पॉलिसी में परिवर्तन करने जा रहा है। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक बीसीसीआई इंटरनेशनल क्रिकेट काउंसिल की ही कोविड पॉलिसी को अपनाने का विचार कर रहा है। दरअसल बीसीसीआई की कोरोना पॉलिसी के अनुसार खिलाड़ी कोरोना पॉजिटिव होने के बाद 5 दिन तक क्वारैंटाइन रहेगा। कोरोना रिपोर्ट निगेटिव आने के बाद ही वह खेल सकेगा। वहीं आईसीसी ने अपने कोरोना नियमों में पहले ही बदलाव कर चुका है। आईसीसी के नियमों के अनुसार कोई भी खिलाड़ी कोरोना पॉजिटिव होने के बाद भी टीम डॉक्टरों की सलाह पर खेल सकता है। अगर टीम डॉक्टर उन्हें खेलने के लिए फिट मानते हैं तो खिलाड़ी खेल सकता है।

कुछ शर्तों के आधार पर कोरोना पॉजिटिव खिलाड़ी खेल सकेंगे डब्ल्यूटीसी फाइनल

बीसीसीआई कोरोना पॉजिटिव खिलाड़ियों को डब्ल्यूटीसी फाइनल में देने की अनुमति कुछ शर्तों के आधार पर देगा और पॉजिटिव खिलाड़ी ड्रेसिंग रूम साझा नहीं करेगा।

वह हर समय मास्क पहनेगा और टीम के खिलाड़ी से अलग रहेगा

खेलने की अनुमति देने से पहले डॉक्टरों की टीम उसके स्वास्थ्य की जांच करेगी और उसके बाद अंतिम फैसला करेगी।

पॉजिटिव खिलाड़ी को ग्राउंड पर मास्क पहनना होगा। साथ ही उसे टीम के साथ जश्न मनाने की मनाही होगी।

कॉमनवेल्थ गेम्स में कोरोना पॉजिटिव खिलाड़ी भी खेले थे

कॉमनवेल्थ गेम्स में महिलाओं के टी-20 में कोरोना पॉजिटिव खिलाड़ी भी खेलने के लिए मैदान में उतरी थीं।

रोहित शर्मा पिछले साल इंग्लैंड में कोरोना की वजह से नहीं खेल पाए थे पांचवां टेस्ट

बीसीसीआई की कोरोना नियमों की वजह से ही रोहित शर्मा पिछले साल इंग्लैंड दौरे पर इंग्लैंड के खिलाफ पांचवां टेस्ट नहीं खेल पाए थे। उनकी जगह पर जसप्रीत बुमराह को टीम की कप्तानी सौंपी गई थी। इस टेस्ट में टीम इंडिया को हार का सामना करना पड़ा था। इस तरह पांच टेस्ट मैचों की सीरीज 2-2 की बराबरी पर खत्म हुई थी।

वर्ल्ड टेस्ट चैंपियनशिप का फाइनल 7 से 11 जून के बीच इंग्लैंड के ओवल मैदान में भारत और ऑस्ट्रेलिया के बीच खेला जाना है। टीम इंडिया लगातार दूसरी बार डब्ल्यूटीसी फाइनल में पहुंची है। इससे पहले इंग्लैंड में ही खेले गए पहले डब्ल्यूटीसी फाइनल में भारत को न्यूजीलैंड से हार का सामना करना पड़ा था।

'टीम इंडिया में पंत की जगह लेने का हकदार है ये खिलाड़ी', केविन पीटरसन का बड़ा बयान

खेल डेस्क, 27 अप्रैल (एजेंसियां)। भारतीय टीम को इस साल वर्ल्ड टेस्ट चैंपियनशिप के साथ वनडे विश्वकप भी खेलना है। टीम इंडिया के स्टार खिलाड़ी ऋषभ पंत इन बड़े टूर्नामेंट को मिस करेंगे। क्रिकबज की रिपोर्ट में ये दावा किया गया है कि पंत को ठीक होने वाले में करीब एक साल का वक्त लगेगा। इससे पहले वनडे विश्वकप होना है और उसके लिए टीम इंडिया को पंत का रिप्लेसमेंट खोजना है।

इस बीच इंग्लैंड के दिग्गज खिलाड़ी रहे केविन पीटरसन मानना है कि भारत के पास पंत का रिप्लेसमेंट तैयार है। उन्होंने पंत की जगह लेने के लिए पंजाब किंग्स के लिए शानदार प्रदर्शन कर रहे जितेश शर्मा को हकदार बताया है। उन्हें जितेश की जमकर तारीफ भी की है।

पंत की जगह ले सकते हैं जितेश

पीटरसन ने अपने एक लेख में लिखा कि 'भारत के पास ऋषभ पंत का रिप्लेसमेंट तैयार है, जितेश शर्मा, पंजाब किंग्स के विकेटकीपर बल्लेबाज भी कुछ खास हैं। मुझे लगता है अगर पंत लंबे समय तक बाहर रहने वाले हैं तो जितेश वह खिलाड़ी हैं, जो टीम इंडिया में पंत की जगह ले सकते हैं।

मुंबई के खिलाफ लगाए थे 4 छक्के

केविन पीटरसन ने जितेश की मुंबई इंडियन्स के खिलाफ शनिवार को खेली सिर्फ 7 बॉल में उनके 25 रन की मैच विनिंग पारी की तारीफ की। इस पारी में जितेश ने 4 छक्के लगाए थे। जिसकी मदद से पंजाब की टीम 214 रन तक पहुंच सकी थी। पंजाब ने उस मैच में मुंबई को 13 रनों से हराया था।

वॉशिंगटन सुंदर आईपीएल के पूरे सीजन से बाहर

हैमस्ट्रिंग इंजरी की शिकायत, दिल्ली के खिलाफ पिछले मैच में लिए थे 3 विकेट

वॉशिंगटन सुंदर का IPL 2023 में प्रदर्शन

मैच-7, इकोनॉमी रेट 8.26, विकेट-3

खेल डेस्क, 27 अप्रैल (एजेंसियां)। इंडियन प्रीमियर लीग 2023 में सनराइजर्स हैदराबाद को बड़ा झटका लगा है। टीम के स्टार ऑलराउंडर वॉशिंगटन सुंदर हैमस्ट्रिंग इंजरी के चलते सीजन के बचे हुए मैचों से बाहर हो गए हैं। फ्रेंचाइजी सनराइजर्स हैदराबाद ने गुरुवार को इसकी जानकारी दी। हालांकि उनके रिप्लेसमेंट को लेकर कोई जानकारी नहीं दी गई है। दिल्ली कैपिटल्स के खिलाफ पिछले मैच में सुंदर ने तीन विकेट लिए थे।

एसआरएच ने अपने आधिकारिक ट्विटर पर लिखा, 'वॉशिंगटन सुंदर हैमस्ट्रिंग इंजरी के कारण आईपीएल 2023 से बाहर कर हो गए हैं। हम उनके जल्दी ठीक होने की कामना करते हैं।' एसआरएच ने सुंदर को आईपीएल 2022 की मेगा ऑक्शन में 8.75 करोड़ रुपये में खरीदा था।

वॉशिंगटन सुंदर के आईपीएल में 36 विकेट

वॉशिंगटन सुंदर ने इस सीजन में सात मैच खेले हैं। इस दौरान उन्होंने 100 के स्ट्राइक रेट 60 रन बनाए और तीन विकेट लिए हैं। सुंदर ने आईपीएल में 2017 में डेब्यू किया था। इसके बाद उन्होंने टूर्नामेंट में 58 मैच खेले और 36 विकेट झटके हैं। 58 मैचों में उनके नाम 378 रन है।

पॉइंट्स टेबल में हैदराबाद नौवें नंबर पर

पॉइंट्स टेबल में हैदराबाद की टीम केवल दिल्ली से ही ऊपर है। हैदराबाद को सात मैचों में केवल दो में जीत मिली है और बाकी पांच मैचों में हार का सामना करना पड़ा है।

हैदराबाद को प्लेऑफ में जगह बनाने के लिए बाकी बचे सात में से कम से कम पांच मैच जीतने जरूरी है। इस टीम को अपना अगला मैच 29 अप्रैल को दिल्ली कैपिटल्स के खिलाफ खेलना है।

इंजरी से वापसी के बाद बेयरस्टो का ब्लास्ट

15 छक्के-चौकों के साथ ठोके 97 रन

खेल डेस्क, 27 अप्रैल (एजेंसियां)। बेयरस्टो ने यॉर्कशर दूसरा इलेवन की ओर से खेलते हुए 97 रन का विस्फोट किया. इस दौरान उन्होंने 13 चौके और 2 छक्के लगाए और 88 गेंदों का सामना किया.

नई दिल्लीः कहते हैं खिलाड़ी खेल छोड़ देता है पर उसे खेलना नहीं भूलता. जॉनी बेयरस्टो के साथ भी ऐसा ही है. इंग्लैंड का ये विकेटकीपर बल्लेबाज पैर टूटने के चलते 7 महीने क्रिकेट से दूर रहा. लेकिन जब वापसी करते हुए पहला मैच खेला तो उसी में धमाका कर एक साथ दो संदेश दे दिए.

जॉनी बेयरस्टो के उन दो संदेशों के बारे में बताए, उससे पहले जरा उनकी उस धमाकेदार इनिंग के बारे में जान लीजिए. 33 साल के जॉनी बेयरस्टो ने अपनी वापसी पर बल्ले से ये धमाका नॉटिंघमशर के खिलाफ किया.

13 चौके, 2 छक्के और 97 रन, ऐसा रहा बेयरस्टो का ब्लास्ट

बेयरस्टो ने यॉर्कशर दूसरा इलेवन की ओर से खेलते हुए 97 रन का विस्फोट किया. इस दौरान उन्होंने 13 चौके और 2 छक्के लगाए. मतलब उन्होंने 15 छक्के-चौके जमाए. अपनी पारी के दौरान बेयरस्टो ने कुल 88 गेंदों का सामना किया.

बता दें कि गोल्फ खेलने के दौरान पैर टूटने के चलते बेयरस्टो पिछले साल सितंबर से ही क्रिकेट से दूर थे.

इंजरी के चलते ही वो पिछले साल कई बड़ी सीरीज में नहीं खेले थे, जिसमें से T20 वर्ल्ड कप भी शामिल था. इस साल आईपीएल 2023 में उसी चोट के चलते ही वो पंजाब किंग्स के खिलाफ भी नहीं खेले. आईपीएल में बेयरस्टो फिलहाल पंजाब किंग्स का हिस्सा हैं, जिसने उन्हें 9.75 करोड़ में खुद से जोड़ा था.

97 रन की पारी के बाद 2 संदेश साफ

बहरहाल, यॉर्कशर दूसरा इलेवन के लिए खेली अपनी दमदार पारी के बाद उन्होंने दो संदेश दिए हैं. पहला संदेश उन्होंने इंग्लैंड क्रिकेट बोर्ड को एशेज के लिए टीम चयन से पहले दिया है कि वो अब फिट भी हैं और हिट भी. वहीं दूसरा संदेश उन्होंने ऑस्ट्रेलिया क्रिकेट टीम को दिया कि उनकी चुनौती से लोहा लेने को वो तैयार हैं.

इंग्लैंड की टेस्ट टीम अपनी बैजबॉल क्रिकेट के लिए मशहूर हैं, जिसकी कि जॉनी बेयरस्टो एक अहम कड़ी हैं. उन्होंने बैजबॉल की नुमाइश करते हुए पिछले साल घरेलू सीजन में इंग्लैंड के लिए 5 पारियों में 75.66 की औसत से 681 रन बनाए थे, जिसमें 4 शतक और 1 अर्धशतक शामिल था.

जोफ्रा आर्चर ने 25 महीने में कराई 5वीं सर्जरी

एमआई का साथ छोड़ गए थे बेल्जियम

खेल डेस्क, 27 अप्रैल (एजेंसियां)। 2 अप्रैल को मुकाबला खेलने के बाद आर्चर फिर मुंबई इंडियंस के अगले 4 मैचों से बाहर रहे. उन्होंने सीजन में अपना दूसरा मैच 20 दिन बाद सीधे 22 अप्रैल को पंजाब किंग्स के खिलाफ खेला

आईपीएल 2023 में मुंबई इंडियंस ने अब तक 7 मैच खेल लिए हैं. लेकिन, जोफ्रा आर्चर ने खेले सिर्फ 2 मैच. जानते हैं क्यों? दरअसल, इसके पीछे है उनकी हुई एक और सर्जरी. जिसके लिए वो 16वें सीजन के बीच में ही मुंबई इंडियंस का साथ छोड़ बेल्जियम गए थे. द टेलीग्राफ की रिपोर्ट के मुताबिक दाईं कोहनी में समस्या के बाद इस महीने के शुरुआत में वो बेल्जियम गए थे, जहां उनकी एक छोटी सर्जरी की गई.

बताया जा रहा है कि उसी सर्जरी के चलते जोफ्रा आर्चर मुंबई इंडियंस के शुरुआती मुकाबलों से दूर रहे. ये बीते 25 महीनों में हुई उनकी 5वीं सर्जरी थी. आईपीएल 2023 में उन्होंने अपना पहला मैच आरसीबी के खिलाफ खेला था, जिसमें वो 33 रन लुटाने के बाद विकेट नहीं ले सके थे.

2 अप्रैल को खेला पहला मैच, फिर 20 दिन रहे 'गायब'

2 अप्रैल को पहला मुकाबला खेलने के बाद आर्चर फिर मुंबई इंडियंस के अगले 4 मैचों से बाहर रहे. उन्होंने सीजन में अपना दूसरा मैच 20 दिन बाद सीधे 22 अप्रैल को पंजाब किंग्स के खिलाफ खेला. इस मैच में उन्होंने 42 रन देकर 1 विकेट लिया. लेकिन, इसके बाद उन्हें गुजरात टाइटंस के खिलाफ अगले मैच में फिर आराम दिया गया.

एशेज से पहले बढ़ी इंग्लैंड की भी चिंता

मुंबई इंडियंस का अगला मैच राजस्थान रॉयल्स से है. उस मुकाबले में आर्चर खेलेंगे या नहीं. उसे लेकर भी कुछ साफ नहीं है. ऐसे में ना सिर्फ मुंबई इंडियंस की बल्कि इंग्लैंड क्रिकेट टीम की भी टेंशन टाइट है. इंग्लैंड को ऑस्ट्रेलिया से एशेज खेलना है, जिसमें गिनती के 6-7 हफ्ते बचे हैं.

फिलहाल, ऐसी खबर है कि इंग्लैंड क्रिकेट बोर्ड की मेडिकल टीम लगातार मुंबई इंडियंस फ्रेंचाइजी के संपर्क में है. वो आर्चर की रिकवरी पर नजर रखे हुए है. बता दें कि साल 2021 में जोफ्रा आर्चर के कोहुनी में परेशानी खड़ी हुई थी. जब उसकी जांच हुई तो पता चला कि उन्हें स्ट्रेस फ्रैक्चर है, जिसके बाद उन्हें T20 वर्ल्ड कप और ऑस्ट्रेलियाई धरती पर खेले एशेज से बाहर होना पड़ा था.

पूर्व ओलंपिक और विश्व चैंपियन रिचड्र्स होगी अंतरराष्ट्रीय दूत

खेल डेस्क, 27 अप्रैल (एजेंसियां)। जमैका में जन्मीं सान्या रिचड्र्स रॉस ने ओलंपिक तथा विश्व चैंपियनशिप में कुल मिलाकर 14 पदक जीते हैं। इसके अलावा विश्व रिले में उनके नाम पर तीन स्वर्ण पदक दर्ज है।

पूर्व ओलंपिक और 400 मीटर में विश्व चैंपियन सान्या रिचड्र्स रॉस को 21 मई को यहां होने वाली विश्व 10 किमी बंगलूरू दौड़ का अंतरराष्ट्रीय स्पर्धा दूत नियुक्त किया गया है। अमेरिका की एथलीट सान्या रिचड्र्स रॉस विश्व एथलेटिक्स की नामी खिलाड़ियों में शामिल है।

सुनील गावस्कर ने रोहित शर्मा को दी ब्रेक लेने की सलाह

खेल डेस्क, 27 अप्रैल (एजेंसियां)। मुंबई इंडियंस को मंगलवार रात गुजरात टाइटंस से करारी शिकस्त का सामना करना पड़ा जिसके बाद सुनील गावस्कर ने रोहित शर्मा को लेकर बड़ा बयान दिया है।

मुंबई इंडियंस को मंगलवार रात गत चैंपियन गुजरात टाइटंस से करारी शिकस्त का सामना करना पड़ा। अहमदाबाद में खेले गए मैच में टीम को 55 रनों के बड़े अंतर से हार मिली। मैच में मुंबई इंडियंस की बल्लेबाजी काफी निराशाजनक रही।

मुंबई इंडियंस की ये चौथी हार थी और वह सांतवे पायदान पर पहुंच गई है। इस हार के बाद पूर्व क्रिकेटर सुनील गावस्कर ने टीम के बैटिंग ऑर्डर पर सवाल उठाए हैं और कप्तान रोहित शर्मा को भी कुच मैचों के लिए ब्रेक लेने की सलाह दी है। गावस्कर की ऐसा कहने के पीछे की वजह वर्ल्ड टेस्ट चैंपियनशिप है।

सुनील गावस्कर ने इसीलिए दी रोहित को आराम करने की सलाह

स्टार स्पोर्ट्स पर बातचीत करते हुए गावस्कर ने कहा, 'मैं मुंबई इंडियंस के बैटिंग ऑर्डर में कुछ बदलाव देखना चाहूंगा। सही कहूं तो मैं चाहता हूं कि कुछ समय के लिए रोहित शर्मा भी एक ब्रेक ले लें और खुद को वर्ल्ड टेस्ट चैंपियनशिप फाइनल के लिए फिट रखें। इसके बाद वह आखिरी के कुछ मैचों के लिए वापसी कर सकते हैं। लेकिन फिलहाल उन्हें एक छोटे से ब्रेक की सख्त जरूरत है। वह फिलहाल काफी ज्यादा बेचैन लग रहे हैं। हो सकता है कि वह इस समय वर्ल्ड टेस्ट चैंपियनशिप के बारे में सोच रहे हों, मुझे नहीं पता।' उनके मुताबिक मुंबई इंडियंस को अब कई चमत्कार ही प्लेऑफ में ले जा सकता है।

मैच का लेखा-जोखा

इस मैच में गुजरात ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 20 ओवर में 6 विकेट पर 207 रन बनाए। गुजरात की तरफ से अभिनव मनोहर और डेविड मिलर ने ताबड़तोड़ पारियां खेली। जवाब में मुंबई इंडियंस की टीम 20 ओवर में 9 विकेट पर 152 रन ही बना सकी। मुंबई इंडियंस की तरफ से नेहल वढेरा ने 21 गेंदों में सर्वाधिक 40 रन बनाए।

दामाद शाहीन अफरीदी पर भड़के शाहिद अफरीदी, शादाब खान को दी ये सलाह

खेल डेस्क, 27 अप्रैल (एजेंसियां)। फाइनल में हार के बाद पाकिस्तान के पूर्व कप्तान शाहिद अफरीदी ने अपने दामाद और तेज गेंदबाज शाहीन अफरीदी की आलोचना की है।

पाकिस्तान की टीम को टी-20 सीरीज के फाइनल मुकाबले में हार का सामना करना पड़ा था। इसके बाद सीरीज 2-2 से बराबर रही। इस मैच में शाहीन अफरीदी ने 4 ओवर में 48 रन लुटाए और 2 विकेट लिए। अब फाइनल में हार के बाद पाकिस्तान के पूर्व कप्तान शाहिद अफरीदी ने अपने दामाद और तेज गेंदबाज शाहीन अफरीदी की आलोचना की है। साथ ही ऑलराउंडर शादाब खान को सलाह भी दी।

अफरीदी ने रावलपिंडी स्टेडियम में मैच के महत्वपूर्ण क्षणों के दौरान शाहीन की कमजोर कंसिस्टेंसी को उजागर करते हुए उनकी लाइन और लैंथ के महत्व पर जोर दिया। शाहिद ने कहा- मैच जीतने के लिए लाइन और लेंथ में निरंतरता महत्वपूर्ण है। शाहीन ने मजबूत शुरुआत की, लेकिन वह उस वक्त गलत क्षेत्रों में गेंदबाजी करते हुए लड़खड़ा गया, जब कंसिस्टेंसी सबसे ज्यादा मायने रखती थी।

शाहिद ने शादाब के प्रदर्शन के बारे में भी बात की। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि युवा ऑलराउंडर को अपनी गेंदबाजी स्किल को प्राथमिकता देनी चाहिए। उन्होंने कहा- "शादाब हमेशा बीच के ओवरों में एक मजबूत परफॉर्मर रहे हैं, लेकिन बाएं हाथ के बल्लेबाजों के खिलाफ संघर्ष करते हैं। उनके लिए यह महत्वपूर्ण है कि वह अपनी गेंदबाजी पर ध्यान दें, क्योंकि यही उनकी ताकत है। एक बल्लेबाज के रूप में उन्हें बैकसीट लेनी चाहिए। अंत में शादाब का प्रदर्शन सबसे ज्यादा मायने रखता है और उन्हें टीम में अपनी जगह पक्की करने के लिए अपनी गेंदबाजी में सुधार करने का प्रयास करना चाहिए।" शादाब ने इस मैच में मार्क चैपमैन का सबसे महत्वपूर्ण कैच छोड़ दिया था।

17 महिला खिलाड़ियों को मिला बीसीसीआई का एनुअल कॉन्ट्रैक्ट

टॉप महिला क्रिकेटरों को सालाना 50 लाख रुपए; रोड्रिग्ज और रिचा घोष प्रमोट

खेल डेस्क, 27 अप्रैल (एजेंसियां)। भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड ने गुरुवार को 2022-23 सीजन के लिए टीम इंडिया की 17 महिला खिलाड़ियों को सालाना सेंट्रल कॉन्ट्रैक्ट दिए जाने की घोषणा की है। जेमिमा रोड्रिग्ज और रिचा घोष ग्रेड B में प्रमोट की गई हैं। पूजा वस्त्राकर बी से सी में पहुंच गई हैं।

बीसीसीआई ने 17 में से 3 खिलाड़ियों हरमनप्रीत कौर, स्मृति मंधाना और दीप्ती शर्मा को ग्रेड ए में रखा है। इन तीनों को 50-50 लाख रुपए मिलेंगे। रेणुका सिंह

और शेफाली वर्मा सहित पांच खिलाड़ियों को ग्रेड बी में रखा गया है। मेघना सिंह और स्नेह राणा सहित 9 खिलाड़ी ग्रेड सी में हैं। ग्रेड बी में मौजूद खिलाड़ियों को 30-30 लाख रुपए और ग्रेड सी में मौजूद खिलाड़ियों 10-10 लाख रुपए मिलेंगे। पिछले साल भी तीनों ग्रेड के लिए यही रकम दी गई थी।

वहीं पिछले महीने बीसीसीआई ने 2022-23 के सीजन के लिए पुरुष खिलाड़ियों का भी सेंट्रल कॉन्ट्रैक्ट का ऐलान किया था। इस सूची में 26 खिलाड़ियों को शामिल किया गया था।

ग्रेड ए+ में इस बार चार खिलाड़ी हैं, जबकि हर बार तीन खिलाड़ियों को ही इस ग्रेड में जगह मिलती है। ग्रेड ए में पांच, बी में छह, सी में 11 खिलाड़ी शामिल किए गए थे।

साल 2015 में महिला क्रिकेटर्स को पहली बार कॉन्ट्रैक्ट मिला। तब ग्रेड ए में 15 लाख और बी में 10 लाख मिलते थे। तब पुरुष क्रिकेटर्स को ए ग्रेड में एक करोड़, बी में 50 लाख व सी में 30 लाख मिलते थे। 2018 में महिला वर्ग में ग्रेड सी शामिल हुआ।

महिला क्रिकेटर्स को ग्रेड ए में 50 लाख, बी में 30, सी में 10 लाख राशि मिलती है। वहीं पुरुषों को ए+ में 7 करोड़, ए में 5 करोड़, बी में 3 करोड़, सी में एक करोड़ मिलते हैं।

देश में लोकतंत्र खत्म हो गया : वीएच

राहुल की अयोग्यता के खिलाफ गांधी भवन में सत्याग्रह

हैदराबाद, 27 अप्रैल (स्वतंत्र वार्ता)। अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी के आह्वान पर राजीव गांधी पंचायती राज संगठन के कार्यकर्ताओं ने आज यहां गांधी भवन में सत्याग्रह किया और लोकसभा सचिवालय द्वारा कांग्रेस नेता राहुल गांधी की सदस्यता को अयोग्य घोषित करने के फैसले का विरोध किया। कार्यक्रम की अध्यक्षता संगठन के प्रदेश अध्यक्ष सिद्धेश्वर ने की। पूर्व सांसद मीनाक्षी नटराजन, टीपीसीसी के कार्यकारी अध्यक्ष महेश कुमार गौड़, एआईसीसी सचिव जी. चिन्ना रेड्डी, पूर्व सांसद वीएच, पूर्व मंत्री प्रसाद कुमार और पार्टी नेताओं कोदंडा रेड्डी, रोहिन रेड्डी और अन्य ने विरोध प्रदर्शन में भाग लिया। इस अवसर पर बोलते हुए, टीपीसीसी के कार्यकारी अध्यक्ष महेश कुमार गौड ने कहा कि जब राहुल गांधी ने अपनी अयोग्यता के बाद अपना आधिकारिक आवास खाली किया तो देश के लोग रो पड़े। उन्होंने कहा कि गांधी परिवार के सदस्यों ने देश की आजादी के लिए अपनी संपत्ति कुर्बान कर दी है। उन्होंने कहा कि पूरा देश गांधी परिवार के खिलाफ भाजपा का बदला देख रहा है।

संगठन के अध्यक्ष सिद्धेश्वर ने आरोप लगाया कि भाजपा हर संभव तरीके से राहुल गांधी को परेशान कर रही है। उन्होंने कहा कि भाजपा डर गई थी कि राहुल गांधी देश के लोगों से मिल रहे हैं और उन्होंने कहा कि इसने उनकी पार्टी के नेता को उनकी बढ़ती लोकप्रियता के डर से अयोग्य घोषित कर दिया है।

उन्होंने कहा कि संसद में आपराधिक पृष्ठभूमि वाले सदस्यों की संख्या अधिक है। उन्होंने आरोप लगाया कि केंद्र की भाजपा सरकार उन सभी लोगों को निशाना बना रही है जो उसके जनविरोधी कृत्यों पर सवाल उठा रहे हैं। पूर्व सांसद वीएच ने कहा कि नरेंद्र मोदी के प्रधानमंत्री बनने के बाद देश में लोकतंत्र खत्म हो गया है। उन्होंने आरोप लगाया कि नरेंद्र मोदी सत्ता में आने के बाद देश के लोगों के बैंक खातों में 15 लाख रुपये काला धन जमा करने के अपने वादे को पूरा करने में विफल रहे हैं। उन्होंने राहुल गांधी को आवास खाली करने के लिए मजबूर करने के केंद्र सरकार के फैसले को क्रूर करार दिया।

राज्य के बेरोजगार युवाओं के लिए लड़ने का दावा करने वाले भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष बंडी संजय कुमार पर निशाना साधते हुए उन्होंने संजय से पूछा कि देश के बेरोजगार युवाओं को दो करोड़ रोजगार देने के उनकी पार्टी के वादे का क्या हुआ। उन्होंने मुख्यमंत्री के. चंद्रशेखर राव से भी पूछा कि राज्य के हर घर को नौकरी देने के उनके वादे का क्या हुआ?

उन्होंने पार्टी के नेताओं और कार्यकर्ताओं से राहुल गांधी के समर्थन में लड़ने का आह्वान किया और कहा कि वे राज्य के हर गांव में लोकतांत्रिक तरीके से राहुल के साथ हुए अन्याय को उजागर करें। उन्होंने आरोप लगाया कि मोदी ने राहुल गांधी को दूर भेज दिया क्योंकि वह संसद में उनका सामना नहीं कर पा रहे हैं।

संगठन की अखिल भारतीय अध्यक्ष मीनाक्षी नटराजन ने कहा कि वे तब तक भाजपा को बेनकाब करते रहेंगे जब तक कि उसे देश से भगा नहीं दिया जाता।

वाहन बीमा के फर्जी दस्तावेज बनाने के आरोप में 17 गिरफ्तार

हैदराबाद, 27 अप्रैल (स्वतंत्र वार्ता)। जोगुलम्बा गडवालजिला पुलिस ने गुरुवार को एक नकली वाहन बीमा रैकेटका भंडाफोड़ किया और एक गिरोह के 17 लोगों को गिरफ्तार किया, जो कथित तौर पर नकली वाहन बीमा प्रमाणपत्र तैयार करने और बेचने में शामिल थे। पुलिस ने आरोपियों के पास से एक कार, दो बाइक, प्रिंटर, लैपटॉप, बीमा कंपनियों के लोगो वाले दस्तावेज और 16 मोबाइल भी बरामद किए हैं। पुलिस अधीक्षक के. सुरजना ने कहा कि आरोपी अपने कार्यालय में फर्जी वाहन बीमा पॉलिसी तैयार कर रहे थे और उन्हें वाहन मालिकों को बेच रहे थे। एसपी ने बताया कि आरोपी को गुरुवार को ही कोर्ट में पेश किया जाएगा। पुलिस ने एक गुप्त सूचना पर कार्रवाई करते हुए कार्यालय पर छापा मारा और आलमपुर में 17 लोगों को गिरफ्तार किया। पुलिस ने कहा कि भारतीय दंड संहिता (आईपीसी) की धारा 420, 468,472, 474 आर/डब्ल्यू 34 के तहत मामला दर्ज किया गया है।

तिरुपति स्टेशन का उन्नयन जारी

हैदराबाद, 27 अप्रैल (स्वतंत्र वार्ता)। तिरुपति स्टेशन के उन्नयन का काम पूरी गति से जारी है। बेसमेंट फ्लोर रूफ स्लैब की ढलाई का काम पूरा हो गया है। प्लेटफॉर्म 4, 5 और 6 में एयर कॉनकोर्स फाउंडेशन की 90 फीसदी ढलाई पूरी हो चुकी है, जबकि प्लेटफॉर्म 1 में काम चल रहा है।

रेल मंत्रालय द्वारा परिकल्पित "रेलवे स्टेशनों के प्रमुख उन्नयन" की प्रतिष्ठित परियोजना को एससीआर जोन द्वारा प्राथमिकता के आधार पर लिया गया है और कार्य तेज गति से किए जा रहे हैं। इस दिशा में मई 2022 में शुरू हुए तिरुपति रेलवे स्टेशन के उन्नयन के कार्य जोर-शोर से किए जा रहे हैं। फरवरी 2025 तक पूरा करने का लक्ष्य निर्धारित परियोजना को समय पर पूरा करने के लिए सभी स्तरों पर कार्य की निगरानी की जा रही है। मौजूदा स्टेशन भवन के दक्षिण की ओर एक नया स्टेशन भवन बन रहा है। अब तक पूरे किए गए कार्यों में भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण का पूरा होना, कैंप कार्यालय की स्थापना, कंक्रीट लैब और भंडारण शेड, नए बनने वाले स्टेशन भवन के लिए नींव की कंक्रीटिंग। बेसमेंट फ्लोर की 100 फीसदी ढलाई का काम पूरा हो गया है, जबकि बाकी काम तेजी से किए जा रहे हैं। अब तक, लगभग 11,905 क्यूबिक मीटर कंक्रीट का इस्तेमाल नींव, बेसमेंट फ्लोर के कॉलम और एयर कॉन्कोर्स में किया गया है। अन्य कार्य भूतल से दूसरी मंजिल तक स्तंभों को ऊपर उठाने का कार्य प्रगति पर है।

प्लेटफॉर्म 4, 5 और 6 में एयर कॉनकोर्स फाउंडेशन की 90 प्रतिशत ढलाई पूरी हो चुकी है जबकि प्लेटफॉर्म 1 में इसके लिए तेजी से काम चल रहा है। प्रतिदिन 24 लाख लीटर सीवरेज ट्रीटमेंट प्लांट के निर्माण के लिए खुदाई का काम पूरा हो गया है और 30 प्रतिशत इसके लिए नींव की कंक्रीटिंग का काम पूरा हो गया है। अब तक, 2,300 मीट्रिक टन रीइन्फोर्समेंट स्टील का उपयोग नींव, रिटेनिंग वॉल, बेसमेंट रूफ स्लैब, अंडरग्राउंड टैंक और एयर कॉन्कोर्स में किया गया है। अरुण कुमार जैन, महाप्रबंधक, दमरे ने किए जा रहे कार्यों की गति पर संतोष व्यक्त किया और उन्होंने कर्मचारियों को कार्यों के निष्पादन के दौरान अधिक सतर्क और अधिक सावधान रहने के निर्देश भी दिए। उन्होंने कहा कि तिरुपति विश्व प्रसिद्ध तीर्थस्थल होने के कारण उन्नयन कार्यों की नियमित रूप से निगरानी की जा रही है ताकि कार्य बाधित न हो और यह लक्षित समय के भीतर पूरा हो जाए।

हाईकोर्ट ने विवेक हत्याकांड के मुख्य आरोपी की जमानत रद्द की

हैदराबाद, 27 अप्रैल (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना उच्च न्यायालय ने गुरुवार को आंध्र प्रदेश के पूर्व मंत्री वाई.एस. विवेकानंद रेड्डी की हत्या के मुख्य आरोपी को 5 मई तक केंद्रीय जांच ब्यूरो (सीबीआई) अदालत के समक्ष आत्मसमर्पण करने का निर्देश दिया। अदालत ने यह भी स्पष्ट किया कि यदि आरोपी आत्मसमर्पण करने में विफल रहता है, तो सीबीआई उसे गिरफ्तार कर सकती है। सुप्रीम कोर्ट ने हाल ही में सनसनीखेज मामले की जांच पूरी करने की समय सीमा 30 जून तक बढ़ा दी थी। सीबीआई ने इस आधार पर जमानत रद्द करने की मांग की थी कि गंगी रेड्डी मुख्य आरोपी हैं और मामले में प्रमुख गवाहों को प्रभावित कर रहे हैं। जांच एजेंसी के वकील ने तर्क दिया था कि गंगी रेड्डी को राजनीतिक समर्थन प्राप्त है और वह अपने कनेक्शन के जरिए गवाहों पर दबाव बनाने की कोशिश कर रहा है। आंध्र प्रदेश पुलिस की विशेष जांच टीम (एसआईटी), जो तब हत्या के मामले की जांच कर रही थी, ने 28 मार्च, 2019 को गंगी रेड्डी को गिरफ्तार किया। गंगी रेड्डी को पुलिवेंदुला की एक स्थानीय अदालत ने 27 जून, 2019 को डिफ़ॉल्ट जमानत दे दी थी। एसआईटी तय अवधि में चार्जशीट फाइल करने में नाकाम रही थी। सीबीआई ने जांच अपने हाथ में लेने और चार्जशीट दाखिल करने के बाद उसकी जमानत रद्द करने के लिए अदालत का दरवाजा खटखटाया था। कोर्ट ने सीबीआई की याचिका खारिज करने के बाद में आंध्र प्रदेश हाई कोर्ट ने भी निचली अदालत के फैसले को बरकरार रखा था। इसके बाद सीबीआई ने हाईकोर्ट के आदेश को चुनौती देते हुए सुप्रीम कोर्ट का दरवाजा खटखटाया था। सुप्रीम कोर्ट ने पिछले साल नवंबर में हत्या के मामले की सुनवाई आंध्र प्रदेश से हैदराबाद की सीबीआई अदालत में स्थानांतरित कर दी थी। इसके परिणामस्वरूप, शीर्ष अदालत ने सीबीआई को गंगी रेड्डी की जमानत रद्द करने के लिए तेलंगाना उच्च न्यायालय का दरवाजा खटखटाने को कहा। विवेकानंद रेड्डी, पूर्व मुख्यमंत्री वाई.एस. राजशेखर रेड्डी की चुनाव से कुछ हफ्ते पहले 15 मार्च, 2019 को कडप्पा जिले के पुलिवेंदुला स्थित उनके आवास पर हत्या कर दी गई थी। 68 वर्षीय रेड्डी अपने घर पर अकेले थे जब अज्ञात व्यक्तियों ने उन्हें मार डाला और मार डाला।

सीबीआई ने विवेकानंद रेड्डी की बेटी सुनीता रेड्डी की एक याचिका पर सुनवाई करते हुए आंध्र प्रदेश उच्च न्यायालय के निर्देश पर 2020 में मामले की जांच अपने हाथ में ली, जिसने कुछ रिश्तेदारों पर संदेह जताया था। सुप्रीम कोर्ट ने आंध्र प्रदेश में निष्पक्ष सुनवाई और जांच के बारे में सुनीता रेड्डी द्वारा उठाए गए संदेह को देखते हुए मामले को हैदराबाद स्थानांतरित कर दिया।

11 वर्षीय छात्रा ने लड़कियों के लिए पुस्तकालय खोला

हैदराबाद, 27 अप्रैल (स्वतंत्र वार्ता)। हैदराबाद की एक युवा आकर्षणना सतीश ने काचीगुडा के निंबोलीअड्डा में सरकार द्वारा संचालित स्पेशल-कम-चाइल्ड होम और लड़कियों के ऑब्जर्वेशन होम के बच्चों के लिए फंड जुटाकर एक लाइब्रेरी स्थापित की है। हैदराबाद पब्लिक स्कूल की 11 वर्षीय छात्रा ने सरकारी बाल गृह की युवा लड़कियों को पढ़ने की आदत विकसित करने और ज्ञान प्राप्त करने के लिए प्रोत्साहित करने के उद्देश्य से किताबें दान की हैं। बुधवार को अतिरिक्त डीजीपी (महिला सुरक्षा, एसएचई टीम और भरोसा) शिखा गोयल द्वारा निंबोलीअड्डा के पुस्तकालय का उद्घाटन किया गया, जिसमें 600 से अधिक सबसे अधिक पढ़ी जाने वाली किताबें हैं और उम्मीद है कि इससे युवा लड़कियों को लाभ होगा। आकर्षण ने सरकार द्वारा संचालित सुविधा केंद्र में पुस्तकालय स्थापित करने के लिए तेलंगाना के महिला एवं बाल विभाग के आयुक्त से अनुमति ली। इस अवसर पर, विशेष सचिव और आयुक्त, किशोर कल्याण और सुधार सेवाएं, भारती होलिकेरी ने एक पत्र में उनके प्रयासों की सराहना की और इस पहल के लिए युवा को धन्यवाद दिया। पुस्तकालय स्थापित करने के अलावा, आकर्षण ने अपने दादा-दादी से एक सैनिटरी नैपकिन वेंडिंग मशीन प्रदान करने के लिए भी धन प्राप्त किया है जो घर पर लड़कियों के लिए उपयोगी होगा।

उनके प्रयासों की व्यापक रूप से सराहना की गई है, और कई लोगों ने उनके समर्पण और दूसरों के जीवन पर सकारात्मक प्रभाव डालने की प्रतिबद्धता के लिए उनकी प्रशंसा की है। यह पहली बार नहीं है जब आकर्षण ने पुस्तकालय स्थापित करने की पहल की है। इससे पहले, उन्होंने सनथनगर पुलिस स्टेशन और एमएनजे कैंसर चिल्ड्रेन हॉस्पिटल में इन-हाउस लाइब्रेरी की स्थापना की।

सीआरपीएफ कांस्टेबल ने की आत्महत्या

हैदराबाद, 27 अप्रैल (स्वतंत्र वार्ता)। गुरुवार को केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल (सीआरपीएफ) के एक कांस्टेबल ने आत्महत्या कर ली। बेगमपेट के चिकोटी गार्डन में सीआरपीएफ के महानिरीक्षक महेश चंद्र के आवास पर गार्ड ड्यूटी पर तैनात देवेंद्र कुमार ने अपनी सर्विस राइफल से खुद को गोली मार ली। मूल रूप से छत्तीसगढ़ की रहने वाले पीड़िता के बारे में संदेह है कि उसने व्यक्तिगत कारणों से यह अतिवादी कदम उठाया। कांस्टेबल के अवसाद में होने की सूचना मिली थी। पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए गांधी अस्पताल भेज दिया है। एक पुलिस अधिकारी ने कहा कि उन्होंने मामला दर्ज कर लिया है और आगे की जांच शुरू कर दी है।

आवारा कुत्तों ने 10 भेड़ों को मार डाला

यदाद्री-भोंगिर, 27 अप्रैल (स्वतंत्र वार्ता)। जिले के भूदान पोचमपल्ली के पिलैपल्ली में आवारा कुत्तों के एक झुंड ने हमला कर 10 भेड़ों को मार डाला। भेड़ के मालिक बंदेला वेंकटेशम के मुताबिक, आवारा कुत्ते उनके खेत में भेड़शाला में घुस गए और 10 भेड़ों को मार डाला। गुरुवार सुबह उसे भेड़ों के शव मिले। वेंकटेशम ने कहा कि आवारा कुत्तों के हमले से उन्हें करीब एक लाख रुपये का नुकसान हुआ है।

सड़क दुर्घटना में महिला की मौत, दो घायल

सिद्दीपेट, 27 अप्रैल (स्वतंत्र वार्ता)। गुरुवार को मुलुगु में राजीव रहाधारी पर दोपहिया वाहन से फिसलने के बाद एक डीसीएम वाहन एक महिला के ऊपर चढ़ गया। कोहेड़ा मंडल के बसवापुर गांव की 38 वर्षीय बुरुगुला सुजाता।

सुजाता अपने पति बालू गौड़ और उनकी बेटी राम्या के साथ, हैदराबाद के उप्पलके निवासी थे। परिवार एक स्कूटर पर एक समारोह में भाग लेने के लिए अपने मूल स्थान पर आया था जब वह दोपहिया वाहन से फिसल गई, जिसके बाद एक डीसीएम वैन ने उसे कुचल दिया, जिससे उसकी मौके पर ही मौत हो गई। हादसे में बालू और राम्या भी घायल हो गए। मुलुगुपुलिस ने मामला दर्ज किया।

पुलिस के सामने माओवादी दंपत्ति ने किया सरेंडर

वारंगल, 27 अप्रैल (स्वतंत्र वार्ता)। प्रतिबंधित भाकपा (माओवादी) के दो सदस्यों कसारनेनी रवि कुमार उर्फ अजीत (30) और उनकी पत्नी मादिवी सोमिदी उर्फ कल्पना (25) ने वारंगल पुलिस आयुक्त एवी रंगनाथ के सामने आत्मसमर्पण कर दिया। रवि कुमार एक मंडल समिति सदस्य और मनुगुरु स्थानीय संगठन दस्ते के कमांडर थे। वह तत्कालीन गुंटूर जिले का रहने वाला था और उसके सिर पर 5 लाख रुपये का इनाम था जबकि सोमिदी के सिर पर 4 लाख रुपये का इनाम था। भद्राद्री कोठागुडेम के बथिनीपल्ली गांव के मूल निवासी सोमिदी तेलंगाना राज्य समिति के बीके-एएसआर डीवीसी के मनुगुरु एलओएस डिप्टी कमांडर थे।

रंगनाथ ने कहा कि रवि कुमार इंटर प्रथम वर्ष में अपनी पढ़ाई छोड़ने के बाद आईएफटीयू में शामिल हो गए थे और बाद में कर्मिका संगम, कोत्तागुडेम टाउन के अध्यक्ष के रूप में चुने गए। बाद में, वह पीडीएसयू में शामिल हो गए, और 2013 में येलंदु मंडल पीडीएसयू अध्यक्ष के रूप में काम किया। पीडीएसयू में काम करते हुए, वह पीडीएसयू के पोस्टर चिपकाता और गिराता था और पांच आपराधिक मामलों में शामिल था। तब से, उन्होंने प्रतिबंधित पार्टी के लिए कई पदों पर काम किया। उन्होंने 2019 में सोमिदी से शादी की थी। सीपी ने कहा कि वह पुलिस के साथ कई मुठभेड़ों और छत्तीसगढ़ राज्य और तेलंगाना राज्य में पुलिस पर हमलों में शामिल था। उन्होंने कहा कि सोमिदी 2017 में माओवादी पार्टी में शामिल हो गए थे। सीपी ने कहा कि चूंकि वे माओवादी विचारधारा से परेशान थे और पीड़ित भी थे स्वास्थ्य संबंधी मुद्दों से, उन्होंने पुलिस के सामने आत्मसमर्पण करके मुख्यधारा में शामिल होने का फैसला किया।

साइबर फ्रॉड में 12 लाख रुपये गंवाने वाले इंजीनियर ने दी जान

संगारेड्डी, 27 अप्रैल (स्वतंत्र वार्ता)। हाल ही में साइबर जालसाजों को 12 लाख रुपये गंवाने वाला एक सॉफ्टवेयर इंजीनियर बुधवार को संगारेड्डी जिले में लटका पाया गया। पुलिस के अनुसार, संगारेड्डी में बोम्मारेड्डी गुडेम के मूल निवासी जादवथ अरविंद (30) ने टेलीग्राम ऐप पर मिले एक लिंक तक पहुंच बनाई और शुरुआत में 200 रुपये का निवेश किया। जब वह किसी कार्य को सफलतापूर्वक पूरा कर लेता था, तो बदले में उसे 250 रुपये मिलते थे। इसके बाद उन्होंने और निवेश किया, लेकिन 12 लाख रुपये हार गए, जो उनके माता-पिता ने अपनी बहन की शादी के लिए बचाए थे, जो 5 मई को होनी थी।

हालांकि अरविंद ने जालसाजों से अपने पैसे वापस करने की गुहार लगाई, लेकिन उसके टेलीग्राम ऐप पर मिले एक चैट के अनुसार, उन्होंने इनकार कर दिया। तकनीकी विशेषज्ञ, जिसकी शादी अभी तीन महीने पहले हुई थी, बुधवार दोपहर को अपने संगारेड्डी स्थित आवास पर लटका हुआ पाया गया। संगारेड्डी पुलिस ने मामला दर्ज कर लिया है और जांच कर रही है।

स्वतंत्र वार्ता
Email :
svaarttha2006@gmail.com
svaarttha@rediffmail.com
svaarttha2006@yahoo.com
Epaper :
epaper.swatantravaartha.com
For Advertisement :
swadds1@gmail.com

Printed and published by Dr. Gireesh Sanghi on behalf of AGA Publications Ltd., at 396, Lower Tankbund, Hyderabad-500080 Editor: *Dhirendra Pratap Singh *responsible for selection of news under the PRB Act. Postal Licence H/SD/380/21-22, Phone:27644999. Fax:27642512, RNI No.69340/98, Regd.:No.AP/HIN/00196/01/1/97/TC.